रजिस्ट्री सं० डी० एल० (एन) 04/0007/2003—05 REGD. NO. D. L. (N) 04/0007/2003—05

# भारत का राजपत्र
# The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक
WEEKLY

सं. 18] नई दिल्ली, अप्रैल 26—मई 2, 2009, शनिवार/वैशाख 6—वैशाख 12, 1931
No. 18] NEW DELHI, APRIL 26—MAY 2, 2009, SATURDAY/VAISAKHA 6—VAISAKHA 12, 1931

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृथक संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों ( रक्षा मंत्रालय को छोड़कर ) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

## कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

( कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग )

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1118.**—इस विभाग की 26 सितम्बर, 2008 की अधिसूचना सं. 228/65/2008-एवीडी-II के अंग्रेजी रूपान्तर में आंशिक संशोधन करते हुए इस की छठी पंक्ति में शब्दों को "सी.आर. सं. 189/2006" की बजाय "सी.आर. सं. 159/2006" के रूप में पढ़ा जाए ।

[सं. 228/65/2008-एवीडी-II]

चन्द्र प्रकाश, अवर सचिव

## MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 20th April, 2009

**S.O. 1118.**—In partial modification of English version of this Department notification No. 228/65/2008-AVD-II dated 26th September, 2008, the words in the 6th line may be read as "C.R. No. 159/2006" instead of "C.R. No. 189/2006"

[No. 228/65/2008-AVD-II]

CHANDRA PRAKASH, Under Secy.

## वित्त मंत्रालय

### ( वित्तीय सेवाएं विभाग )

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1119.**—सरकारी स्थान (अनाधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवाएं विभाग के दिनांक 4-09-2006 के कानूनी आदेश संख्या 65(2)/2006-बीओ-II का अतिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा निम्नलिखित सारणी के कालम (2) में उल्लिखित अधिकारियों को (उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है और आगे यह निदेश देती है कि उक्त अधिकारी उक्त अधिनियम द्वारा या तहत सम्पदा प्रदत्त शक्तियों अथवा कर्तव्यों का प्रयोग करेंगे तथा उक्त अधिनियम के अधीन उक्त सारणी के कालम (3) में उल्लिखित सरकारी स्थानों के संबंध में सम्पदा अधिकारी को सौंपे गए कार्य पूरा करेंगे) ।

**सारणी**

| क्रम सं. | अधिकारी, प्रशासनिक प्रमुख, जो भी पदनाम हो, का पदनाम | सरकारी स्थानों की श्रेणियां और क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाएं |
|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) |
| 1. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, हैदराबाद, वर्तमान पता, पंजाब नेशनल बैंक, 6-1-73, लकड़ी का पुल, सैफाबाद, हैदराबाद-500004 | आन्ध्र प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय हैदराबाद के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 20 जिले शामिल हैं :-<br>ईस्ट गोदावरी जिला, गुंटूर, चित्तूर, हैदराबाद, कडप्पा, करीमनगर, कृष्णा, कुरनूल, महबूबनगर, मेडक, नालगोंडा, नेल्लोर, निजामाबाद, प्रकाशम, रंगारेड्डी, श्रीकाकुलम, विशाखापट्टनम, विजयानगरम, वारांगल, वैस्ट गोदावरी जिला |
| 2. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, मुजफ्फरपुर, वर्तमान पता, पंजाब नेशनल बैंक, मुजफ्फरपुर पंकज पाकेट, सरायगंज, मुजफ्फरपुर-842001 | बिहार राज्य में अंचल कार्यालय मुजफ्फरपुर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 8 जिले शामिल हैं :-<br>मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, सिवान, गोपालगंज, ईस्ट चंपारन, वैस्ट चंपारन, सारन, वैशाली |
| 3. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, दरभंगा, वर्तमान पता, पंजाब नेशनल बैंक, दरभंगा, कमर्शियल हाऊस, लहेरिया सराय, दरभंगा-846001 | बिहार राज्य में अंचल कार्यालय दरभंगा के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 12 जिले शामिल हैं :-<br>दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, बेगुसराय, सहरसा, सुपौल, अररिया, पुर्णिया, कटिहार, किशनगंज, मुंगेर, भागलपुर |
| 4. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, पंजाब नेशनल बैंक, पटना, पटना 'ए', आर ब्लाक, चाणक्य प्लेस पटना-842001 | बिहार राज्य में अंचल कार्यालय पटना के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 1 जिला शामिल हैं :-<br>पटना |
| 5. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, पंजाब नेशनल बैंक, आरा, जी.सी. हाऊस, महाराजा कंपाउंड, आरा | बिहार राज्य में अंचल कार्यालय बिहार शरीफ के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 4 जिले शामिल हैं :-<br>भाभुआ, भोजपुर, बक्सर, रोहतास |
| 6. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, बिहार शरीफ, पंजाब नेशनल बैंक, रामचन्द्रपुर, बिहार शरीफ-803101 | बिहार राज्य में अंचल कार्यालय बिहार शरीफ के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 5 जिले शामिल हैं :-<br>लखीसराय, नालन्दा, नवादा, जमुई, शेखपुरा |

| (1) | (2) | (3) |
|---|---|---|
| 7. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, गया, पंजाब नेशनल बैंक, गया 'ए' 400 ए पी कालोनी, गया-823001 | बिहार राज्य में अंचल कार्यालय गया के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 4 जिले शामिल हैं :– गया, औरंगाबाद, जहानाबाद, अरवल |
| 8. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, रायपुर, पंजाब नेशनल बैंक, मदीना, मंजिल, मेडिकल कालेज रोड, रायपुर, छत्तीसगढ़ | छत्तीसगढ़ राज्य में अंचल कार्यालय रायपुर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 11 जिले शामिल हैं :– बस्तर, बिलासपुर, धमतरी, दुर्ग, जंजगीर-चम्पा, कोरबा, कोरिया, महसमुंद, रायगढ़, रायपुर, राजनंदगांव |
| 9. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, दिल्ली पंजाब नेशनल बैंक दिल्ली, राजेन्द्र भवन, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली | दिल्ली राज्य में अंचल कार्यालय दिल्ली के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 1 जिला शामिल हैं :– दिल्ली |
| 10. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, अहमदाबाद, पंजाब नेशनल बैंक, अहमदाबाद, एमजे लाइब्रेरी के सामने, इलाइस पुल, आश्रम रोड, अहमदाबाद-380006 | गुजरात राज्य में अंचल कार्यालय अहमदाबाद के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 20 जिले शामिल हैं :– अहमदाबाद, बिलासपुर, अमरेली, आणंद, भरुच, भावनगरी, गांधीनगर, जामनगर, जूनागढ़, खेड़ा, कच्छ, मेहसाणा, नवसारी, पाटन, पोरबंदर, राजकोट, साबरकंठा, सूरत, सुरेन्द्रनगर, वड़ोदरा, वलसाड |
| 11. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, चंडीगढ़, पंजाब नेशनल बैंक, चंडीगढ़, पीएनबी हाउस, सेक्टर-17बी, चंडीगढ़-160017 | हरियाणा राज्य में अंचल कार्यालय चंडीगढ़ के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 4 जिले शामिल हैं :– चंडीगढ़, पंचकूला, अम्बाला, यमुनानगर |
| 12. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, हिसार, पंजाब नेशनल बैंक, हिसार, आईआईटी के सामने, डाबर चौक, हिसार-125005 | हरियाणा राज्य में अंचल कार्यालय हिसार के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 5 जिले शामिल हैं :– हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, जीन्द, भिवानी |
| 13. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, करनाल, पंजाब नेशनल बैंक, करनाल, मीरा घाटी सद्भावना चौक, जी.टी. रोड, करनाल-132001 | हरियाणा राज्य में अंचल कार्यालय करनाल के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 5 जिले शामिल हैं :– करनाल, कुरुक्षेत्र, कैथल, पानीपत, सोनीपत |
| 14. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, रोहतक, पंजाब नेशनल बैंक, रोहतक, गीता कालोनी, सर्कुलर रोड, रोहतक-124001 | हरियाणा राज्य में अंचल कार्यालय रोहतक के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 6 जिले शामिल हैं :– रोहतक, झज्जर, रिवाड़ी, महेन्द्रगढ़, गुड़गांव, फरीदाबाद |
| 15. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, शिमला, पंजाब नेशनल बैंक, शिमला, रिजेन्ट हाउस, दि माल, शिमला-196001 | हिमाचल प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय शिमला के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 4 जिले शामिल हैं :– किन्नौर, शिमला, सिरमौर, सोलन |

| (1) | (2) | (3) |
|---|---|---|
| 16. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, धर्मशाला, पंजाब नेशनल बैंक, धर्मशाला, कचहरी रोड, जीपीओ के नजदीक, धर्मशाला-176215 | हिमाचल प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय धर्मशाला के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 2 जिले शामिल हैं :- कांगड़ा, चम्बा |
| 17. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, हमीरपुर, पंजाब नेशनल बैंक, हमीरपुर, न्यू रोड, हमीरपुर-177001 | हिमाचल प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय हमीरपुर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 2 जिले शामिल हैं :- हमीरपुर, ऊना |
| 18. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, मंडी, पंजाब नेशनल बैंक, मंडी, जल रोड, बाटला चौक, मंडी-175001 | हिमाचल प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय मंडी के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 4 जिले शामिल हैं :- मण्डी, कुल्लू, बिलासपुर, लाहौल स्पीति |
| 19. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, जम्मू, पंजाब नेशनल बैंक हाई लैंड टावर, रेल हैड काम्पलेक्स, जम्मू-180012 | जम्मू एवं कश्मीर राज्य में अंचल कार्यालय जम्मू के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 17 जिले शामिल हैं :- जम्मू, कठुआ, सांबा, पुंछ, राजौरी, डोडा, रियासी, रामबाण, उधमपुर, श्रीनगर, अनंतनाग कुलगाम, पुलवामा, बेदगाम, बारामूला, कूपवाड़ा, लेह |
| 20. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, रांची, पंजाब नेशनल बैंक, बेगराय मार्केट, मेन रोड, रांची-834001 | झारखंड राज्य में अंचल कार्यालय रांची के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नैशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 16 जिले शामिल हैं :- रांची, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला, बोकारो, धनबाद, पलामू, लातेहार, गढ़वा, गिरिडीह, हजारीबाग, छतरा, लोहारदग्गा, गोड्डा, देवघर, दुमका |
| 21. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, बंगलौर, पंजाब नेशनल बैंक, 26-27, एमजी रोड, रहेजा टावर्स, बंगलौर-560001 | कर्नाटक राज्य में अंचल कार्यालय बंगलौर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 18 जिले शामिल हैं :- बंगलौर रुरल, बंगलौर अर्बन, बेलगाम, बिदार, बीजापुर, दक्षिण कन्नड़, धारवाड़, देवनगेरे, गडग, गुलबर्ग, हासन, कोलार, मांड्या, मैसूर, नार्थ कन्नड़, शिमोगा, टुंकुर, उडूपी |
| 22. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, कोझीकोड, पंजाब नेशनल बैंक, शताब्दी भवन, मिनी बाईपास रोड, पीओ.एए गोविंदपुरम, कोझीकोड-673016 | केरल राज्य में अंचल कार्यालय कोझीकोड के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 14 जिले शामिल हैं :- अलीपी, एर्णाकुलम, इदुक्की, कण्णूर, कोल्लम, कोट्टायम, कासरगोडा, कोझीकोड, मालापुरम, पलक्कड़, पथनमथिट्टा, त्रिसूर, त्रिवेन्द्रम, वायनाड |
| 23. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, भोपाल, पंजाब नेशनल बैंक, भोपाल, शिखर वार्ता भवन, प्रैस काम्पलेक्स, होशंबागाद रोड, भोपाल-462001 | मध्य प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय भोपाल के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 10 जिले शामिल हैं :- बेतुल, भोपाल, होशंगाबाद, दतिया, हरदा, सिहोर, विदिशा, ग्वालियर, मुरैना, शिवपुर |
| 24. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, इन्दौर, पंजाब नेशनल बैंक, इन्दौर, 20, स्नेह नगर, इन्दौर-520001 | मध्य प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय इन्दौर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गये परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 16 जिले शामिल हैं :- इन्दौर, बधवानी, खारगोन, मंदसौर, नीमच, राजगढ़, गुना, अशोक नगर, खंडवा, बुरहानपुर, रतलाम, शाजापुर, शिवपुरी, उज्जैन, देवास, धार |

| (1) | (2) | (3) |
|---|---|---|
| 25. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, जबलपुर, पंजाब नेशनल बैंक, जबलपुर, 1227, नापेर टाऊन, जबलपुर-482002 | मध्य प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय जबलपुर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 14 जिले शामिल हैं :– बालाघाट, छतरपुर, छिंदवाड़ा, डिंडोरी, दमोह, जबलपुर, कटनी, मांडला, नरसिंहपुर, रिवाड़ी, शिवनी, सागर, सतना, सिधी |
| 26. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, मुम्बई, पंजाब नेशनल बैंक, मुम्बई, कफ परेड, 7वीं मंजिल, मेकर टावर एफ, मुम्बई-400005 | महाराष्ट्र राज्य में अंचल कार्यालय मुम्बई के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 6 जिले शामिल हैं :– मुम्बई, मुम्बई सबअर्बन, थाणे, रायगढ़, गोवा (साउथ), गोवा (नार्थ) |
| 27. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, नागपुर, पंजाब नेशनल बैंक, नागपुर, पीएनबी हाउस, किंग्सवे, नागपुर-440001 | महाराष्ट्र राज्य में अंचल कार्यालय नागपुर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 10 जिले शामिल हैं :– अकोला, अमरावती, बुलढ़ाणा, चन्द्रपुर, गोंदिया, जलगांव, नागपुर, नांदेड़, वर्धा, यवतमाल |
| 28. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, पुणे, पंजाब नेशनल बैंक, अरोड़ा टावर्स, मेजनीन फ्लोर, मेलादीना रोड, पुणे कैंप, पुणे-411001 | महाराष्ट्र राज्य में अंचल कार्यालय पुणे के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 9 जिले शामिल हैं :– पुणे, अहमदनगर, औरंगाबाद, धुलिया, कोल्हापुर, नासिक, सांगली, सोलापुर, रत्नागिरी |
| 29. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, गुवाहाटी, पंजाब नेशनल बैंक, नीलगिरी मेनशन, भंगाधार जी एस रोड, गुवाहाटी | असम, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, नागालैंड, मिजोरम राज्यों में अंचल कार्यालय गुवाहाटी के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 19 जिले शामिल हैं :– बारपेटा, बोंगईगांव, काचर, डिबरूगढ़, गोलाघाट, जोरहाट, कामरूप, करीमगंज, नालबाड़ी, बक्सा, नागांव, तिनसुकिया, सोनीतपुर, ईस्ट खासी हिल्स, रि-भोई, मणिपुर वैस्ट, वैस्ट त्रिपुरा, दीमापुर, ऐजवाल |
| 30. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर, पंजाब नेशनल बैंक, चौथी मंजिल, दीनदयाल भवन, अशोक नगर जनपथ, भुवनेश्वर, उड़ीसा-751009 | उड़ीसा राज्य में अंचल कार्यालय भुवनेश्वर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 23 जिले शामिल हैं :– अनुगुल, बालासोर, बारगढ़, भदरक, कटक, धेनकनाल, गजपति, गंजम, जाजपुर, झारसुगुडा, जगत सिंहपुर, केन्द्रपाड़ा, क्योंझर, खुर्दा, मयूरभंज, नयागढ़, पुरी, संबलपुर, सुन्द्रगर कालाहांडी, रायगढ़, कंधमाल, बोलनगीर |
| 31. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, अमृतसर, पंजाब नेशनल बैंक, अमृतसर, मैकील यार्ड रोड, सैंट फ्रांसिस स्कूल के सामने, अमृतसर-143001 | पंजाब राज्य में अंचल कार्यालय अमृतसर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 3 जिले शामिल हैं :– अमृतसर, गुरदासपुर, तरनतारन |
| 32. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, होशियारपुर, पंजाब नेशनल बैंक, होशियारपुर, जालंधर रोड, होशियारपुर-146001 | पंजाब राज्य में अंचल कार्यालय होशियारपुर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 2 जिले शामिल हैं :– होशियारपुर, नवांशहर |

| (1) | (2) | (3) |
|---|---|---|
| 33. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, जालंधर, पंजाब नेशनल बैंक, जालंधर, सिविल लाइन्स जालंधर-144004 | पंजाब राज्य में अंचल कार्यालय जालंधर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 2 जिले शामिल हैं :– जालंधर, कपूरथला |
| 34. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, भटिण्डा, पंजाब नेशनल बैंक, भटिण्डा, कीकर बाजार, भटिण्डा-151001 | पंजाब राज्य में अंचल कार्यालय भटिण्डा के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 7 जिले शामिल हैं :– भटिण्डा, मनसा, संगरूर, बरनाला, फिरोजपुर, फरीदकोट, मुक्तसर |
| 35. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, लुधियाना, पंजाब नेशनल बैंक, फिरोज गांधी मार्केट, पखोवाल रोड, लुधियाना-141001 | पंजाब राज्य में अंचल कार्यालय लुधियाना के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 6 जिले शामिल हैं :– लुधियाना, मोगा, मोहाली (सास नगर), पटियाला, फतेहगढ़ साहिब, रोपड़ (रूप नगर) |
| 36. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, जयपुर, पंजाब नेशनल बैंक, जयपुर, पीएनबी हाऊस, 2, नेहरू प्लेस, टोंक रोड, जयपुर-302015 | राजस्थान राज्य में अंचल कार्यालय जयपुर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 8 जिले शामिल हैं :– जयपुर, दौसा, टोंक, कोटा, बुंदी, बारन, झालावाड़, सीकर |
| 37. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, भरतपुर, पंजाब नेशनल बैंक, भरतपुर, पीएनबी हाऊस, सुपर बाजार, भरतपुर-302001 | राजस्थान राज्य में अंचल कार्यालय भरतपुर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 5 जिले शामिल हैं :– भरतपुर, अलवर, धौलपुर, सवाई माधोपुर, करौली |
| 38. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, जोधपुर, पंजाब नेशनल बैंक, 802, पहली मंजिल, चोपासिनी रोड, जोधपुर-342003 | राजस्थान राज्य में अंचल कार्यालय जोधपुर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 15 जिले शामिल हैं :– अजमेर, बनासवाड़ा, बारमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, जैसलमेर, जालोर, जोधपुर, नागौर, पाली, प्रतापगढ़, सिरोही, उदयपुर |
| 39. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, श्रीगंगानगर, पंजाब नेशनल बैंक, पीएनबी हाऊस, मीरा मार्ग, जवाहर नगर, श्रीगंगानगर-335001 | राजस्थान राज्य में अंचल कार्यालय श्रीगंगानगर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 5 जिले शामिल हैं :– बीकानेर, चूरु, झुंझूनू, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर |
| 40. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, चेन्नै, पंजाब नेशनल बैंक, चेन्नै, आई.जैड.ओ. रायल टावर्स, तीसरी मंजिल, न्यू नं. 158, सलाई, चेन्नै-600002 | तमिलनाडु राज्य में अंचल कार्यालय चेन्नै के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 6 जिले शामिल हैं :– चेन्नै, कांचीपुरम, पांडिचेरी, तिरुवेल्लूर, वेल्लोर, विल्लुपुरम |
| 41. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, त्रिची, पंजाब नेशनल बैंक, पीएनबी हाऊस, भेल कैलाशपुरम, तंजोर रोड, त्रिची-620014 | तमिलनाडु राज्य में अंचल कार्यालय त्रिची के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 22 जिले शामिल हैं :– अरियालपुर, कोयम्बतूर, कुड्डालोर, डिंडीगुल, इरोड, कन्याकुमारी, करुर, मदुरै, नागापट्टनम, नमक्कल, नीलगिरी, पुद्दुकोट्टाई, रामनाथपुरम, सेलम, शिवगंगा, तंजावुर, थेनी, तिरुनेलवेल्ली, तिरुवरुर, त्रिची, तूतीकोरन, विरूद्धनगर । |

| (1) | (2) | (3) |
|---|---|---|
| 42. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, आगरा, पंजाब नेशनल बैंक, आगरा, 1-2, रघुनाथ नगर, एम. जी. रोड, आगरा-282002 | उत्तर प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय, आगरा के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 8 जिले शामिल हैं :- आगरा, एटा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, मथुरा, इटावा, औरैया, हाथरस । |
| 43. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, बरेली, पंजाब नेशनल बैंक, बरेली, 156, सिविल लाइन्स, स्टेशन रोड, बरेली-243001 | उत्तर प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय, बरेली के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 6 जिले शामिल हैं :- बरेली, बदायूं, लखीमपुर, पीलीभीत, शाहजहांपुर, रामपुर । |
| 44. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, बुलंदशहर, पंजाब नेशनल बैंक, पीएनबी हाऊस, यमुनापुरम, बुलंदशहर-203001 | उत्तर प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय, बुलंदशहर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 2 जिले शामिल हैं :- बुलंदशहर, अलीगढ़ । |
| 45. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, झांसी, पंजाब नेशनल बैंक, झांसी, कानपुर रोड, झांसी-284001 | उत्तर प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय, झांसी के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 3 जिले शामिल हैं :- झांसी, ललितपुर, महोबा । |
| 46. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, लखनऊ, पंजाब नेशनल बैंक, लखनऊ, 94, एम.जी. रोड, लखनऊ-226001 | उत्तर प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय, लखनऊ के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 9 जिले शामिल हैं :- लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर, रायबरेली, हरदोई, बहराइच, फैजाबाद, गोण्डा, श्रावस्ती । |
| 47. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, गोरखपुर, पंजाब नेशनल बैंक, गोरखपुर अलादपुर तुलसी इंटर कालेज के सामने, गोरखपुर-273001 | उत्तर प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय, गोरखपुर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 8 जिले शामिल हैं :- गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज, कुशीनगर, बस्ती, संत कबीर नगर, सिद्धार्थ नगर, बलरामपुर । |
| 48. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, वाराणसी, पंजाब नेशनल बैंक, वाराणसी, एस-20/56-डी, दि माल, कनेडी रोड, वाराणसी-कैंट-221002 | उत्तर प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय, वाराणसी के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 14 जिले शामिल हैं :- इलाहाबाद, अंबेडकर, आजमगढ़, बलिया, भदोही, चन्दोली, गाजीपुर, जौनपुर, मऊ, मिर्जापुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, सुल्तानपुर, वाराणसी । |
| 49. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, कानपुर, पंजाब नेशनल बैंक, कानपुर, 59/29, बिरहाना रोड, कानपुर-206001 | उत्तर प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय, कानपुर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 10 जिले शामिल हैं :- बान्दा, चित्रकूट, फर्रुखाबाद, फतेहपुर, हमीरपुर, जालौन, कन्नौज, कानपुर सिटी, कानपुर देहात, उन्नाव । |
| 50. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, मेरठ, पंजाब नेशनल बैंक, मेरठ, ईस्ट कचेहरी रोड, मेरठ-250001 | उत्तर प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय, मेरठ के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 4 जिले शामिल हैं :- बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, मेरठ । |
| 51. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, मुरादाबाद, पंजाब नेशनल बैंक, मुरादाबाद, सिविल लाइन्स, मुरादाबाद-244001 | उत्तर प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय, मुरादाबाद के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 3 जिले शामिल हैं :- बिजनौर, मुरादाबाद, ज्योतिबा फुले नगर । |

| (1) | (2) | (3) |
|---|---|---|
| 52. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, मुजफ्फरनगर, पंजाब नेशनल बैंक, मुजफ्फरनगर, 68, कंबल वाला बाग, मुजफ्फरनगर-251001 | उत्तर प्रदेश राज्य में अंचल कार्यालय, मुजफ्फरनगर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 2 जिले शामिल हैं :- सहारनपुर, मुजफ्फरनगर । |
| 53. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, धर्मशाला, पंजाब नेशनल बैंक, धर्मशाला, कचेहरी रोड, जीपीओ के नजदीक, धर्मशाला-176215 | उत्तराखंड राज्य में अंचल कार्यालय, देहरादून के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 3 जिले शामिल हैं :- देहरादून, उत्तरकाशी, टिहरी । |
| 54. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, हरिद्वार, पंजाब नेशनल बैंक, हरिद्वार, पीएनबी हाऊस, सेक्टर-4, बीएचएल काम्पलेक्स, हरिद्वार | उत्तराखंड राज्य में अंचल कार्यालय, हरिद्वार के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 4 जिले शामिल हैं :- हरिद्वार, चमोली, पौड़ी, रुद्रप्रयाग । |
| 55. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, काशीपुर, पंजाब नेशनल बैंक, काशीपुर, बाजार रोड, काशीपुर-244713 | उत्तराखंड राज्य में अंचल कार्यालय, काशीपुर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 5 जिले शामिल हैं :- अल्मोड़ा, नैनीताल, उधमसिंहनगर, पिथौरागढ़, बागेश्वर । |
| 56. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, कोलकाता, पंजाब नेशनल बैंक, चौथी मंजिल, एपीजे हाऊस, 15 पार्क स्ट्रीट, कोलकाता-700016 | पश्चिम बंगाल राज्य में अंचल कार्यालय, कोलकाता के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 5 जिले शामिल हैं :- कोलकाता, 24 परगना (साउथ), 24 परगना (नार्थ) हावडा, अंडमान । |
| 57. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, वर्धवान, पंजाब नेशनल बैंक, बुर्दवान, फैंसी मार्केट काम्पलेक्स, बुर्दवान-713101 | पश्चिम बंगाल राज्य में अंचल कार्यालय, बर्धवान के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 12 जिले शामिल हैं :- बर्धवान, बांकुरा, दार्जिलिंग, वीरभूम, मालदा, दक्षिण दिनाजपुर, हुगली, जलपाईगुडी, मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर, नाडिया, गंगटोक । |
| 58. | अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, मिदनापुर, पंजाब नेशनल बैंक, मिदनापुर, विद्यासागर रोड, बटाला चौक, मिदनापुर-72101 | पश्चिम बंगाल राज्य में अंचल कार्यालय, मिदनापुर के प्रशासनिक नियंत्रण में पंजाब नेशनल बैंक के अथवा उसके द्वारा किराए पर लिए गए अथवा उसकी तरफ से किराए पर लिए गए परिसर जिनमें वर्तमान में नीचे उल्लिखित 3 जिले शामिल हैं :- वैस्ट मिदनापुर, ईस्ट मिदनापुर, पुरुलिया । |

[सं. 65(2)/2006-बीओ-II]

एस. गोपाल कृष्ण, अवर सचिव

**MINISTRY OF FINANCE**

**(Department of Financial Services)**

New Delhi, the 20th April, 2009

**S.O. 1119**.—In exercise of the powers conferred by section 3 of Public Premises (Eviction of Unauthorized Occupants) Act, 1971(40 of 1971) and in supersession of the Notification of Government of India in the Ministry of Finance, Department of Financial Services published under S.O.No.1484(E) dated 4-9-2006 except in respect of things done or

omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby appoints the Officer mentioned in column No. 2 of the table below to be Estate Officer for the purpose of the said Act and further direct that the said officer shall exercise the powers conferred and the duties imposed on a Estate Officer by or under the said Act within the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises falling under area as specified in column No. 3 of the table below :—

**TABLE**

| Sl. No. | Designation of the Officer, Administrative Head whatsoever designation called | Categories of public premises and local limits of control of jurisdiction |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | Circle Head, Circle Office, Hyderabad, Present address: Punjab National Bank, 6-1-73, Lakadi Ka Pul, Saifabad, Hyderabad-500004 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office, Hyderabad, in the State of Andhra Pradesh, presently consisting 20 Districts, mentioned below :<br>East Godavari District, Guntur, Chittoor, Hyderabad, Kadapa, Karim Nagar, Krishna, Kurnool, Mahaboobnagar, Medak, Nalgonda, Nellore, Nizamabad, Prakasam, Ranga Reddy, Srikakulam, Visakhapatnam, Vizianagaram, Warangal, West Godavari Distt. |
| 2. | Circle Head, Circle Office, Muzaffarpur, Punjab National Bank, Present address : Muzaffarpur, Punkaj Pocket, Saraigang, Muzaffarpur-842001 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office, Muzaffarpur, in the State of Bihar, presently consisting 8 Districts, mentioned below :<br>Muzaffarpur, Sitamarhi, Siwan, Gopalganj, East Champaran, West Champaran, Saran Vaishali. |
| 3. | Circle Head, Circle Office, Darbhanga, Punjab National Bank, Darbhanga, Commercial House, Laharia Sarai, Darbhanga-846001 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Darbhanga, in the state of Bihar, presently consisting 12 Districts, mentioned below :<br>Darbhanga, Madhubani, Samastipur, Begusarai, Saharsa, Supaul, Araria, Purnia, Katihar, Kishanganj, Munger, Bhagalpur. |
| 4. | Circle Head, Circle Office, Patna, Punjab National Bank, Patna, Patna 'A', R. Blow, Chankya Place, Patna-842001 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Patna, in the State of Bihar, presently consisting 1 District, mentioned below :<br>Patna. |
| 5. | Circle Head, Circle Office, Arrah, Punjab National Bank, Arrah, G.C. House, Maharaja Compund, Arrah | Premises, belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Arrah, in the state of Bihar, presently consisting 4 Districts, mentioned below :<br>Bhabhua, Bhojpur, Buxar, Rohtas. |
| 6. | Circle Head, Circle Office, Bihar Sharif, Punjab National Bank, Ramchanderpur, Bihar Sharif-803 101 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Bihar Sharif, in the State of Bihar, presently consisting 5 Districts, mentioned below :<br>Lahksarai, Nalanda, Nawada, Jamui, Sheikhpura. |
| 7. | Circle Head, Circle Office, Gaya, Punjab National Bank, Gaya 'A' 400 AP Colony, Gaya-823 001. | Premises, belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Gaya, in the state of Bihar presently consisting 4 Districts, mentioned below :<br>Gaya, Aurangabad, Jehanabad, Arwal. |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 8. | Circle Head, Circle Office, Raipur, Punjab National Bank, Madina Manjil, Medical College Road, Raipur Chhatisgarh. | Premises, belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Raipur, in the state of Chhatisgarh presently consisting 11 Districts, mentioned below :<br>Bastar, Bilaspur, Dhamtari, Durg, Janjgir-Champa, Korba, Korea, Mahasamud, Raigarh, Raipur, Rajnandgaon |
| 9. | Circle Head, Circle Office, Delhi, Punjab National Bank, Delhi, Rajendra Bhawan, Rajendra Place, New Delhi. | Premises, belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Delhi, in the state of Delhi presently consisting 1 District, mentioned below :<br>Delhi |
| 10. | Circle Head, Circle Office, Ahmedabad, Punjab National Bank, Ahmedabad facing MJ Liberary, Elice Pul, Asharm Road, Ahmedabad-380 006 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Ahmedabad in the State of Gujarat presently consisting 20 Districts, mentioned below Ahemdabad Bilaspur Amreli, Anand, Bharuch, Bhavnagar, Gandhinagar, Jamnagar, Junagadh, Kheda, Kutch, Mehsana, Navsari, Patan, Porbandar, Rajkot, Sabarkantha, Surat, Surendranagar, Vadodara, Valsad |
| 11. | Circle Head, Circle Office, Chandigarh, Punjab National Bank, Chandigarh, PNB House, Sector-17-B Chandigarh-160 017 | Premises, belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Chandigarh, in the State of Haryana presently consisting 4 Districts, mentioned below :<br>Chandigarh, Panchkula, Ambala, Yamuna Nagar |
| 12. | Circle Head, Circle Office, Hissar, Punjab National Bank, Hissar, Opposite IIT, Dabur Chowk, Hissar-125 005. | Premises, belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Hissar, in the state of Haryana presently consisting 5 Districts, mentioned below :<br>Hissar, Sirsa, Fatehabad, Jind, Bhiwani |
| 13. | Circle Head, Circle Office, Karnal, Punjab National Bank, Karnal, Meera Ghati Sadbhawna Chowk, G.T. Road, Karnal-132 001 | Premises, belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Karnal, in the state of Haryana presently consisting 5 Districts, mentioned below :<br>Karnal, Kurukshetra, Kaithal, Panipat, Sonepat |
| 14. | Circle Head, Circle Office, Rohtak, Punjab National Bank, Rohtak, Geeta Colony, Scrular Road, Rohtak-124 001 | Premises, belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Rohtak, in the state of Haryana presently consisting 6 Districts, mentioned below :<br>Rohtak, Jhajjar, Rewari, Mahendragarh, Gurgaon, Faridabad |
| 15. | Circle Head, Circle Office, Shimla, Punjab National Bank, Shimla, Regent House, The Mall, Shimla-196 001 | Premises, belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Shimla, in the state of Himachal Pradesh presently consisting 4 Districts, mentioned below :<br>Kinnaur, Shimla, Sirmaur, Solan |
| 16. | Circle Head, Circle Office, Dharamshala, Punjab National Bank, Dharamshala, Kachehri Road, near GPO, Dharamshala-176 215. | Premises, belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Dharamshala, in the state of Himachal Pradesh presently consisting 2 Districts, mentioned below :<br>Kangra, Chamba. |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 17. | Circle Head, Circle Office, Hamirpur, Punjab National Bank, Hamirpur, New Road, Hamirpur-177 001. | Premises, belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Hamirpur, in the state of Himachal Pradesh presently consisting 2 Districts, mentioned below :<br>Hamirpur, Una |
| 18. | Circle Head, Circle Office, Mandi, Punjab National Bank, Mandi, Jal Road, Batala Chowk, Mandi-175 001. | Premises, belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Mandi, in the state of Himachal Pradesh presently consisting 4 Districts, mentioned below :<br>Mandi, Kullu, Bilaspur, Lahaul Spiti |
| 19. | Circle Head, Circle Office, Jammu, Punjab National Bank, High land Tower Rail Head Complex, Jammu-180 012. | Premises, belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Jammu, in the state of J & K presently consisting 17 Districts, mentioned below :<br>Jammu, Kathua, Samba, Poonch, Rajouri, doda, Reasi, Ramban, Udhampur, Srinagar, Anantnag, Kulgam, Pulwama, Badgam, Barmulla, Kupwara, Leh |
| 20. | Circle Head, Circle Office, Ranchi, Punjab National Bank, Begrai Market, Main Road, Ranchi-834 001. | Premises, belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Ranchi, in the state of Jharkhand presently consisting 16 Districts, mentioned below :<br>Ranchi, East Singhbhum, West Singhbhum, Saraikela, Bokaro, Dhanbad, Palamu, Latehar, Garhwa, Giridih, Hazaribagh, Chatra, Lohardaga, Goda, Deoghar, Dumka |
| 21. | Circle Head, Circle Office, Bangalore, Punjab National Bank, 26-27 M.G. Road, Raheja Towers, Bangalore-560 001. | Premises, belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Bangalore, in the state of Karnataka presently consisting 18 Districts, mentioned below :<br>Bangalore Rural, Bangalore Urban, Belgaum, Bidar, Bijapur, Dakshin Kannada, Dharwad, Davangere, Gadag, Gulbarga, Hassan, Kolar, Mandya, Mysore, North Kannada, Shimoga, Tumkur, Udipi |
| 22. | Circle Head, Circle Office, Kozhikode, Punjab National Bank, Shatabadi Bhawan, Mini Bypass Road, PO. AA Govindpuram, Kozhikode-673 016. | Premises, belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative control of Circle Office Kozhikode, in the state of Kerala presently consisting 14 Districts, mentioned below :<br>Allepey, Ernakulam, Idduki, Kannaur, Kollam, Kottayam, Kasargod, Kozhikode, Malapuram, Palakkad, Pathnamthitta, Thrissur, Thrivandrum, Wyanad |
| 23. | Circle Head, Circle Office Bhopal, Punjab National Bank, Bhopal, Shikharvarta Bhavan, Press Complex Hoshangabad Road Bhopal-462 001. | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Bhopal, in the state of Madhya Pardesh presently consisting 10 District, mentioned below :<br>Betul, Bhopal, Datia, Hoshangabad, Harda, Sehore, Vidisha, Gwalior, Morena, Sheopur |
| 24. | Circle Head, Circle Office, Indore, Punjab National Bank, Indore 20, Sneh Nagar Indore-520 001. | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab Naional Bank within the administrative Control of Circle Office Indore, in the state of Madhya Pradesh presently consisting 16 Districts mentioned below :<br>Indore, Badhwani, Khargone, Mandsaur, Neemuch, Rajgarh, Guna, Ashok Nagar, Khandwa, Burhanpur, Ratlam, Shajapur, Shivpuri, Ujjain, Dewas, Dhar |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 25. | Circle Head, Circle Office Jabalpur, Punjab National Bank, Jabalpur, 1227, Naper Town, Jabalpur-482 002. | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Jabalpur in the state of Madhya Pardesh presently consisting 14 Districts, mentioned below :<br><br>Balaghat, Chhatarpur, Chhindwara, Dindori, Damoh, Jabalpur, Katni, Mandla, Narsinghpur, Rewari, Seoni, Sagar, Satna, Sidhi |
| 26. | Circle Head, Circle Office Mumbai, Punjab National Bank, Mumbai, Cuffee Parade 7th floor, Maker Tower F. Mumbai-400 005 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Mumbai in the state of Maharashtra presently consisting of 6 Districts, mentioned below<br><br>Mumbai, Mumbai Suburban, Thane, Raigad, Goa (South), Goa (North) |
| 27. | Circle Head, Circle Office Nagpur, Punjab National Bank, Nagpur, PNB House, King'sway, Nagpur- 440 001. | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Nagpur, in the state of Maharashtra persently consisting 10 Districts, menitioned below<br><br>Akola, Amravati, Buldhana, Chandrapur, Gondia, Jalgaon, Nagpur, Nanded, Wardha, Yavatmal |
| 28. | Circle Head, Circle Office Pune, Punjab National Bank, Arora Towers Meznine Floor 9 Meladina Road, Pune Camp, Pune- 411 001. | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Pune, in the state of Maharashatra presently consisting 9 Districts, mentioned below<br><br>Pune, Ahmednagar, Aurangabad, Dhulia, Kolhapur, Nasik, Sangli, Solapur, Ratnagiri |
| 29. | Circle Head, Circle Office Guwahati, Punjab National Bank, Neelgiri Maintion, Bhangadhar G. S. Road, Guwahati. | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Guwahati, in the state of Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland, Mizoram, presently consisting 19 Districts, mentioned below Barpeta, Bongaigaon, Cachar, Dibrugarh, Golaghat, Jorhat, Kamrup, Karimganj, Nalbari, Baksa, Nagaon, Tinsukia, Sonitpur, East Khasi Hills, Ri- Bhoi, Manipur West, West Tripura, Dimapur, Aizawl |
| 30. | Circle Head, Circle Office, Bhubaneswar, Punjab National Bank, 4th Floor Deendayal Bhawan, Ashok Nagar Janpath, Bhubaneswar, Orissa-751 009. | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administratitive Control of Circle Office Bhubaneswar, in the state of Orissa presently consisting 23 Districts, mentioned below<br><br>Anugul, Balasore, Bargarh, Bhadrak, Cuttack, Dhenkanal, Gajapati, Ganjam, Jaipur, Jharsuguda, Jagat Singhpur, Kendrapara, Keonjhar, Khurda, Mayurbhan, Nayagarh, Puri, Sambalpur, Sundergar, Kalahandi, Rayagada, Kandhamala, Bolangir |
| 31. | Circle Head, Circle Office Amritsar, Punjab National Bank, Amritsar, , Maiqil Yard Road Opposite St. Fransis School, Amritsar-143001. | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Amritsar, in the state of Punjab presently consisting 3 Districts, mentioned below<br><br>Amritsar, Gurdaspur, Taran Taran |
| 32. | Circle Head, Circle Office Hoshiarpur, Punjab National Bank, Hoshiarpur, Jalandar Road, Hoshiarpur-146 001. | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Hoshiarpur, in the state of Punjab presently consisting 2 Districts, mentioned below<br><br>Hoshiarpur, Nawanshahar |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 33. | Circle Head, Circle Office Jalandhar, Punjab National Bank Jalandhar, Civil Lines Jalandhar- 144004 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Jalandhar, the state of Punjab presently consisting 2 Districts, mentioned below<br>Jalandhar, Kapurthala |
| 34. | Circle Head Circle Office Bhathinda, Punjab National Bank, Bhathinda Bathinda,Kikar Bazar, Bhathinda-151001 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office in the state of Punjab presently consisting 7 Districts, mentioned below<br>Bathinda, Mansa, Sangrur, Barnala, Firozpur, Faridkot, Muktsar |
| 35. | Circle Head, Circle Office Ludhiana, Punjab National Bank Firoj Gandhi Market, Pakhowal Road, Ludhiana-141001 IROZ | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Ludhiana in the state of Punjab presently Consisting 6 District, mentioned below<br>Ludhiana, Moga, Mohali (Sas Nagar), Patiala, Fatehgarh, Sahib, Ropar (Rup Nagar) |
| 36. | Circle Head, Circle Office, Jaipur, Punjab National Bank Jaipur, PNB House, 2 Nehru Place, Tunk Road, Jaipur-302015 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Jaipur in the state of Rajasthan presently consisting 8 District, mentioned below<br>Jaipur, Dausa, Tonk, Kota, Bundi, Baran, Jhalawar, Sikar |
| 37. | Circle Head, Circle Office Bharatpur, Punjab National Bank, Bharatpur, PNB House, Super Bazar Bharatpur -302001 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Bharatpur in the state of Rajsthan presently consisting 5 Districts, mentioned below<br>Bharatpur, Alwar, Dholpur, Sawai Madhopur, Karauli |
| 38. | Circle Head, Circle Office Jodhpur, Punjab National Bank 802, 1st Floor Chopasini Road, Jodhpur--342003 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Jodhpur, in the state of Rajasthan presently consisting 15 Districts, mentioned below<br>Ajmer, Banswara, Barmer, Bhilwara, Chittorgarh, Dungarpur, Jaisalmer, Jalore, Jodhpur, Nagore, Pali, Pratapgarh, Rajsamand, Sirohi, Udaipur |
| 39. | Circle Head, Circle Office, Sri. Ganganagar, Punjab National Bank, PNB House, Meera Marg, Jawahar Nagar, Sri Ganganagar -335001 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Sri Ganaganagar, in the state of Rajsthan presently consisting 5 Districts, mentioned below<br>Bikaner, Churu, Jhunjhunu, Hanumangarh, Sri Ganganagar |
| 40. | Circle Head, Circle Office, Chennai, Punjab National Bank, Chennai,, I.Z. O. Royla Towers Third floor New No. 158, Slai Chennai-600002 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Chnenai in the state of Tamilnadu presently consisting 6 District, mentioned below<br>Chennai, Kanchipuram, Pondicherry, Tiruvallur, Vellore, Villupuram |
| 41. | Circle Head, Circle Office,Trichy, Punjab National Bank, PNB House, Bhel Kailashpuram, Tanjore Road Trichy-620014 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Trichy, in the state of Tamilnadu presently consisting 22 Districts, mentioned below<br>Ariyalur, Coimbatore, Cuddalore, Dindigul, Erode, Kanyakumari, Karur, Madurai, Nagapattinam, Namakkal, Nilgiris, Pudukottai, Ramanathapuram, Salem, Sivaganga, Thanjavur, Theni, Tirunelvali, Tiruvarur, Trichy, Tuticorin, Virudunagar |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 42. | Circle Head, Circle Office, Agra, Punjab National Bank Agra, 1-2, Raghunath Nagar M.G. Road, Agra-282002 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Agra, in the state of Uttar Pradesh presently consisting 8 Disrticts, mentioned below<br>Agra, Etah, Firozabad, Mainpuri, Mathura, Etawah, Auraiya, Hathras |
| 43. | Circle Head, Circle Office, Bareilly, Punjab National Bank Bareilly, 156 Civil lines, Station Road, Bareilly -243001 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office, Bareilly, in the state of Uttar Pradesh presently consisting 6 District. mentioned below<br>Bareilly, Budaun, Lakhimpur, Pilibhit, Shahjahanpur, Rampur |
| 44. | Circle Head, Circle Office, Bulandshahr, Punjab National Bank, PNB House, Yamunapuram, Bulandshahr--203001 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab Nationa Bank within the administrative Control of Circle Office Bulandshahr, in the state of Uttar Pradesh presently consisting 2 Districts, mentioned below<br>Bulandshahr, Aligarh |
| 45. | Circle Head, Circle Office, Jhansi, Punjab National Bank, Jhansi, Kanpur Road, Jhansi-284001 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Jhansi, in the state of Uttar Pradesh presently consisting 3 Districts, mentioned below<br>Jhansi, Lalitpur, Mahoba |
| 46. | Circle Head, Circle Office, Lucknow, Punjab National Bank, Lucknow, 94 M.G. Road, Lucknow-226001 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Lucknow, in the state of Uttar Pradesh presently consisting 9 District, mentioned below<br>Lucknow, Barabanki, Sitapur, Raebareli, Hardoi, Bahraich, Faizabad, Gonda, Shrawasti |
| 47. | Circle Head, Circle Office, Gorakhpur, Punjab National Bank, Gorakhpur Alladpur opposite Tulsi inter College, Gorakhpur-273001 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Gorakhpur, in the state of Uttar Pradesh presently consisting 8 Districts, mentioned below<br>Gorakhpur, Deoria, Maharajganj, Kushinagar, Basti, Sant Kabir Nagar, Siddarth Nagar, Balrampur |
| 48. | Circle Head, Circle Office, Varanasi, Punjab National Bank, Varanasi, S-20/56--D, The Mall, Canady Road, Varanasi Cantt.-221002 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Varanasi, in the state of Uttar Pradesh presently consisting 14 District mentioned below<br>Allahabad, Ambedkar Nagar, Azamgarh, Ballia, Bhadohi, Chandaul, Ghazipur, Jaunpur, Mau, Mirzapur, Pratapgarh, Sonbhadra, Sultanpur, Varanasi |
| 49 | Circle Head ,Circle Offce, Kanpur, Punjab National Bank , Kanpur, 59/29 Birhana Road, Kanpur-206001 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Kanpur, in the state of Uttar Pradesh presently consisting 10 Districts, mentioned below<br>Banda, Chitrakoot, Farrukhabad, Fatehpur, Hamirpur, Jalaun, Kannauj Kanpur City, Kanpur Dehat, Unnao |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 50 | Circle Head ,Circle Office, Meerut , Punjab National Bank, Meerut, East Kachehri Road, Meerut-250001. | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Meerut, in the state of Uttar Pradesh Presently consisting 4 Districts, mentioned below<br>Baghpat, Ghaziabad, Gautam Budh Nagar, Meerut |
| 51 | Circle Head, Circle Office, Moradabad, Punjab National Bank, Moradabad, Civil Lines, Muradabad-244001 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Moradabad, in the state of Uttar Pradesh, Presently consisting 3 Districts, mentioned below<br>Bijnor, Moradabad, Jyotiba Phule Nagar |
| 52 | Circle Head, Circle Office, Muzaffarnagar, Punjab National Bank, Muzaffarnagar, 68 Kumbal Wala Bagh Muzaffar Nagar-251001 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Muzaffar Nagar, in the state of Uttar Pradesh Presently consisting 2 Districts, mentioned below<br>Saharanpur, Muzaffarnagar |
| 53 | Circle Head, Circle Office, Dehradun Punjab National Bank, Dehradun, PNB House, Paltan Bazar, Dehradun -248001 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Dehradun in the state of Uttarakhand Presently consisting 3 Districts, mentioned below<br>Dehradun, Uttarkashi, Tehri |
| 54 | Cirle Head, Circle Office, Hardwar, Punjab National Bank, Hardwar, PNB House Sector-4 BHL Complex Hardwar | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Hardwar, in the state of Uttrakhand presently consisting 4 Districts, mentioned below<br>Hardwar, Chamoli, Pauri, Rudraprayag |
| 55 | Circle Head, Circle Office, Kashipur, Punjab National Bank Kashipur Bazar Road Kashipur-244713 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Kashipur, in the state of Uttarakhand presently consisting 5 Districts, mentioned below<br>Almora, Nainital, Udham Singh Nagar, Pithoragarh, Bageshwar |
| 56 | Circle Head, Circle Office, Kolkata, Punjab National Bank, 4th Floor, APJ House, 15 Park Street, Kolkata-700016 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Kolkata, in the state of West Bengal presently consisting 5 Districts, mentioned below<br>Kolkata, 24 Parganas (South), 24 Parganas (North), Howrah, Andaman |
| 57 | Circle Head, Circle Office Burdwan Punjab National Bank, Burdwan, Fancy Market Complex Burdwan-713101 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Burdwan, in the state of West Bengal presently consisting 12 Districts, mentioned below<br>Burdwan, Bankura, Darjeeling, Birbhum, Malda, Dakshin Dinajpur, Hoogly,Jalpaiguri, Murshidabad, Uttar Dinajpur, Nadia, Gangtok |
| 58 | Circle Head, Circle Office, Midnapur, Punjab National Bank Midnapur, Vidyasagar Road Batala Chowk Midnapore-72101 | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab National Bank within the administrative Control of Circle Office Midnapur, in the state of West Bengal Presently consisting 3 Districts, mentioned below<br>West Midnapore, East Midnapore, Purulia |

[No. 65(2)/2006-BO-II]

S. GOPAL KRISHNA, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1120.**—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंन्ध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970/1980 के खण्ड 3 के उप खण्ड (1) और खंड 8 के उप-खंड (1) के साथ पठित बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970/1980 की धारा 9 की उप धारा (3) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के साथ परामर्श करके, एतद्द्वारा, श्री अरूण कौल (जन्म तिथि : 30-1-1956), महाप्रबधंक, पंजाब नैशनल बैंक, को उनके पदभार ग्रहण करने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए अथवा अगले आदेश होने तक, जो भी पहले हो, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया में पूर्णकालिक निदेशक (कार्यपालक निदेशक के रूप में पदनामित) के पद पद नियुक्त करती है ।

[फा.सं. 9/22/2008-बीओ-I]

जी.बी.सिंह, उप सचिव

New Delhi, the 22nd April, 2009

**S.O . 1120.**—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980, read with sub-clause (1) of clause 3, sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalized Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970/1980, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India hereby appoints Shri Arun Kaul (DoB: (30-01-1956) General Manager, Punjab National Bank as a whole time director (designated as Executive Director) Central Bank of India for a period of five years with effect from the date of his taking over charge or until further orders, whichever is earlier.

[F.No. 9/22/2008-BO-I]

G. B. SINGH, Dy. Secy.

## विद्युत मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1121.**—केंद्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुडगांव, रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कारपोरेशन लि., नई दिल्ली, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा एनएचपीसी लिमिटेड, फरीदाबाद के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्यालयों को, जिनके 80 प्रतिशत कर्मचारीवृंद ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, एतद्द्वारा अधिसूचित करती है :

1. पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि.,
   400 के. वी. उप-केंद्र, वेल्लानिक्करा पोस्ट, त्रिचूर-680654
2. पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि.,
   400/220 केवी उप केंद्र,
   पल्लिपुरम पोस्ट-तिरूवनंतपुरम,
   केरल-695316
3. पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि.,
   पूर्वी क्षेत्र-1 एच. वी. डी. सी. बैक टू बैक परियोजना,
   पुसौली (बिहार)
4. पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि.,
   सी-170, रोड सं. 04,
   400/220 केवी उप केंद्र, अशोक नगर, रांची-834002(झारखंड)
5. रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कारपोरेशन लि.
   परियोजना कार्यालय, दीनदयाल भवन,
   पांचवा तल, अशोक नगर, जनपथ, भुवनेश्वर -751009
6. केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण,
   क्षेत्रीय निरीक्षण संगठन,
   14, गोल्फ क्लब रोड, कोलकाता-700033
7. कार्यपालक निदेशक का कार्यालय,
   उत्तराखंड क्षेत्र, एनएचपीसी लिमिटेड,
   281/1, वसंत विहार, देहरादून-248006
8. दुलहस्ती पावर स्टेशन,
   एनएचपीसी लिमिटेड,
   चिनाब नगर, सैक्टर-11,
   पो. आ. व जिला-किश्तवाड़-182206(जम्मू कश्मीर)

9. पार्बती जल विद्युत परियोजना, चरण-II,
एनएचपीसी लिमिटेड,
पो. आ. नगवाई, जिला मंडी (हि. प्र.)

10. नर्मदा हाइड्रोइलेक्ट्रिक डेवेलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड,
श्यामला हिल्स, भोपाल-462013(म.प्र.)

[सं. 11017/1/2007-हिन्दी]

आई. सी. पी. केशरी, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF POWER

New Delhi, the 13th April, 2009

**S.O. 1121.**—In pursuance of Sub Rule(4) of Rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices under the administrative control of Powegrid Corporation of India Ltd., Gurgaon, Rural Electrification Corporation Ltd., New Delhi, Central Electricity Authority, New Delhi and NHPC Limited, Faridabad, the staff whereof have acquired 80% working knowledge of Hindi:

1. Powergrid Corporation of India Ltd., 400 KV Sub-Station, Vellanikkara Post, Trissur-680654.
2. Powergrid Corporation of India Ltd., 400/20 KV Sub Station, Pallipuram Post, Tiruvanantapuram, Kerala—695316
3. Powergrid Corporation of India Ltd., ER-I, HVDC Back to Back Station, Pusauli (Bihar).
4. Powergrid Corporation of India Ltd., C-170, Road No. 04, 400/220 KV Sub Station, Ashok Nagar, Ranchi—834002(Jharkhand)
5. Rural Electrification Corporation Ltd., Project Office, Deendayal Bhawan, 5th Floor, Ashok Nagar, Janapath, Bhubaneshwar—751009
6. Central Electricity Authority, Regional Inspectorial Organization, 14, Golf Club Road, Kolkata—700033.
7. Office of the Executive Director, Uttrakhand Region, NHPC Limited, 281/1, Vasant Vihar, Dehradun—248006.
8. Dulhasti Power Station, NHPC Limited, Chinab Nagar, Sector-II, PO & Distt. Kishtwar-182206(J&K).
9. Parbati Hydroelectric Project, Stage-II, NHPC Limited, P.O. Nagwain, Distt. Mandi(H.P.).
10. Narmada Hydroelectric Development Corporation Ltd., Shyamala Hills, Bhopal-462013(MP).

[No. 11017/1/2007-Hindi]

I. C. P. KESHARI, Jt. Secy.

## परमाणु ऊर्जा विभाग

मुंबई, 21 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1122.**—केन्द्रीय सरकार, सरकारी परिसर (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40), की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार, भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित, दिनांक 13 अप्रैल 1996 के सं. का. आ. 1146 की दिनांक 26 मार्च, 1996 के अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन और करती है।

उक्त अधिसूचना में, दी गई सारणी के परिसर पर निम्नलिखित सारणी रखी जाएगी, अर्थात् :—

**सारणी**

| अधिकारी का पदनाम | सरकारी परिसर |
|---|---|
| (1) | (2) |
| उप प्रबंधक (कार्मिक), यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, जादूगुड़ा माइन्स, सिंहभूम (पूर्व), झारखंड-832102 | यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, जादूगुड़ा माइन्स, सिंहभूम (पूर्व), झारखंड -832 102, के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन परिसर |

[फा. सं. 10/8(14)/2008-पीएसयू]

लतिका गोयल, उप सचिव

**टिप्पणी :** मूल अधिसूचना, दिनांक 13 अप्रैल, 1996 को भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3, उप-खंड (ii) में दिनांक 26 मार्च, 1996 की अधिसूचना सं. का.आ.1146 द्वारा प्रकाशित हुई थी और बाद में दिनांक 24 जून, 1999 की अधिसूचना सं. का.आ. 1879 तथा दिनांक 23 अप्रैल, 2004 की अधिसूचना सं. का.आ. 1082 द्वारा संशोधित की गई थी।

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

Mumbai, the 21st April , 2009

**S.O. 1122.**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants ) Act. 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Goverment of India in the Department of Atomic Energy, published in the Gazette of India Part-II Section 3, Sub-section (ii) dated the 13th April, 1996, *vide* number S.O. 1146, dated the 26th March, 1996, namely :—

In the said notification, for the Table, the following Table shall be substituted, Namely:—

**TABLE**

| Designation of the Officer | Public Premises |
|---|---|
| (1) | (2) |
| Deputy Manager (Personnel) Estate,Uranium Corporation of India Limited, jaduguda Mines Singhbhum (East), Jharkhand-832102. | Premises under the adminstrative control of the Uranium Corporation of India Limited, Jaduguda Mines Singhbhum (East), Jharkhand-832102. |

[F. No. 10/8(14)/2008-PSU]

LATHIKA GOEL, Dy. Secy.

Note : ThePrincipal Notification was published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub--section (ii), dated the 13th April 1996 *vide* notification No. S.O.1146, dated the 26th March, 1996 and was subsequently amended by notification No. S. O. 1879, dated the 24th June, 1999 and notification No. S.O. 1082, dated 23rd April, 2004

## युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

**(खेल विभाग)**

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2009

**का.आ. 1123.**—सरकारी स्थान (अप्रधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) के खंड-3 द्वारा प्रदत शतिक्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार श्री जे.पी. तालनिया, सहायक आयुक्त आयकर,पटियाला को उपर्युक्त अधिनियम के उद्देश्य से संपदा अधिकारी नियुक्त करती है। वह नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला के सरकारी स्थान तथा भा.खे. प्रा./नेता सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान के अधिकार में ( पटियाला जिला,पटियाला जिला की तहसील, पंजाब) में स्थित संलग्न संपदा के संबंध में संपदा अधिकारी के रूप में प्रदत शक्तियों का प्रयोग करेगे।

[सं. 1-4/2008-आईडी]

जी.श्रीधरन, अवर सचिव

## MINISTRY OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS

**(Department of Sports)**

New Delhi,the 31st March, 2009

**S.O. 1123.**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises(Eviction of Unathorised Occupants) Act 1971(40 of 1971), the Central Government hereby appoint Shri J.P. Talania, Assistant Commissioner of Income Tax, Patiala, to be the Estate Officer for the puroses of the said Act. He shall exercise the powers conferred upon Estate Officer in respect of public premises of Netaji Subhash National Institute of Sports (NSNIS) patiala and adjoining estates in possession of sports Authority of India/NSNIS, Patiala situated within Patiala (Distt. Patiala ,Tehsil of Distt. Patiala, Punjab).

[No. 1-4/2008-ID]

G. SRIDHARAN, Under Secy.

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

**(स्वास्थ्य और कल्याण विभाग)**

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1124.**—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् अर्हता के नाम में परिवर्तन होने के कारण उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में एतद्द्वारा निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अनुसूची में—

(क) " राजीव गांधी स्वास्थ्य विश्वविद्यालय, बंगलौर" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्त: स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

| 2 | 3 |
|---|---|
| "डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (त्वचा विज्ञान, रति रोग विज्ञान और कुष्ठ रोग)" | एम. डी. (त्वचा विज्ञान)/डीवीएल (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह सेंट जॉन मेडिकल कालेज, बंगलुरू, बंगलुरू में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलुरू द्वारा अप्रैल, 2004 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।) |
| "डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (विकृति विज्ञान)" | एम. डी. (विकृति विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह डॉ. बी. आर. अम्बेडकर कालेज, बंगलुरू में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलुरू द्वारा प्रदान की गई हो।) |

(ख) " बंगलुरू विश्वविद्यालय, शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्त:स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

| | |
|---|---|
| "डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (विकृति विज्ञान)" | एम. डी. (विकृति विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह डॉ. बी. आर. अम्बेडकर मेडिकल कालेज, बंगलुरू में प्रशिक्षिण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में बंगलुरू विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |

(ग) " द तमिलनाडु विश्वविद्यालय, शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्त:स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

| | |
|---|---|
| "डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (जरा चिकित्सा)" | एम. डी. (जरा चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह चेन्नई मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षिण प्राप्त करें रहे छात्रों के संबंध में द एमजीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "मजिस्ट्रार ऑफ चिरूरगई (प्लास्टिक सर्जरी)" | एम. सीएच. (प्लास्टिक सर्जरी) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह मदुरै मेडिकल कालेज, मदुरै में प्रशिक्षिण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में द एमजीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "डॉक्टर ऑफ सर्जरी (भेषजगुण विज्ञान)" | एम. डी. (सामान्य शल्य क्रिया) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह कोयम्बटूर मेडिकल कालेज, कोयम्बटूर में प्रशिक्षिण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में द तमिलनाडु एमजीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |

| 2 | 3 |
|---|---|
| "डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (भेषजगुण विज्ञान)" | एम. डी. (भेषजगुण विज्ञान)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह स्टैनले मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षिण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में द तमिलनाडु एमजीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (त्वचा विज्ञान)" | एम. डी. (त्वचा विज्ञान)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह स्टैनले मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षिण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में द तमिलनाडु एमजीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| त्वचा विज्ञान में डिप्लोमा | डी. डी.<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह स्टैनले मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षिण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में द तमिलनाडु एमजीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (बाल चिकित्सा)" | एम. डी. (बाल चिकित्सा)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह स्टैनले मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षिण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में द तमिलनाडु एमजीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| नेत्र विज्ञान में डिप्लोमा/नेत्र चिकित्सा और शल्य चिकित्सा में डिप्लोमा | डीओ/डीओएमस<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह स्टैनले मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षिण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में द तमिलनाडु एमजीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| विकलांग विज्ञान में डिप्लोमा | डी. आर्थो<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह स्टैनले मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षिण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में द तमिलनाडु एमजीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान) | एम. डी. (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह किलपाक मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षिण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में द तमिलनाडु एमजीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (बाल चिकित्सा) | एम. डी. (बाल चिकित्सा)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह किलपाक मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षिण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में द तमिलनाडु एमजीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (विकृति विज्ञान) | एम. डी. (विकृति विज्ञान)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह किलपाक मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षिण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में द तमिलनाडु एमजीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान में डिप्लोमा | डीजीओ<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह किलपाक मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षिण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में द तमिलनाडु एमजीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |

| 2 | 3 |
|---|---|
| संज्ञाहरण विज्ञान में डिप्लोमा | डीए<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह किलपाक मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में द तमिलनाडु एमजीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| चिकित्सा विकिरण निदान में डिप्लोमा | डीएमआरटी<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह कैंसर संस्थान, अडयार, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में द तमिलनाडु एमजीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| डाक्टर आफ मेडिसिन (सामान्य काय चिकित्सा) | एम. डी. (सामान्य काय चिकित्सा)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह तिरूनेलवेल्ली मेडिकल कालेज, तिरूनेलवेल्ली में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में द तमिलनाडु एमजीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| डाक्टर आफ मेडिसिन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान) | एम. डी. (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह तंजावूर मेडिकल कालेज, तंजावूर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में द तमिलनाडु एमजीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |

(घ) "मदुरै विश्वविद्यालय, के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्त:स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :–

| | |
|---|---|
| डाक्टर आफ मेडिसिन (सामान्य काय चिकित्सा) | एम. डी. (सामान्य काय चिकित्सा)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह तिरूनेलवेल्ली मेडिकल कालेज, तिरूनेलवेल्ली में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मदुरै विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |

(ङ) "मदुरै कामराज विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्त:स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

| | |
|---|---|
| "मजिस्ट्रार आफ चिरूरजी (प्लास्टिक सर्जरी) | एम. सी. एच. (प्लास्टिक सर्जरी)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह मदुरै तिरूनेलवेल्ली मेडिकल कालेज, मदुरै में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मदुरै कामराज विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| डाक्टर आफ मेडिसिन (सामान्य काय चिकित्सा) | एम. डी. (सामान्य काय चिकित्सा)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह तिरूनेलवेल्ली मेडिकल कालेज, तिरूनेलवेल्ली में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मदुरै कामराज विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |

(च) "भरतियार विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्त:स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

| | |
|---|---|
| "शल्यक्रिया निष्णात (सामान्य शल्य क्रिया) | एम. एस. (सामान्य शल्य क्रिया)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह कोयम्बटूर मेडिकल कालेज, कोयम्बटूर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में भरतियार विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |

(छ) "भरतिदासन विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्त:स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

| 2 | 3 |
|---|---|
| "डाक्टर आफ मेडिसिन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)" | एम. डी. (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह तंजावूर मेडिकल कालेज, तंजावूर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में भरतिदासन विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |

(ज) "मद्रास विश्वविद्यालय, के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्त:स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

| | |
|---|---|
| "शल्यक्रिया निष्णात (सामान्य शल्य क्रिया)" | एम. एस. (सामान्य शल्य क्रिया)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह कोयम्बटूर मेडिकल कालेज, कोयम्बटूर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "डाक्टर आफ मेडिसिन (भेषज गुण विज्ञान)" | एम. डी. (भेषजगुण विज्ञान)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह स्टैनले मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "डाक्टर आफ मेडिसिन (त्वचा विज्ञान)" | एम. डी. (त्वचा विज्ञान)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह स्टैनले मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "त्वचा विज्ञान में डिप्लोमा | डी. डी.<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह स्टैनले मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "डाक्टर आफ मेडिसिन (बाल चिकित्सा)" | एम. डी. (बाल चिकित्सा)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह स्टैनले मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "नेत्र रोग विज्ञान डिप्लोमा/नेत्र चिकित्सा तथा शल्य क्रिया डिप्लोमा" | डीओ/डी.ओ.एम.एस.<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह स्टैनले मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "अर्थोपेडिक्स डिप्लोमा" | डी. आर्थो<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह स्टैनले मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "डाक्टर आफ मेडिसिन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)" | एम. डी. (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह किलपौक मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |

| 2 | 3 |
|---|---|
| "डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (बाल चिकित्सा)" | एम. डी. (बाल चिकित्सा)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह किलपौक मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (विकृति विज्ञान)" | एम. डी. (विकृति विज्ञान)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह किलपौक मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "स्त्री रोग एवं प्रसूति विज्ञान में डिप्लोमा" | डी जी ओ<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह किलपौक मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "संवेदनाहरण डिप्लोमा" | डी ए<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह किलपौक मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "आयुर्विज्ञान विकिरण चिकित्सा डिप्लोमा" | डी एम आर टी<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह कैंसर इंस्टीट्यूट, अदयार, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (सामान्य कायचिकित्सा)" | एम. डी. (सामान्य कायचिकित्सा)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह तिरूनेलवेल्ली मेडिकल कालेज, तिरूनेलवेल्ली में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)" | एम. डी. (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह तंजावूर मेडिकल कालेज, तंजावूर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |

(झ) "आंध्र विश्वविद्यालय, के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्त:स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

| | |
|---|---|
| "डाक्टर आफ मेडिसिन (बाल चिकित्सा)" | एम. डी. (बाल चिकित्सा)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह रंगराया मेडिकल कालेज, काकीनाडा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "बाल स्वास्थ्य डिप्लोमा" | डी सी एच<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह रंगराया मेडिकल कालेज, काकीनाडा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |
| "शल्यक्रिया निष्णात (नाक, कान, गला)" | एम. एस. (ई एन टी)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह रंगराया मेडिकल कालेज, काकीनाडा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।) |

| 2 | 3 |
|---|---|
| "स्वरयंत्र विज्ञान एवं कर्णविज्ञान डिप्लोमा" | डी. एल. ओ.<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आंध्रप्रदेश यूनिवर्सिटी द्वारा रंगराय मैडिकल कालेज, काकीनाडा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो। |
| "आयुर्विज्ञान वाचस्पति (भेजषगुण विज्ञान)" | एम.डी. (भेषजगुण विज्ञान)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आंध्रप्रदेश यूनिवर्सिटी द्वारा रंगराय मैडिकल कालेज, काकीनाडा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो। |
| "शल्य चिकित्सा निष्णात (शरीर रचना विज्ञान)" | एम.एस. (शरीर रचना विज्ञान)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आंध्रप्रदेश यूनिवर्सिटी द्वारा रंगराय मैडिकल कालेज, काकीनाडा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो। |

(ञ) "आंध्रप्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्प साइंसेस, विजयवाड़ा के सामने" "मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता' शीर्षक [इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन पंजीकरण के लिए संक्षेपण शीर्ष [इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि एवं उनसे संबंधित प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित अत:स्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :–

| | |
|---|---|
| "आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल चिकित्सा)" | एम.डी. (बाल चिकित्सा)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आंध्रप्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसेज, विजयवाड़ा द्वारा रंगराय मैडिकल कालेज, काकीनाडा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो) |
| "बाल स्वास्थ्य डिप्लोमा" | डी.सी.एच.<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आंध्रप्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसेज, विजयवाड़ा द्वारा रंगराय मैडिकल कालेज, काकीनाड़ा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो) |
| "शल्य चिकित्सा निष्णात" | एम.एस. (ई एन टी)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आंध्रप्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसेज, विजयवाड़ा द्वारा रंगराय मैडिकल कालेज, काकीनाडा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो) |
| "स्वरयंत्र विज्ञान एवं कर्णविज्ञान डिप्लोमा" | डी.एल.ओ.<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आंध्रप्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसेज, विजयवाड़ा द्वारा रंगराय मैडिकल कालेज, काकीनाडा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो) |
| "आयुर्विज्ञान वाचस्पति (भेषजगुण विज्ञान)" | एम. डी. (भेषजगुण विज्ञान)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आंध्रप्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसेज, विजयवाड़ा द्वारा रंगराय मैडिकल कालेज, काकीनाडा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो) |
| "शल्य चिकित्सा निष्णात (शरीर रचना विज्ञान)" | एम. एस. (शरीर रचना विज्ञान)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आंध्रप्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसेज, विजयवाड़ा द्वारा रंगराय मैडिकल कालेज, काकीनाडा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो) |
| "शल्य चिकित्सा निष्णात (नेत्र विज्ञान)" | एम.एस. (नेत्र विज्ञान)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आंध्रप्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसेज, विजयवाड़ा द्वारा एस.बी. मैडिकल कालेज, तिरुपति में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो) |

| 2 | 3 |
|---|---|
| "नेत्र विज्ञान डिप्लोमा" | डी. ओ.<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आंध्रप्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसेज, विजयवाड़ा द्वारा एस.वी. मेडिकल कालेज, तिरुपति में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो) |
| "आयुर्विज्ञान वाचस्पति (न्यायिक चिकित्सा)" | एम. डी. (न्यायिक चिकित्सा)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आंध्रप्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसेज, विजयवाड़ा द्वारा एस.वी. मेडिकल कालेज, तिरुपति में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में 1986 एवं उसके पश्चात् प्रदान की गई हो) |

(ट) "एन टी आर यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसेस, विजयवाड़ा" के सामने "मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता' शीर्षक (इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित) के अंतर्गत "पंजीकरण के लिए संक्षेपण शीर्षक (इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित) के अंतर्गत निम्नलिखित अत:स्थापित किए जाएंगे, अर्थात्" :–

| | |
|---|---|
| "आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल चिकित्सा)" | एम.डी. (बाल चिकित्सा)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एन टी आर यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसेज, द्वारा रंगराय मेडिकल कालेज, काकीनाडा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो) |
| "बाल स्वास्थ्य डिप्लोमा" | डी.सी.एच.<br>(यह एक मान्यतापाप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एन टी आर यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसेज द्वारा रंगराय मेडिकल कालेज, काकीनाडा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो) |
| "शल्य चिकित्सा निष्णात (ईएनटी)" | एम.एस. (ई एन टी)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एन टी आर यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसेज द्वारा रंगराय मेडिकल कालेज, काकीनाडा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो) |
| "स्वरयंत्र विज्ञान एवं कर्णविज्ञान डिप्लोमा" | डी.एल.ओ.<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एन टी आर यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसेज, द्वारा रंगराय मेडिकल कालेज, काकीनाडा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो) |
| "आयुर्विज्ञान वाचस्पति (भेषजगुण विज्ञान)" | एम. डी. (भेषजगुण विज्ञान)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एन टी आर यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसेज द्वारा रंगराय मेडिकल कालेज, काकीनाडा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो) |
| "शल्य चिकित्सा निष्णात (शरीर रचना विज्ञान)" | एम. एस. (एनाटोमी)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एन टी आर. स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा रंगारैयया मेडिकल कॉलेज, काकीनाड़ा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो । |
| "शल्य चिकित्सा निष्णात (नेत्र विज्ञान)" | एम.एस. (ऑप्थेलमोलॉजी)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एन.टी.आर. स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा एस. वी. मेडिकल कॉलेज, तिरूपति में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो) |

| 2 | 3 |
|---|---|
| "नेत्र विज्ञान डिप्लोमा" | डी. ओ.<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा एस. वी. मेडिकल कॉलेज, तिरूपति में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में प्रदान की गई हो । |
| "आयुर्विज्ञान वाचस्पति (न्याय वैधक)" | एम. डी. (फॉरेंसिक मेडिसिन)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा एस. वी. मेडिकल कॉलेज, तिरूपति में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में 1986 एवं उसके पश्चात् प्रदान की गई हो) । |

(ठ) शीर्षक "मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता" इसके पश्चात् स्तंभ (2) के रूप में उल्लिखित के अन्तर्गत "मुम्बई विश्वविद्यालय," के सामने, अंतिम प्रविष्टि तथा शीर्षक "पंजीकरण के लिए संक्षेपण" [इसके अंतर्गत स्तम्भ (3) के रूप में उल्लिखित] के अंतर्गत उससे संबंधित प्रत्येक प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :–

| | |
|---|---|
| "मजिस्ट्रार ऑफ चिरुरगिए (तंत्रिका शल्यचिकित्सा)" | एम.सी.एच. (न्यूरो सर्जरी)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बॉम्बे विश्वविद्यालय द्वारा ग्रांट मेडिकल कॉलेज, मुम्बई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में जनवरी, 1989 से 24 मार्च, 1999 के बीच प्रदान की गई हो । |

(ड) शीर्षक "मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता" [इसके पश्चात् स्तंभ (2) के रूप में उल्लिखित] के अन्तर्गत "बॉम्बे विश्वविद्यालय," के सामने, अंतिम प्रविष्टि तथा शीर्षक "पंजीकरण के लिए संक्षेपण" [इसके अंतर्गत स्तम्भ (3) के रूप में उल्लिखित] के अंतर्गत उससे संबंधित प्रत्येक प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :–

| | |
|---|---|
| "मजिस्ट्रार ऑफ चिरुरगिए (तंत्रिका शल्यचिकित्सा)" | एम.सी.एच. (न्यूरो सर्जरी)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा ग्रांट मेडिकल कॉलेज, मुम्बई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में 24 जुलाई, 2000 से प्रदान की गई हो । |

(च) शीर्षक "मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता" शीर्षक [इसके पश्चात् स्तंभ (2) के रूप में उल्लिखित] के अन्तर्गत "राजस्थान विश्वविद्यालय," के सामने, अंतिम प्रविष्टि तथा शीर्षक "पंजीकरण के लिए संक्षेपण" [इसके अंतर्गत स्तम्भ (3) के रूप में उल्लिखित] के अंतर्गत उससे संबंधित प्रत्येक प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :–

| | |
|---|---|
| 'आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान" | एम.डी. (पैथेलाजी एंड माइक्रो बायलोजी)<br>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा आर. एन. टी. मेडिकल कॉलेज, उदयपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में 1974 से 1985 के बीच प्रदान की गई हो। |

[सं. यू. 12012/906/2008-एम.ई. (पी-II)]

एन. बारिक, अवर सचिव

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

### (Department of Health and Family Welfare)

New Delhi, the 20th April, 2009

**S.O. 1124.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of the Section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, due to change of nomenclature of the qualification namely :–

In the said Schedule–

(a) against "Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore" under the heading 'Recognized Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

| | |
|---|---|
| "Doctor of Medicine(Dermatology)/ Dermatology, Venerology and Leprosy" | MD (Dermatology)/DVL (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at St. John's Medical College, Bangalore on or after April, 2004. |
| "Doctor of Medicine (Pathology)" | MD (Pathology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Dr. B. R. Ambedkar Medical College, Bangalore). |

(b) against "Bangalore University" under the heading 'Recognized Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

| | |
|---|---|
| "Doctor of Medicine (Pathology)" | MD (Pathology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Bangalore University in respect of the students being trained at Dr. B. R. Ambedkar Medical College, Bangalore). |

(c) against "The Tamilnadu Dr. M.G.R. University of Health Sciences, Chennai" under the heading 'Recognized Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

| | |
|---|---|
| "Doctor of Medicine (Geriatrics)" | MD (Geriatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Tamilnadu Dr. M.G.R. University of Health Sciences, Chennai in respect of the students being trained at Chennai Medical College, Chennai.) |
| "Magistrar of Chirurgiae (Plastic Surgery)" | M. Ch (Plastic Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Tamilnadu Dr. M.G.R. University of Health Sciences, Chennai in respect of the students being trained at Madurai Medical College, Madurai.) |
| "Master of Surgery (General Surgery)" | MS (General Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Tamilnadu Dr. M.G.R. University of Health Sciences, Chennai in respect of the students being trained at Coimbatore Medical College, Coimbatore.) |
| "Doctor of Medicine (Pharmacology)" | MD (Pharmacology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Tamilnadu Dr. M.G.R. University of Health Sciences, Chennai in respect of the students being trained at Stanley Medical College, Chennai.) |
| "Doctor of Medicine (Dermatology)" | MD (Dermatology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Tamilnadu Dr. M.G.R. University of Health Sciences, Chennai in respect of the students being trained at Stanley Medical College, Chennai.) |
| "Diploma in Dermatology" | D.D. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Tamilnadu Dr. M.G.R. University of Health Sciences, Chennai in respect of the students being trained at Stanley Medical College, Chennai.) |

| | |
|---|---|
| "Doctor of Medicine (Paediatrics)" | MD (Paediatrics)<br>(This shall be a recognised medical qualification when granted by Tamilnadu Dr. M.G.R. University of Health Sciences, Chennai in respect of the students being trained at Stanley Medical College, Chennai.) |
| "Diploma in Ophthalmology/Diploma in Ophthalmic Medicine and Surgery" | D.O./D.O. M.S.<br>(This shall be a recognised medical qualification when granted by Tamilnadu Dr. M.G.R. University of Health Sciences, Chennai in respect of the students being trained at Stanley Medical College, Chennai.) |
| "Diploma in Orthopaedics" | D. Ortho.<br>(This shall be a recognised medical qualification when granted by Tamilnadu Dr. M.G.R. University of Health Sciences, Chennai in respect of the students being trained at Stanley Medical College, Chennai.) |
| "Doctor of Medicine (Obst. and Gynae)" | MD (Obst. and Gynae.)<br>(This shall be a recognised medical qualification when granted by Tamilnadu Dr. M.G.R. University of Health Sciences, Chennai in respect of the students being trained at Kilpauk Medical College, Chennai.) |
| "Doctor of Medicine (Paediatrics)" | MD (Paediatrics)<br>(This shall be a recognised medical qualification when granted by Tamilnadu Dr. M.G.R. University of Health Sciences, Chennai in respect of the students being trained at Kilpauk Medical College, Chennai.) |
| "Doctor of Medicine (Pathology)" | MD ((Pathology)<br>(This shall be a recognised medical qualification when granted by Tamilnadu Dr. M.G.R. University of Health Sciences, Chennai in respect of the students being trained at Kilpauk Medical College, Chennai.) |
| "Diploma in Gynaecology and Obstatrics" | D.G.O.<br>(This shall be a recognised medical qualification when granted by Tamilnadu Dr. M.G.R. University of Health Sciences, Chennai in respect of the students being trained at Kilpauk Medical College, Chennai.) |
| "Diploma in Anaesthesia" | D.A.<br>(This shall be a recognised medical qualification when granted by Tamilnadu Dr. M.G.R. University of Health Sciences, Chennai in respect of the students being trained at Kilpauk Medical College, Chennai.) |
| "Diploma in Medical Radio Therapy" | D.M.R.T.<br>(This shall be a recognised medical qualification when granted by Tamilnadu Dr. M.G.R. University of Health Sciences, Chennai in respect of the students being trained at Cancer Institute, Adyar, Chennai.) |
| "Doctor of Medicine (General Medicine)" | MD (General Medicine)<br>(This shall be a recognised medical qualification when granted by Tamilnadu Dr. M.G.R. University of Health Sciences, Chennai in respect of the students being trained at Tirunelvelli Medical College, Tirunelvelli.) |
| "Doctor of Medicine (Obst. and Gynaecology)" | MD (Obst. and Gynae.)<br>(This shall be a recognised medical qualification when granted by The Tamilnadu Dr. M.G.R. University of Health Sciences, Chennai in respect of the students being trained at Tanjavur Medical College, Thanjavur.) |

(d) against "Madurai University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

| | |
|---|---|
| "Doctor of Medicine(General Medicine)" | MD (General Medicine)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Madurai University in respect of the students being trained at Tirunelvelli Medical College, Tirunelvelli. |

(e) against "Madurai Kamraj University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

| | |
|---|---|
| "Magistrar of Chirurgiae (Plastic Surgery)" | M. Ch. (Plastic Surgery)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Madurai Kamraj University in respect of the students being trained at Madurai Medical College, Madurai. |
| "Doctor of Medicine (General Medicine)" | MD (General Medicine)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Madurai Kamraj University in respect of the students being trained at Tirunelvelli Medical College, Tirunelvelli. |

(f) against "Bharthiar University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

| | |
|---|---|
| "Master of Surgery (General Surgery)" | MS (General Surgery)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Bharthiar University in respect of the students being trained at Coimbatore Medical College, Coimbatore. |

(g) against "Bharthidasan University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely:—

| | |
|---|---|
| "Doctor of Medicine (Obst. & Gynaecology)" | MD (Obst. and Gynae.)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Bharthidasan University in respect of the students being trained at Thanjavur Medical College, Thanjavur. |

(h) against "Madras University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

| | |
|---|---|
| "Master of Surgery (General Surgery)" | MS (General Surgery)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Madras University in respect of the students being trained at Coimbatore Medical College, Coimbatore. |
| "Doctor of Medicine (Pharmacology)" | MD (Pharmacology)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Madras University in respect of the students being trained at Stanley Medical College, Chennai. |
| "Doctor of Medicine (Dermatology)" | MD (Dermatology)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Madras University in respect of the students being trained at Stanley Medical College, Chennai. |

| | |
|---|---|
| "Diploma in Dermatology" | D.D.<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Madras University in respect of the students being trained at Stanley Medical College, Chennai. |
| "Doctor of Medicine (Paediatrics)" | MD (Paediatrics)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Madras University in respect of the students being trained at Stanley Medical College, Chennai. |
| "Diploma in Ophthalmology/Diploma in Ophthalmic Medicine and Surgery" | D.O./D.O.M.S.<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Madras University in respect of the students being trained at Stanley Medical College, Chennai. |
| "Diploma in Orthopaedics" | D. Ortho.<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Madras University in respect of the students being trained at Stanley Medical College, Chennai. |
| "Doctor of Medicine (Obst. and Gynae.)" | MD (Obst. and Gynae)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Madras University in respect of the students being trained at Kilpauk Medical College, Chennai. |
| "Doctor of Medicine (Paediatrics.)" | MD (Paediatrics)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Madras University in respect of the students being trained at Kilpauk Medical College, Chennai. |
| "Doctor of Medicine (Pathology.)" | MD (Pathology)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Madras University in respect of the students being trained at Kilpauk Medical College, Chennai. |
| "Diploma in Gynaecology and Obstatrics" | D.G.O.<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Madras University in respect of the students being trained at Kilpauk Medical College, Chennai. |
| "Diploma in Anaesthesia" | D.A.<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Madras University in respect of the students being trained at Kilpauk Medical College, Chennai. |
| "Diploma in Medical Radio Therapy" | D.M.R.T.<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Madras University in respect of the students being trained at Cancer Institute, Adyar, Chennai. |
| "Doctor of Medicine (General Medicine)" | MD (General Medicine)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Madras University in respect of the students being trained at Tirunelvelli Medical College, Tirunelvelli. |

| (1) | (2) |
|---|---|
| "Doctor of Medicine (Obst. & Gynaecology)" | MD (Obst. and Gynae)<br><br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Madras University in respect of the students being trained at Thanjavur Medical College, Thanjavur. |

(i) against "Andhra University" under the heading 'Recognized Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

| | |
|---|---|
| "Doctor of Medicine (Paediatrics)" | MD (Paediatrics)<br><br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra University in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada. |
| "Diploma in Child Health" | D.C.H.<br><br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra University in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada. |
| "Master of Surgery (ENT)" | MS (ENT)<br><br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra University in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada. |
| "Diploma in Laryngology and Otology" | D.L.O.<br><br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra University in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada. |
| "Doctor of Medicine (Pharmacology)" | MD (Pharmacology)<br><br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra University in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada. |
| "Master of Surgery (Anatomy)" | MS (Anatomy)<br><br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra University in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada. |

(j) against "Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada" under the heading 'Recognized Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

| | |
|---|---|
| "Doctor of Medicine (Paediatrics)" | MD (Paediatrics)<br><br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada. |
| "Diploma in Child Health)" | D.C.H.<br><br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada. |

| 1 | 2 |
|---|---|
| "Master of Surgery (ENT)" | MS (ENT)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada. |
| "Diploma in Laryngology and Otology" | D.L.O.<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada. |
| "Doctor of Medicine (Pharmacology)" | MD (Pharmacology)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada. |
| "Master of Surgery (Anatomy)" | MS (Anatomy)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada. |
| "Master of Surgery (Ophthalmology)" | MS (Ophthalmology)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at S.V. Medical College, Tirupati. |
| "Diploma in Ophthalmology" | D.O.<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at S.V. Medical College, Tirupati. |
| "Doctor of Medicine (Forensic Medicine)" | MD (Forensic Medicine)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at S.V. Medical College, Tirupati on or after 1986. |

(k) against "NTR University of Health Sciences, Vijayawada" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

| | |
|---|---|
| "Doctor of Medicine (Paediatrics)" | MD (Paediatrics)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada. |
| "Diploma in Child Health" | D.C.H.<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada. |
| "Master of Surgery (ENT)" | MS (ENT)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada. |
| "Diploma in Laryngology and Otology" | D.L.O.<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada. |
| "Doctor of Medicine (Pharmacology)" | MD (Pharmacology)<br>This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada. |

| 1 | 2 |
|---|---|
| "Master of Surgery (Anatomy)" | MS (Anatomy)<br>(This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada). |
| "Master of Surgery (Ophthalmology)" | MS (Ophthalmology)<br>(This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at S.V. Medical College, Tirupati). |
| "Diploma in Ophthalmology" | D.O.<br>(This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at S.V. Medical College, Tirupati). |
| "Doctor of Medicine (Forensic Medicine)" | MD (Forensic Medicine)<br>(This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at S.V. Medical College, Tirupati on or after 1986). |

(i) against "University of Bombay" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

| 2 | 3 |
|---|---|
| "Magistrar of Chirurgiae (Neurosurgery)" | M. Ch (Neurosurgery)<br>(This shall be a recognised medical qualification when granted by University of Bombay in respect of the students being trained at Grant Medical College, Mumbai between January, 1989 to 24th March, 1999). |

(m) against "University of Mumbai" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely:

| 2 | 3 |
|---|---|
| "Magistrar of Chirurgiae (Neurosurgery)" | M. Ch (Neurosurgery)<br>(This shall be a recognised medical qualification when granted by University of Mumbai in respect of the students being trained at Grant Medical College, Mumbai from 24th July, 2000 onwards). |

(n) against "Rajasthan University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely:—

| 2 | 3 |
|---|---|
| "Doctor of Medicine (Pathology and Microbiology)" | MD (Pathology & Microbiology)<br>(This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajasthan University in respect of the students being trained at R.N.T. Medical College, Udaipur between 1974 to 1985). |

[No. U-12012/906/2008-ME(P-II)]

N. BARIK, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 2009

**का. आ. 1125.**-केन्द्र सरकार दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उप-धारा (4) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद् से परामर्श करने के बाद एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-III में निम्नलिखित और संशोधन करती है; अर्थात् :-

2. सिडनी विश्वविद्यालय के संबंध में दन्त चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-III में क्रम सं. 54 के सामने स्तंभ 2 और 3 की मौजूदा प्रविष्टियों के अन्तर्गत उसके नीचे निम्नलिखित प्रविष्टियां अन्त:स्थापित की जाएंगी, अर्थात् :-

**''फैकल्टी आफ डेंटिस्ट्री, वेस्टनेड हॉस्पिटल डेंटल क्लिनिकल स्कूल वेस्टनेड, आस्ट्रेलिया**

| | |
|---|---|
| भारतीय विश्वविद्यालयों की एमडीएस (प्रोस्थोडोंटिक्स) के समतुल्य रिमूवल प्रोस्थोडोंटिक्स में दंत चिकित्सा विज्ञान में निष्णात की डिग्री, यदि यह 18 दिसम्बर, 1998 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो। | रिमूवल प्रोस्थोडोंटिक्स में एम.डी. एससी. की डिग्री, सिडनी विश्वविद्यालय'' |

[फा. सं. वी-12018/2/2007-डीई]

राज सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 20th April, 2009

**S. O. 1125.**—in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (4) of section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) and after consultation with the Dental Council of India, Central Government hereby makes the following further amendments in Part-III of the Schedule to the said Act, namely :

2. Under the existing entries of columns 2 & 3 against Serial No. 54 of part-III of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) pertaining to University of Sydney, the following entries shall be inserted thereunder, namely :—

**" Faculty of Dentistry Westnead Hospital Dental Clinical School, Westnead, Australia.**

| | |
|---|---|
| Master of Dental Science Degree in Removal Prosthodontics equivalent to MDS (Prosthodontics) of Indian Universities, if granted on or after 18th December, 1998. | M.D.Sc. Degree in Removal Prosthodontics University of Sydney" |

[F. No. V-12018/2/2007-DE]

RAJ SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 2009

**का. आ. 1126.**—केन्द्र सरकार दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उप-धारा (4) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद् से परामर्श करने के बाद एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-III में निम्नलिखित और संशोधन करती है; अर्थात् :—

2. दन्त चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-III में क्रम सं. 96 के बाद स्तंभ 1, 2 और 3 की मौजूदा प्रविष्टियों के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :—

**फैकल्टी आफ डेंटिस्ट्री, वेस्टनेड हॉस्पिटल डेंटल क्लिनिकल स्कूल, वेस्टनेड, आस्ट्रेलिया**

| | | |
|---|---|---|
| ''97. खोन कैन यूनिवर्सिटी, थाईलैंड | **फैकल्टी आफ डेंटिस्ट्री और ग्रेजुएट स्कूल, खोन कैन यूनिवर्सिटी**<br>आर्थोडोंटिक्स में एमडीएस पाठ्यक्रम के समतुल्य खोन कैन यूनिवर्सिटी, थाईलैंड द्वारा प्रदत्त आर्थोडोंटिक्स में एम.एससी. यदि यह 17-5-2006 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो। | आर्थोडोंटिक्स में एम.एससी.'' |

[फा. सं. वी-12018/2/2007-डीई]

राज सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 20th April, 2009

**S. O. 1126.**— In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (4) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) and after consultation with the Dental Council of India, Central Government hereby makes the following further amendments in Part-III of the Schedule to the said Act, namely

2. Under the existing entries of columns 1, 2 & 3 after serial number 96 in part-III of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) the following entries shall be added, namely :

| | | |
|---|---|---|
| "97. Khon Kaen University, Thailand | **Faculty of Dentistry and the Graduate School, Khon Kaen University**<br>M.Sc. in Orthodontics awarded by Khon Kaen University, Thailand equivalent to MDS Course in Orthodontics, if granted on or after [illegible] 06 | M.Sc. in Orthodontics" |

[F. No. V-12018/2/2007-DE]

RAJ SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 2009

**का. आ. 1127.**—केन्द्र सरकार दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उप-धारा (4) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद् से परामर्श करने के बाद एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-III में निम्नलिखित और संशोधन करती है; अर्थात् :

2. लंदन विश्वविद्यालय के संबंध में दन्त चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-III में क्रम सं. 9 के सामने स्तंभ 2 और 3 की मौजूदा प्रविष्टियों के अन्तर्गत उसके नीचे निम्नलिखित प्रविष्टियां अन्तः स्थापित की जाएंगी, अर्थात् :-

| | |
|---|---|
| **किंग्स कालेज, लन्दन** | |
| "क्लिनिकल डेंटिस्ट्री (प्रोस्थोडोंटिक्स) में निष्णात एक अतिरिक्त अर्हता के रूप में लेकिन भारतीय विश्वविद्यालयों की एमडीएस डिग्री/पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम के समतुल्य नहीं, यदि यह 31-12-2005 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो । | क्लिनिकल डेंटिस्ट्री (प्रोस्थोडोंटिक्स) में निष्णात, लंदन विश्वविद्यालय" |
| **यूनिवर्सिटी कालेज ऑफ लंदन, जानपदिक रोग विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य विभाग, लंदन** | |
| "भारतीय विश्वविद्यालय के पीजी डिप्लोमा के समतुल्य डेंटल जन स्वास्थ्य में एम.एससी. एक अतिरिक्त अर्हता के रूप में यदि यह 1-11-1993 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो । | डेंटल जन स्वास्थ्य में एम.एससी., लंदन विश्वविद्यालय" |

[फा. सं. वी-12018/2/2007-डीई]

राज सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 20th April, 2009

**S. O. 1127.**—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (4) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) and after consultation with the Dental Council of India, Central Government hereby makes the following further amendments in Part-III of the Schedule to the said Act, namely :—

2. Under the existing entries of column 2 and 3 against serial number 9 in part-III of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) pertaining to University of London, the following entries, shall be inserted thereunder, namely :

| | |
|---|---|
| **King's College, London** | |
| "Masters of Clinical Dentistry (Prosthodontics) as an additional qualification but not equivalent to. MDS Degree/P.G. Diploma Course of Indian Universities, if granted on or after 31-12-2005. | Masters of Clinical Dentistry (Prosthodontics), University of London." |
| **University College of London, Department of Epidemiology and Public Health, London.** | |
| "M.Sc. in Dental Public Health as an additional qualification equivalent to P.G. Diploma of the Indian University, if granted on or after 1-11-1993. | M.Sc. in Dental Public Health University of London." |

[F. No. V-12018/2/2007-DE]

RAJ SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 2009

**का. आ. 1128.**—दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद् से परामर्श करने के बाद एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची के भाग-I में निम्नलिखित और संशोधन करती है; अर्थात् :

2. कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ के संबंध में दन्त चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-I में क्रम सं. 35 के सामने स्तंभ 2 और 3 की मौजूदा प्रविष्टियों के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी :-

| | |
|---|---|
| **III. के एल ई सोसायटी का दंत आयुर्विज्ञान संस्थान, बेलगाम** | |
| (iii) एम डी एस (प्रोस्थो.)<br>(यदि यह 5 मार्च, 1993 को अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो) | एम डी एस (प्रोस्थो.), कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ |
| (iv) एम डी एस (पेरियोडोंटिक्स)<br>(यदि यह 5 मार्च, 1993 को अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो) | एम डी एस (पेरियोडोंटिक्स), कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ |

| | |
|---|---|
| (v) एम डी एस (ओरल सर्जरी)<br>(यदि यह 5 मार्च, 1993 को अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो) | एम डी एस (ओरल सर्जरी), कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ |
| (vi) एम डी एस (ओरल पैथॉलोजी)<br>(यदि यह 5 मार्च, 1993 को अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो) | एम डी एस (ओरल पैथ.), कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ |
| (vii) एम डी एस (कंसर्वेटिव डेंटिस्ट्री)<br>(यदि यह 30 अगस्त, 1994 को अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो) | एम डी एस (कंसर्वेटिव डेंटिस्ट्री), कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ |

**IV. एस डी एम दंत आयुर्विज्ञान कॉलेज, धारवाड़**

| | |
|---|---|
| - एम डी एस (प्रोस्थो.<br>(यदि यह 7 मार्च, 1994 को अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो) | एम डी एस (प्रोस्थो.), कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ |
| - एम डी एस (पेरियोडॉंटिक्स)<br>(यदि यह 4 मार्च, 1994 को अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो) | एम डी एस (पेरियोडॉंटिक्स), कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ |
| - एम डी एस (कंसर्वेटिव डेंटिस्ट्री)<br>(यदि यह 9 मार्च, 1994 को अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो) | एम डी एस (कंसर्वेटिव डेंटिस्ट्री) कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ |
| - एम डी एस (ओरल सर्जरी)<br>(यदि यह 9 मार्च, 1994 को अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो) | एम डी एस (ओरल सर्जरी), कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ |
| - एम डी एस (ऑर्थोडॉंटिक्स)<br>(यदि यह 14 मार्च, 1994 को अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो) | एम डी एस (ऑर्थोडॉंटिक्स) कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ |
| - एम डी एस (ओरल पैथोलोजी)<br>(यदि यह 4 मार्च, 1994 को अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो) | एम डी एस (ओरल पैथ.) कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ |
| - एम डी एस (कम्यूनिटी)<br>(यदि यह 12 मार्च, 1994 को अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो) | एम डी एस (कम्यूनिटी), कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ |

3. इसी प्रकार, मंगलौर विश्वविद्यालय, मंगलौर के संबंध में दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-I में क्रम संख्या 22 के सामने स्तम्भ 2 और 3 की मौजूदा प्रविष्टियों के अंतर्गत निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी :-

**1. दंत शल्यचिकित्सा कॉलेज, मनीपाल**

| | |
|---|---|
| 'एम डी एस (कम्यूनिटी डेंटिस्ट्री)<br>(यदि यह 11 जून, 1990 को अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो) | एम डी एस (कम्यूनिटी डेंटिस्ट्री), मंगलौर विश्वविद्यालय, मंगलौर |

**IV. ए. बी. शेट्टी दंत आयुर्विज्ञान स्मारक संस्थान, मंगलौर**

| | |
|---|---|
| (i) एम डी एस (कंसर्वेटिव डेंटिस्ट्री)<br>(यदि यह 7 जुलाई, 1991 को अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो) | एम डी एस (कंसर्वेटिव डेंटिस्ट्री), मंगलौर विश्वविद्यालय, मंगलौर |
| (ii) एम डी एस (ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलोजी)<br>(यदि यह 23 जुलाई, 1993 को अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो) | एम डी एस (ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलोजी), मंगलौर विश्वविद्यालय, मंगलौर |
| (iii) एम डी एस (ओरल पैथोलोजी)<br>(यदि यह 24 जुलाई, 1995 को अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो) | एम डी एस (ओरल पैथोलोजी), मंगलौर विश्वविद्यालय, मंगलौर |

4. दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 की अनुसूची के भाग-I में क्रम संख्या 77 के उपरान्त निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :-

| | | |
|---|---|---|
| "78. बैंगलोर विश्वविद्यालय, बैंगलौर | 1. सरकारी डेंटल कॉलेज, बैंगलौर .<br>दंत शल्य चिकित्सा निष्णात<br>एम डी एस (प्रोस्थोडॉंटिक्स)<br>(यदि यह 15 मार्च, 1993 को<br>अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो) | एम डी एस (प्रोस्थो.)<br>बैंगलौर विश्वविद्यालय, बैंगलौर' |

[फा. सं. वी-12018/01/2002-डीई]

राज सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 6th April, 2009

**S. O. 1128.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with Dental Council of India, hereby makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely :—

2. In the existing entries of column 2 & 3 against Serial No.35, in Part-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) pertaining to, Karnataka University, Dharwad, the following entries shall be inserted thereunder :—

| | |
|---|---|
| **III. KLE Society's Institute of Dental Sciences, Belgaum** | |
| '(iii) MDS (Prostho)<br>(if granted on or after 5th March, 1993) | MDS (Prostho.), Karnataka University, Dharwad. |
| (iv) MDS (Periodontics)<br>(if granted on or after 5th March, 1993) | MDS (Periodontics.), Karnataka University, Dharwad. |
| (v) MDS (Oral Surgery)<br>(if granted on or after 5th March,1993) | MDS (Oral Surgery), Karnataka University, Dharwad. |
| (vi) MDS (Oral Pathology)<br>(if granted on or after 5th March,1993) | MDS (Oral Path.), Karnataka University, Dharwad. |
| (vii) MDS (Conservative Dentistry )<br>(if granted on or after 30th August, 1994) | MDS (Con. Dentistry.), Karnataka University, Dharwad.' |
| **IV. SDM College of Dental Sciences, Dharwad** | |
| - 'MDS (Prostho)<br>(if granted on or after7th March, 1994) | MDS (Prostho), Karnataka University, Dharwad. |
| - MDS (Periodontics)<br>(if granted on or after 4th March, 1994) | MDS (Periodontics), Karnataka University, Dharwad. |
| - MDS (Conservative Dentistry)<br>(if granted on or after 9th March, 1994) | MDS (Cons. Dentistry), Karnataka University, Dharwad.' |
| - MDS (Oral Surgery)<br>(if granted on or after 9th March, 1994) | MDS (Oral Surgery), Karnataka University, Dharwad. |
| - MDS (Orthodontics)<br>(if granted on or after 14th March, 1994) | MDS (Orthodontics), Karnataka University, Dharwad. |
| - MDS (Oral Pathology)<br>(if granted on or after 4th March, 1994) | MDS (Oral Path.), Karnataka University, Dharwad. |
| - MDS (Community)<br>(if granted on or after 12th March, 1994) | MDS (Community), Karnataka University, Dharwad. |

3. Similarly, in the existing entries of column 2 & 3 against Serial No.22, in Part-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) pertaining to Mangalore University, Mangalore, the following entries shall be inserted thereunder

| | |
|---|---|
| **I. College of Dental Surgery, Manipal** | |
| - 'MDS ( Community Dentistry)<br>(if granted on or after 11th June, 1990) | MDS (Comm. Dentistry), Mangalore University, Mangalore.' |
| **IV. A.B. Shetty Memorial Institute of Dental Sciences, Mangalore** | |
| (i) 'MDS ( Conservative Dentistry)<br>(if granted on or after 7th July, 1991) | MDS (Cons. Dentistry), Mangalore University, Mangalore. |
| (ii) MDS (Oral Medicine & Radiology)<br>(if granted on or after 23rd July,1993) | MDS (Oral Med. & Radiology), Mangalore University, Mangalore. |

| | |
|---|---|
| (iii) MDS (Oral Pathology) (if granted on or after 24th July, 1995) | MDS (Oral Pathology), Mangalore University, Mangalore.' |

4. In Part-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948, after serial No. 77, the following serial number and entries shall be inserted, namely :—

| | |
|---|---|
| **'78. Bangalore University, Bangalore** | |
| **I. Government Dental College, Bangalore** | |
| **Master of Dental Surgery** | |
| MDS( Prosthodontics) (if granted on or after 15th March, 1993). | MDS (Prostho.) Bangalore University, Bangalore' |

[F. No. V-12018/01/2002-DE]

RAJ SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 2009

**का. आ. 1129.** —केन्द्रीय सरकार भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद से परामर्श करने के बाद दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-I में निम्नलिखित संशोधन करती है; अर्थात् :–

2. डॉ. आर. एम. एल. अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद, उत्तर प्रदेश के संबंध में दन्त चिकित्सक अधिनियम, 1948 की अनुसूची के भाग-I में क्रम सं. 55 के सामने स्तंभ 2 और 3 की मौजूदा प्रविष्टियों के अन्तर्गत सरदार पटेल इंस्टीट्यूट आफ डेंटल एंड मेडिकल साइंसेज, लखनऊ के संबंध में निम्नलिखित प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :-

| | |
|---|---|
| "(iii) एम डी एस (पेडोडोन्टिक्स) (यदि यह 04-09-2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो) | एम डी एस (पेडो.), डॉ. आर. एम. एल. अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद (उत्तर प्रदेश) |
| (iv) एम डी एस (ओरल एंव मैक्सिलोफेशियल सर्जरी) (यदि यह 06-09-2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो) | एम डी एस (ओरल सर्जरी), डॉ. आर. एम. एल. अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद (उत्तर प्रदेश) |
| (v) एम डी एस (पेरियोडोन्टिक्स) (यदि यह 09-09-2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो) | एम डी एस (पेरियो.), डॉ. आर. एम. एल. अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद (उत्तर प्रदेश) |
| (vi) एम डी एस (आर्थोडोन्टिक्स) (यदि यह 13-09-2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो) | एम डी एस (आर्थो.), डॉ. आर. एम. एल. अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद (उत्तर प्रदेश)" |

[फा. सं. वी.-12017/20/2003-डीई]

राज सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 8th April, 2009

**S.O. 1129.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely :—

2. Under the existing entries of column 2 & 3 against Serial No.55, in Part-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) pertaining to Dr. RML Avadh University, Faizabad (U.P.), the following entries in respect of Sardar Patel Institute of Dental & Medical Sciences, Lucknow, shall be inserted thereunder :—

| | |
|---|---|
| "(iii) MDS (Pedodontics) (If granted on or after 04-09-2008) | MDS (Pedo), Dr. RML Avadh University, Faizabad (U.P) |
| (iv) MDS (Oral & Maxillofacial Surgery) (if granted on or after 06-09-2008) | MDS (Oral Surgery), Dr. RML Avadh University, Faizabad (U.P) |
| (v) MDS (Periodontics) (if granted on or after 09-09-2008) | MDS (Perio.), Dr. RML Avadh University, Faizabad (U.P) |

| | |
|---|---|
| (vi) MDS (Orthodontics) (if granted on or after 13-09-2008) | MDS (Ortho.), Dr. RML Avadh University, Faizabad (U.P)" |

[F. No. V-12017/20/2003-DE]

RAJ SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 2009

**का. आ. 1130.**—नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 7ख की उप-धारा (1) के अंतर्गत प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय द्वारा दिनांक 6-1-2009 को भाग II, खण्ड 3, उप7खण्ड-II में प्रकाशित दिनांक 5-1-2009 की अधिसूचना सं. का. आ. 36(अ) के साथ पठित दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 के खण्ड (ख) की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा श्रीमती रीता सिक्का बनाम भारत संघ के मामले में 2006 की रिट याचिका 8794 में पारित दिनांक 2-2-2009 के आदेश के अनुपालन में तथा भारतीय दंत चिकित्सा परिषद् के साथ परामर्श करने के बाद उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-III में एतद्द्वारा निम्नलिखित और संशोधन करती है अर्थात् :-

2. दन्त चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-III में क्रम सं. 87 के बाद स्तंभ 1, 2 एवं 3 की मौजूदा प्रविष्टियों के अन्तर्गत निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :-

| | | |
|---|---|---|
| 98. यूनिवर्सिटी आफ ब्रिटिश कोलम्बिया, बैंकूवर, बी.सी. कनाडा | यूनिवर्सिटी आफ ब्रिटिश कोलम्बिया, बैंकूवर, बी.सी. कनाडा की डाक्टर आफ डेंटल मेडिसिन डिग्री भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त बी डी एस डिग्री के समकक्ष होगी यदि यह श्रीमती रीता सिक्का, पत्नी श्री अमित सिक्का, निवासी डब्ल्यू 16 लेन, हाऊस 4, एकता मार्ग, वेस्टर्न एवेन्यू, सैनिक फार्म्स, नई दिल्ली-110062 को मई, 1999 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई है । | (डाक्टर आफ डेंटल मेडिसिन), यूनिवर्सिटी आफ ब्रिटिश कोलम्बिया वैंकूवर, बी.सी. कनाडा |

[फा. सं. वी-12018/7/2005-डीई]

राज सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 8th April, 2009

**S. O. 1130.**—In exercise of the powers conferred by Clause (b) Sub-Section (4) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), read with Notification No. S.O. 36(E) dt. 5-1-2009 published in Part II, Section-3, Sub-Section (ii) dt. 6-1-2009 by Ministry of Overseas Indian Affairs under Sub-Section (1) of Section 7B of the Citizenship Act, 1955, the Central Government, in compliance of order dt. 2-2-2009 passed in W.P. 8794 of 2006 in the matter of Mrs. Rita Sikka Vs. Union of India by Hon'ble Delhi High Court and after consultation with the Dental Council of India, hereby makes the following further amendments in Part-III of the Schedule to the said Act, namely :—

2. Under the existing entries of column 1, 2 & 3 after serial number 97 in part - III of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) the following serial number and entries shall be added, namely :—

| | | |
|---|---|---|
| 98. University of British Columbia, Vancouver, B.C. Canada | Doctor of Dental Medicine Degree from University of British Columbia, Vancouver, B.C. Canada as equivalent to BDS degree awarded by the Indian University, if granted on or after May, 1999 to Smt. Rita Sikka, W/o Shri Amit Sikka, R/O W 16 Lane, House 4, Ekta Marg, Western Avenue, Sainik Farms, New Delhi-11 0062. | (Doctor of Dental Medicine), University of British Columbia, Vancouver, B.C. Canada |

[No. V-12018/7/2005-DE]

RAJ SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 2009

**का. आ. 1131.**—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में एतद्द्वारा निम्नलिखित और संशोधन करती है; अर्थात् :-

उक्त प्रथम अनुसूची में "चिकित्सक एवं शल्य चिकित्सक कॉलेज, बम्बई" और उससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद "पदमश्री डॉ. डी. वाई. पाटिल विश्वविद्यालय, नवी मुम्बई, महाराष्ट्र" जोड़ा जाएगा और "पदमश्री डॉ डी. वाई. पाटिल विश्वविद्यालय, नवी मुम्बई, महाराष्ट्र" के सामने शीर्षक 'मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके पश्चात् स्तम्भ (2) के रूप में संदर्भित] के अंतर्गत और शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके पश्चात् स्तम्भ (3) के रूप में संदर्भित] के अंतर्गत निम्नलिखित अंत: स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

| मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता | पंजीकरण के लिए संक्षेपण |
|---|---|
| 2 | 3 |
| आयुर्विज्ञान स्नातक एवं शल्य चिकित्सा स्नातक | एम.बी.बी.एस. (यदि यह दिसम्बर, 2008 को अथवा उसके पश्चात् प्रदान की गई हो) |
| नेत्र विज्ञान डिप्लोमा | डी.ओ. (यदि यह जून, 2007 को अथवा उसके पश्चात् प्रदान की गई हो) |
| अस्थि रोग विज्ञान डिप्लोमा | डी. ऑर्थो (यदि यह जून, 2007 को अथवा उसके पश्चात् प्रदान की गई हो) |
| मनोवैज्ञानिक चिकित्सा डिप्लोमा | डी. पी. एम. (यदि यह जून, 2007 को अथवा उसके पश्चात् प्रदान की गई हो) |
| त्वचा रोग, रतिज रोग एवं कुष्ठ रोग डिप्लोमा | डी. डी. वी. एल. (यदि यह जून, 2007 को अथवा उसके पश्चात् प्रदान की गई हो) |
| शिशु स्वास्थ्य डिप्लोमा | डी. सी. एच. (यदि यह जून, 2007 को अथवा उसके पश्चात् प्रदान की गई हो) |
| आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल चिकित्सा विज्ञान) | एम. डी. (पीडि.) (यदि यह जून, 2007 को अथवा उसके पश्चात् प्रदान की गई हो) |

[फा. सं. यू-12012/590/2007-एमई (पी-II)]

एन. बारिक, अवर सचिव

New Delhi, the 21st April, 2009

**S.O. 1131.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of the section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely :—

In the said First Schedule after "College of Physicians and Surgeons, Bombay" and entries relating thereto "Padamshree Dr. D. Y. Patil University, Navi Mumbai, Maharashtra" shall be added and against "Padamshree Dr. D. Y. Patil University, Navi Mumbai, Maharashtra" under the heading 'Recognized Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], and under the heading 'Abbreviation for Registration' (hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

| Recognized Medical Qualification | Abbreviation for Registration |
|---|---|
| (2) | (3) |
| Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery | M.B.B.S. (when granted on or after December, 2008) |
| Diploma in Ophthalmology | D.O. (when granted on or after June, 2007) |
| Diploma in Orthopaedics | D. Ortho. (when granted on or after June, 2007) |
| Diploma in Psychological Medicine | D.P.M. (when granted on or after June, 2007) |
| Diploma in Dermatology Venereology and Leprosy | D.D.V.L. (when granted on or after June, 2007) |
| Diploma in Child Health | D.C.H. (when granted on or after June, 2007) |
| Doctor of Medicine (Paediatrics) | M.D. (Paed.) (when granted on or after June, 2007) |

[F. No. U-12012/590/2007-ME (P-II)]

N. BARIK, Under Secy.

## उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

**( उपभोक्ता मामले विभाग )**

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1132.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स बेबे वेइंग सिस्टम प्रा.लि., 115, शकुंतला काम्पलैक्स, नर्मदापारा, गुधियारी, रायपुर-492001, छत्तीसगढ द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "बीडब्ल्यूएस-डब्ल्यूबी" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "बेबे" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/458 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल विकृत गेज प्रकार का लोड सेल आधारित वे ब्रिज प्रकार का अस्वचालित (वेब्रिज मल्टी लोड सेल प्रकार) तोलन उपकरण है । इसकी अधिकतम क्षमता 60 टन है और न्यूनतम क्षमता 400 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अंतराल (ई) 20 कि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

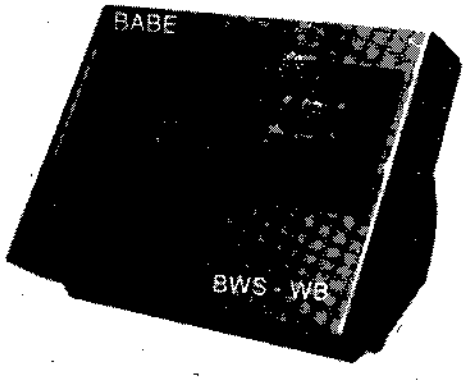


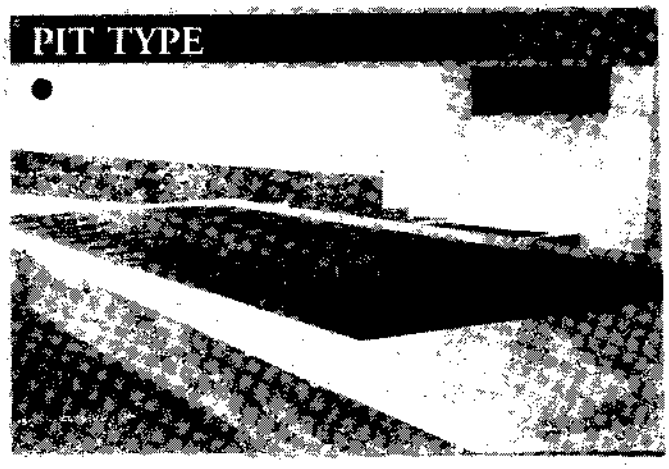


मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

उपकरण के सूचक पर शीर्ष और तल कवर पर दो छेद करके सीलबंद किया जा सकेगा । उसके बाद एक सील तार इन छेदों में डाला जाएगा और लीड सील लगाई जाएगी । सील को तोड़े बिना उपकरण को खोला नहीं जा सकता । माडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम ऊपर दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से अधिक और 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1\times10^{k}$, $2\times10^{k}$, $5\times10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यूएम-21 (145)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

## MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

**(Department of Consumer Affairs)**

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1132.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Weighbridge Type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of Series "BWS-WB" and with brand name "BABE" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Babe Weighing System Pvt. Ltd., 115, Shakuntala Complex, Narmadapara, Gudhiyari, Raipur-492001, C.G. and which is assigned the approval mark IND/09/08/458;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Weighbridge Multi Load Cell Type) with a maximum capacity of 60 tonne and minimum capacity of 400 kg. The verification scale interval (e) is 20kg. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-2 sealing provision of the indicator of model

Sealing can be done by making two holes from the top and bottom cover of the indicator of the instrument, then a seal wire is passed through these holes and a lead seal is applied. The instrument can not be opened without tampering the seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5 tonne and up to 200 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1\times10^k$, $2\times10^k$ or $5\times10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (145)/2008]

V. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1133.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स डेनियल मेजरमेंट एंड कंट्रोल डिवीजन, इमरसन प्रोसेस मनेजमेंट, एशिया पेसिफिक प्रा.लि. 1, पंडन क्रिसेंट, सिंगापुर द्वारा विनिर्मित और मैसर्स डेनियल मेजरमेंट एंड कंट्रोल इंडिया प्रा.लि., प्लाट नं. 229-300, जीआईडीसी, मरकपुरा, बड़ोदरा-390010, गुजरात द्वारा भारत में विपणीत यथार्थता वर्ग 0.3 वाले "3804 एंड ट्रांसमीटर 3800" शृंखला के ट्रांसमीटर सहित अल्ट्रासोनिक फलो मीटर (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) के माडल और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/07/394 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल ट्रांसमीटर सहित अल्ट्रासोनिक फ्लो मीटर जो पानी के अलावा अन्य द्रव्यों हेतु मापन सिस्टम का एक भाग है, जिसका प्रयोग हाइड्रोकार्बस के कस्टडी ट्रांसफार्मर क्रूड आयल के पाइप लाइनों में फ्लो मापन और विशुद्ध उत्पादों जैसे एथेन, गसोलीन, डीजल, एलपीजी, एविएशन फ्यूल आदि के लिए किया जाता है । मीटर में इंटीग्रल माउंट ट्रांसडुसर सहित कोरडल डिजाइन और अल्ट्रासोनिक प्रकार के ट्रांसिट-टाइम आधारित मनेजमेंट और स्पूल पीस सहित चार पाथ (आठ ट्रांसडूसर) होते हैं । इसकी अधिकतम फ्लो दर 38 मी.$^3$/घंटा से 380 मी$^3$/घंटा के बीच होती है और इसका आकार 100 मि.मी. होता है । इसका परिचालन तापमान-45° सें. स्के + 127 सें. के बीच होता है और अधिकतम परिचालन दबाव +1125 बार होता है । ओआईएमएल आर 117 के अनुसार मॉडल का परीक्षण किया गया है ।

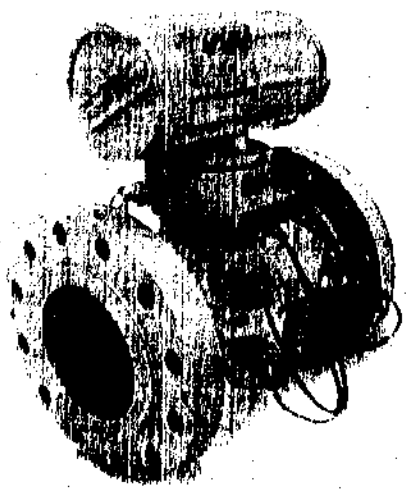

Daniel Model 3804 Liquid
Ultrasonic Flow Meter

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

स्टाम्पिंग प्लेट को सील करने के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोले जाने से रोकने के लिए भी सीलबंद किया जाएगा तथा माडल को बिक्री से पहले या बाद में उसकी सामग्री, यथार्थता, डिजाइन, सर्किट डायग्राम निष्पादन सिद्धांत आदि की शर्तों पर परिवर्तित नहीं किया जाएगा ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के मीटर भी होंगे जो 150 मि.मी., 200 मि.मी. और 250 मि.मी. के अधिकतम आकार के हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (111)/2007]

आर. माधुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, [illegible] December, 2008

**S.O. 1134.**—Whereas the Central Govern[illegible] idering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described [illegible] (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and M[illegible] of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said [illegible] periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions.

Now, therefore, in exercise of the pow[illegible] Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publish[illegible] model of non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine) with [illegible] ordinary accuracy (Accuracy class-IIII) and with brand name "TANITA" [illegible] manufactured by M/s. Tanita Corporation, 1-14-2, Maeno-Cho, Itabashi-ku, To[illegible] marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Avon Weighing Systems Ltd., [illegible] Kunj, Megha HSG [illegible] S. V. Road, Andheri (W), Mumbai—400 058, Maharashtra and which is assign[illegible] approval mark IND/09/08/[illegible]

The said model is a mechanical type lever [illegible] automatic weighing instrument (Person Weighing Machine) with a maximum capacity of 130kg and minimum [illegible] 10kg. The verification scale interval (e) is 1kg. It has a tare arrangement of + -2kg. The result of measurement [illegible]





HA Series

Figure-2 : Sealing diagram of the sealing provision of the model

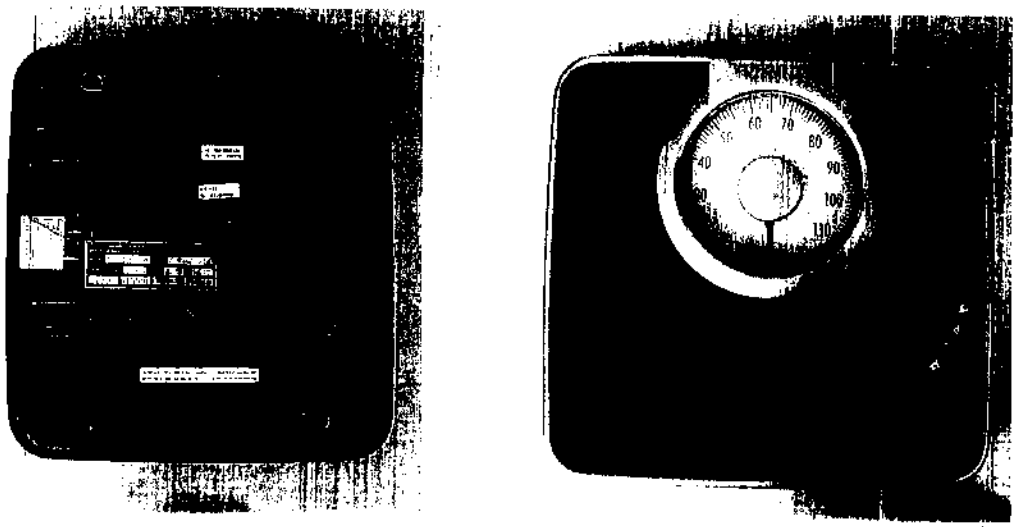

The sealing is done at the bottom plate by drilling a hole and fixing a stamping plate by putting a wire through it. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity in the range 100kg to 200kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 1000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1 \times 10^k$, $2 \times 10^k$ or $5 \times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (04)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1135.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स टानिटा कार्पोरेशन, 1-14-2, माइनों-चो, इताबासी-कु, टोकियो, जापान द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "यूएम" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "टानिटा" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे मैसर्स एवन वेइंग सिस्टम्स लि., 15, बी विंग, दूसरा तल, कमल कुंज, मेघा एच एस जी सोसायटी, एस वी रोड, अंधेरी (वेस्ट), मुंबई-400 058 महाराष्ट्र द्वारा भारत में बिक्री से पूर्व अथवा बाद में बिना किसी परिवर्तन के विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/206 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन) है । इसकी अधिकतम क्षमता 136 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । लिक्विड डायोड (एल सी डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण बैटरी से परिचालित होता है ।

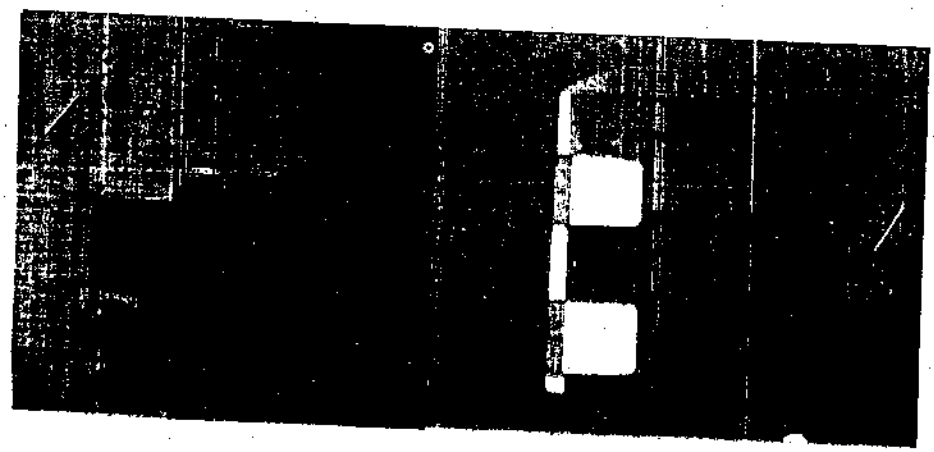

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

तल प्लेट में छेद करके और इसमें से एक वायर निकालकर स्टाम्पिंग प्लेट फिक्स करके सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 100 कि.ग्रा. से 200 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1\times10^{k}$, $2\times10^{k}$, $5\times10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (04)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1135.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of series "UM" and with brand name "TANITA" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Tanita Corporation, 1-14-2, Maeno-Cho, Itabashi-ku, Tokyo, Japan and marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Avon Weighing Systems Ltd., 15, 'B' Wing, Kamal Kunj, Meghna HSG Soc., S. V. Road, Andheri (W), Mumbai-400 058, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/08/206

The said model is a straion gauge type Load Cell based non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine) with a maximum capacity of 136kg and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Liquid Crystal Display (LCD) indicates the weighing results. The istrument is operated by battery.

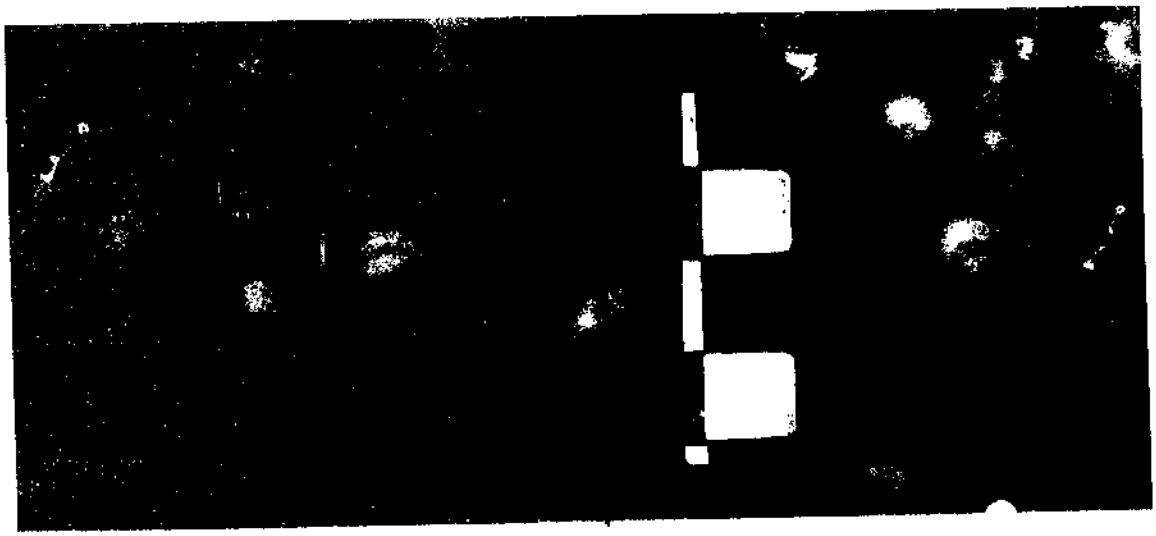

Figure-2 : Sealing diagram of the sealing provision of the model

The sealing is done in between bottom frame and display board by drilling a hole and fixing a stamping plate through it. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity in the range 100kg. to 200kg. with number of verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 with 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1\times10^k$, $2\times10^k$ or $5\times10^k$, where k is a positive or negative whole number or zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same material with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (04)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1136.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स टानिटा कार्पोरेशन, 1-14-2, माइनों-चो, इताबासी-कु, टोकियो, जापान द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "बीसी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन उपकरण) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "टानिटा" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे मैसर्स एवन वेइंग सिस्टम्स लि., 15, बी विंग, दूसरा तल, कमल कुंज, मेघा एच एस जी सोसायटी, एस वी रोड, अंधेरी (वेस्ट), मुंबई-400 058 महाराष्ट्र द्वारा भारत में बिक्री से पूर्व अथवा बाद में बिना किसी परिवर्तन के विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/40 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन) है । इसकी अधिकतम क्षमता 150 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । लिक्विड डायोड (एल सी डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण बैटरी और ए सी एडाप्टर से परिचालित होता है ।

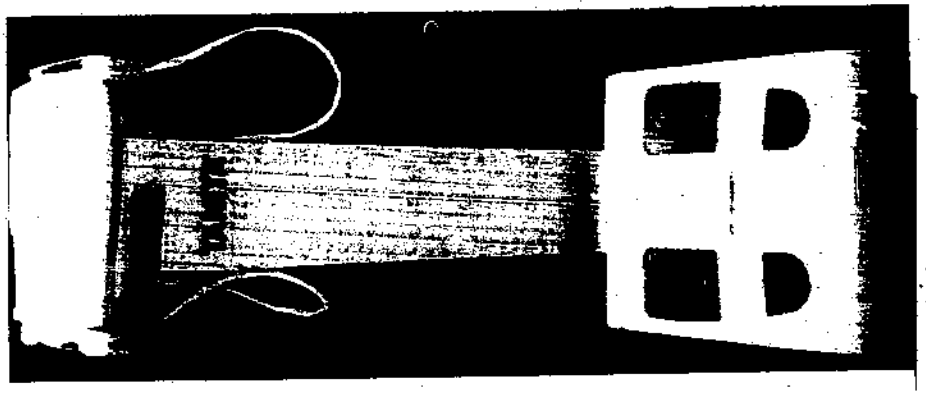

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

तल प्लेट में छेद करके और इसमें से एक वायर निकालकर स्टाम्पिंग प्लेट फिक्स करके सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 100 कि.ग्रा. से 200 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1\times10^{k}$, $2\times10^{k}$, $5\times10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (04)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

[illegible] 2008

**S.O. 1136.**—Whereas the Central Government after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described [illegible] report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 [illegible] 76) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said [illegible] s accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions.

Now, therefore, in exercise of the pow[illegible] (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes [illegible] of the Model of non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine) with digital [illegible] accuracy (Accuracy class-III) of series "BC" and with brand name "TANITA" (hereinafter referred to [illegible] manufactured by M/s. Tanita Corporation, 1-14-2, Maeno-Cho, Itabashi-ku, Tokyo, Japan and [illegible] alteration before or after sale by M/s. Avon Weighing Systems Ltd., 15, 'B' Wing [illegible] Road, Andheri (W), Mumbai-400 058, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/[illegible]

The said model is a strain gauge [illegible] automatic weighing instrument (Person Weighing Machine) with a maximum capacity of 150kg and minimum capacity [illegible] kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 percent subtractive [illegible] Crystal Display (LCD) indicates the weighing results. The instrument is operated by battery and AC adapter.

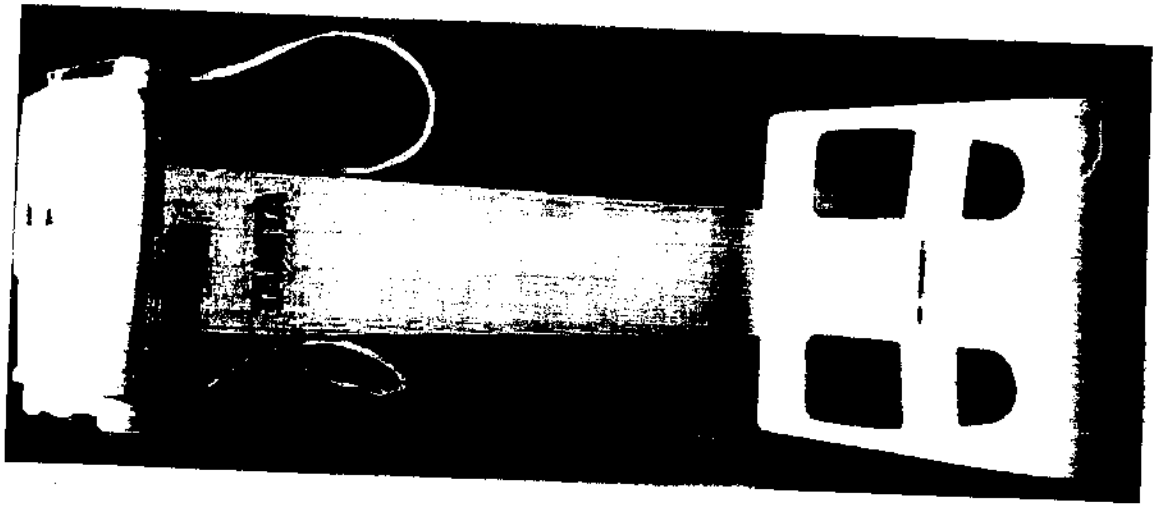



Figure-2 : Sealing [illegible] of the sealing provision of the model

The sealing is done in between [illegible] d by drilling a hole and fixing a stamping plate through it. A typical schematic diagram [illegible] is given above.

Further, in exercise of the power [illegible] section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval [illegible] model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series [illegible] range of 100kg. to 200kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 [illegible] with 'e' value of $1\times10^k$, $2\times10^k$ or $5\times10^k$, where k is a positive or negative whole number [illegible] same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same [illegible] approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (04)/2008]

[illegible] HURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1137.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित अधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स टानिटा कार्पोरेशन, 1-14-2, माइनों-चो, इताबाशी-[illegible], टोकियो, जापान द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-IV) वाले "एचडी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "टानिटा" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे मैसर्स [illegible] वेइंग सिस्टम्स लि., 15, बी विंग, दूसरा तल, कमल कुंज, मेघा एच एस जी सोसायटी, एस वी रोड, अंधेरी (वेस्ट), मुंबई-400 058 महाराष्ट्र द्वारा भारत में बिक्री से पूर्व अथवा बाद में बिना किसी परिवर्तन के विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/39 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन) है । इसकी अधिकतम क्षमता 150 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 5 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 500 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । लिक्विड क्रिस्टल डायोड (एल सी डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण बैटरी से परिचालित होता है ।

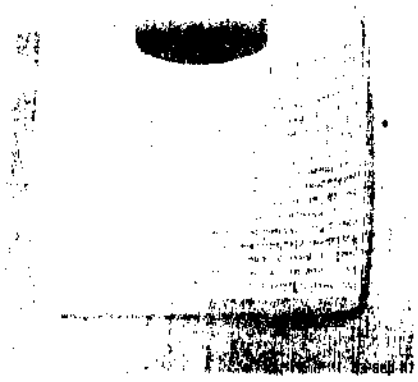



मॉडल का सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

तल प्लेट में छेद करके और इसमें से एक वायर निकालकर स्टाम्पिंग प्लेट फिक्स करके सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम [illegible]

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की [illegible] प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के [illegible] डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित [illegible] यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के [illegible] रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 100 कि.ग्रा. से 200 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं [illegible] $5\times10^k$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (04)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1137.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine) with digital indication of series "HD" belonging to ordinary accuracy (Accuracy class-IV) and with brand name "TANITA" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Tanita Corporation, 1-14-2, Maeno-Cho, Itabashi-ku, Tokyo, Japan and marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Avon Weighing Systems Ltd., 15, 'B' Wing, Kamal Kunj, Megha HSG Soc., S. V. Road, Andheri (W), Mumbai-400 058, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/08/39;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine) with a maximum capacity of 150kg. and minimum capacity of 5kg. The verification scale interval (e) is 500g. It has a tare device with a 100 percent susbtractive retained tare effect. The Liquid Crystal Display (LCD) indicates the weighing results. The instrument is operated by battery.

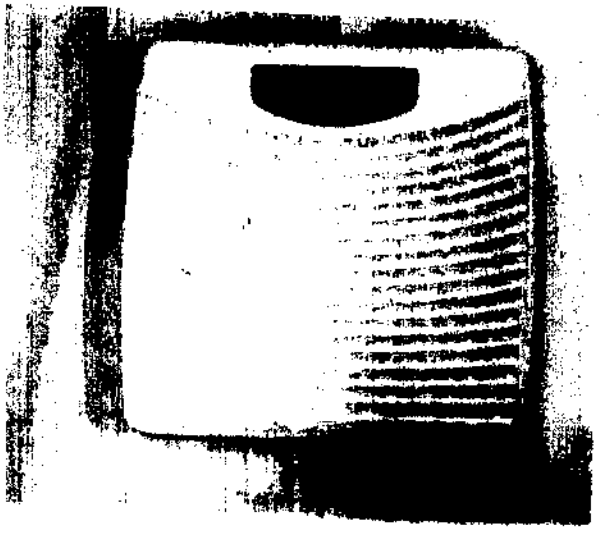

Figure-2 : Sealing diagram of the sealing provision of the model

The sealing is done at the bottom plate and display board by drilling a hole and fixing a stamping plate by putting a wire through it. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity in the range of 100kg. to 200kg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 1000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1 \times 10^k$, $2 \times 10^k$ or $5 \times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (04)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1138.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स टानिटा कार्पोरेशन, 1-14-2, माइनोः-चो, इताबासी-कु, टोकियो, जापान द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "केडी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन) के माडल का, जिसके ब्रांड का नाम "टानिटा" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे मैसर्स एवन वेइंग सिस्टम्स लि., 15, बी विंग, दूसरा तल, कमल कुंज, मेघा एच एस जी सोसायटी, एस. वी. रोड, अंधेरी (वेस्ट), मुंबई-400 058 महाराष्ट्र द्वारा भारत में बिक्री से पूर्व अथवा बाद में बिना किसी परिवर्तन के विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/38 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (वेइंग मशीन) है । इसकी अधिकतम क्षमता 5 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 20 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 1 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । लिक्विड क्राइस्टल डायोड (एल सी डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण बैटरी से परिचालित होता है ।

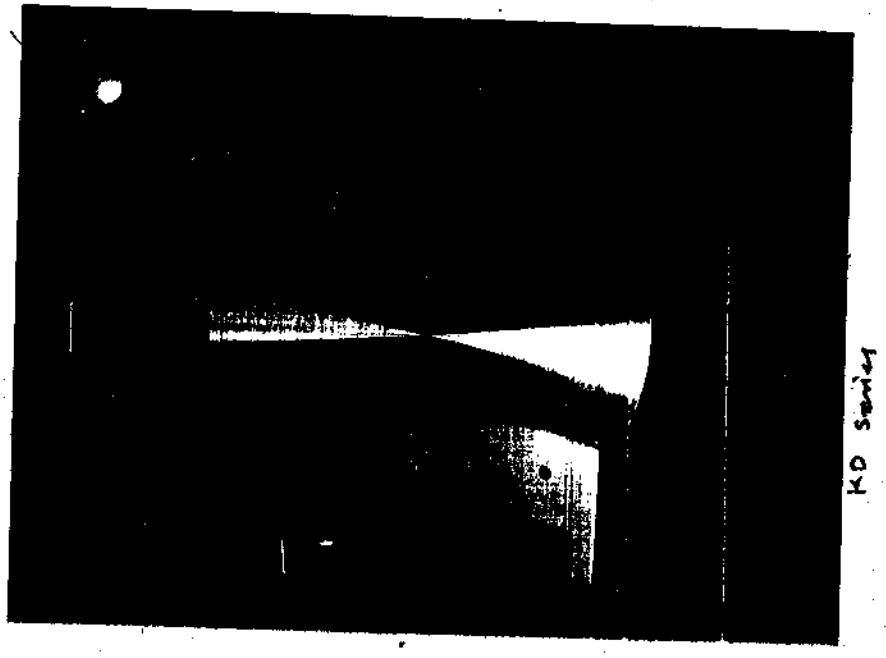


मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

तल प्लेट में छेद करके और इसमें से एक वायर निकालकर स्टाम्पिंग प्लेट फिक्स करके सीलिंग की जाती है । माडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1\times10^{k}$, $2\times10^{k}$, $5\times10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(04)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1138.**—Whereas the Central Government after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of series "KD" and with brand name "TANITA" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Tanita Corporation, 1-14-2, Maeno-Cho, Itabashi-ku, Tokyo, Japan and marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Avon Weighing Systems Ltd., 15, 'B' Wing, Kamal Kunj, Megha HSG Soc., S. V. Road, Andheri (W), Mumbai-400 058, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/08/38;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Weighing Machine) with a maximum capacity of 5 kg. and minimum capacity of 20g. The verification scale interval (e) is 1g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The liquid Crystal Display (LCD) indicates the weighing results. The instrument is operated by battery.

Figure-2 Sealing diagram of the sealing provision of the model

The sealing is done at the back side of the balance by making a hole in between P.C.B. board and bottom frame and fixing a stamping plate through it. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1\times10^k$, $2\times10^k$ or $5\times10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (04)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1139.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स टानिटा कार्पोरेशन, 1-14-2, माइनो-चो, इताबासी-कु, टोकियो, जापान द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "टीबीएफ" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "टानिटा" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे मैसर्स एवन वेइंग सिस्टम्स लि., 15, बी विंग, दूसरा तल, कमल कुंज, मेघा एच एस जी सोसायटी, एस. वी. रोड, अंधेरी (वेस्ट), मुंबई-400 058 महाराष्ट्र द्वारा भारत में बिक्री से पूर्व अथवा बाद में बिना किसी परिवर्तन के विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/37 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन) है । इसकी अधिकतम क्षमता 200 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । लिक्विड डायोड (एल सी डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण बैटरी और ए सी एडाप्टर से परिचालित होता है ।

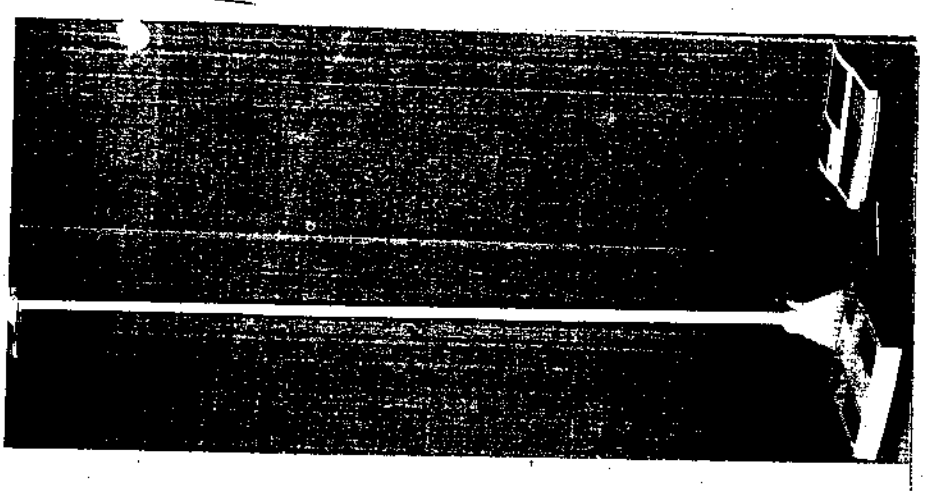

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

तल प्लेट में छेद करके और इसमें से एक वायर निकालकर स्टाम्पिंग प्लेट फिक्स करके सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 100 कि.ग्रा. से 200 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1\times10^{k}$, $2\times10^{k}$, $5\times10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (04)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1139.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of series "TBF" and with brand name "TANITA" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Tanita Corporation, 1-14-2, Maeno-Cho, Itabashi-ku, Tokyo, Japan and marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Avon Weighing Systems Ltd., 15, 'B' Wing, Kamal Kunj, Megha HSG Soc., S. V. Road, Andheri (W), Mumbai-400 058, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/08/37;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine) with a maximum capacity of 200 kg. and minimum capacity of 2 kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Liquid Crystal Display (LCD) indicates the weighing results. The instrument is operated by battery and AC Adapter.

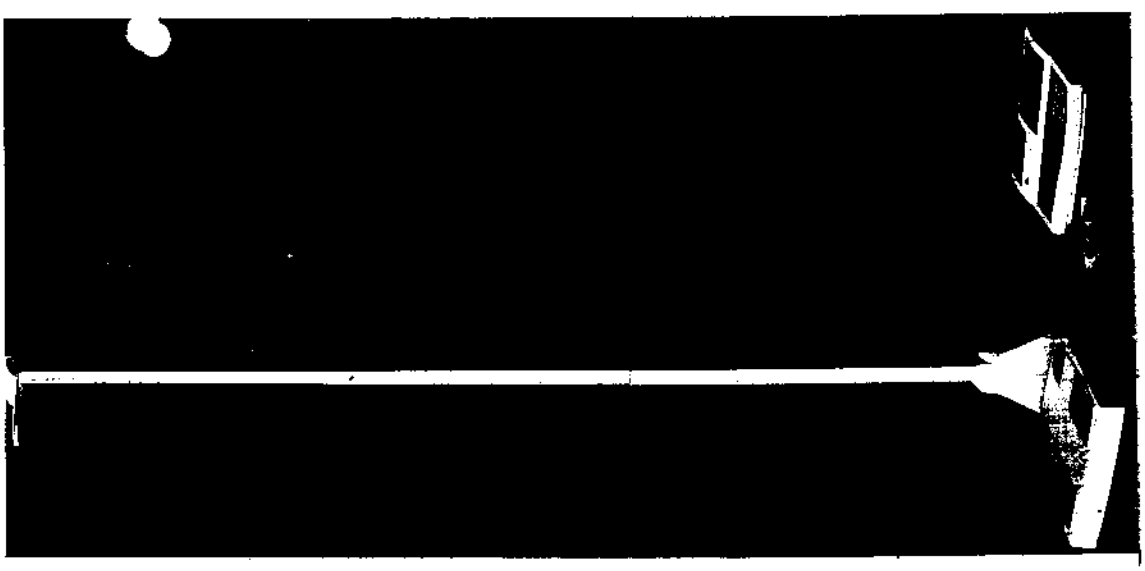

Figure-2 Sealing diagram of the sealing provision of the model

The sealing is done in between display board and mechanical body by drilling a hole and fixing a stamping plate through it. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity in the range of 100 kg. to 200 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1 \times 10^k$, $2 \times 10^k$ or $5 \times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (04)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1140.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स टानिटा कार्पोरेशन, 1-14-2, माइनों-चो, इताबासी-कु, टोकियो, जापान द्वारा विनिर्मित साधारण यथार्थता (यथार्थता वर्ग IIII) वाले "16" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन उपकरण) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "टानिटा" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे मैसर्स एवन वेइंग सिस्टम्स लि., 15, बी विंग, दूसरा तल, कमल कुंज, मेघा एच एस जी सोसायटी, एस वी रोड, अंधेरी (वेस्ट), मुंबई-400 058 महाराष्ट्र द्वारा भारत में बिक्री से पूर्व अथवा बाद में बिना किसी परिवर्तन के विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/35 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन) है । इसकी अधिकतम क्षमता 150 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 5 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 500 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । लिक्विड डायोड (एल सी डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण बैटरी से परिचालित होता है ।

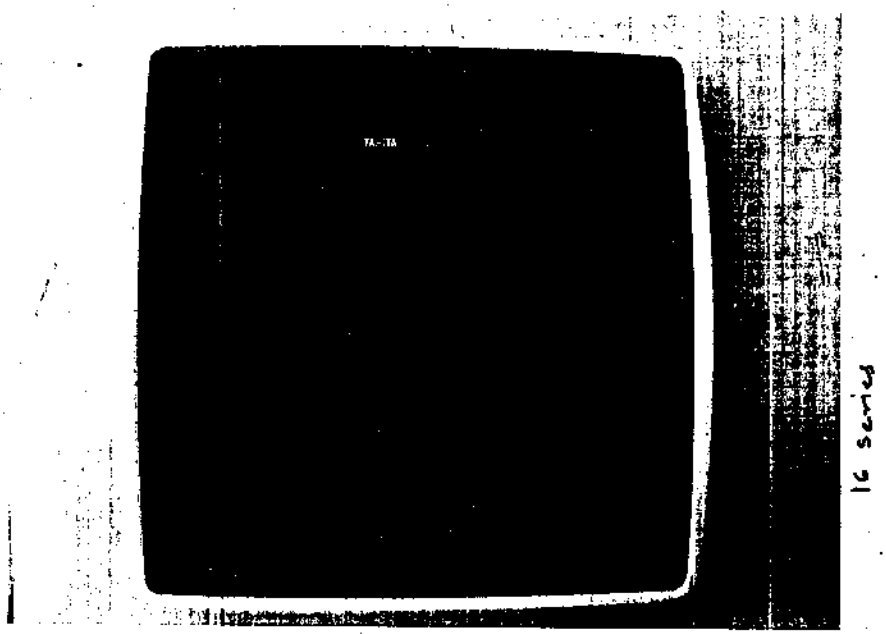


मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम।

तल प्लेट में छेद करके और इसमें से एक वायर निकालकर स्टाम्पिंग प्लेट फिक्स करके सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 100 कि.ग्रा. से 200 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1\times10^{*}$, $2\times10^{*}$, $5\times10^{*}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (04)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1140.**—Whereas the Central Government. after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine) with digital indication of series "16" belonging to ordinary accuracy (Accuracy class-IIII) and with brand name "TANITA" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Tanita Corporation, 1-14-2, Maeno-Cho, Itabashi-ku, Tokyo, Japan and marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Avon Weighing Systems Ltd., 15, 'B' Wing, Kamal Kunj, Megha HSG Soc., S. V. Road, Andheri (W), Mumbai-400 058, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/08/35;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine) with a maximum capacity of 150 kg. and minimum capacity of 5 kg. The verification scale interval (e) is 500g. It has a tare device with a 100 per cent susbtractive retained tare effect. The Liquid Crystal Display (LCD) indicates the weighing results. The instrument is operated by battery

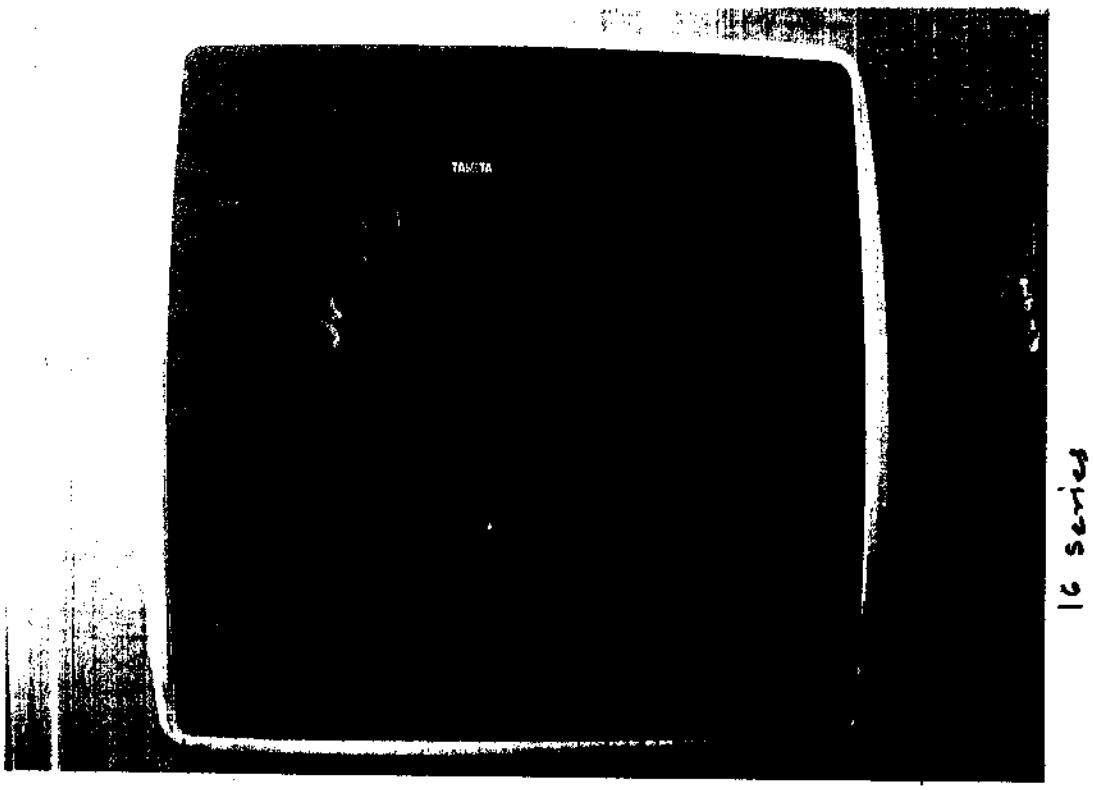


Figure 2 : Sealing diagram of the sealing provision of the model.

The sealing is done at the bottom plate and PCB board by drilling a hole and fixing a stamping plate by putting a wire through it. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity in the range of 100 kg. to 200 kg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 1000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1 \times 10^k$, $2 \times 10^k$ or $5 \times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (04)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1141.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स टानिटा कार्पोरेशन, 1-14-2, माइनों-चो, इताबासी-कु, टोकियो, जापान द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "बीएफ" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "टानिटा" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे मैसर्स एवन वेइंग सिस्टम्स लि., 15, बी विंग, दूसरा तल, कमल कुंज, मेघा एच एस जी सोसायटी, एस वी रोड, अंधेरी (वेस्ट), मुंबई-400 058 महाराष्ट्र द्वारा भारत में बिक्री से पूर्व अथवा बाद में बिना किसी परिवर्तन के विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/34 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन) है । इसकी अधिकतम क्षमता 150 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । लिक्विड डायोड (एल सी डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण बैटरी और एसी अडाप्टर से परिचालित होता है ।

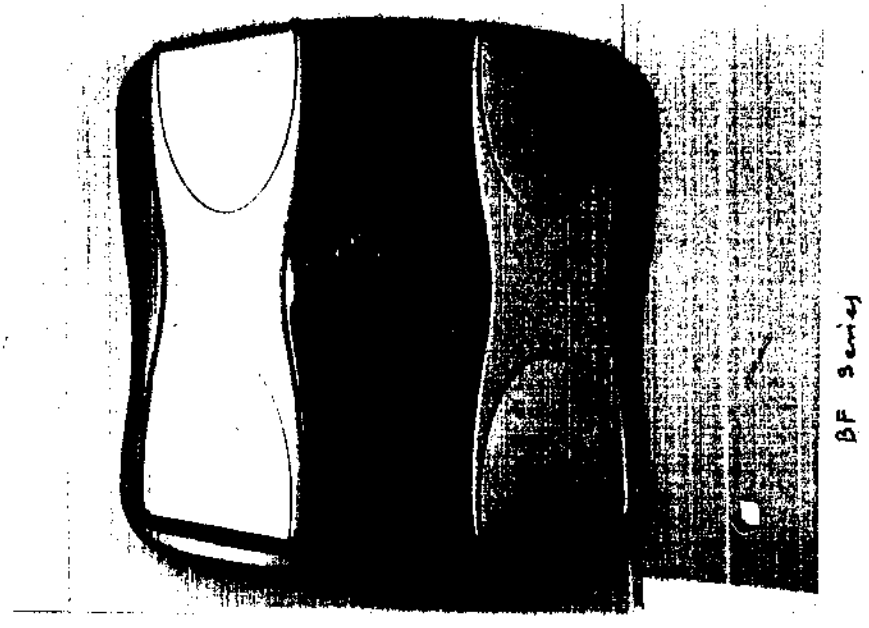


मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम।

तल प्लेट में छेद करके और इसमें से एक वायर निकालकर स्टाम्पिंग प्लेट फिक्स करके सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 100 कि.ग्रा. से 200 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1\times10^{k}$, $2\times10^{k}$, $5\times10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (04)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1141.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of series "BF" and with brand name "TANITA" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Tanita Corporation, 1-14-2, Maeno-Cho, Itabashi-ku, Tokyo, Japan and marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Avon Weighing Systems Ltd., 15, 'B' Wing, Kamal Kunj, Megha HSG Soc., S. V. Road, Andheri (W), Mumbai-400 058, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/08/34;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine) with a maximum capacity of 150 kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent susbtractive retained tare effect. The Liquid Crystal Display (LCD) indicates the weighing results. The instrument is operated by battery and AC Adapter.

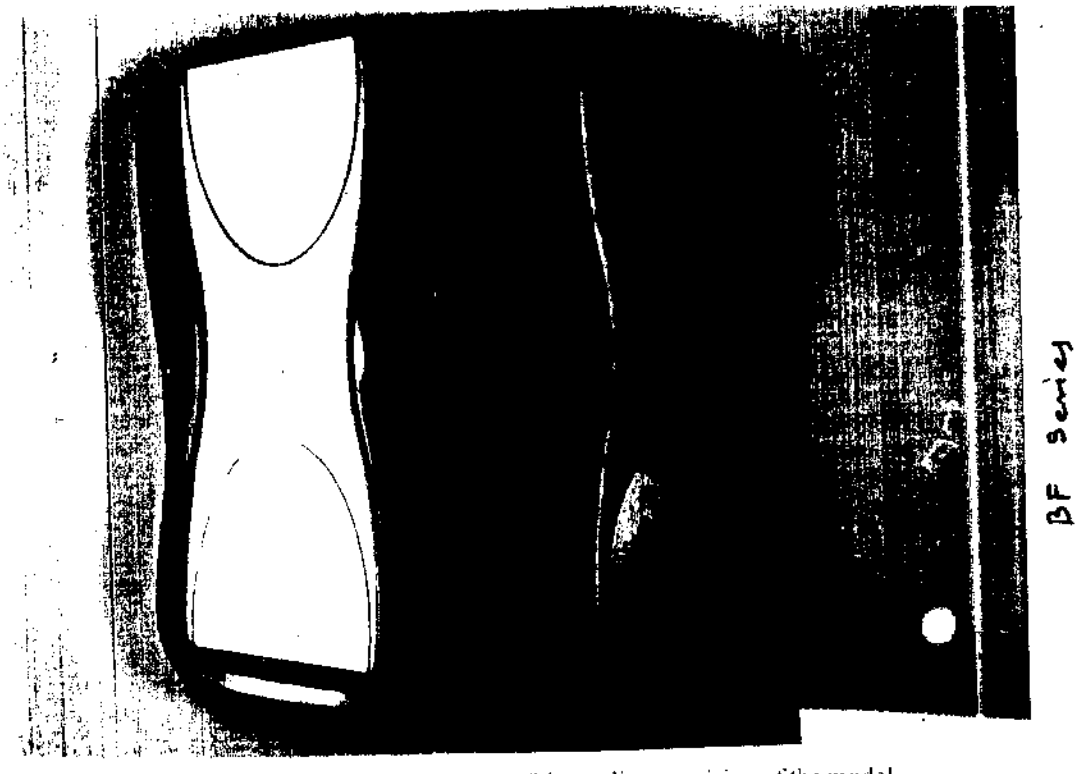


Figure 2 : Sealing diagram of the sealing provision of the model.

The sealing is done at the left side of the display in between motherboard and body by drilling a hole and fixing a stamping plate through it. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity in the range of 100 kg. to 200 kg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1\times10^k$, $2\times10^k$ or $5\times10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (04)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1142.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स टानिटा कार्पोरेशन, 1-14-2, माइनों-चो, इताबासी-कु, टोकियो, जापान द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "15" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (बेबी वेइंग मशीन) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "टानिटा" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है), जिसे मैसर्स एवन वेइंग सिस्टम्स, लि. 15, बी विंग, दूसरा तल, कमल कुंज, मेघा एच एस जी सोसायटी, एस वी रोड, अंधेरी (वेस्ट), मुंबई-400 058 महाराष्ट्र द्वारा भारत में बिक्री से पूर्व अथवा बाद में बिना किसी परिवर्तन के विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/33 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (बेबी वेइंग मशीन) है । इसकी अधिकतम क्षमता 10 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 200 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 10 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है । जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । लिक्विड डायोड (एल सी डी) प्रदर्शन तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण बैटरी से परिचालित होता है ।

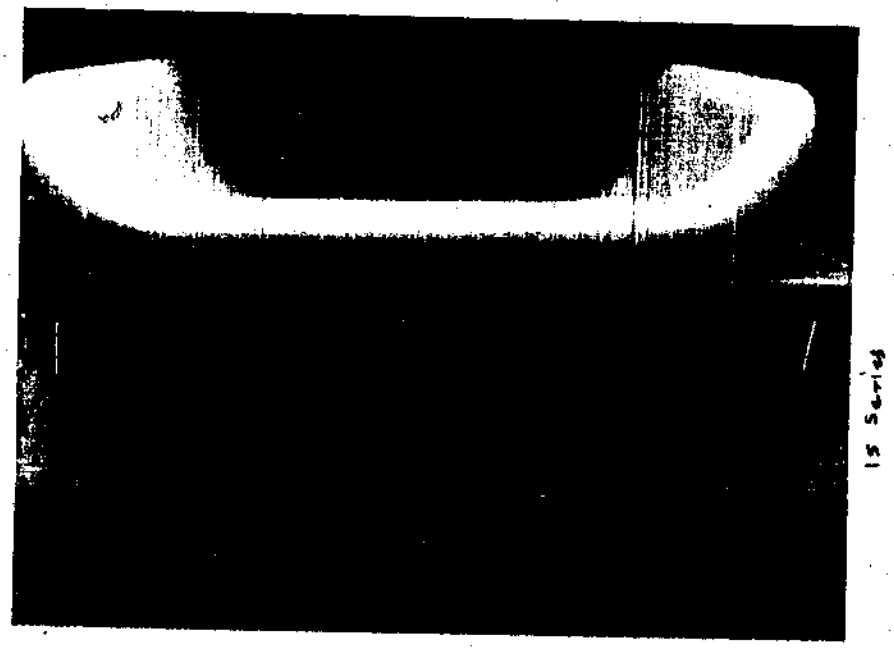


मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

तल प्लेट में छेद करके और इसमें से एक वायर निकालकर स्टाम्पिंग प्लेट फिक्स करके सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1 \times 10^{k}$, $2 \times 10^{k}$, $5 \times 10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (04)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1142.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Baby Weighing Machine) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of series "15" and with brand name "TANITA" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Tanita Corporation, 1-14-2, Maeno-Cho, Itabashi-ku, Tokyo, Japan and marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Avon Weighing Systems Ltd.,15, 'B' Wing, Kamal Kunj, Megha HSG Soc., S.V. Road, Andheri (W), Mumbai-400 058, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/08/33 ;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Baby Weighing Machine) with a maximum capacity of 10 kg. and minimum capacity of 200 g. The verification scale intervel (e) is 10g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Liquid Crystal Display (LCD) indicates the weighing results. The instrument is operated by battery.

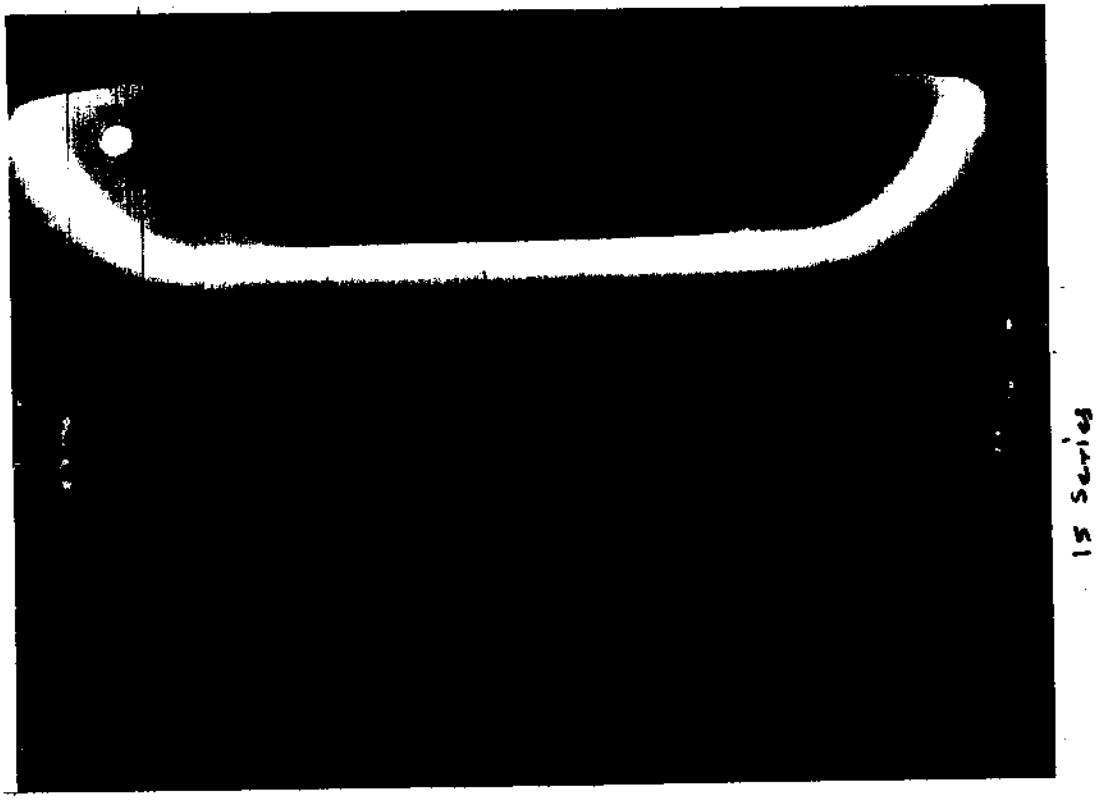


Figure-2 : Sealing diagram of the sealing provision of the Model

The sealing is done at the left side of the balance in between bottom plate and top plate by drilling a hole and fixing a stamping plate through it. A typical schematic diagram of sealing provision of the Model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1\times 10^k$, $2\times 10^k$, or $5\times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(04)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1143.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (माडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स टानिटा कार्पोरेशन, 1-14-2, माइनों-चो, इताबासी-कु, टोकियो, जापान द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "बीडी" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (बेबी वेइंग मशीन) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "टानिटा" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है), और जिसे मैसर्स एवन वेइंग सिस्टम्स, लि. 15,बी विंग, दूसरा तल, कमल कुंज, मेघा एच एस जी सोसायटी, एस वी रोड, अंधेरी (वेस्ट), मुंबई-400 058 महाराष्ट्र द्वारा भारत में बिक्री से पूर्व अथवा बाद में बिना किसी परिवर्तन के विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/32 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (बेबी वेइंग मशीन) है । इसकी अधिकतम क्षमता 20 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 200 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 10 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है । जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । लिक्विड डायोड (एल सी डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण बैटरी से परिचालित होता है ।

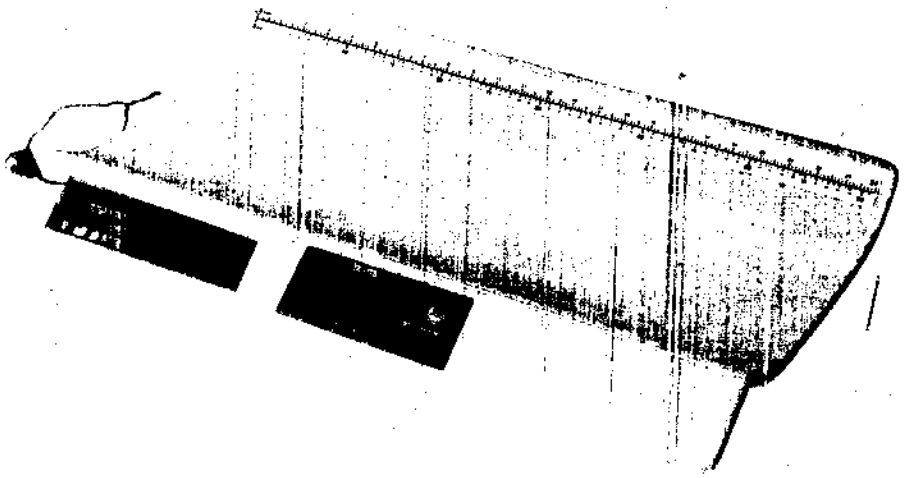

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

तल प्लेट में छेद करके और इसमें से एक बार वायर निकालकर स्टाम्पिंग प्लेट फिक्स करके सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1 \times 10^{k}$, $2 \times 10^{k}$, $5 \times 10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (04)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1143.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Baby Weighing Machine) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of series "BD" and with brand name "TANITA" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Tanita Corporation, 1-14-2, Maeno-Cho, Itabashi-ku, Tokyo, Japan and marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Avon Weighing Systems Ltd.,15, 'B' Wing, Kamal Kunj, Megha HSG Soc., S.V. Road, Andheri (W), Mumbai-400 058, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/08/32;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Baby Weighing Machine) with a maximum capacity of 20 kg. and minimum capacity of 200 g. The verification scale intervel (e) is 10g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Liquid Crystal Display (LCD) indicates the weighing results. The instrument is operated by battery.

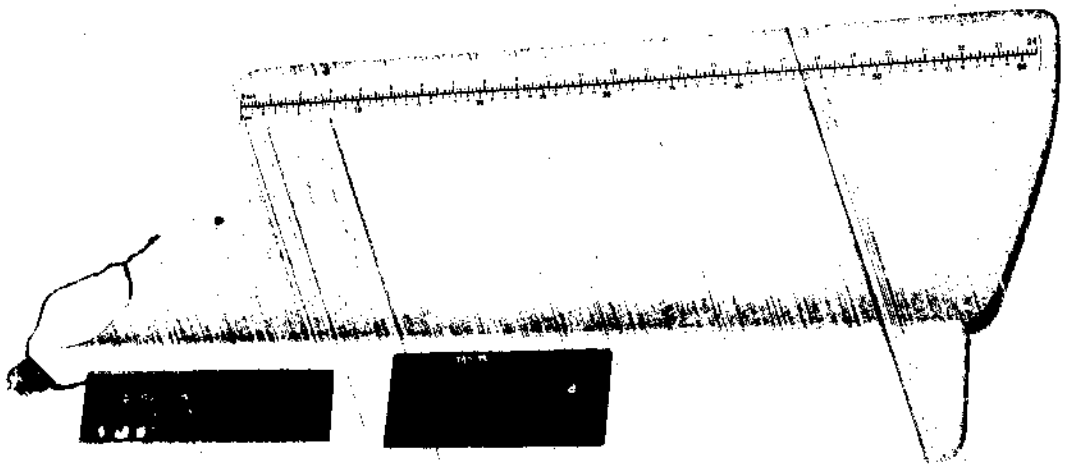

Figure-2 : Sealing diagram of the sealing provision of the Model

The sealing is done at the left side of the display in between Moterboard and body drilling a hole and fixing a stamping plate through it. A typical schematic diagram of sealing provision of the Model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1\times 10^k$, $2\times 10^k$, or $5\times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(04)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1144.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स स्केल एन सेन्सर इंक, 89/एफ, सेक्टर-3, रोहिणी, दिल्ली-110085 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "DGPL" श्रृंखला के अस्वचालित अंकक सूचन सहित, तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "DIGITRON" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/210 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त माडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित (प्लेटफार्म प्रकार) तोलन उपकरण है । इसकी अधिकतम क्षमता 300 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 1 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 50 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है । जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्शन तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

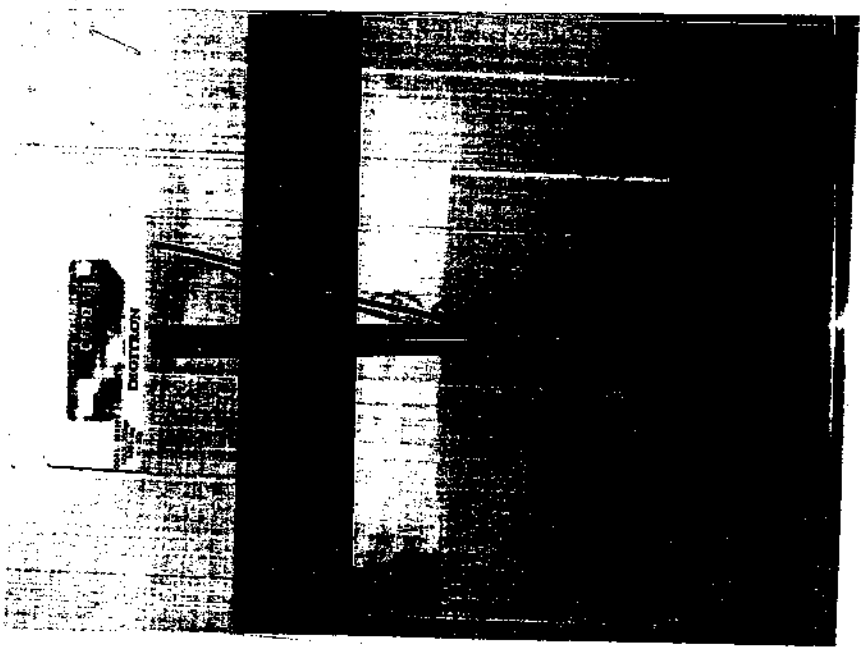


मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

स्टाम्पिंग प्लेट को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोले जाने से रोकने के लिए इस पर सीलिंग बिन्दु लगाया जाता है । इंडीकेटर के ढांचे के अंदर ट्रिम पाट होता है तथा पोस्ट को समायोजित करने हेतु ढांचे पर कोई छेद प्रदान नहीं किया जाता है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1 \times 10^{k}$, $2 \times 10^{k}$, $5 \times 10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (96)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1144.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Platform Type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of series "DGPL" and with brand name "DIGITRON" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Scales N Sensors Inc,89/F 25, Sector-3, Rohini, Delhi-110085 and which is assigned the approval mark IND/09/08/210;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform Type) with a maximum capacity of 300 kg. and minimum capacity of 1kg. The verification scale intervel (e) is 50g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

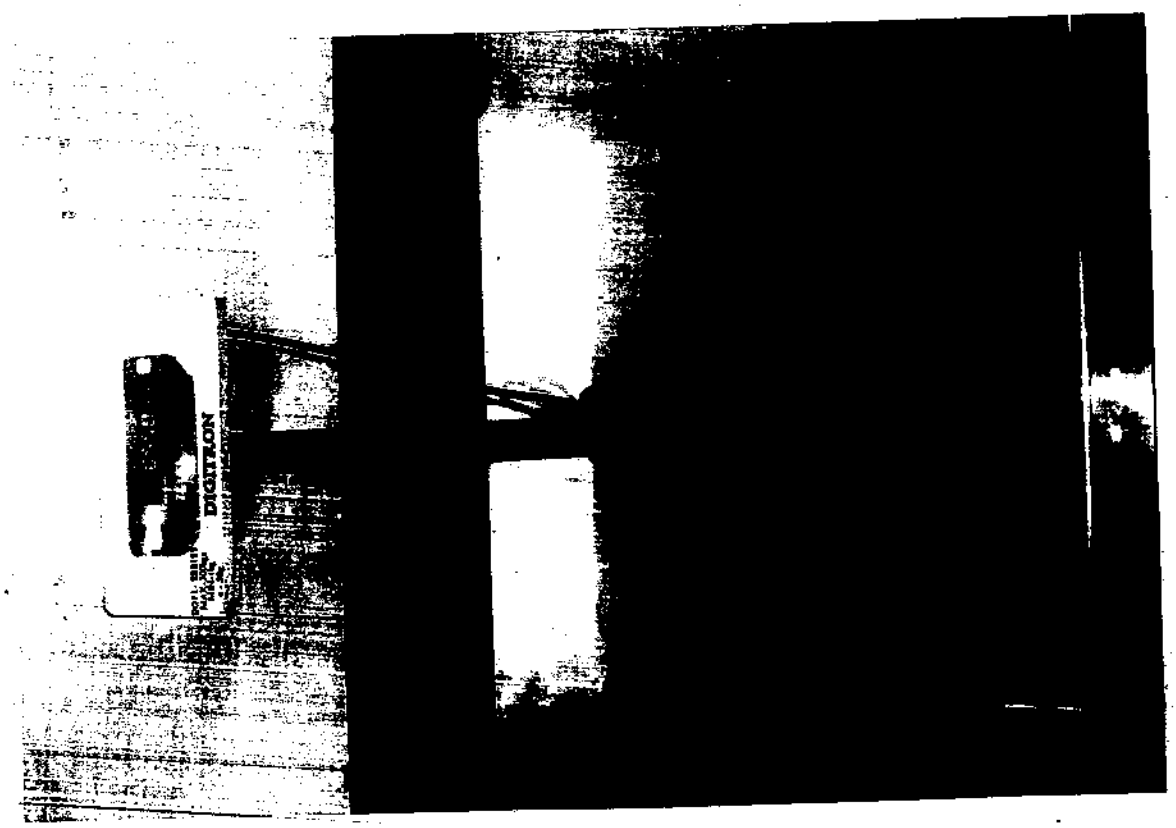


Figure-2 : Sealing provision of the indicator of model

Sealing point is affixed on the stamping plate to avoid fraudulent use. The trim pot is inside the body of the indicator and no hole is provided on the body for adjusting the post. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50 kg. and up to 5000 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1 \times 10^k$, $2 \times 10^k$ or $5 \times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(96)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1145.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (माडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स स्केल एन सेन्सर इंक, 89/एफ, सेक्टर-3, रोहिणी, दिल्ली-110085 द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग II) वाले "DGT" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल-टोप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "DIGITRON" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/208 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त माडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 2 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है । जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्शन तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

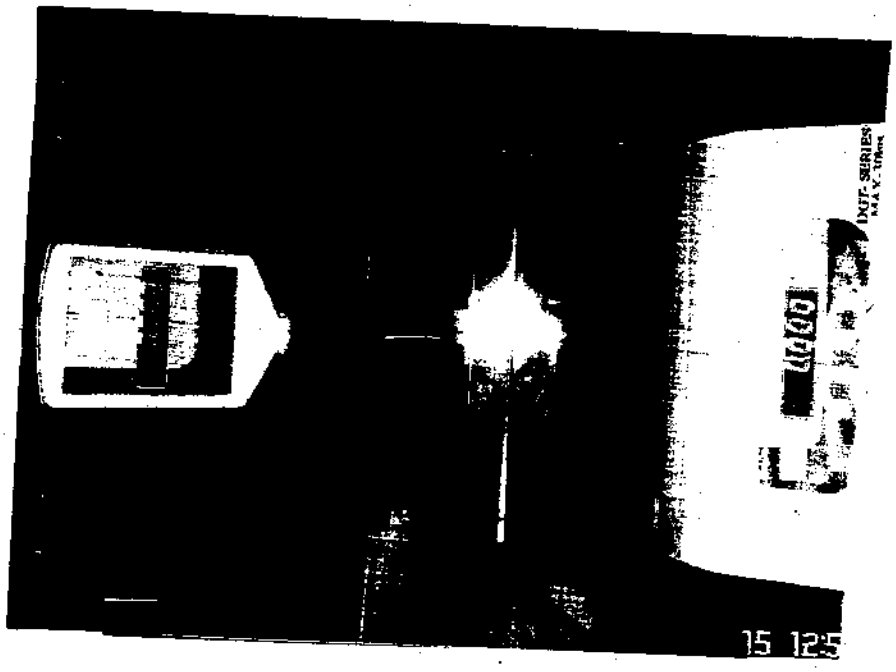

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

स्टाम्पिंग प्लेट को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोले जाने से रोकने के लिए इस पर सीलिंग बिन्दु लगाया जाता है । इंडीकेटर के ढांचे के अंदर ट्रिम पाट होता है तथा पोस्ट को समायोजित करने हेतु ढांचे पर कोई छेद प्रदान नहीं किया जाता है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त माडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1 \times 10^{k}$, $2 \times 10^{k}$, $5 \times 10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (96)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1145.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Tabletop Type) with digital indication of high accuracy (Accuracy class-II) of series "DGT" and with brand name "DIGITRON" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Scales N Sensors Inc,89/F 25, Sector-3, Rohini, Delhi-110085 and which is assigned the approval mark IND/09/08/208;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100 g. The verification scale intervel (e) is 2 g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

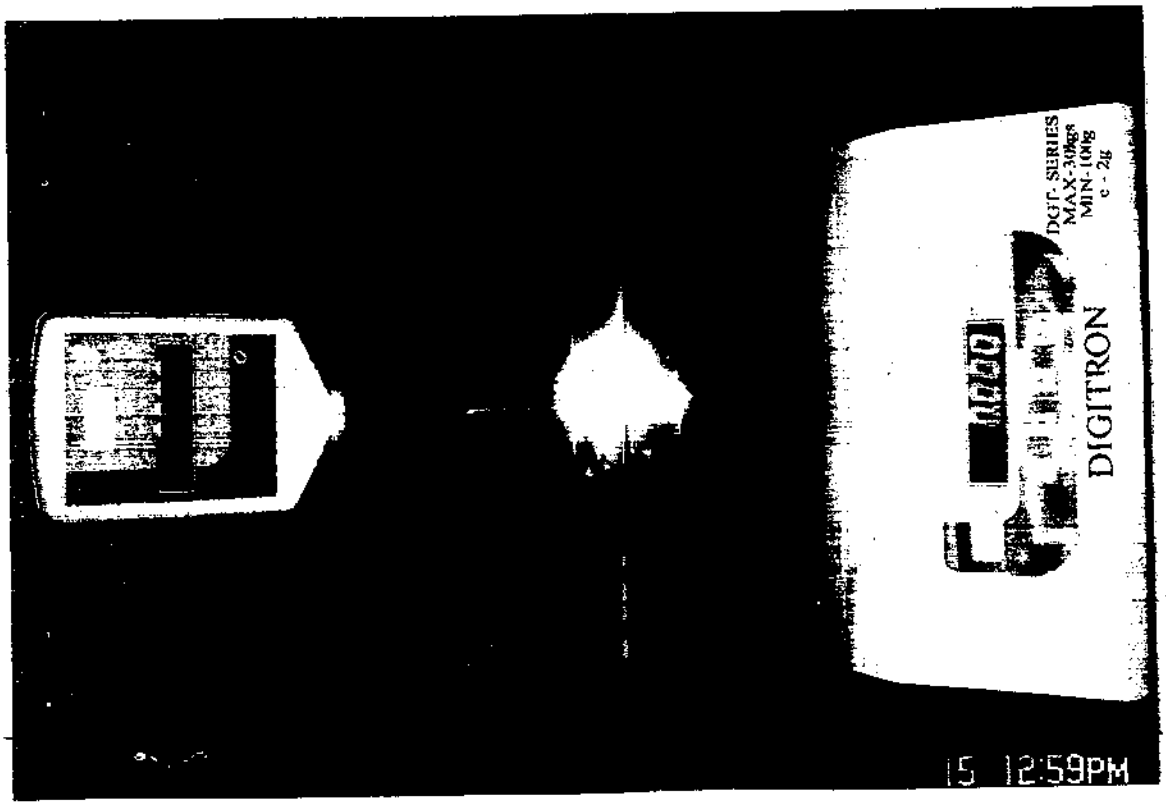


Figure-2 : Schematic diagram of the model

Sealing point is affixed on the stamping plate to avoid fraudulent use. The trim pot is inside the body of the and no hole is provided on the body for adjusting the post. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50 kg, with verification scale interval (n) in the range of 100 to 50,000 for 'e' value of 1mg to 50 mg. and with verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100 mg. or more and with 'e' value of $1 \times 10^k$, $2 \times 10^k$, or $5 \times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(96)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1146.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (माडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स Scales N Sensors Inc, 89/F 25, Sector-3, Rohini, Delhi-110085 द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग II) वाले "DGP" शृंखला के अस्वचालित अंकक सूचन सहित, तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "DIGITRON" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/209 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ;

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित (प्लेटफार्म प्रकार) तोलन उपकरण है । इसकी अधिकतम क्षमता 200 कि.ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 1 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 20 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है । जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्शन तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

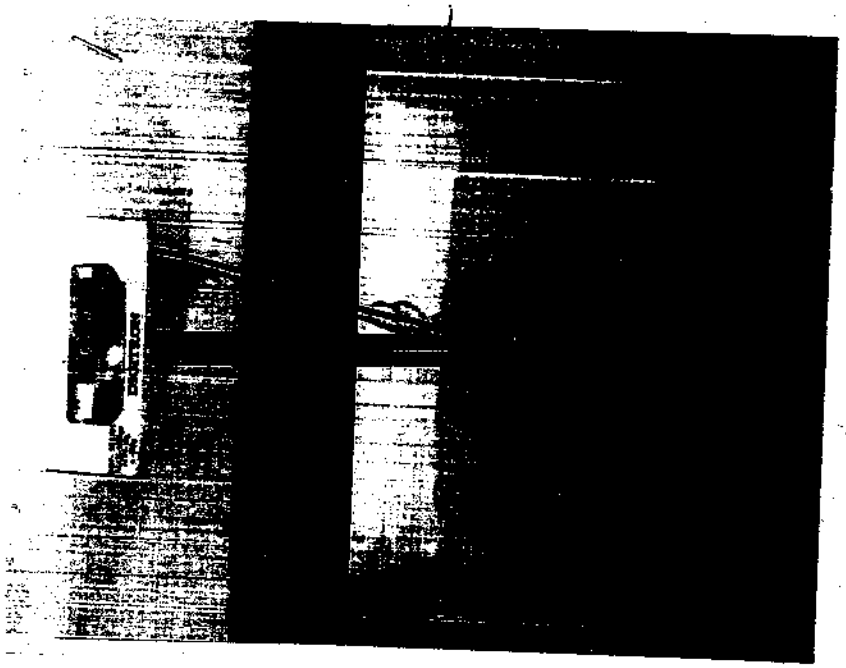

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम ।

स्टैम्पिंग प्लेट को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोले जाने से रोकने के लिए इस पर सीलिंग बिन्दु लगाया जाता है । इंडीकेटर के ढांचे के अंदर ट्रिम पाट होता है तथा पोस्ट को समायोजित करने हेतु ढांचे पर कोई छेद प्रदान नहीं किया जाता है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5,000 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5,000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1 \times 10^{k}$, $2 \times 10^{k}$, $5 \times 10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (96)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1146.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Platform Type) with digital indication of high accuracy (Accuracy class-II) of series "DGP" and with brand name "DIGITRON" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Scales N Sensors Inc,89/F 25, Sector-3, Rohini, Delhi-110085 and which is assigned the approval mark IND/09/08/209;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform Type) with a maximum capacity of 200 kg. and minimum capacity of 1 kg. The verification scale intervel (e) is 20 g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

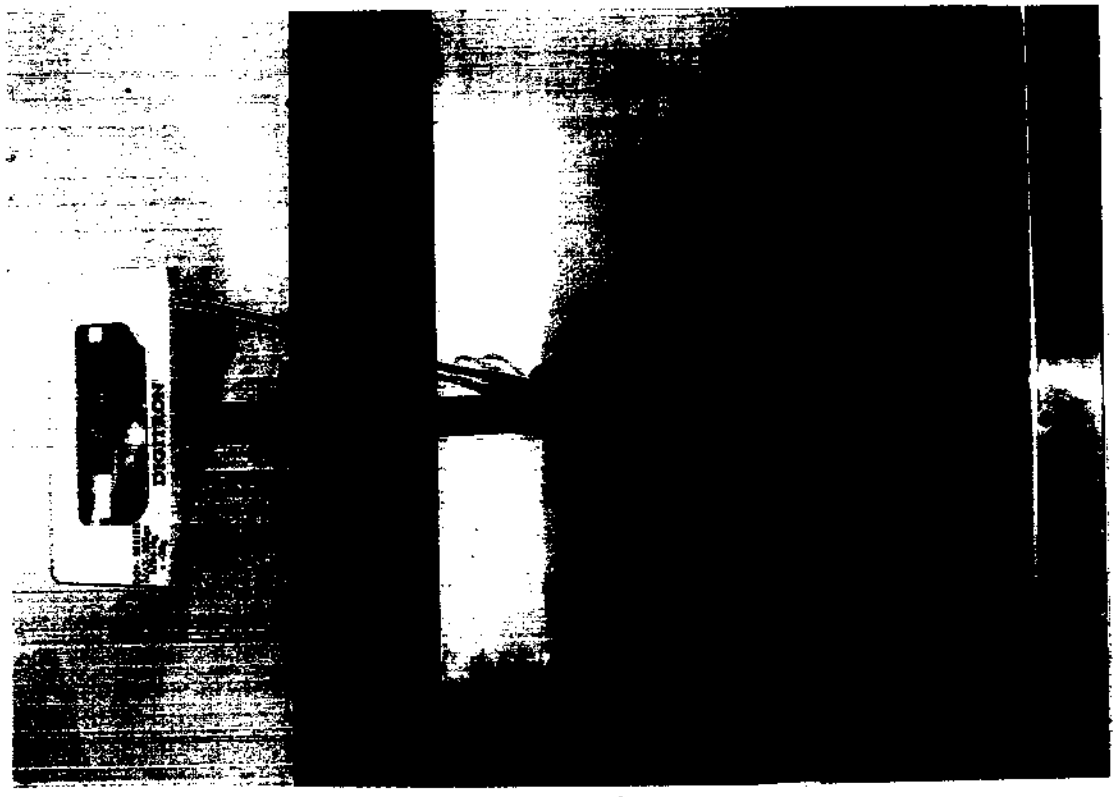


Figure-2 : Sealing diagram.

Sealing point is affixed on the stamping plate to avoid fraudulent use. The trim pot is inside the body of the indicator and no hole is provided on the body for adjusting the post. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50 kg.and up to 5,000 kg.with verification scale interval (n) in the range of 5,000 to 50,000 for 'e' value of 100 mg. or more and with 'e' value of $1 \times 10^k$, $2 \times 10^k$, or $5 \times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(96)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1147.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (माडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स इशिदा इंडिया प्रा. लि. 191,ग्राउंड फ्लोर, उद्योग विहार, फेज-IV, गुड़गांव-122016, हरियाणा द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "आई पी सी" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "इशिदा" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है), और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/584 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ;

उक्त माडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 15 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा.; 7.5 कि.ग्रा. और 10 ग्रा., 7.5 कि.ग्रा. से ऊपर और 15 कि.ग्रा. तक है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्शन तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट्स, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

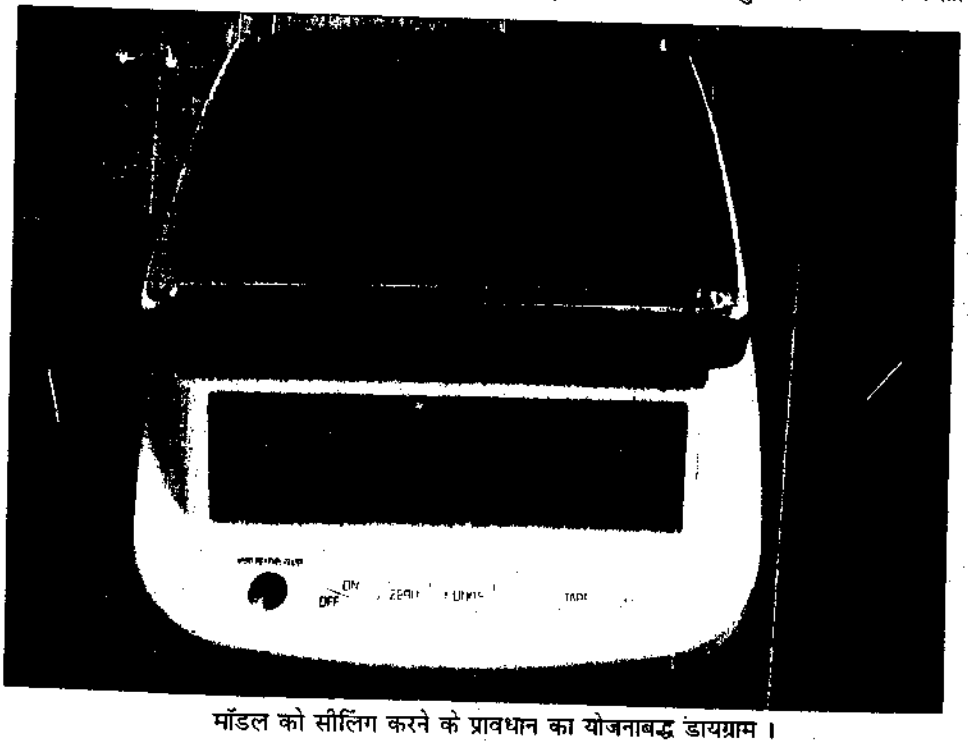

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम ।

स्केल के इंडीकेटर को लीड सील से सीलिंग किया जाता है जो कि स्टाम्पिंग प्लेट पर लगाई जाती है । स्टाम्पिंग प्लेट इंडीकेटर के स्केल पर लगी हुई है । सील तोड़े बिना इंडीकेटर के ऊपरी कवर को खोला नहीं जा सकता । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1 \times 10^{k}$, $2 \times 10^{k}$, $5 \times 10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (198)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1147.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with digital indication of "IPC" series of medium Accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "ISHIDA" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Ishida India Pvt. Ltd., 191, Ground Floor,Udyog Vihar, Phase-IV, Gurgaon-122 016, Haryana and which is assigned the approval mark IND/09/08/584;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table-top type) with a maximum capacity of 15 kg. and minimum capacity of 100 g. The verification scale intervel (e) is 5g. up to 7.5 kg. and 10g. above 7.5kg. and up to 15kg. It has a tare device with a 100 percent substractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

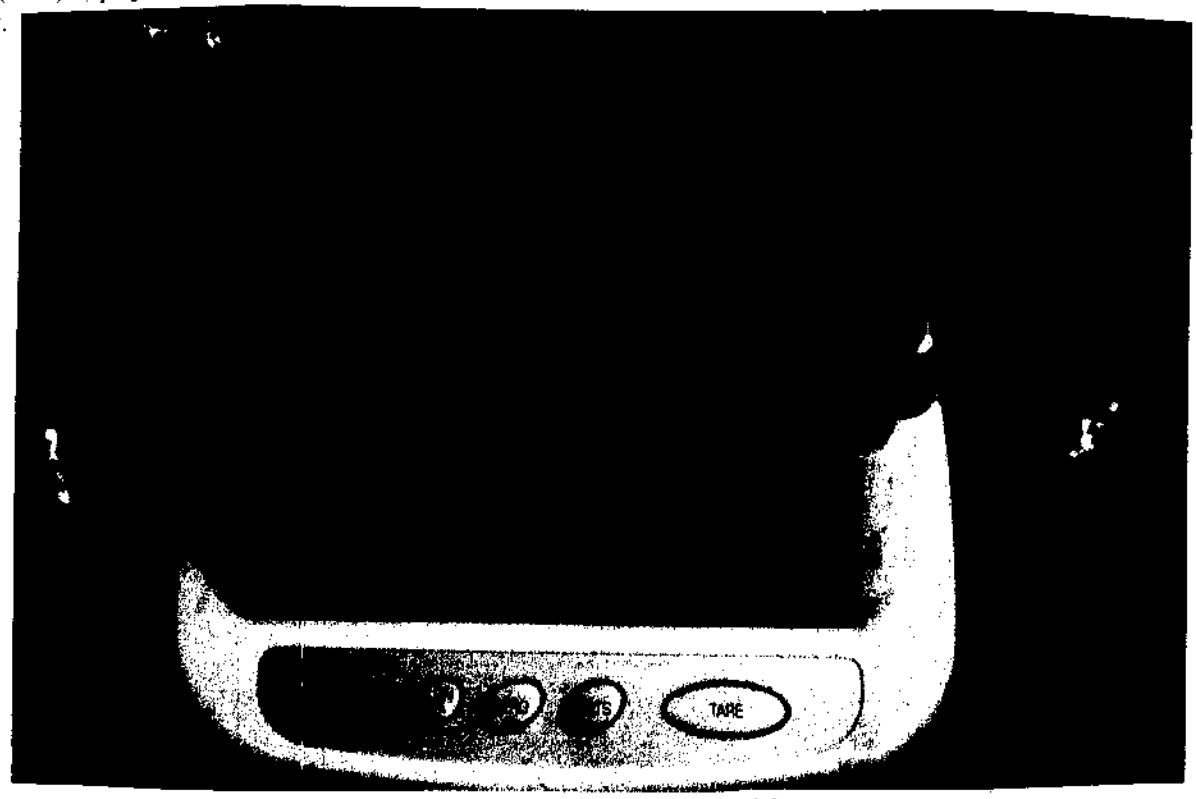


Figure-2 : Sealing diagram of the model.

The scale is sealed through lead seal which is fixed on the stamping plate. This stamping plate is fixed on the scale. The top cover of the scale cannot be opened without breaking the seals. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg to 2g and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1\times 10^k$, $2\times 10^k$, or $5\times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(198)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1148.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स इशिदा इंडिया प्रा. लि. 191,ग्राउंड फ्लोर, उद्योग विहार, फेज-IV, गुड़गाँव-122016 हरियाणा द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "आई डब्ल्यू" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "इशिदा" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/585 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. 15 कि.ग्रा. तक और 10 ग्रा. 15 कि.ग्रा. से ऊपर और 30 कि. ग्रा. तक है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है । जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्शन तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 250 वोल्ट्स, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

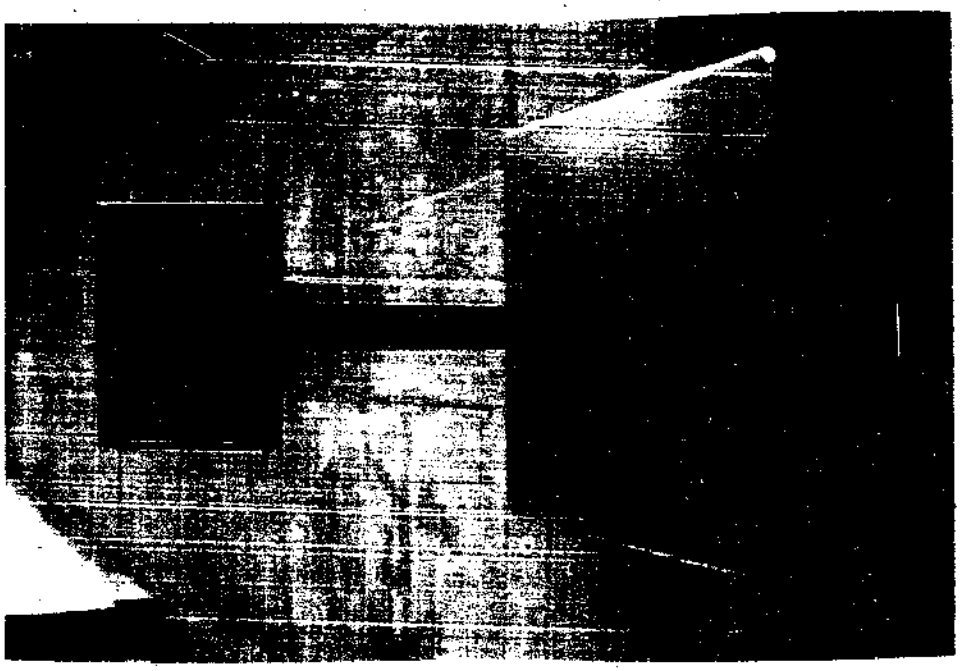

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

स्केल के इंडीकेटर को लीड सील से सीलिंग किया जाता है जो कि स्टाम्पिंग प्लेट पर लगाई जाती है । स्टाम्पिंग प्लेट इंडीकेटर के स्केल पर लगी हुई है । सील तोड़े बिना इंडीकेटर के ऊपरी कवर को खोला नहीं जा सकता । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1 \times 10^{क}$, $2 \times 10^{क}$, $5 \times 10^{क}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (198)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1148.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with digital indication of "IW" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "ISHIDA" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Ishida India Pvt. Ltd., 191, Ground Floor,Udyog Vihar, Phase-IV, Gurgaon-122 016, Haryana and which is assigned the approval mark IND/09/08/585;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100 g. The verification scale intervel (e) is 5g up to 15 kg and 10g above 15kg and up to 30kg. It has a tare device with a 100 percent substractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

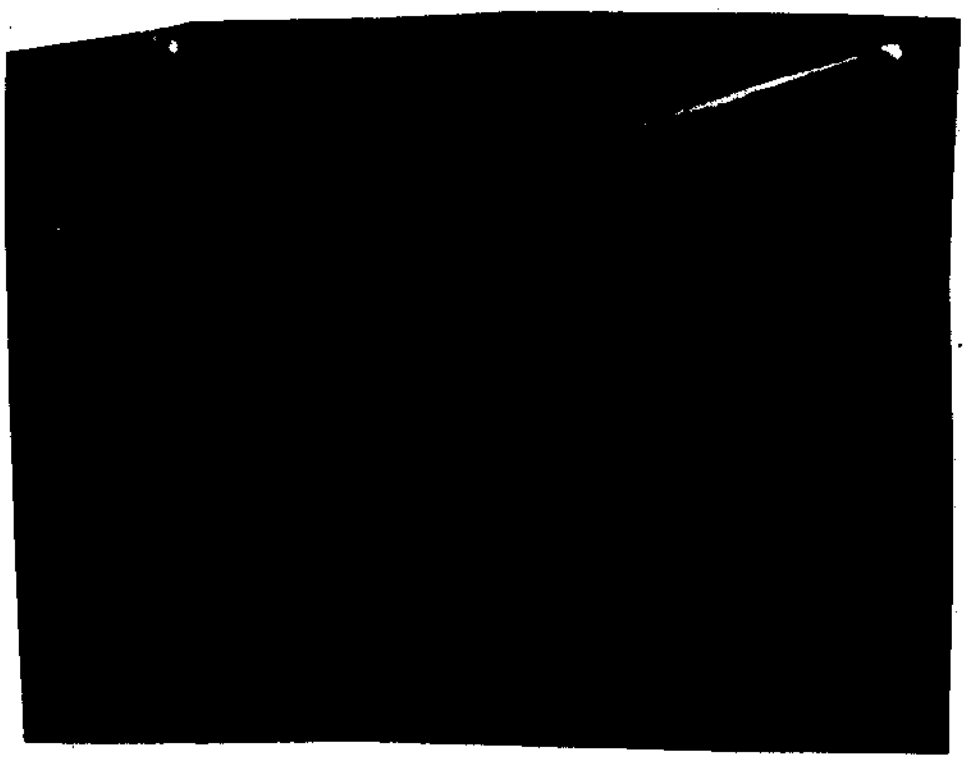

Figure-2 : Sealing diagram of the model

The scale is sealed through lead seal which is fixed on the stamping plate. This stamping plate is fixed on the scale. The top cover of the scale cannot be opened without breaking the seals. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg to 2g and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1\times 10^k$, $2\times 10^k$, or $5\times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(198)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1149.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स इशिदा इंडिया प्रा. लि. 191, ग्राउंड फ्लोर, उद्योग विहार, फेज-IV, गुड़गांव-122016 हरियाणा द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "आई जी" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "इशिदा" है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/586 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 150 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 1 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 50 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है । जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 250 वोल्ट्स, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

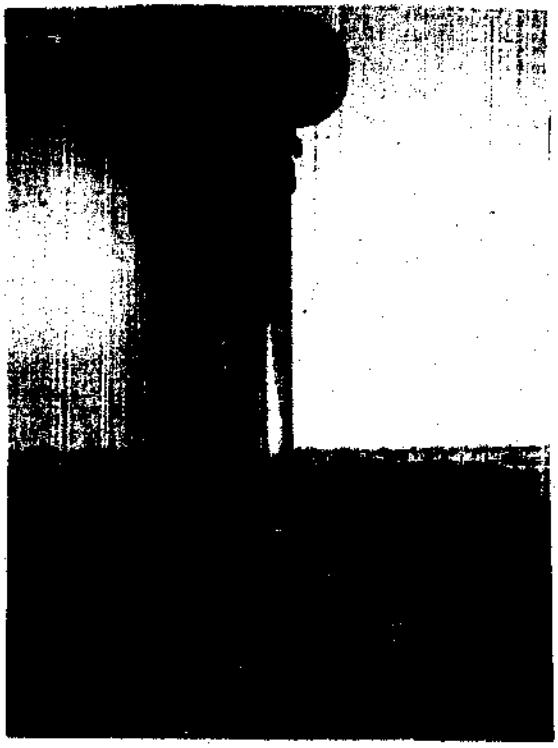

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

स्केल के इंडीकेटर को लीड सील से सीलिंग किया जाता है जो कि स्टाम्पिंग प्लेट पर लगाई जाती है । स्टाम्पिंग प्लेट इंडीकेटर के स्केल पर लगी हुई है । सील तोड़े बिना इंडीकेटर के ऊपरी कवर को खोला नहीं जा सकता । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1 \times 10^{k}$, $2 \times 10^{k}$, $5 \times 10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (198)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, [illegible]

**S.O. 1149.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of Series "IG" and with brand name "ISHIDA" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Ishida India Pvt. Ltd., 191, Ground Floor, Udyog Vihar, Phase-IV, Gurgaon-122 016, Haryana and which is assigned the approval mark IND/09/08/586.

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 150 kg. and minimum capacity of [illegible] kg. The verification scale interval (e) is 50g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

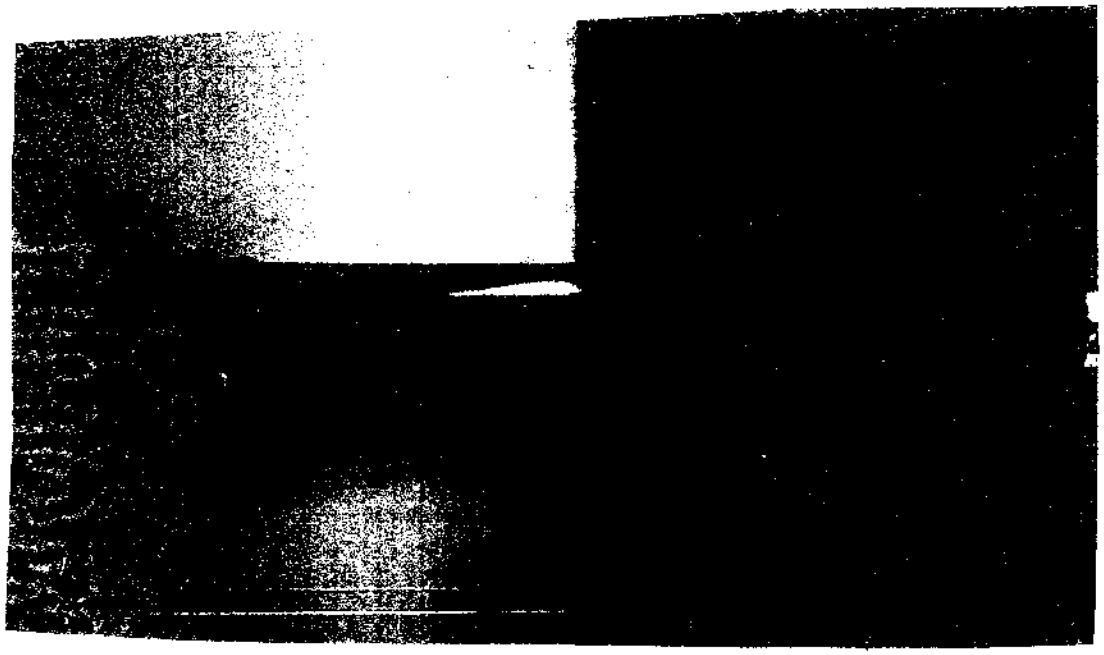



Figure-2 : Sealing provision of the indicator of model

The indicator of the scale is sealed through lead seal which is fixed on the stamping plate. This stamping plate is fixed on the indicator of the scale. The top cover of the indicator cannot be opened without breaking the seals. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above [illegible] kg and upto 5000 kg with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1\times10^k$, $2\times10^k$, or $5\times10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(198)/2008]

[illegible], Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1150.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स कोरप प्रिसिशन स्केल्स प्रा. लि., शेड नं. 7, खसरा नं. 117, गांव रायपुर, भगवानपुर तहसील, रुड़की 247617 द्वारा विनिर्मित साधारण यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) के "KMWS-KS" शृंखला के अस्वचालित एनालाग सूचन सहित, तोलन उपकरण (किचन स्केल) जिसके ब्राण्ड का नाम ''कोहिनूर'' है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त मॉडल कहा गया है), जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/294 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक मैकेनिकल स्प्रिंग आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (किचन स्केल) है । जिसकी अधिकतम क्षमता 1 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 50 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । कमोडिटी का वजन डायल पर सूचित होता है ।

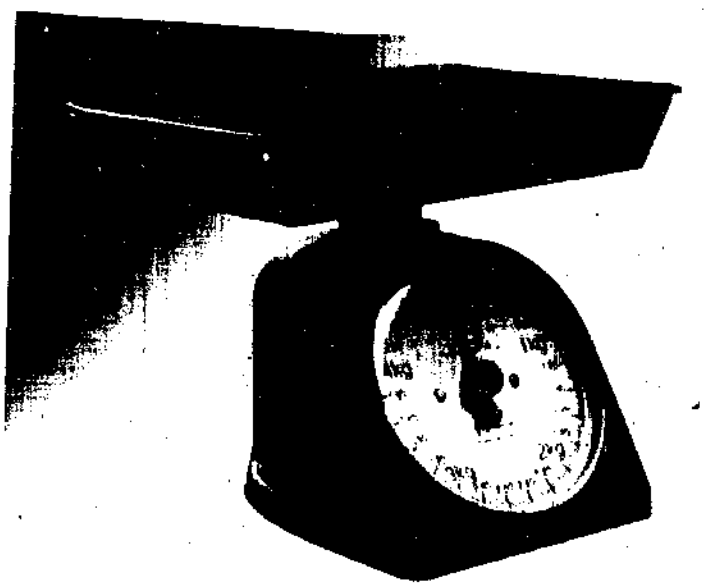



मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्पले बोर्ड और मैकेनिकल बाडी के बीच एक छेद ड्रिल करके इसमें स्टाम्पिंग प्लेट लगाकर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के ''ई'' मान के लिए 100 से 1,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 100 ग्रा. से 10 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1 \times 10^{k}$, $2 \times 10^{k}$, $5 \times 10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (135)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1150.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Kitchen Scale) with analogue indication of ordinary accuracy (Accuracy class-IIII) of "KMWS-KS" and with brand name "KOHINOOR" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Korpe Precision Scales Pvt. Ltd., Shed No. 7, Khasara No. 117, Village Raipur, Bhagwanpur Tehsil, Roorkee-247667, Uttarakhand and which is assigned the approval mark IND/09/08/294.

The said model is a mechanical spring based non-automatic weighing instrument (Kitchen Scale) with a maximum capacity of 1kg. and minimum capacity of 50 g. The verification scale intervel (e) is 5g. The weight of commodity is indicated on a dial.

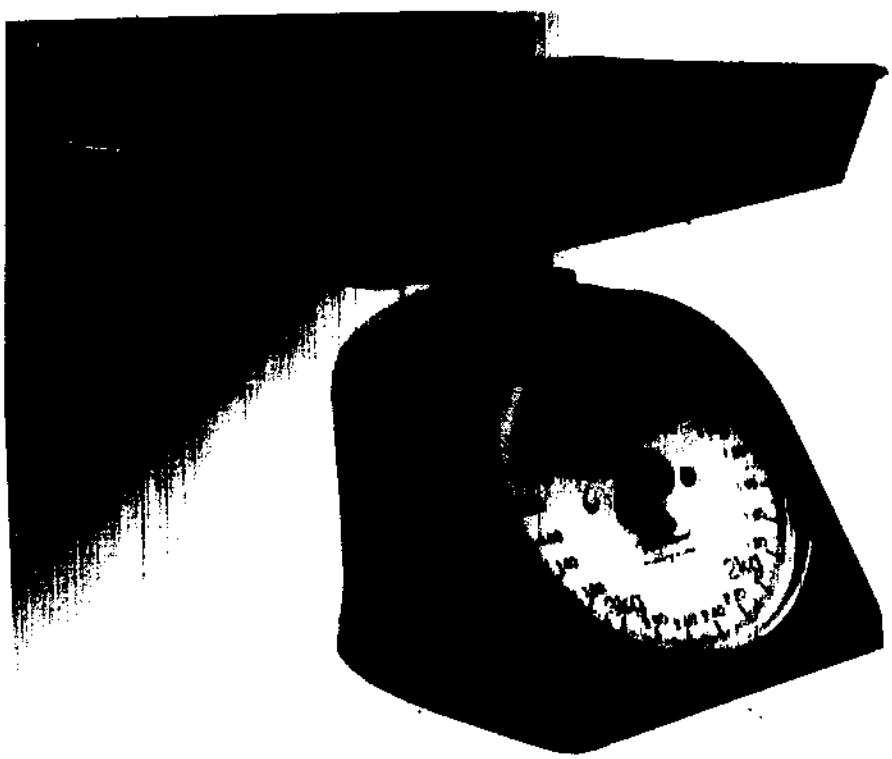

Figure-2 : Sealing diagram of the sealing provision of the model

The sealilng is done in between display board and mechanical body by drilling a hole and fixing a stamping plate through it. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity in the range of 100 g to 10 kg with verification scale interval (n) in the range of 100 to 1,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1 \times 10^k$, $2 \times 10^k$, or $5 \times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(135)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1151.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (माडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स कोरप प्रिसिशन स्केल्स प्रा. लि., शेड नं. 7, खसरा नं. 117, गांव रायपुर, भगवानपुर तहसील, रुड़की 247617 द्वारा विनिर्मित साधारण यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) के "KMWS-PS" शृंखला के अस्वचालित, एनालाग सूचन सहित, तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन-डायल टाइप) जिसके ब्राण्ड का नाम "कोहिनूर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त मॉडल कहा गया है), जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/295 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन-डायल टाइप) है जिसकी अधिकतम क्षमता 150 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 5 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 500 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित अधियतुलन प्रभाव है। टिकट के बिना व्यक्ति का भार डायल पर अंकित होता है ।

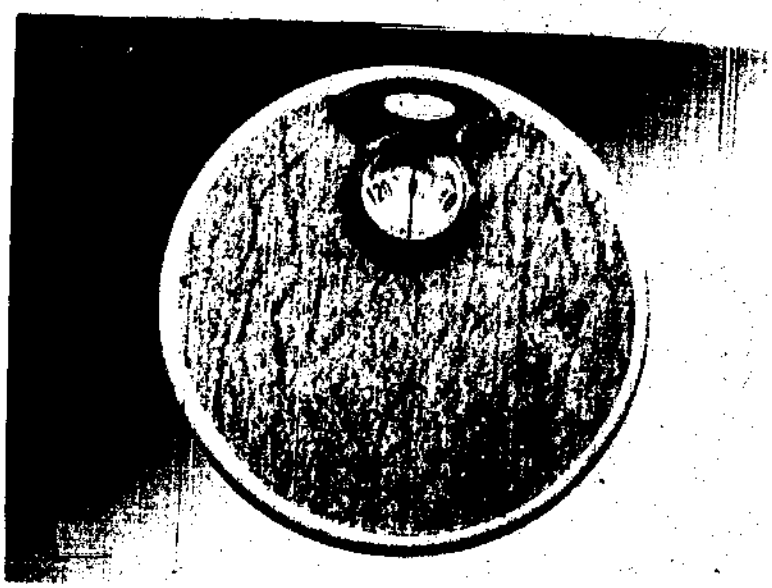

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले बोर्ड और मैकेनिकल बाडी के बीच एक छेद ड्रिल करके इसमें स्टाम्पिंग प्लेट लगाकर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 100 से 1,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 100 कि.ग्रा. से और 200 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1 \times 10^{k}$, $2 \times 10^{k}$, $5 \times 10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (135)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1151.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the mkodel of non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine-Dial Type) with analogue indication of ordinary accuracy (Accuracy class-III) of series "KMWS-PS" and with brand name "KOHINOOR" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Korpe Precision Scales Pvt. Ltd., Shed No. 7, Khasara No. 117, Village Raipur, Bhagwanpur Tehsil, Roorkee-247667, Uttarakhand and which is assigned the approval mark IND/09/08/295.

The said model is a mechanical non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine-Dial Type) with a maximum capacity of 150kg. and minimum capacity of 5 kg. The verification scale intervel (e) is 500g. It has a tare device with 100 per cent subtractive retained tare effect. The weight of a person is indicated on a dial without ticket.

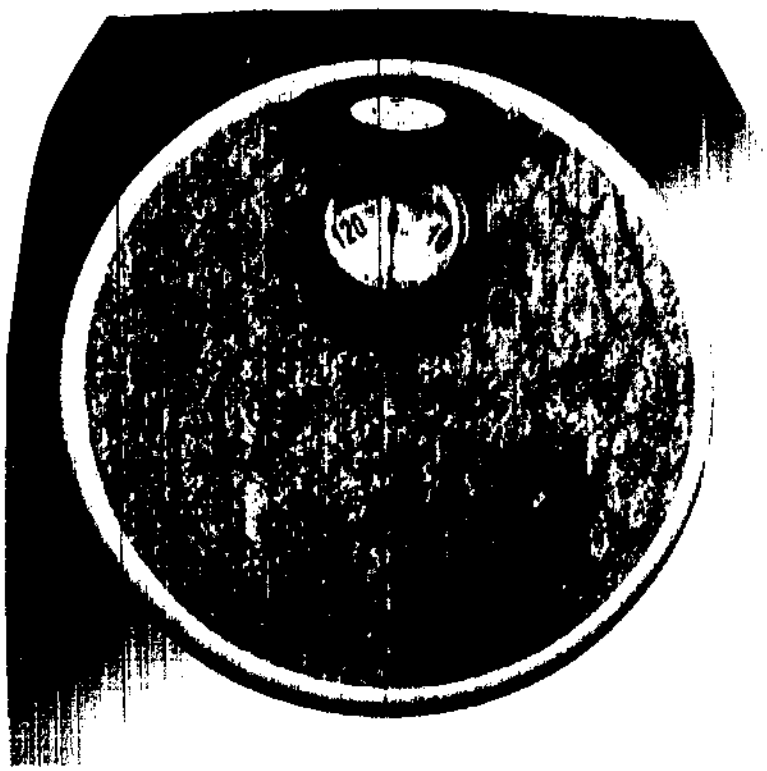

Figure-2 : Sealing diagram of the sealing provision of the model

The sealilng is done in between display board and mechanical body by drilling a hole and fixing a stamping plate through it. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with capacity in the range of 100 kg to 200 kg with verification scale interval (n) in the range of 100 to 1,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1 \times 10^k$, $2 \times 10^k$, or $5 \times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(135) 2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1152.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स कोरप प्रिसिशन स्केल्स प्रा. लि., शेड नं. 7, खसरा नं. 117, गांव रायपुर, भगवानपुर तहसील, रुड़की-247617 द्वारा विनिर्मित साधारण यथार्थता (यथार्थता वर्ग IV) के "KMWS-HS" श्रृंखला के अस्वचालित, एनालाग सूचन सहित तोलन उपकरण (स्प्रिंग तुला हैंगिंग टाइप) जिसके ब्राण्ड का नाम "कोहिनूर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है), जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी/09/08/296 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक स्प्रिंग आधारित हैंगिंग टाइप मैकेनिकल अस्वचालित तोलन उपकरण (स्प्रिंग तुला-हैंगिंग टाइप) है जिसकी अधिकतम क्षमता 100 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 5 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अंतराल (ई) 500 ग्रा. है । सूचन एनालाग प्रकार का डायल सूचक पर है ।

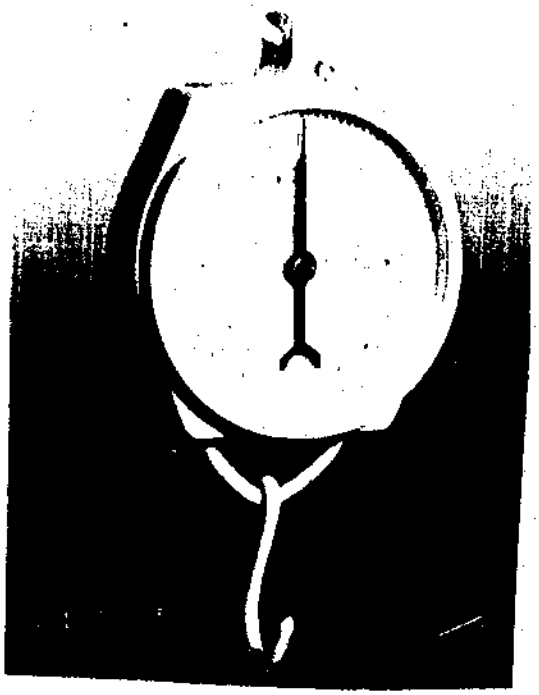

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम।

डिस्प्ले बोर्ड और मैकेनिकल बाडी के बीच एक छेद ड्रिल करके इसमें स्टाम्पिंग प्लेट लगाकर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 100 से 1000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5,000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1 \times 10^{k}$, $2 \times 10^{k}$, $5 \times 10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (135)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1152.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Spring Balance Hanging Type) with analogue indication of ordinary accuracy (Accuracy class-IV) of series "KMWS-HS" and with brand name "KOHINOOR" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Korpe Precision Scales Pvt. Ltd., Shed No. 7, Khasara No. 117, Village Raipur, Bhagwanpur Tehsil, Roorkee-247667, Uttarakhand and which is assigned the approval mark IND/09/08/296 ;

The said model is a spring based hanging type mechanical non-automatic weighing instrument (Spring Balance-Hanging Type) with a maximum capacity of 100kg and minimum capacity of 5kg. The verification scale interval (e) is 500g. The indication is of analogue type on a dial indicator.

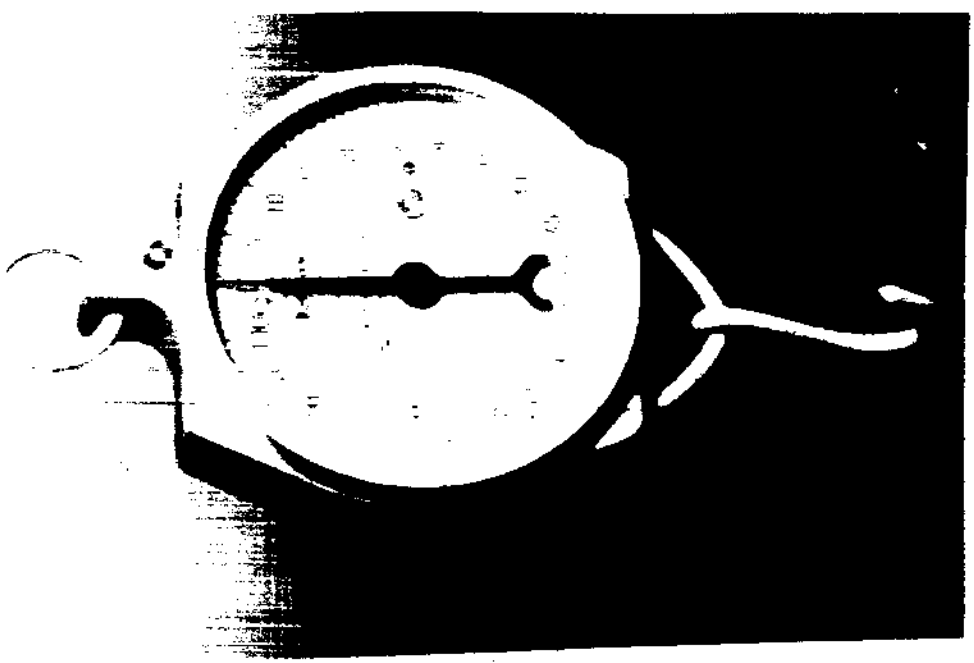

Figure-2 : Schematic diagram of the sealing arrangement.

The sealing is done in between display board and mechanical body by drilling a hole and fixing a stamping plate through it. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacities up to 500kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 1,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1\times 10^k$, $2\times 10^k$, or $5\times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(135)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1153.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स कोरप प्रिसिशन स्केल्स प्रा. लि., शेड नं. 7, खसरा नं. 117, गांव रायपुर, भगवानपुर तहसील, रुड़की-247617 द्वारा विनिर्मित साधारण यथार्थता (यथार्थता वर्ग IV) के "KMWS-BS" शृंखला के अस्वचालित, एनालाग सूचन सहित तोलन उपकरण (बेबी वेइंग मशीन-डायल टाइप) जिसके ब्राण्ड का नाम "कोहिनूर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है), जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी/09/08/293 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक मैकेनिकल अस्वचालित तोलन उपकरण (बेबी वेइंग मशीन-डायल टाइप) है जो हेलिकल स्प्रिंग सिद्धांत पर कार्य करता है, जिसकी अधिकतम क्षमता 20 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 500 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अंतराल (ई) 50 ग्रा. है । बेबी का वजन डायल पर सूचित होता है ।

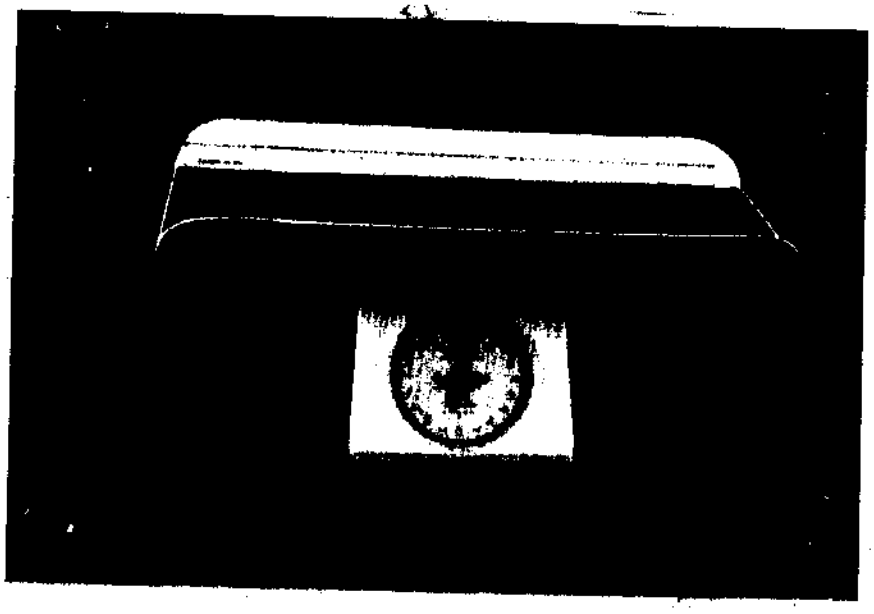

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम।

डिस्प्ले बोर्ड और मेकेनिकल बाडी के बीच एक छेद ड्रिल करके इसमें स्टाम्पिंग प्लेट लगाकर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है, कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 100 से 1,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) 10 कि.ग्रा. से 30 कि.ग्रा. तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) 100 कि.ग्रा. से 200 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1\times10^{क}$, $2\times10^{क}$, $5\times10^{क}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (135)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1153.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Baby Weighing Machine-Dial Type) with analogue indication of ordinary accuracy (Accuracy class-IV) of series "KMWS-BS" and with brand name "KOHINOOR" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Korpe Precision Scales Pvt. Ltd., Shed No. 7, Khasra No. 117, Village Raipur, Bhagwanpur Tehsil, Roorkee-247667, Uttrakhand and which is assigned the approval mark IND/09/08/293 ;

The said model is a mechanical non-automatic weighing instrument (Baby Weighing Machine-Dial Type) working on the principle of helical spring, with a maximum capacity of 20kg and minimum capacity of 500g. The verification scale interval (e) is 50g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The weight, of the baby is indicated on a dial.

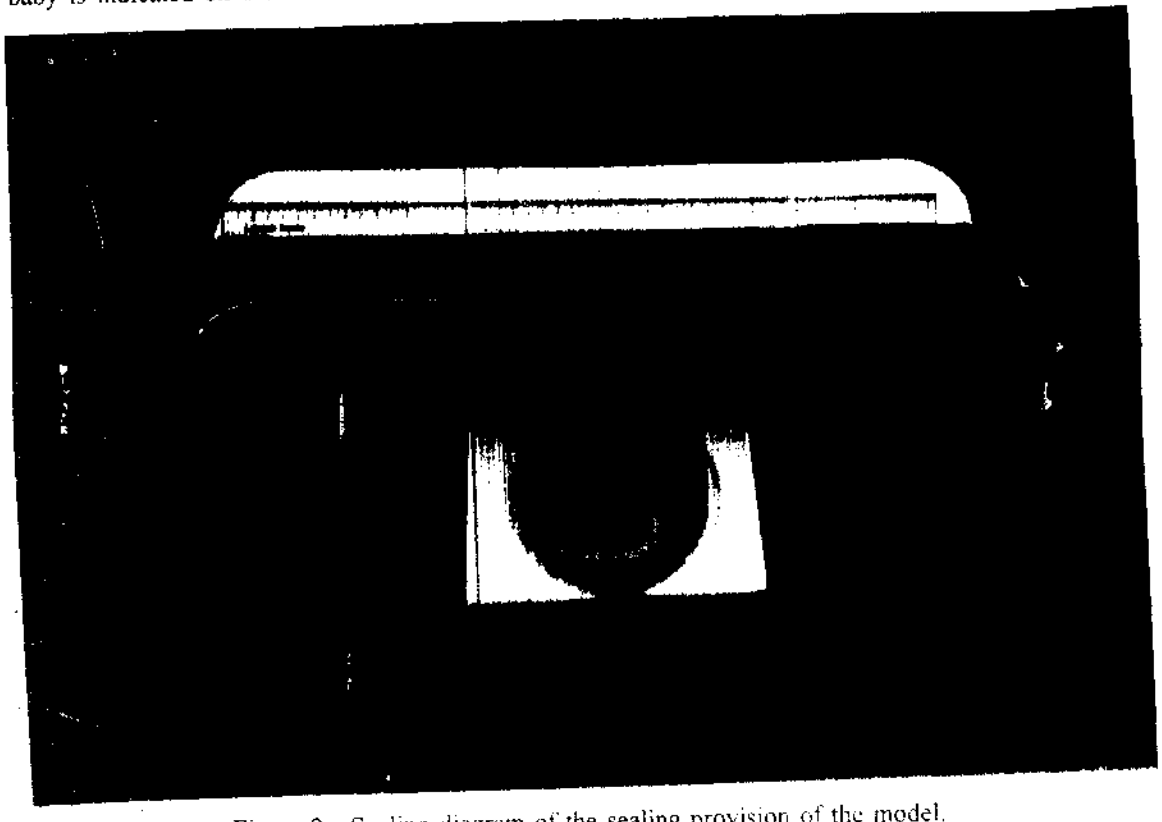

Figure-2 : Sealing diagram of the sealing provision of the model.

The sealing is done in between display board and mechanical body by drilling a hole and fixing a stamping plate through it. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacities in the range of 100kg to 200kg with verification scale interval (n) in the range of 10kg. to 30kg with verification scale interval (n) in the range of 100 to 1,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1\times10^{k}$, $2\times10^{k}$, or $5\times10^{k}$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured

[F. No. WM-21(135)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1154.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एपिकल स्केल, गांधी चौक, मेन बाजार, नियर शक्ति ज्वैलर्स, सावरकुण्डला-364515 गुजरात द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "एएसटी-ए-413" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित, तोलन उपकरण (टेबल टाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "एंडवेट" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी/09/08/245 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण है । इसकी अधिकतम क्षमता 15 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 50 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अंतराल (ई) 1 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 250 वोल्ट्स, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

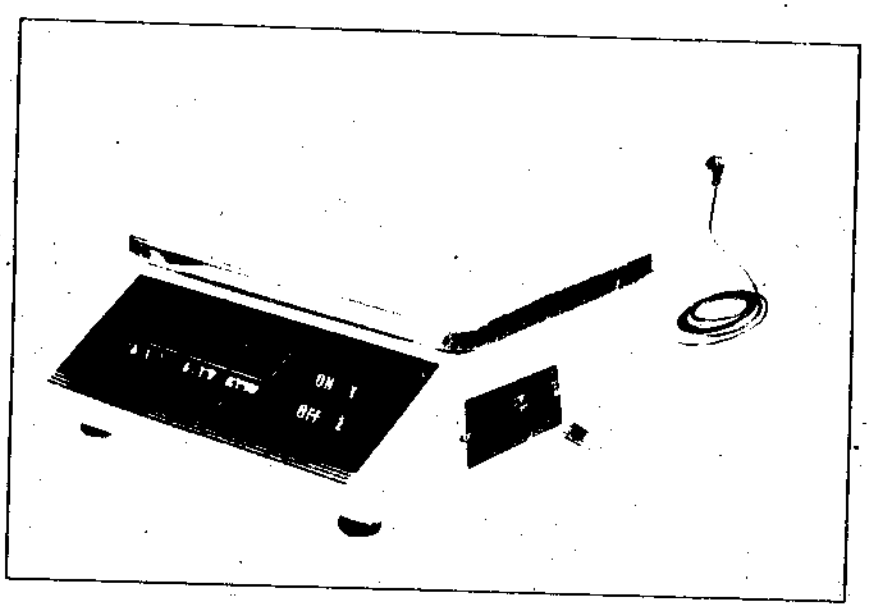

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

उपकरण को कपटपूर्ण व्यवहारों से खोले जाने से रोकने के लिए इंडीकेटर की तल प्लेट और उसके सामने छेद करके, इन छेदों में से तार निकाल कर तार पर लीड सील से सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. से 50 मि. ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1 $\times 10^{k}$, 2 $\times 10^{k}$, 5 $\times 10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (106)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1154.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of high accuracy (Accuracy Class-II) of series "AST-A 413" and with brand name "ANDWEIGHT" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Apical Scale, Gandhi Choke, Main Bazar, Near Shakti Jewellers, Savarkundala-364515, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/08/245;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument with a maximum capacity of 15kg and minimum capacity of 50g. The verification scale interval (e) is 1g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230V, 50Hz alternative current power supply.

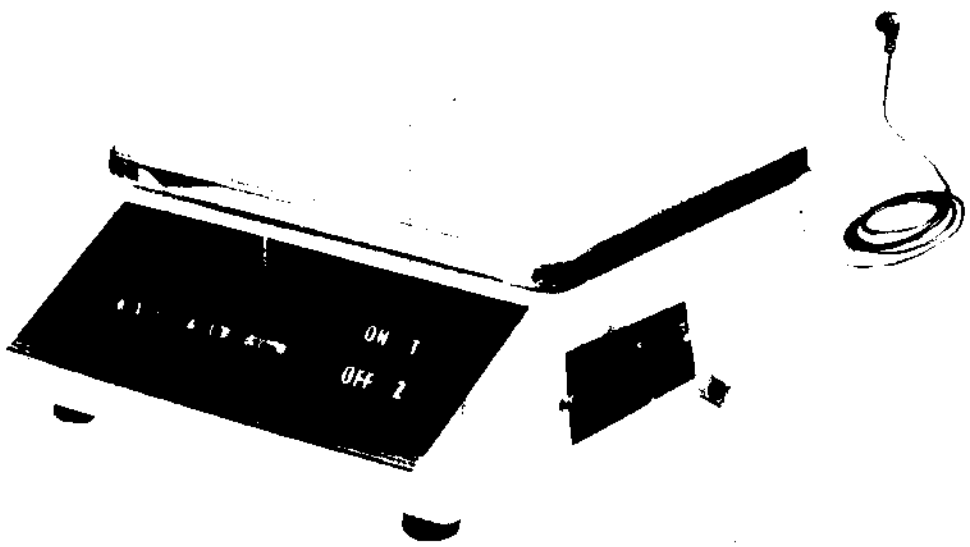


Figure-2 : Schematic diagram of the model.

Sealing is done through the holes made in the bottom plate and front of the scale, then a seal wire is passed through these holes and the lead seal is fixed on the wire to prevent the opening of the instrument for fraudulent purposes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg with verification scale interval (n) in the range of 100 to 50,000 for 'e' value of 1mg to 50mg and with verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value of $1\times 10^k$, $2\times 10^k$, or $5\times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(106)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1155.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एपिकल स्केल, गांधी चौक, मेन बाजार, नियर शक्ति ज्वैलर्स, सावरकुण्डला-364515 गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "एएसडब्ल्यू-वी-606" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित, तोलन उपकरण (वेब्रिज टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एंडवेट" है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त मॉडल कहा गया है), और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी/09/08/244 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (वेब्रिज टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 टन और न्यूनतम क्षमता 100 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अंतराल (ई) 5 कि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 250 वोल्ट्स, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

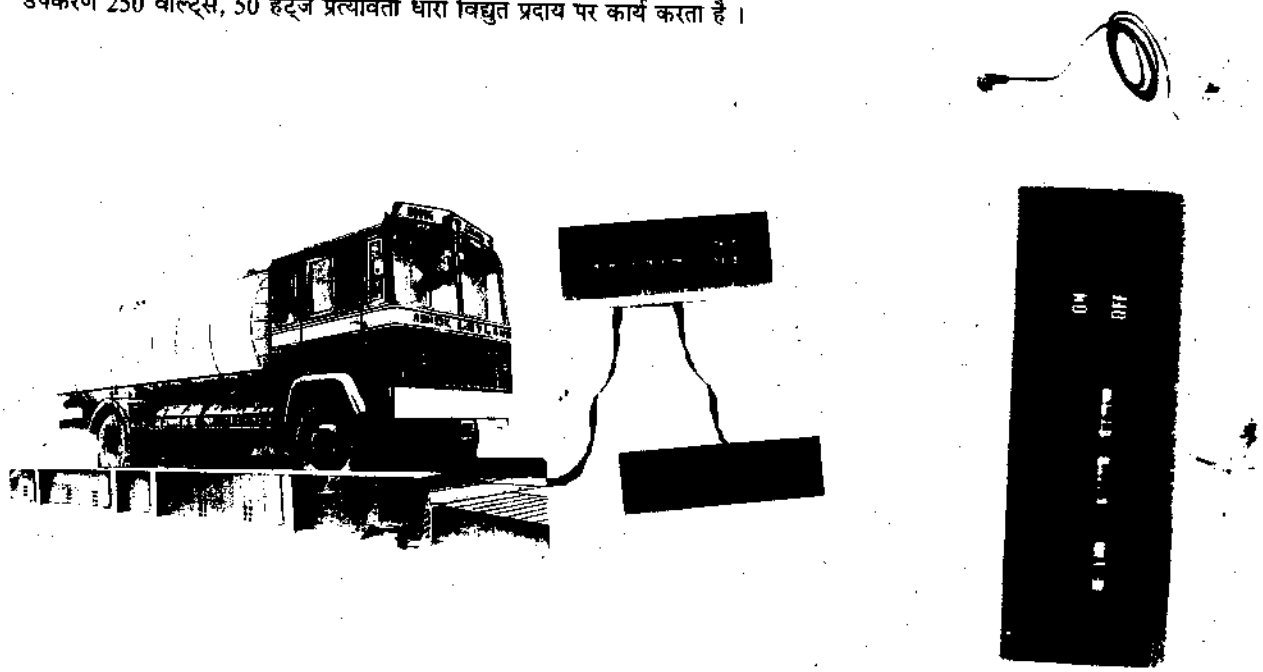


मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम।

उपकरण को कपटपूर्ण व्यवहारों से खोले जाने से रोकने के लिए इंडीकेटर की तल प्लेट और उसके सामने छेद करके, इन छेदों में से तार निकाल कर तार पर लीड सील से सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से और 100 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1 \times 10^{k}$, $2 \times 10^{k}$, $5 \times 10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (106)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1155.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Weighbridge Type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy Class-III) of series "ASW-V 606" and with brand name "ANDWEIGHT" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Apical Scale, Gandhi Choke, Main Bazar, Near Shakti Jewellers, Savarkundala-364515, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/08/244;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Weighbridge Type) with a maximum capacity of 30 tonne and minimum capacity of 100kg. The verification scale interval (e) is 5kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

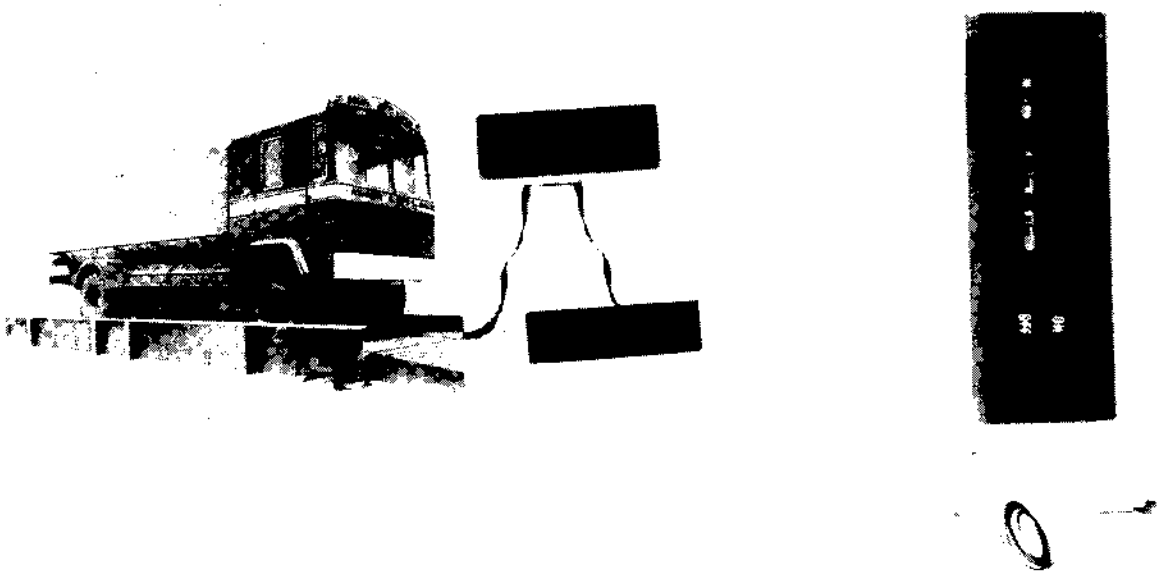

Figure-2 : Sealing arrangement

Sealing is done through the holes made in the bottom plate and front of the indicator, then a seal wire is passed through these holes and the lead seal is fixed on the wire to prevent the opening of the instrument for fraudulent purposes. A typical schematic diagram of sealing provision of the Model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5 tonne and up to 100 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1\times 10^k$, $2\times 10^k$, or $5\times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(106)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1156.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त माडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स एपिकल स्केल, गांधी चौक, मेन बाजार, नियर शक्ति ज्वैलर्स, सावरकुण्डला-364515 गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एएससी-वी-709" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित, तोलन उपकरण (वेब्रिज कन्वर्सन किट टाइप) के मॉडल का जिसके ब्राण्ड का नाम "एंडवेट" है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त मॉडल कहा गया है), और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी/09/08/247 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी करती है ।

उक्त माडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (वेब्रिज कन्सर्वन किट टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 टन और न्यूनतम क्षमता 100 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अंतराल (ई) 5 कि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 250 वोल्ट्स, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

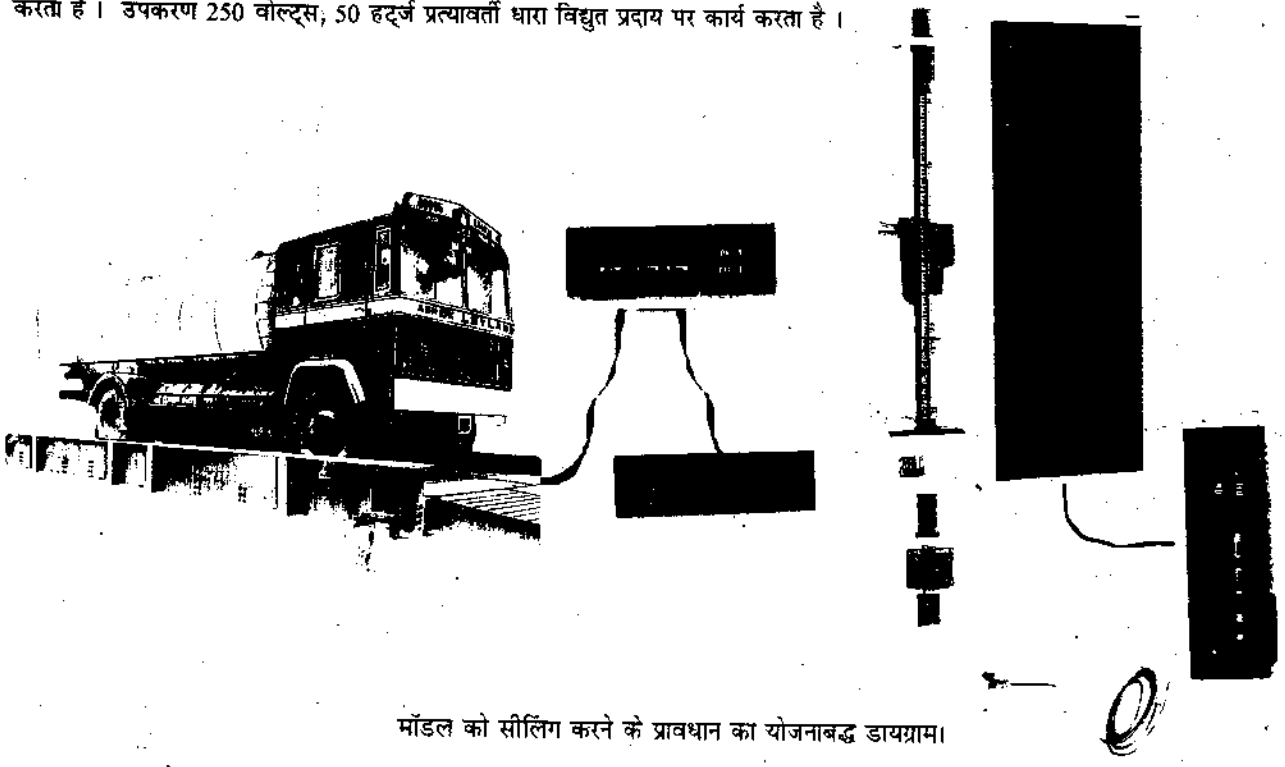

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम।

उपकरण को कपटपूर्ण व्यवहारों से खोले जाने से रोकने के लिए इंडीकेटर की तल प्लेट और उसके सामने छेद करके, इन छेदों में से तार निकाल कर तार पर लीड सील से सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 टन तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से ऊपर और 100 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1 \times 10^{k}$, $2 \times 10^{k}$, $5 \times 10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (106)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1156.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Weighbridge Conversion Kit Type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy Class-III) of series "ASC-V 709" and with brand name "ANDWEIGHT" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Apical Scale, Gandhi Choke, Main Bazar, Near Shakti Jewellers, Savarkundala-364515, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/08/247;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Weighbridge Conversion Kit Type) with a maximum capacity of 30 tonne and minimum capacity of 100kg. The verification scale interval (e) is 5kg. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230V, 50Hz alternative current power supply.

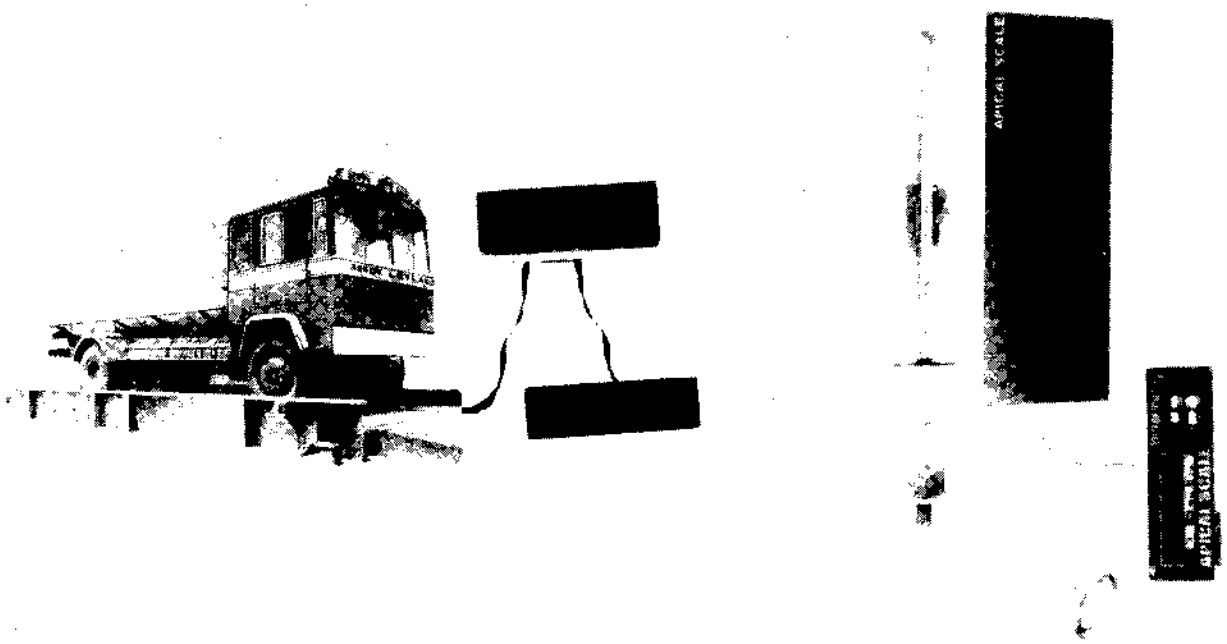

Figure-2 : Sealing arrangement

Sealing is done through the holes made in the bottom plate and front of the indicator, then a seal wire is passed through these holes and the lead seal is fixed on the wire to prevent the opening of the instrument for fraudulent purposes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacities above 5 tonne and up to 100 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1\times 10^k$, $2\times 10^k$, or $5\times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(106)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1157.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स एपिकल स्केल, गांधी चौक, मेन बाजार, नियर शक्ति ज्वैलर्स, सावरकुण्डला-364515 गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एएसपी-ई-504" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित, तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का जिसके ब्राण्ड का नाम "एंडवेट" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है), और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी/09/08/246 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी करती है ।

उक्त माडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 100 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 200 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अंतराल (ई) 10 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 250 वोल्ट्स, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

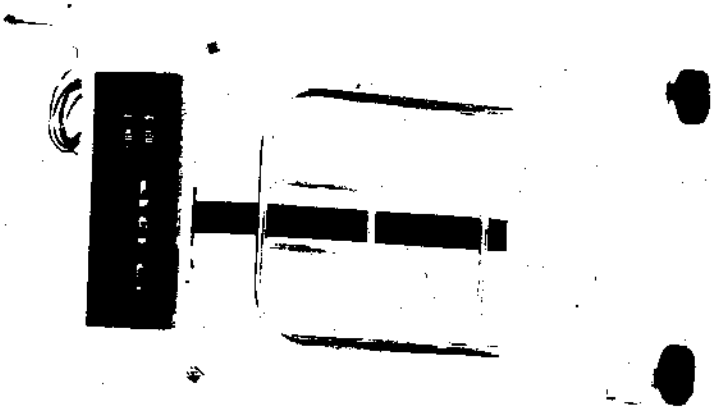

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम।

उपकरण को कपटपूर्ण व्यवहारों से खोले जाने से रोकने के लिए इंडीकेटर की तल प्लेट और उसके सामने छेद करके, इन छेदों में से तार निकाल कर तार पर लीड सील से सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 टन तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1\times10^{k}$, $2\times10^{k}$, $5\times10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (106)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1157.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Platform Type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy Class-III) of series "ASP-E 504" and with brand name "ANDWEIGHT" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Apical Scale, Gandhi Choke, Main Bazar, Near Shakti Jewellers, Savarkundala-364515, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/08/246;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 100 kg and minimum capacity of 200g. The verification scale interval (e) is 10g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230V, 50Hz alternative current power supply.

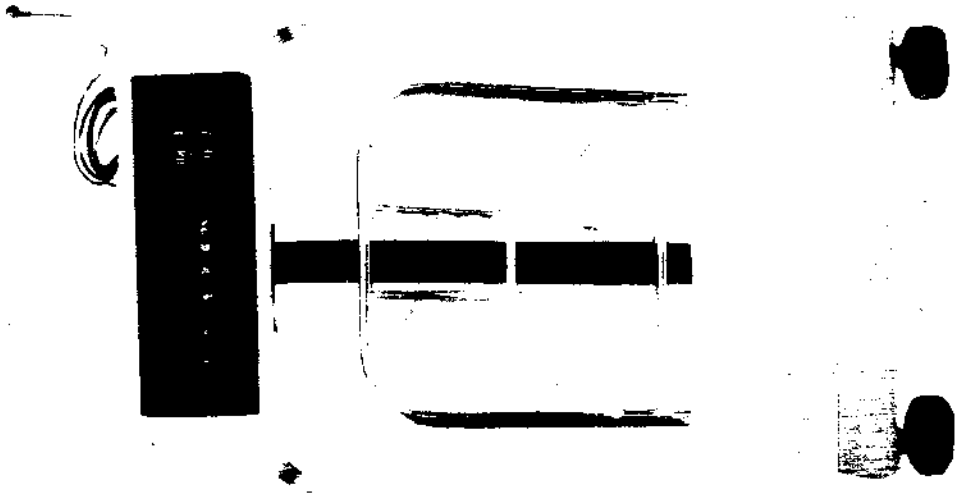

Figure-2 . Sealing provision of the indicator of model

Sealing is done through the holes made in the bottom plate and front of the indicator, then a seal wire is passed through these holes and the lead seal is fixed on the wire to prevent the opening of the instrument for fraudulent purposes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacities above 50kg and up to 5000 kg with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1\times 10^k$, $2\times 10^k$, or $5\times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(106)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1158.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और मांप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त माडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए, मैसर्स एम.टैक व्हे सिस्टम, 1-राधिकापार्क सोसायटी, कठवाडा रोड, नियर नरोदा, अहमदाबाद-382330, गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "एमडब्ल्यूएस-सी.एस " श्रृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित, तोलन उपकरण (क्रेन प्रकार) के मॉडल का जिसके ब्राण्ड का नाम "एम-टेक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है), और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी/09/08/250 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ;

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (क्रेन प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 5,000 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 20 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अंतराल (ई) 1 कि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट्स, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

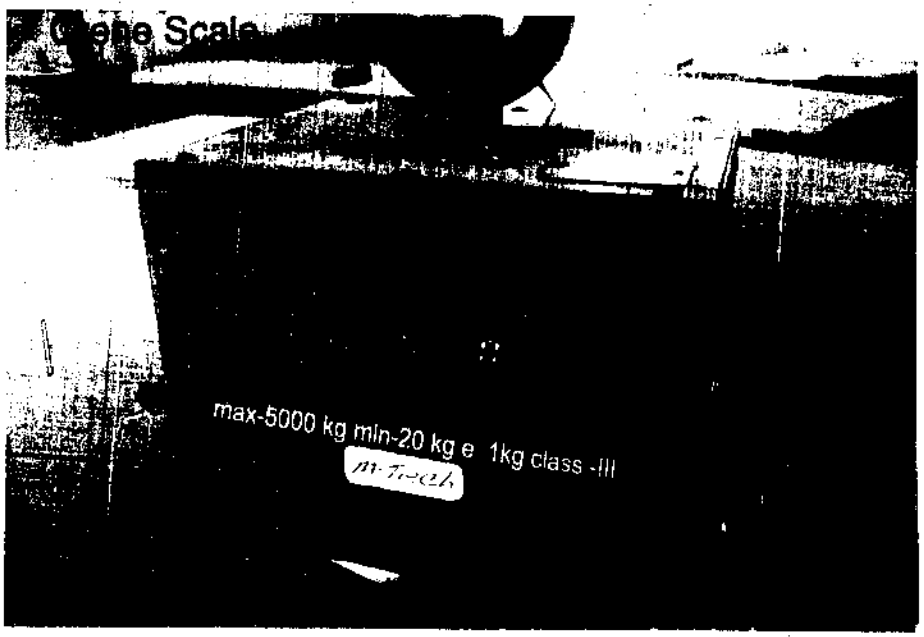


मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम ।

इंडीकेटर में बनाए गए छेदों में से वायर निकाल कर उस वायर पर वर्गाकार लीड सील लगाकर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 100 कि.ग्रा. से 30 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1 \times 10^{k}$, $2 \times 10^{k}$, $5 \times 10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (103)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1158.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Crane Type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy Class-III) of series "MWS-C. S" and with brand name "M-TECH" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. M-Tech Weigh System, 1-Radhikapark Society, Kathwada Road, Near Naroda, Ahmedabad-382330, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/08/250;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Crane type) with a maximum capacity of 5,000 kg and minimum capacity of 20Kg. The verification scale interval (e) is 1kg. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-2 : Sealing arrangement.

Sealing is done through the holes made in the indicator, then a wire is passed through these holes and a square lead seal is applied on the wire. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacities above 100kg and up to 30 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1\times 10^k$, $2\times 10^k$, or $5\times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(103)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1159.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स एम.टैक व्हे सिस्टम, 1-राधिकापार्क सोसायटी, कठवाडा रोड, नियर नरोदा, अहमदाबाद-382330, गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "एमडब्ल्यूएस-सी.के "शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित, तोलन उपकरण (वेब्रिज कन्वर्सन किट प्रकार) के मॉडल का जिसके ब्राण्ड का नाम "एम-टेक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है), और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी/09/08/249 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ;

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (वेब्रिज कन्सर्वन किट प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 40 टन और न्यूनतम क्षमता 200 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अंतराल (ई) 10 कि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट्स, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत् प्रदाय पर कार्य करता है ।

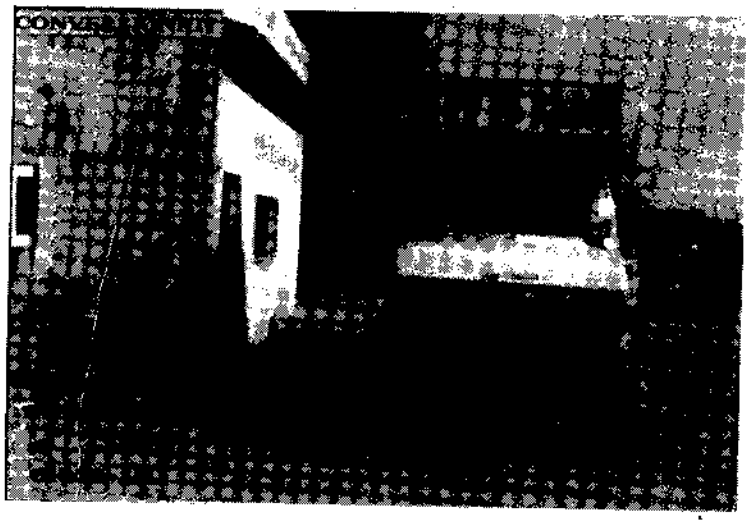

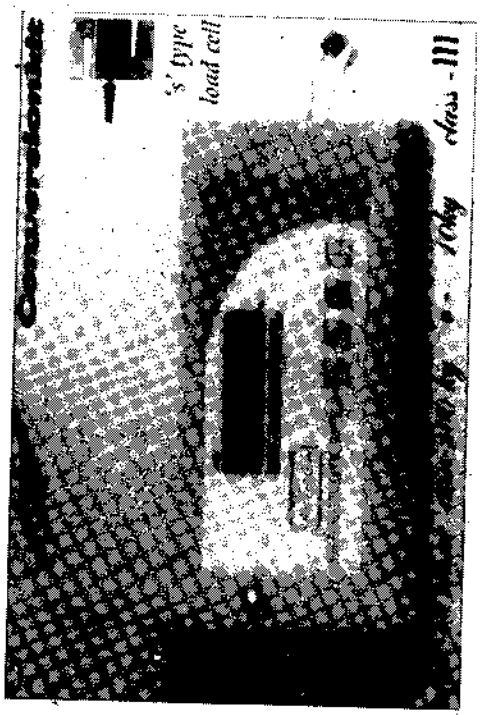


मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम ।

इंडीकेटर में बनाए गए छेदों में से वायर निकाल कर उस वायर पर वर्गाकार लीड सील लगाकर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 100 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1 \times 10^{k}$, $2 \times 10^{k}$, $5 \times 10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (103)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1159.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Weighbridge Conversion Kit Type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy Class-III) of series "MWS-C.K " and with brand name "M-TECH" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. M-Tech Weigh System, 1-Radhikapark Society, Kathwada Road, Near Naroda, Ahmedabad-382330, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/08/249;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Weighbridge conversion kit type) with a maximum capacity of 40 tonne and minimum capacity of 200kg. The verification scale interval (e) is 10kg. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

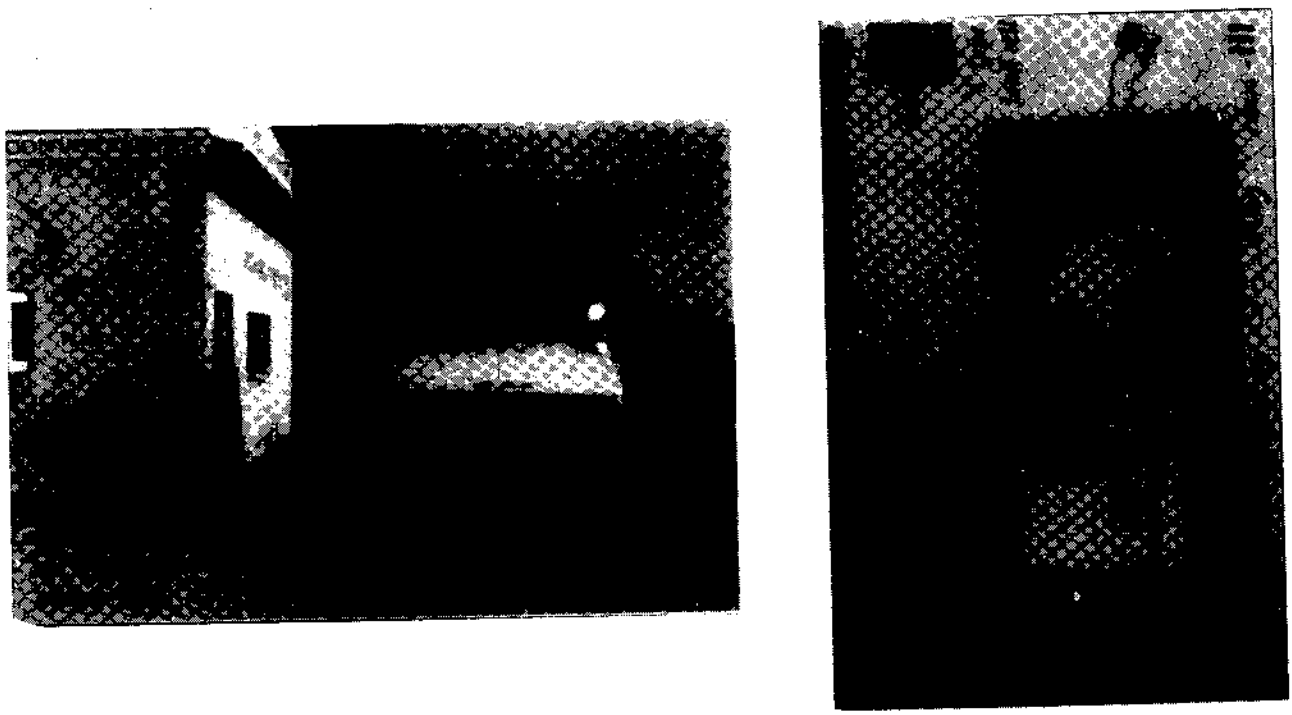

Figure-2 : Sealing arrangement

Sealing is done through the holes made in the indicator, then a wire is passed through these holes and a square lead seal is applied on the wire. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacities above 5 tonne and up to 100 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1\times 10^k$, $2\times 10^k$, or $5\times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(103)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1160.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एम.टैक वे सिस्टम, 1-राधिकापार्क सोसायटी, कठवाडा रोड, नियर नरोदा, अहमदाबाद-382330, गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "एमडब्ल्यूएस-एफडब्ल्यु" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित, तोलन उपकरण (वेब्रिज प्रकार) के मॉडल का जिसके ब्राण्ड का नाम "एम-टेक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त मॉडल कहा गया है), और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी/09/08/248 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (वेब्रिज प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 40 टन और न्यूनतम क्षमता 200 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अंतराल (ई) 10 कि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट्स, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

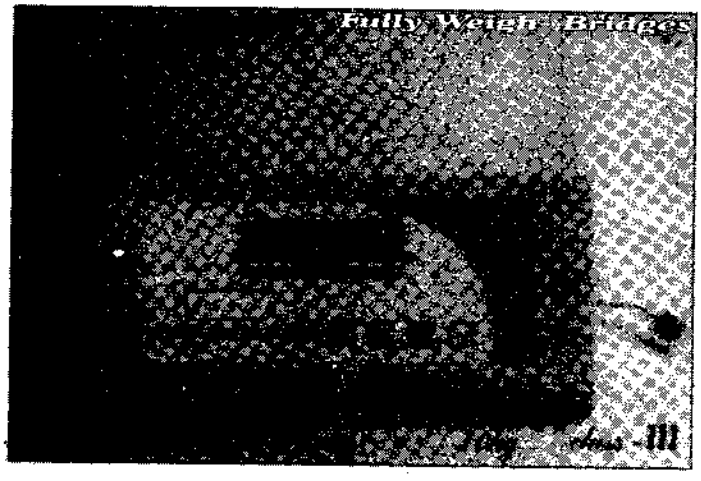

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

इंडीकेटर में बनाए गए छेदों में से वायर निकाल कर उस वायर पर वर्गाकार लीड सील लगाकर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 100 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1\times10^{k}$, $2\times10^{k}$, $5\times10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (103)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1160.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Weighbridge Type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy Class-III) of series "MWS-FW" and with brand name "M-TECH" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. M-Tech Weigh System, 1-Radhikapark Society, Kathwada Road, Near Naroda, Ahmedabad-382330, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/08/248;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Weighbridge type) with a maximum capacity of 40 tonne and minimum capacity of 200kg. The verification scale interval (e) is 10kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

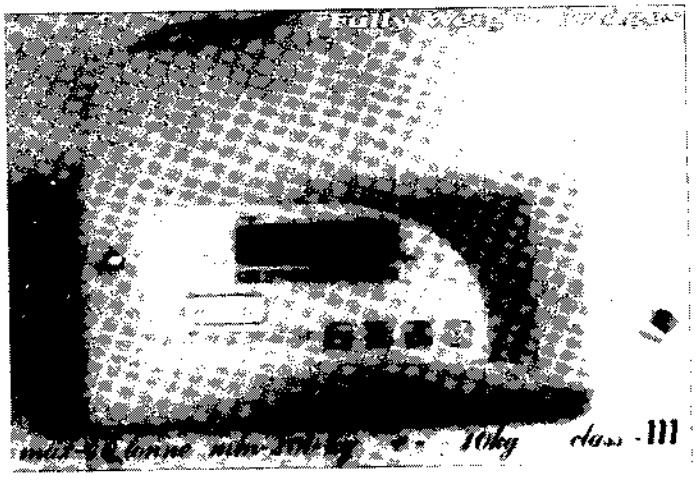

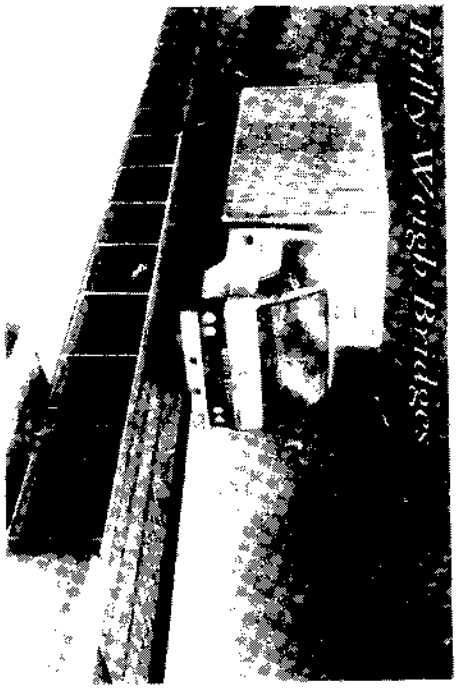

Figure-2 : Sealing arrangement

Sealing is done through the holes made in the indicator, then a wire is passed through these holes and a square lead seal is applied on the wire. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5 tonne and up to 100 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1\times 10^k$, $2\times 10^k$, or $5\times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(103)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1161.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (माडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स राइस लेक वेइंग सिस्टम्स, 230 डब्ल्यू, कोलमेन स्ट्रीट, राइस लेक, डब्ल्यू आई-54868, यू एस ए द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "920 i" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "राइस लेक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त मॉडल कहा गया है), जिसे मैसर्स राइस लेक वेइंग सिस्टम्स, नं. 10, टाइप-IV, सी पी आर आई कालोनी, न्यू बेल रोड, बंगलोर-560012 द्वारा भारत में विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/444 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त माडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित (प्लेटफार्म प्रकार का) तोलन उपकरण है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 4 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 200 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । उपकरण वी जी ए लिक्विड क्रिस्टल डायोड (एल सी डी) के साथ 27 एलफा-न्यूमेरीकल कीपैड, 5 प्रोग्रामेबल साफ्टवेयर कीज के साथ आर एस 232 और आर एस 485 डाटा ट्रांसफर के लिए सीरियल पार्ट के प्रयोग करने से तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

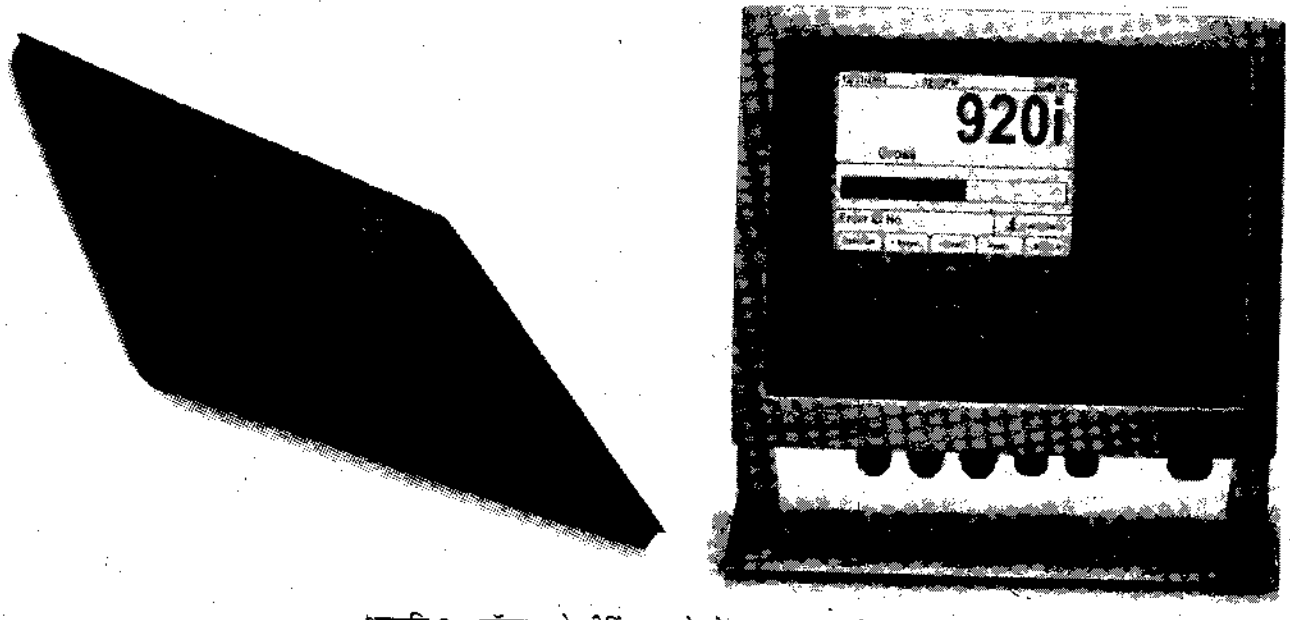


आकृति 2 : मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

सूचक को सीलबंद करने के लिए इसके तल और शीर्ष पर बोर किए पेंच लगाये जायेंगे जिन्हें सीसेदार तार द्वारा सत्यापन स्टाम्प और सील प्राप्त करने के लिए कसा जायेगा । सील को तोड़े बिना उपकरण को खोला नहीं जाएगा । मॉडल को सीलबंद करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त माडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से अधिक और 5,000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1 \times 10^{k}$, $2 \times 10^{k}$, $5 \times 10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (160)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1161.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of series "920 i" and with brand name "RICE LAKE" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Rice Lake Weighing Systems, 230 W, Coleman Street, Rice Lake, WI-54868, USA and marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Rice Lake Weighing Systems, No. 10, Type-IV, CPRI Colony, New Bel Road, Bangalore-560012 and which is assigned the approval mark IND/09/08/444;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 1000 kg. and minimum capacity of 4 kg. The verification scale intervel (e) is 200g. It has a tare device with a 100 per cent substractive retained tare effect. The results of measurement are indicated by using VGA Liquid Crystal Diode (LCD) display with 27 Alpha-Numerical keypad, including 5 programmable software keys along with RS 232 and RS 485 serial port for data transfer. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternate current power supply.

Figure 1 Model

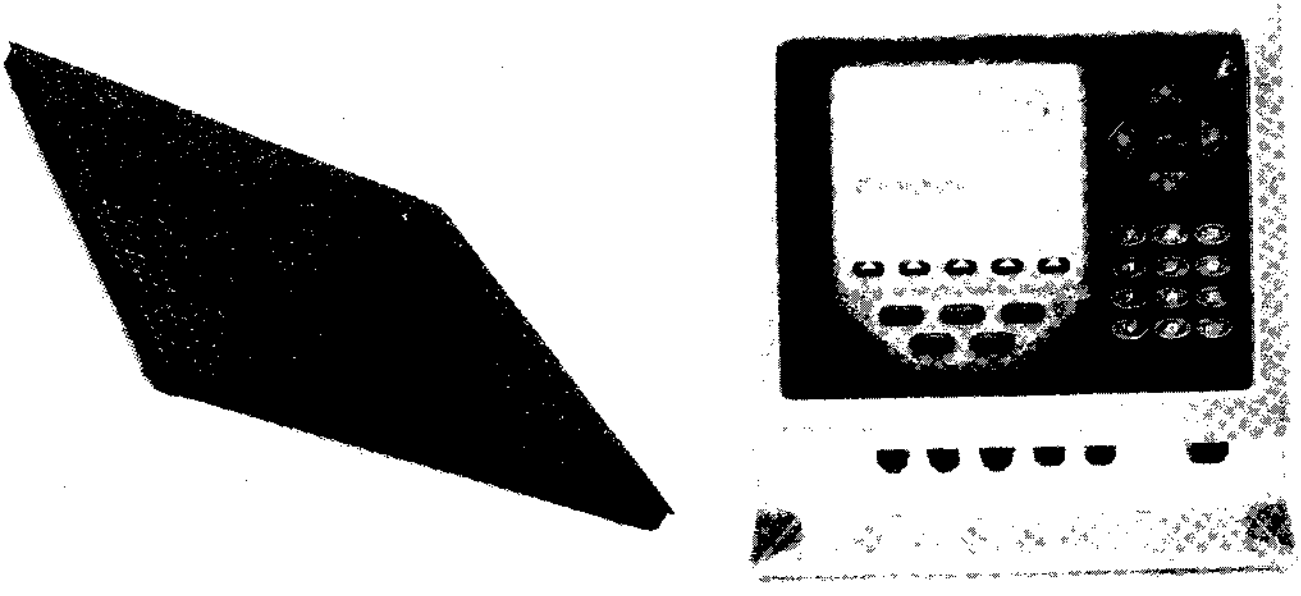

Figure 2 : Sealing provision of the indicator of model.

For sealing bored screws are fixed at the left corner of the indicator which are fastened by a leaded wire for receiving the verification stamp and seal. The instrument can not be opened without tampering the seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50 kg. and upto 5000 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1 \times 10^k$, $2 \times 10^k$, or $5 \times 10^k$, where 'k' is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(160)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1162.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स राइस लेक वेइंग सिस्टम्स, 230 डब्ल्यू, कोलमेन स्ट्रीट, राइस लेक, डब्ल्यू 1-54868, यू एस ए द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "420 प्लस" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "राइस लेक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त मॉडल कहा गया है), जिसे मैसर्स राइस लेक वेइंग सिस्टम्स, नं. 10, टाइप-IV, सी पी आर आई कालोनी, न्यू बेल रोड, बंगलोर-560012 द्वारा भारत में विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/443 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित (टेबलटाप प्रकार का) तोलन उपकरण है । इसकी अधिकतम क्षमता 50 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 200 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 10 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है । जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल सी डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण में ग्रोस वेट, नेट वेट, सेंटर आफ जीरो, स्टेंड स्टील, प्राइस-काउंट मोड, और प्रदर्श के लिए एल्फा न्यूमेरिक कीपैड आदि अतिरिक्त विशेषताएं हैं। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

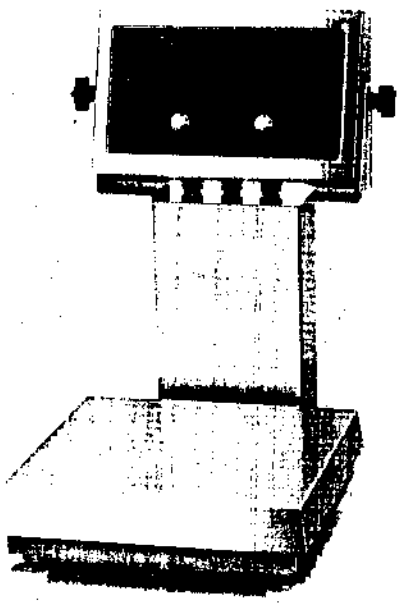

आकृति 2 : मॉडल को सीलबंद करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

सूचक को सीलबंद करने के लिए इसके तल और शीर्ष पर बोर किए पेंच लगाये जायेंगे जिन्हें सीसेदार तार द्वारा सत्यापन स्टाम्प और सील प्राप्त करने के लिए कसा जायेगा । सील को तोड़े बिना उपकरण को खोला नहीं जाएगा । मॉडल को सीलबंद करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 मि.ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1 \times 10^{क}$, $2 \times 10^{क}$, $5 \times 10^{क}$, 'क' हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (160)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1162.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with digital indication of "420 Plus" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "RICE LAKE" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Rice Lake Weighing Systems, 230 W, Coleman Street, Rice Lake, WI-54868, USA and marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Rice Lake Weighing Systems, No. 10, Type-IV, CPRI Colony, New Bel Road, Bangalore-560012 and which is assigned the approval mark IND/09/08/443

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with a maximum capacity of 50 kg. and minimum capacity of 200g. The verification scale intervel (e) is 10g. It has a tare device with a 100 per cent substractive retained tare effect. The light emitting diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument has the additional features like gross weight, net weight, centre of zero, stand still, price-count mode, and alpha numeric keypad for display etc. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

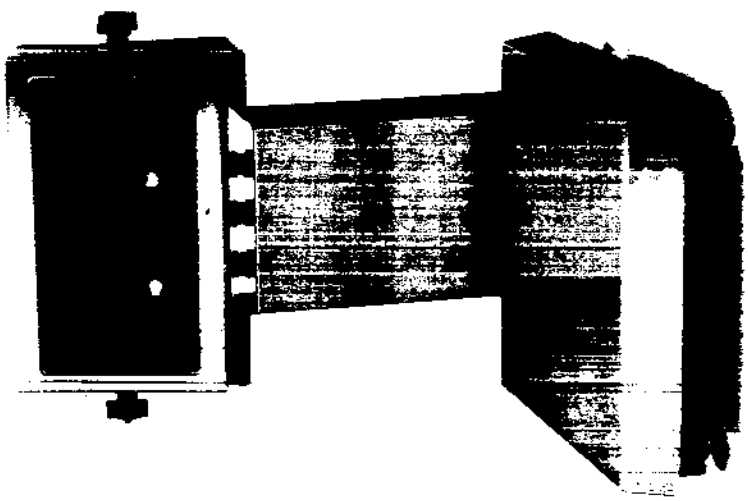

Figure 2 : Sealing diagram of the model

For sealing bored screws are fixed at the bottom and top of the indicator which are fastened by a leaded wire for receiving the verification stamp and seal. The instrument cannot be opened without tampering the seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg. to 2 g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1\times 10^k$, $2\times 10^k$, or $5\times 10^k$, where 'k' is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(160)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1163.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स सुजुकी इलैक्ट्रानिक्स, 899/3ए, जी आई डी सी एस्टेट, मकरपुरा, बडोदरा-390010, गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एस यू टी डब्ल्यू-3" शृंखला के अंकक सूचन सहित स्वतःसूचक अस्वचालित तोलन उपकरण (टैंक तोल) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "सुजुकी" है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त मॉडल कहा गया है), और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2007/518 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है ।

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 10 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 500 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज़ प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

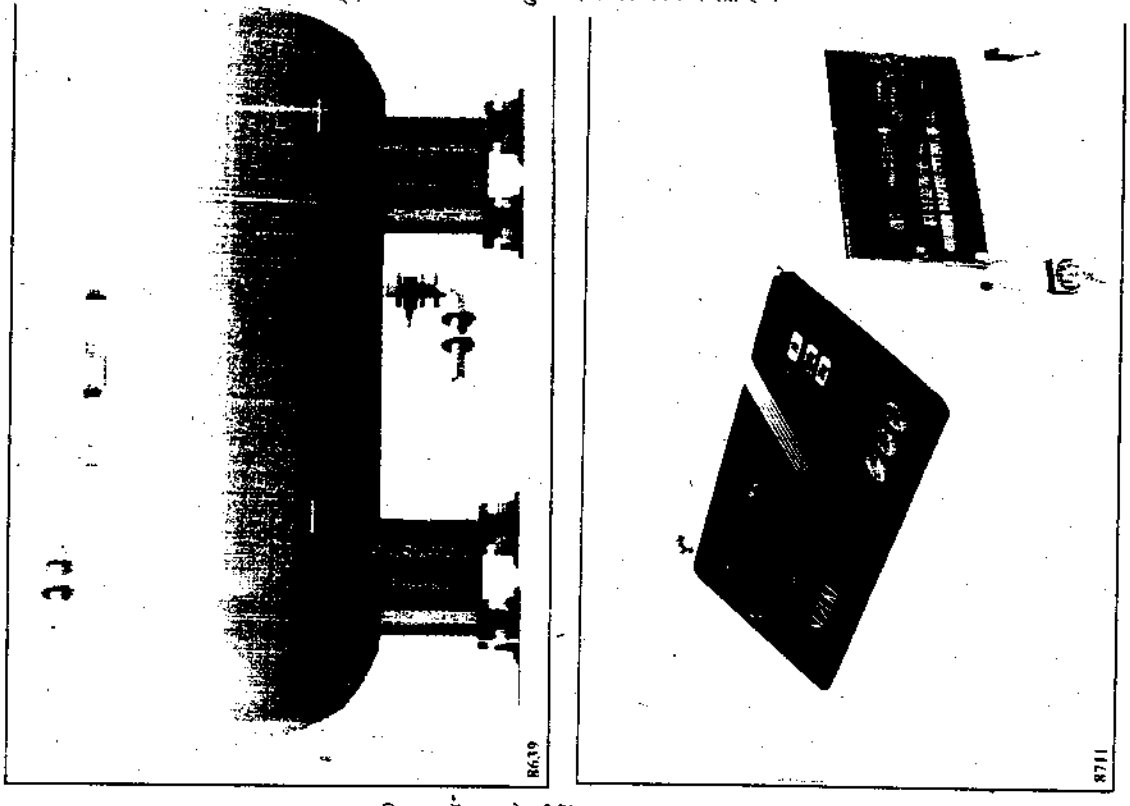

आकृति-2 मॉडल के सीलिंग प्रावधान का स्कीमवार डायग्राम

इंडिकेटर के दाईं तरफ के ऊपरी कवर और नीचे के कवर में छेदों के माध्यम से तार को निकालकर सीलिंग की जाएगी और इसे लीड सील से सुरक्षित किया जाएगा । मॉडल के सीलिंग प्रावधान का स्कीमवार डायग्राम ऊपर दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का निर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के सत्यापन अंतराल (एन) सहित 10 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1 \times 10^{क}$, $2 \times 10^{क}$ या $5 \times 10^{क}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (218)/2007]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1163.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic (Tank weighing type) weighing instrument with digital indication of "SUTW-3" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "SUZUKI" (herein referred to as the said Model), manufactured by M/s. Suzuki Electronics, 899/3A. GIDC Estate, Makarapura, Vadodara-390010, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/07/518:

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument with a maximum capacity of 1000 kg and minimum capacity of 10 kg. The verification scale intervel (e) is 500g. It has a tare device with a 100 per cent substractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

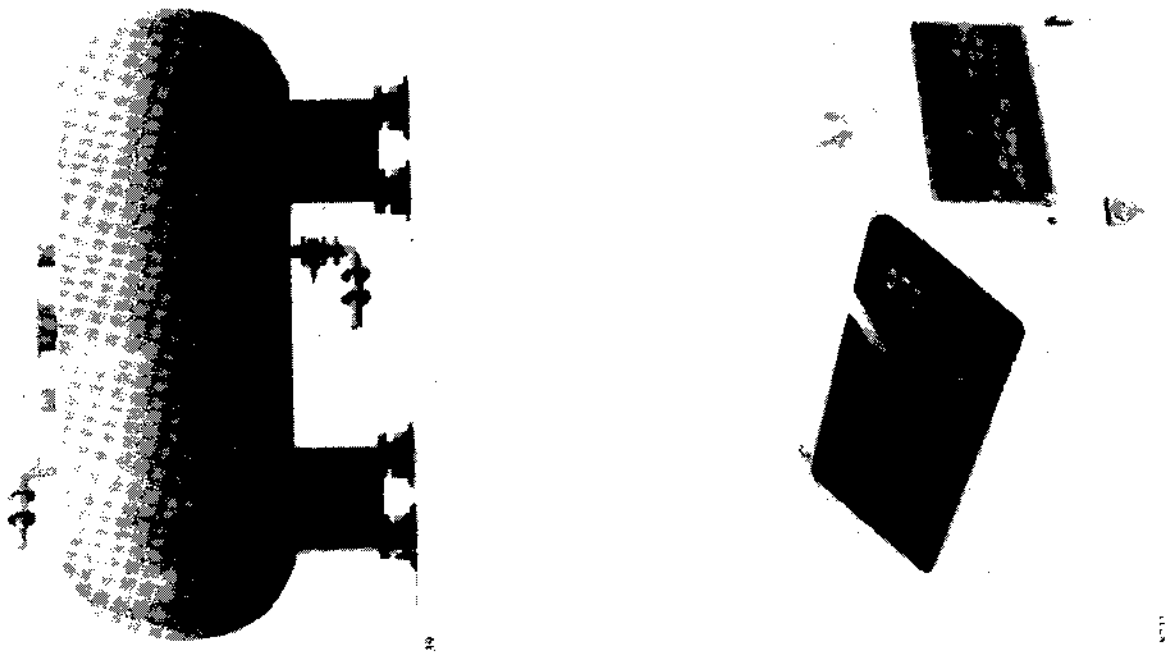

Figure-2 : Schematic diagram of sealing provision of the model (at the side or indicator)

The sealing is done by passing wire through the hole made in the bottom cover as well as in top cover on the right side of the indicator and securing it by a lead seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with capacity upto 10 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with v 'e' value of $1\times 10^k$, $2\times 10^k$ or $5\times 10^k$, where k being is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(218)/2007]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1164.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (माडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स सुजुकी इलैक्ट्रानिक्स, 899/3ए, जी आई डी सी एस्टेट, मकरपुरा, वडोदरा-390010, गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "एस यू सी-1" शृंखला के अंकक सूचन सहित स्वत:सूचक अस्वचालित तोलन उपकरण (क्रेन प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "सुजुकी" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है), और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2007/519 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है ;

उक्त माडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित तोलन उपकरण है । इसकी अधिकतम क्षमता 10टन है और न्यूनतम क्षमता 20 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 1 कि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

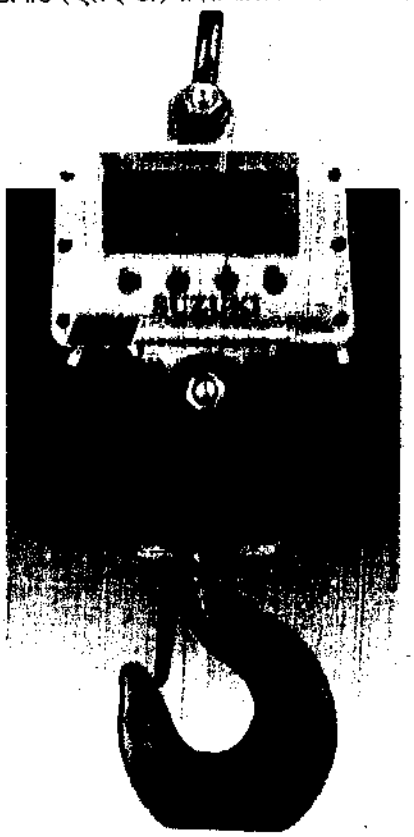


आकृति-2 मॉडल के सीलिंग प्रावधान का स्कीमवार डायग्राम (इंडिकेटर की तरफ)

इंडिकेटर के दांई तरफ के ऊपरी कवर और नीचे के कवर में छेदों के माध्यम से तार को निकाल कर सीलिंग की जाएगी और इसे लीड सील से सुरक्षित किया जाएगा । मॉडल के सीलिंग प्रावधान का स्कीमवार डायग्राम ऊपर दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त माडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्राम या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के सत्यापन अंतराल (एन) सहित 30 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1\times10^{k}$, $2\times10^{k}$ या $5\times10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (218)/2007]

आर. माधुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1164.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of self indicating, non-automatic (Crane type) weighing instrument with digital indication of "SUC-1" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "SUZUKI" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Suzuki Electronics, 899/3A. G.I.D.C. Estate, Makarapura, Vadodra-390010, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/07/519;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument with a maximum capacity of 10 tonne and minimum capacity of 20kg. The verification scale intervel (e) is 1 kg. It has a tare device with a 100 per cent substractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

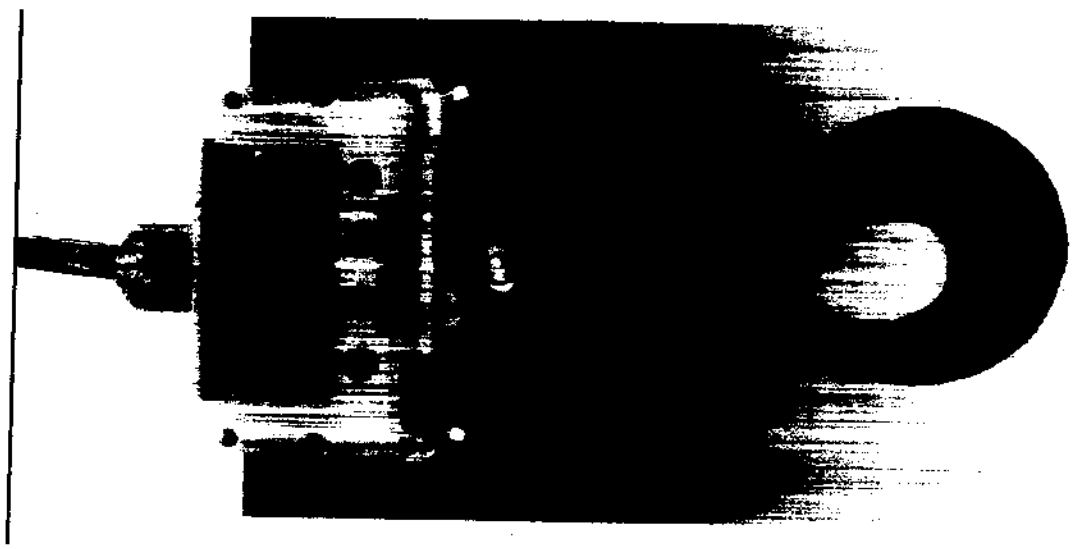

Figure-2 : Schematic diagram of sealing provision of the model (at the side of indicator).

The sealing is done by passing wire through the hole made in the bottom cover as well as in top cover on the side of the indicator and securing it by a lead seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of same series with maximum capacity up to 30 tonne and with number of verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1 \times 10^k$, $2 \times 10^k$, or $5 \times 10^k$, k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(218)/2007]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1165.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स हैल्थी ग्रुप, 107/117, जवाहर नगर, कानपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "यू एस" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एच डब्ल्यू एस" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है), और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/299 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त माडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन-सिक्के द्वारा प्रचालन) है । इसकी अधिकतम क्षमता 200 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । लिक्विड क्रिस्टल डायोड (एल सी डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट्स 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

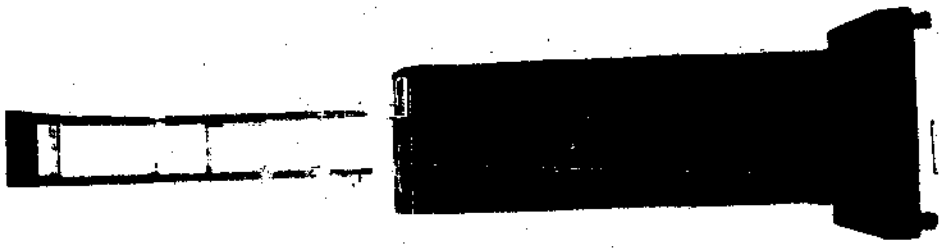



माडल को सीलिंग प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम ।

**स्टाम्पिंग प्लेट पर लीड सील लगाई गई है जो वेइंग स्केल के पीछे मैकेनिकल एसम्बेली की सुरक्षा के लिए स्क्रू और विशेष क्वालिटी सीलिंग वायर से की गई है। सील को तोड़े बिना उपकरण को खोला नहीं जा सकता। माडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।**

**और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त माडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 100 कि.ग्रा. से 200 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1\times10^k$, $2\times10^k$, $5\times10^k$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।**

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (133) [illegible]]

आर. माथुरबूथम, निदेशक विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1165.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of series "US" and with brand name "HWS" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Healthy Group, 107/117, Jawahar Nagar, Kanpur, U.P. and which is assigned the approval mark IND/09/08/299;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine-coin operated) with a maximum capacity of 200 kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale intervel (e) is 100 g. It has a tare device with a 100 per cent substractive retained tare effect. The Liquid Crystal Display (LCD) indicates the weighing results. It is a coin operated machine and has ultrasonic height measuring facility. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-2 : Sealing diagram of the sealing provision of the model.

Lead seal is affixed on the stamping plate which is attached in the backside of the weighing scale with the help of screws and special quality sealing wire for the security of mechanical assembly. The instrument cannot be opened without breaking the lead seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity in the range of 100 kg. to 200kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1\times 10^k$, $2\times 10^k$, or $5\times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(133)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1166.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स त्रिवेणी इंटरप्राइजिज, सी-26, विभूति खण्ड कामर्शियल एरिया, गोमती नगर, लखनऊ-226010 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "टी पी" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "पायनिर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है), और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/309 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 300 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल सी डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट्स, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

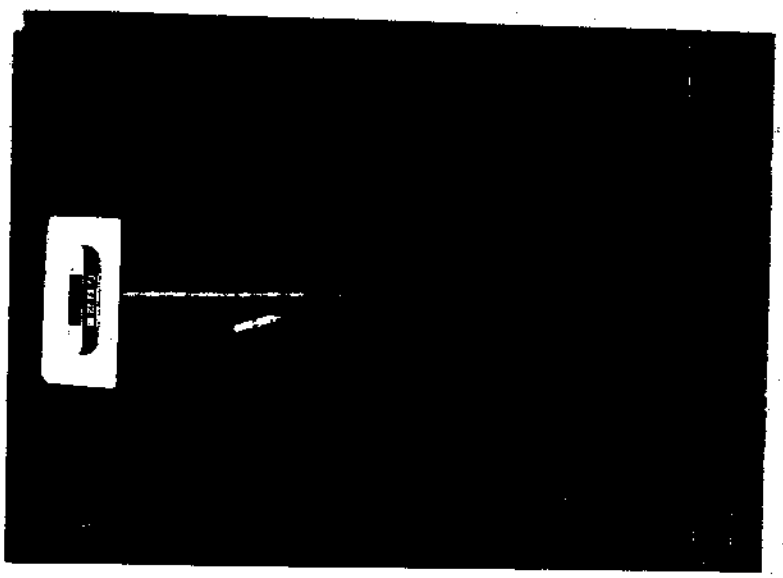

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

स्केल के आधार और ऊपरी ढांचे और सामने के कार्नर से स्टड में किए गए छेदों के जरिये सीलिंग तार को डालकर लीड सील से सीलबंद किया जाता है। इन सीलों को तोड़े बिना स्केल को खोला नहीं जा सकता। मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1\times10^{k}$, $2\times10^{k}$, $5\times10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (134)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1166.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of , non-automatic weighing instrument (Plateform Type) with digital indication of "TP" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "POINEER" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Triveni Enterprises, C-26, Vibhuti Khand Commercial Area, Gomti Nagar, Lucknow-226010 and which is assigned the approval mark IND/09/08/309;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Plateform Type) with a maximum capacity of 300 kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale intervel (e) is 100 g. It has a tare device with a 100 per cent substractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) Display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

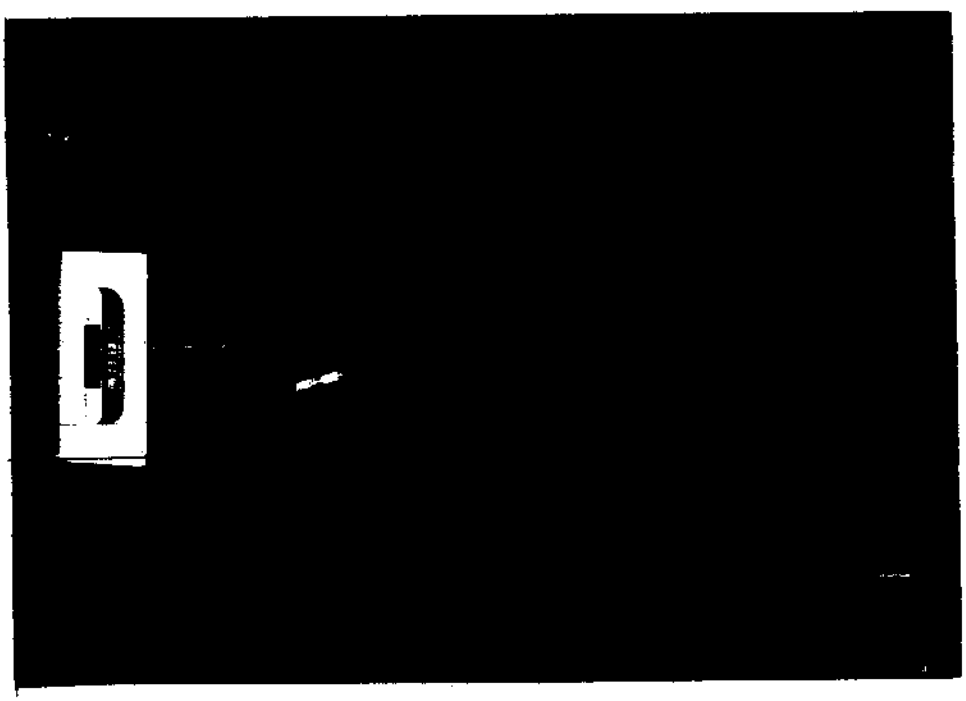

Figure-2 : Sealing diagram

Sealing is done by the sealing wire, passing through the holes made in the base and upper body of the indicator of the scale and stud from the opposite corner with the lead seal. The scale can not be opened without breaking the seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the Model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg. and upto 5000kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1 \times 10^k$, $2 \times 10^k$, or $5 \times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(134)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1167.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स त्रिवेणी इंटरप्राइजिज, सी-26, विभूति खण्ड कामर्शियल एरिया, गोमती नगर, लखनऊ-226010 द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग II) वाले "टी टी" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "पायनिर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है), और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/311 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 20 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 2 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट्स, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

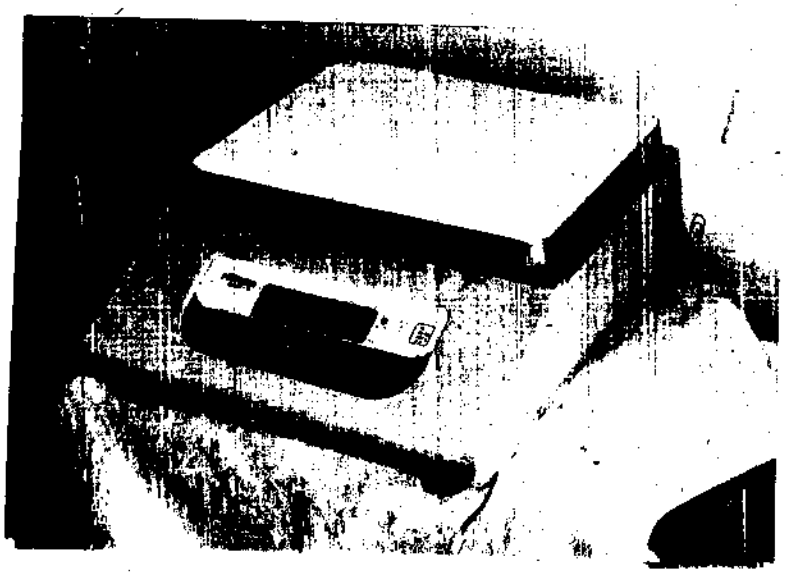

मॉडल को सीलिंग करने प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

स्केल के आधार और ऊपरी ढांचे और सामने के कार्नर से स्टड में किए गए छेदों के जरिये सीलिंग तार को डालकर लीड सील से सीलबंद किया जाता है। इन सीलों को तोड़े बिना स्केल को खोला नहीं जा सकता। मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि. ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1\times10^{k}$, $2\times10^{k}$, $5\times10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (134)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1167.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Tabletop Type) with digital indication of high accuracy (Accuracy class-II) of series "TT" and with brand name "PIONEER" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Triveni Enterprises, C-26, Vibhuti Khand Commercial Area, Gomti Nagar, Lucknow-226010 and which is assigned the approval mark IND/09/08/311;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Tabletop Type) with a maximum capacity of 20 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale intervel (e) is 2 g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) Display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

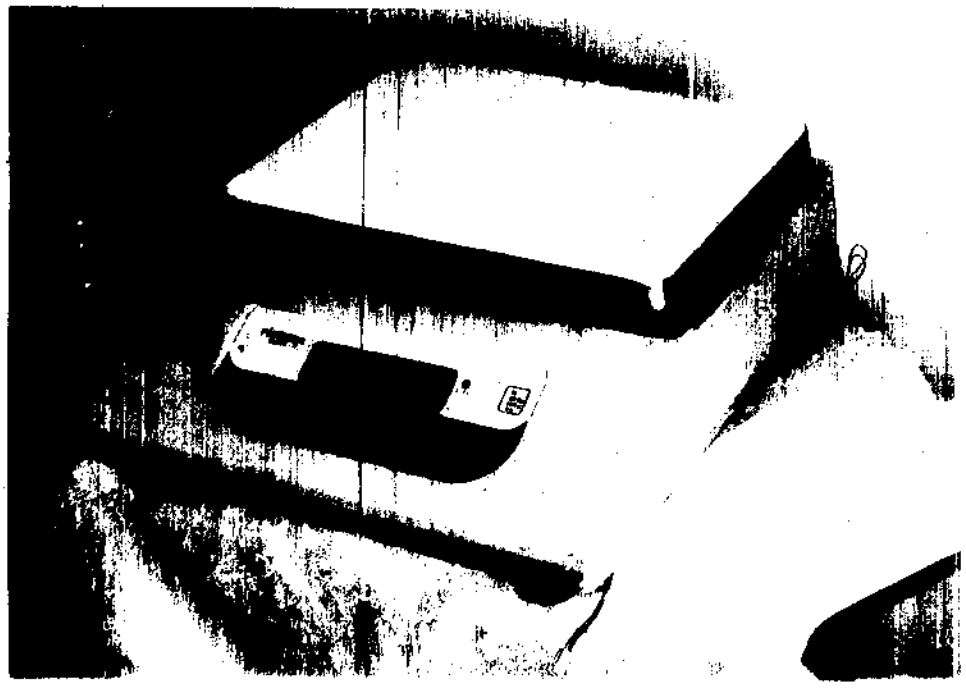

Figure-2 : Sealing diagram

Sealing is done by the sealing wire, passing through the holes made in the base and upper body of the scale and stud from the opposite corner with the lead seals. The scale can not be opened without breaking the seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the Model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 50,000 for 'e' value of 1mg. to 50mg. and with verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100mg. or more and with 'e' value of $1 \times 10^k$, $2 \times 10^k$, or $5 \times 10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(134)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 1168.**—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स त्रिवेणी इंटरप्राइजिज, सी-26, विभूति खण्ड कामर्शियल एरिया, गोमती नगर, लखनऊ-226010 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "टी ई" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "पायनिर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त मॉडल कहा गया है), और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/310 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटॉप प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट्स 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

स्केल के आधार और ऊपरी ढांचे और सामने के कार्नर से स्टड में किए गए छेदों के जरिये सीलिंग तार को डालकर लीड सील से सीलबंद किया जाता है। इन सीलों को तोड़े बिना स्केल को नहीं खोला जा सकता। मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है-कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1\times10^{k}$, $2\times10^{k}$, $5\times10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21 (134)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st December, 2008

**S.O. 1168.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Tabletop Type) with digital indication of "TE" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "POINEER" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Triveni Enterprises, C-26, Vibhuti Khand Commercial Area, Gomti Nagar, Lucknow-226010 and which is assigned the approval mark IND/09/08/310;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Tabletop Type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale intervel (e) is 5 g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) Display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-2 : Sealing diagram of the model

Sealing is done by the sealing wire, passing through the holes made in the base and upper body of the scale and stud from the opposite corner with the lead seal. The scale can not be opened without breaking the seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100 mg to 2 g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1\times10^k$, $2\times10^k$, or $5\times10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(134)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

## भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1169.**—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिस भारतीय मानक का विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है वह स्थापित हो गया है :-

**अनुसूची**

| क्रम सं. | स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक | नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष | स्थापित तिथि |
|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1 | आई एस 61508-6 : 2000 विद्युत इलेक्ट्रानिक प्रोग्राम योग्य इलेक्ट्रानिक सुरक्षा संबंधी पद्धतियों की कार्यात्मक सुरक्षा- भाग 6 आई ई 61508-2 और 61508-3 के अनुप्रयोग की मार्गदर्शिका | - | 30 दिसम्बर, 2008 |

इस भारतीय मानकों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली- 110002, क्षेत्रीय कार्यालयों नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ: ईटी 18/टी-112]

प्रकाश वचानी, वैज्ञा.-ई एवं प्रमुख विद्युत तकनीकी वि.

## BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 17th April, 2009

**S.O. 1169.**—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the Indian Standard, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed has been issued :

**SCHEDULE**

| Sl. No. | No. & Year of the Indian Standards | No. & Year of the Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard | Date of Establishment |
|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1 | **IS/IEC 61508-6 : 2000 Functional Safety of Electrical/ Electronic/ Programmable Electronic Safety-Related System- Part 6 Guidelines on The Applications of IEC 61508-2 and 61508-3** | - | 30 December, 2008 |

Copy of this Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi- 110002 and Regional Offices: New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref: ET 18/T-112]

PRAKASH BACHANI, Sc. E & Head Electrotechnical Department

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1170.**—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिस भारतीय मानक का विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है वह स्थापित हो गया है :-

**अनुसूची**

| क्रम सं. | स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक | नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष | स्थापित तिथि |
|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1 | आई एस 61508-3 : 1998 विधुत इलेक्ट्रॉनिक प्रोग्राम योग्य इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा संबंधी पद्धतियों की कार्यात्मक सुरक्षा- भाग 3 साफ्टवेयर की अपेक्षाएं | - | 30 दिसम्बर, 2008 |

इस भारतीय मानक की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली- 110002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर पटना, पूणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ: ईटी 18/टी-109]

प्रकाश बचानी, वैज्ञा.-ई एवं प्रमुख (विद्युत तकनीकी वि.)

New Delhi, the 17th April, 2009

**S.O. 1170.**—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed has been issued:

**SCHEDULE**

| Sl.No. | No. & Year of the Indian Standards | No. & Year of the Indian Standards,if any, Superseded by the New Indian Standard | Date of Establishment |
|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1 | IS/IEC 61508-3 : 1998 Functional Safety of Electrical Electronic/ Programmable Electronic Safety-Related System- Part 3 Software requirements | - | 30 December, 2008 |

Copy of this Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi- 110002 and Regional Offices: New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref: ET 18/T-109]

PRAKASH BACHANI, Sc.E & Head (Electrotechnical Department)

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1171.**—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिस भारतीय मानक का विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है वह स्थापित हो गया है :-

अनुसूची

| क्रम सं. | स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक | नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष | स्थापित तिथि |
|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1 | आई एस 61511-1 : 2003 कार्यात्मक सुरक्षा-प्रक्रम उद्योग क्षेत्र के लिए सुरक्षा मापयंत्रण तंत्र भाग 1 फ्रेमवर्क, परिभाषाएं, तंत्र हार्डवेयर और साफ्टवेयर की अपेक्षाएं | - | 31 जनवरी, 2009 |

इन भारतीय संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली- 110002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों: अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर,नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ: ईटी 18/टी-115]

प्रकाश बचानी, वैज्ञा.-ई एवं प्रमुख (विद्युत तकनीकी वि.)

New Delhi, the 17th April, 2009

**S.O. 1171.**—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the Indian Standard, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed has been issued:

**SCHEDULE**

| Sl.No. | No. & Year of the Indian Standards | No. & Year of the Indian Standards,if any, Superseded by the New Indian Standard | Date of Establishment |
|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1 | IS/IEC 61511-1 : 2003 Functional Safety -Safety Instrumented Systems for the Process Industry Sector Part 1 Framework, Definitions, Systems Hardware and Softwarere Requirements | - | 31 January 2009 |

Copy of this Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi- 110002 and Regional Offices: New Delhi, Kolkate, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref: ET 18/T-115]

PRAKASH BACHANI, Sc.E & Head (Electrotechnical Deptt.)

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1172.**—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिस भारतीय मानक का विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है वह स्थापित हो गया है:—

अनुसूची

| क्रम सं. | स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक | नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष | स्थापित तिथि |
|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1 | आई एस 61508-4 : 1998 विधुत इलेक्ट्रॉनिक प्रोग्राम योग्य इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा संबंधी पद्धतियों की कार्यात्मक सुरक्षा- भाग 4 परिभाषाएं एवं संक्षिप्तियां | - | 30 दिसम्बर, 2008 |

इन भारतीय संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली- 110002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ: ईटी 18/टी-110]

प्रकाश बचानी, वैज्ञा.-ई एवं प्रमुख (विधुत तकनीकी वि.)

New Delhi, the 17th April, 2009

**S.O. 1172.**—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed has been issued:

**SCHEDULE**

| Sl.No. | No. & Year of the Indian Standards | No. & Year of the Indian Standards,if any, Superseded by the New Indian Standard | Date of Establishment |
|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1 | IS/IEC 61508-4 : 1998 Functional Safety of Electrical Electronic/ Programmable Electronic Safety-Related System- Part 4 Definitions And Abbreviations | - | 30 December, 2008 |

Copy of these Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi- 110002 and Regional Offices: New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref: ET 18/T-110]

PRAKASH BACHANI, Sc.E & Head (Electrotechnical Department)

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1173.**—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के विनियम (5) के उपविनियम (6) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि निम्न विवरण वाले लाइसेंसों को उनके आगे दर्शायी गई तारीख से लाइसेंस प्रदान किया गया है :-(माह 1 नवम्बर, 2008 से 31 जनवरी, 2009)

अनुसूची

| क्रम सं. | लाईसेंस सं. सीएम/एल | लाइसेंस प्रदान करने की तिथि | लाईसेंसधारी का नाम और पता | लाईसेंस के अंतर्गत वस्तु/प्रक्रम संबद्ध भारतीय मानक का शीर्षक |
|---|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| 1. | 9695009 | 03-11-2008 | मे. भारत केमिकल इण्डस्ट्रीज एस. 19/40 एफ नै बाजार, वरूणा ब्रिज, जिला- वाराणसी | IS 1061 : 2991 डिस्इन्फेक्टेन्ट फ्लूइड्स, फेनोलिक टाइप |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|---|---|---|---|---|
| 2. | 9695615 | 05-11-2008 | मे. अमित पाइप इण्ड. एवं एलाएड प्रोडक्ट्स ग्राम-अनुरा, पीओ-चिनहट, फैजाबाद रोड, लखनऊ | IS 458 : 2003 प्रीकास्ट कंक्रीट पाइप्स |
| 3. | 9695716 | 07-11-2008 | मे. टेराकाम लिमिटेड प्लाट नं.-17 से 19 एवं 52 से 54, सेक्टर-5 इन्टीग्रेटेड इण्डस्ट्रियल एरिया, पन्त नगर, जिला- उधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड | IS 398 : Part 5 : 1992 एल्यूमीनियम कल्डक्टर्स फार ओवरहेड ट्रान्समिशन पर्पजेज : भाग-5 एल्युमीनियम कन्डक्टर्स - गैल्वनाइज्ड स्टील रेनफोर्समेन्ट फार एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज (400 केवी एवं एबव) |
| 4. | 9695817 | 11-11-2008 | मे. साहू कंक्रीट उद्योग ग्राम-बस्ती, पोस्ट-लोहटा, जिला- वाराणसी | IS 458 : 2003 प्रीकास्ट कंक्रीट पाइप्स |
| 5. | 9696516 | 17-11-2008 | मे. गुप्ता पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर लि., प्लाट नं.-132, 132ए एवं 132बी, नन्द नगर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, फेस-2 महुआ खेरा गंज, काशीपुर, जिला- उधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड | IS 398 : Part 1 : 1996 एल्यूमीनियम कल्डक्टर्स फार ओवरहेड ट्रान्समिशन पर्पजेज भाग-1 एल्युमीनियम स्ट्रेन्डेड कन्डक्टर्स |
| 6. | 9696617 | 17-11-2008 | मे. जेनप्लास पाइप्स प्रा. लि:, . प्लाट नं.सी-6, एल्डिको सिडकल, इण्डस्ट्रियल पार्क, सितारगंज जिला- उधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड | IS 14930 : Part 2 : 2001 कन्डूट सिस्टम्स फार इलेक्ट्रिकल इन्स्टालेशन्स-भाग-2 : पर्टिकुलर रिक्वायरमेंट्स-कन्डूट सिस्टमस बरीड अन्डरग्राउण्ड |
| 7. | 9696718 | 17-11-2008 | मे. जय लक्ष्मी सीमेन्ट कं. प्रा. लि., . डी. 64/52 बी- 1, सन्त रघुबर नगर, माधोपुर, सिगरा, जिला- वाराणसी, यू पी | IS 455 : 1989 पोर्टलेण्ड स्लेग सीमेन्ट |
| 8. | 9697821 | 27-11-2008 | मे. अभिनव स्टील प्रा. लि., . प्लाट नं.ए-18, 19, 25, 26, व 27 सिडा, सथारिया, जिला- जौनपुर, यू पी | IS 2830 : 1992 कार्बन स्टील कास्ट बाइलेट इनगाट्स, बाइलेट्स, ब्लूम्स, एण्ड स्लेब्स फार रि-रोलिंग इनटु स्टील फार जनरल स्ट्रक्चर पर्पजेज |
| 9. | 9697922 | 27-11-2008 | मे. अभिनव स्टील प्रा. लि., . प्लाट नं.ए-18, 19, 25, 26, व 27 सिडा, सथारिया, जिला- जौनपुर, यू पी | IS 2062 : 2006 स्टील फार जनरल स्ट्रक्चरल पर्पजेज |
| 10. | 9699118 | 03-12-2008 | मे. वैभव बेवरेजेज प्रा. कं., . द्वारा- त्रिवेणी मैरिज हाल, माँ गौरी, रतनगंज, जिला- मिरजापुर, यू पी | IS 14543 : 2004 पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर (अदर देन पैकेज्ड नेचुरल मिनरल वाटर) |
| 11. | 9699926 | 08-12-2008 | मे. गलोबल स्मेलटर्स लि.; . प्लाट नं.-1, यूपीएसआईडीसी इण्ड. एरिया, अकरमपुर, जिला- उन्नाव, यू पी | IS 7887 : 1992 माइल्ड स्टील वायर राड्स फार जनरल इंजीनियरिंग परपजेज |
| 12. | 9700982 | 15-12-2008 | मे. बाजपेई सन्स खिपरगंज, जिला- रायबरेली, यू पी | IS 1417 : 1999 गोल्ड एण्ड गोल्ड एलाएज, ज्वैलरी एलाएज/आर्टिफैक्ट्स-फाइननेस एण्ड मार्किंग |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|---|---|---|---|---|
| 13. | 9701378 | 17-12-2008 | मे. ए एस पी सीलिंग प्रोडक्ट्स लि. ए-7 यूपीएसआईडीसी इण्ड. एरिया, गजरौला, जिला- ज्योतिबा फूलेनगर, यू पी | IS 444 : 1987 जनरल परपज रबर वाटर होज |
| 14. | 9701479 | 17-12-2008 | मे. हाइ टेक पालीमर्स एण्ड वाटर सल्यूसन बी-4-ए, साइट-1, यूपीएसआईडीसी इण्ड. एरिया, जिला-उन्नाव, यूपी | IS 4985 : 2000 यूपीवीसी पाइप्स फार पोटेबल वाटर सप्लाइज |
| 15. | 9701681 | 22-12-2008 | मे. लल्लूलाल जुगल किशोर ज्वैलर्स एम-12, गोल मार्केट, महानगर, लखनऊ | IS 1417 : 1999 गोल्ड एण्ड गोल्ड एलाएज, ज्वैलरी एलाएज/आर्टिफैक्ट्स-फाइननेस एण्ड मार्किंग |
| 16. | 9702986 | 26-12-2008 | मे. ए के पाइप प्रोडक्ट हुमायूपुत नार्थ, हाउस नं. सी -68, इल्फ्रन्ट आफ नरेन्द्र हिरवानी लेन, गोरखपुर | IS 458 : 2003 प्रीकास्ट कंक्रीट पाइप्स |
| 17. | 9703584 | 31-12-2008 | मे. अभिनव स्टील प्रा. लि., . प्लाट नं.ए-18, 19, 25, 26, व 27 सिड्डा, सथारिया, जिला- जौनपुर, यू पी | IS 1786 : 1985एच एस डी स्टील बार्स एण्ड वायर्स फार कंक्रीट रेनफोर्समेन्ट |
| 18. | 9706691 | 23-01-2009 | मे. सी टी एस इन्फ्राटेक प्रा. लि., . डी. 51, फेस.2, ईएसआईपी सितारगंज जिला- यू एस नगर, उत्तराखण्ड | IS 1554 : Part I : 1988 पीवीसी इन्सुलेटेड (हैवी ड्यूटी) इलेक्ट्रिक केबल्स भाग-1 फार वर्किंग वोल्टेज अपटु एंड इन्क्लूडिंग 1100 |
| 19. | 9706792 | 23-01-2009 | मै. सी टी एस इन्फ्राटेक प्रा. लि., . डी. 51, फेस.2, ईएसआईपी सितारगंज जिला- यू एस नगर, उत्तराखण्ड | IS 7098 : 1988 क्रासलिंक्ड पालीथिलिन इन्सुलेटेड पीवीसी शीथेड केबल्स: भाग-1 फार वर्किंग वोल्टेज अपटु एंड इन्क्लूडिंग 1100V |
| 20. | 9706893 | 23-1-2009 | मै. सी टी एस इन्फ्राटेक प्रा. लि., डी. 51, फेस.2, ईएसआईपी सितारगंज जिला- यू एस नगर, उत्तराखण्ड | IS 398 : Part 2 : 1996 एल्यूमीनियम कन्डक्टर्स फार ओवरहेड ट्रान्समिशन पर्पजेज : भाग-2 एल्युमीनियम कन्डक्टर्स - गैल्वनाइज्ड स्टील रेनफोर्स्ड |
| 21. | 9706994 | 23-1-2009 | मै. सी टी एस इन्फ्राटेक प्रा. लि., डी. 51, फेस.2, ईएसआईपी सितारगंज जिला- यू एस नगर, उत्तराखण्ड | IS 398 : Part 4 : 1994 एल्यूमीनियम कन्डक्टर्स फार ओवरहेड ट्रान्समिशन पर्पजेज : भाग-4 एल्युमीनियम एलाय स्ट्रेन्डेड कन्डक्टर्स, एल्युमीनियम मैगनीसियम सिलिकान टाइप |
| 22. | 9707087 | 29-1-2009 | मे. [illegible] गार्ड इन्डस्ट्रीज लि., [illegible] स्टान, मुरादाबाद रोड, [illegible] बस्ती, खसरा नं. 86, काशीपुर जिला यू एस नगर, उत्तराखण्ड | IS 694 : 1990 पीवीसी इन्सुलेटेड केबल्स फार वर्किंग वोल्टेज अपटु एंड इन्क्लूडिंग 1100 |

[सं. सी.एम.डी / 13:13]

पी. के. गंभीर, उपमहानिदेशक (मुहर)

New Delhi, the 20th April, 2009

**S.O. 1173.**—In pursuance of sub-regulation (6) of regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the licence particulars of which are given below have been granted with effect from the date indicated against each (Period from 01-11-2008 to 31-1-2009).

**SCHEDULE**

| Sl No. | Licence No. CM/L | Grant of Licence Date | Name and Address of the Licence | Article/Process With Relevent Indian Standards Covered by the Licence |
|---|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| 1. | 9695009 | 03-11-2008 | M/s Bharat Chemical Industries S.19/40-F Nai Bazar, Varuna Bridge, Distt : Varanasi | IS 1061 : 2991 Disinfectant fluids, phenolic type |
| 2. | 9695615 | 05-11-2008 | M/s Amit pipe Industries &Allied Products, Vill- Anura, P.O.- Chinhat, Faizabad Road, Distt : Lucknow | IS 458 : 2003 Precast Concrete Pipes |
| 3. | 9695716 | 07-11-2008 | M/s Teracom Limited Plot No.17 to 19 &52 to 54, Sector-5, Integrated Industrial Estate, Pant Nagar Distt : Udham Singh Nagar, Uttarakhand | IS 398 : Part 5 : 1992 Aluminium conductors for overhead transmission purposes : Part 5 Aluminium conductors-galvanized steel reinforced for extra high voltage (400 KV and above) |
| 4. | 9695817 | 11-11-2008 | M/s Shahu Concrete Udyog Village : Bhati Post : Lohta, Distt : Varanasi, Uttar Pradesh | IS 458 : 2003 Precast Concrete Pipes |
| 5. | 9695516 | 17-11-2008 | M/s Gupta Power Infrastructure Limited Plot No. 132, 132a & 132b, Nand Nagar Industrial Estate, Phase II, Mahua Khera Ganj, Kashipur Distt: Udham Singh Nagar | IS 398: Part 1 : 1996 Aluminium Conductors for overhead transmission purposes : Part 1 Aluminium stranded conductors |
| 6. | 9696617 | 17-11-2008 | M/s Zenplas Pipes Private Limited Plot No C 6, Eldeco Sidcul, Industrial Park, Sitarganj Distt : Udham Singh Nagar, Uttarakhand | IS 14930 :Part 2 : 2001 Conduit Systems for Electrical Installations-Part 2: Particular Requirements-Conduit Systems Burried Underground |
| 7. | 9696718 | 17-11-2008 | M/s Jai Laxmi Cement Co. Private Ltd. D-64 / 52 B-1, Sant Raghubar Nagar Madhopur, Sigra, Distt :Varanasi,U.P. | IS455: 1989 Portland slag cement |
| 8. | 9697821 | 27-11-2008 | M/s Abhinav Steels Pvt. Ltd. Plot No. A 18, 19, 25, 26 & 27 Sida, Satharia, Distt. : Jaunpur, Uttar Pradesh | IS 2830 : 1992 Carbon Steel cast billet ingots, billets, blooms and slabs for re-rolling into steel for general structural purposes |
| 9. | 9697922 | 27-11-2008 | M/s Abhinav Steels Pvt. Ltd. Plot No A 18, 19, 25, 26 & 27 Sida, Satharia, Distt. : Jaunpur, Uttar Pradesh | IS 2062 : 2006 Steel for General Structural Purposes |
| 10. | 9699118 | 3-12-2008 | M/s Vaibhav Beverages Pvt. Company C/o Triveni Marriage Hall, Maa Gauri, Ratanganj, Distt. : Mirzapur, U P | IS 14543 : 2004 Packaged Drinking Water (other than packaged Natural Mineral Water) |
| 11. | 9699926 | 08-12-2008 | M/s Global Smelters Limited Plot No.-1,UPSIDC Industrial Area Akrampur, Distt. : Unnao, U P | IS 7887 : 1992 Mild steel wire rods for general engineering purposes |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|---|---|---|---|---|
| 12. | 9700982 | 15-12-2008 | M/s. Bajpai Sons<br>Khipergunj, Distt. : Rae Bareily<br>U.P. | IS 1417 : 1999 Gold and Gold Alloys Jewellery/Artefacts- Fineness and Marking |
| 13. | 9701378 | 17-12-2008 | M/s. ASP Sealing Products Ltd<br>A-7, UPSIDC, Industrial Area.<br>Gajraula, Distt. : Jyotiba Phule<br>Nagar, U.P. | IS 444 : 1987 General purpose rubber Water hose (fourth revision) (Superseding IS 445 : 1964 and IS 913: 1968) |
| 14. | 9701479 | 17-12-2008 | M/s. Hi-Tech Polymers & Water Solution<br>B-4-A, Site-1 UPSIDC Industrial Area.<br>Distt : Unnao, Uttar Pradesh | IS 4985 : 2000 Unplasticized PVC Pipes for Potable Water Supplies-Specification |
| 15 | 9701681 | 22-12-2008 | M/s. Lallu Lal Jugal Kishore Jewellers<br>M-12 Gole Market Mahanagar,<br>Distt : Lucknow | IS 1417 : 1999 Gold and Gold Alloys Jewellery/Artefacts- Fineness and Marking |
| 16. | 9702986 | 26-12-2008 | M/s. A.K. Pipe Product<br>Humayunput North, House No. C-68<br>Infront of Narendra Hirwani Lane,<br>Distt : Gorakhpur, U.P. | IS 458 : 2003 Precast Concrete Pipes |
| 17. | 9703584 | 31-12-2008 | M/s. Abhinav Steels Pvt. Ltd.<br>Plot No A 18, 19, 25, 26 & 27 Sida,<br>Satharia, Distt : Jaunpur,<br>Uttar Pradesh | IS 1786 : 1985 High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforcement |
| 18. | 9706691 | 23-01-2009 | M/s. CTS Infratech Pvt. Ltd.<br>D-51 Phase II, ESIP Sitarganj,<br>Distt : U S Nagar, Uttarakhand | IS 1554 : Part1: 1988 PVC insulated (heavy duty) electric cables : Part 1 For working voltages upto and including 1100 |
| 19. | 9706792 | 23-01-2009 | M/s. CTS Infratech Pvt. Ltd.<br>D-51 Phase II, ESIP Sitarganj,<br>Distt : U S Nagar, Uttarakhand | IS 7098 : Part1: 1988 Crosslinked polyethylene insulated PVC sheathed cables: Part 1 for working voltage upto and including 1100 V |
| 20. | 9706893 | 23-01-2009 | M/s. CTS Infratech Pvt. Ltd.<br>D-51 Phase II, ESIP Sitarganj,<br>Distt : U S Nagar, Uttarakhand | IS 398 : Part 2: 1996 Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 2 Aluminium conductors,galvanized steel reinforced |
| 21. | 9706994 | 23-01-2009 | M/s. CTS Infratech Pvt. Ltd.<br>D-51 Phase II, ESIP Sitarganj,<br>Distt : U S Nagar, Uttarakhand | IS 398 : Part 4: 1994 Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 4 Aluminium alloy stranded condctors (aluminium) magnesium sillicon type) |
| 22. | 9707087 | 29-01-2009 | M/s. V-Guard Industries Ltd.<br>6th K.M. stone, Moradabad Road,<br>Village- Basai, Khasra No.-86, Kashipur<br>Distt: Udham Singh Nagar, Uttarakhand | IS 694: 1990 PVC Insulated cables for working voltages upto and including 1100 V |

[No. CMD/13:13]

P. K. GAMBHIR, Dy. Director General (Marks)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1174.**—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतदद्वारा अधिसूचित करता है कि जिस अनुसूची में दिये गये मानक (कों) में संशोधन किया गया/किये गये है :-

**अनुसूची**

| क्रम सं. | स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक | संशोधन की संख्या और तिथि | संशोधन लागू होने की तिथि |
|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1 | आई एस 8800 : 1997 इस्पात ढलाइयों की तकनीकी वितरण शर्तें (इंवेस्टमेंट ढलाइयों के अतिरिक्त) (तीसरा पुनरीक्षण) | संशोधन संख्या 1 अप्रैल 2009 | 30 -4-2009 |

इन भारतीय संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली- 110002, क्षेत्रीय कार्यालयों नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ: एमटीडी 14/टी-16]

डॉ. (श्रीमति) स्नेह भाटला, वैज्ञा.-एफ एवं प्रमुख (एमटीडी)

New Delhi, the 22nd April, 2009

**S.O. 1174.**—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed has been established on the date indicated against each:

**SCHEDULE**

| Sl.No. | No. & Year of the Indian Standard (s) Amendment (s) | No. & Year of the amendment | Date from which the amended shall have effect |
|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1 | IS 8800 : 1997 Technical delivery conditions for steel castings (excluding investment castings) (third revision) | Amendment No. 1 April 2009 | 30-04-2009 |

Copy of these Standard is available with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi- 110002 and Regional Offices: New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref: MTD 14/T-16]

DR. (MRS.) SNEH BHATLA, Sc. F & Head (Met Engg.)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1175.**—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिस अनुसूची में दिये गये मानक (कों) में संशोधन किया गया/किये गये है :—

**अनुसूची**

| क्रम सं. | स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक | संशोधन की संख्या और तिथि | संशोधन लागू होने की तिथि |
|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1 | आई एस 193 : 2000 मृदु टांका-विशिष्टि (पांचवा पुनरीक्षण) | संशोधन संख्या 1 अप्रैल 2009 | 30 -4-2009 |

इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली- 110002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ: एमटीडी 9/टी-2]

डॉ. (श्रीमति) स्नेह भाटला, वैज्ञा.-एफ एवं प्रमुख (एमटीडी)

New Delhi, the 22nd April, 2009

**S.O. 1175.**—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been established on the date indicated against each:

**SCHEDULE**

| Sl. No. | No. & Year of the Indian Standard (s) amendment (s) | No. & Year of the amendment | Date from which the amendment shall have effect |
|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1. | IS 193 : 2000 Soft solder-Specification (fifth revision) | Amendment No. 1 April, 2009 | 30-04-2009 |

Copy of theis Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi- 110 002 and Regional Offices: New Delhi, Kolcatta, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref: MTD 9/T-2]

DR. (MRS.) SNEH BHATLA, Scientist 'F' & Head (Met Engg.)

## कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1176.**-केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित परिक्षेत्र भूमि में कोयला अभिप्राप्य किए जाने की संभावना है ;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार कोयलाधारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है ) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में कोयले को पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है ;

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले रेखांक संख्या डीजी/08751/तारीख 6 दिसम्बर, 2008 का निरीक्षण मुख्य महाप्रबंधक (गवेषण प्रभाग), सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीच्यूट, गोंडवाना प्लेस, कांके रोड, रांची (झारखंड) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक । काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कोलकाता-700 001 के कार्यालय में या जिला मैजिस्ट्रेट, रामगढ़, झारखंड के कार्यालय में किया जा सकता है ;

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाली भूमि में, हितबद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिनों के भीतर मुख्य महाप्रबंधक (गवेषण प्रभाग) सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीच्यूट, गोंडवाना प्लेस, कांके रोड, रांची को भेजेंगे ।

### अनुसूची

### पतरातू ब्लाक, दक्षिणी कर्णपुरा कोलफील्ड्स

### जिला - रामगढ़, झारखंड

(रेखांक संख्या डी जी/08751 तारीख 16 दिसम्बर, 2008)

| क्र. सं. | ग्राम | ग्राम संख्या | थाना/ तहसील | जिला | क्षेत्र एकड़ में लगभग | क्षेत्र हैक्टेयर में लगभग | टिप्पणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1. | तोकिसुड | 00633900 | पतरातू | रामगढ़ | 2448.50* | 991.00* | भाग |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2. | किरीगारा | 00634000 | पतरातू | रामगढ़ | 590.00* | 238.00* | भाग |
| 3. | तेरपा | 00634100 | पतरातू | रामगढ़ | 432.30* | 175.00* | भाग |
| 4. | सांकुल | 21 | पतरातू | रामगढ़ | 1304.50 | 528.00 | भाग |
| 5. | पतरातू | 40415000 | पतरातू | रामगढ़ | 61.20 | 24.50 | भाग |
| 6. | रोचप | 00634200 | पतरातू | रामगढ़ | 27.00 | 11.00 | भाग |
| 7. | पालू | 00634300 | पतरातू | रामगढ़ | 4.94 | 2.00 | भाग |
| 8. | छापा | 33 | पतरातू | रामगढ़ | 467.00 | 189.00 | भाग |
| 9. | | वन (कुल) | | | 2240.16 | 907.00 | |
| | | कुल (लगभग) | | | 5335.44 | 2159.00 | |

*वन क्षेत्र अंतर्वर्लित

**सीमा वर्णन :**

देवघर ग्राम के सीमा सिरे पर दामोदर नदी के सिरे पर ब्लाक के अपकिनारे पर बिन्दु क स्थित है ।

क-ख रेखा तोकुसुड ग्राम से होकर गुजरती है और आसबा और तोकुसुड ग्राम की सीमा पर ब्लाक के उत्तर पश्चिमी किनारे पर दामोदर पदी को जोड़ती है ।

ख-ग रेखा दामोदर नदी के साथ बिन्दु ग तक चलती है और सांकुल ग्राम में नदियों के मोड पर पतरातू ग्राम की सीमा पर ब्लाक के पूर्वी भाग में बिन्दु ग तक दामोदर नदी के साथ-साथ चलती है ।

ग-घ रेखा ग्राम सांकुल से होकर दक्षिण में जाती है और ब्लाक के दक्षिणी पूर्वी किनारे में घ बिन्दु अवस्थित है ।

घ-ड़ सबसे पूर्व रेखा ग्राम सांकुल से हो कर ग्राम किरीगारा, तेरपा, रोचप, पालू, तोंकिसूड से होती हुई जाती है और ग्राम बिजना में बिन्दु ड़ पर मिलती है ।

ड.-च यह दक्षिण उत्तर रेखा ग्राम बिजना और छापा से होकर गुजरती है तथा च बिन्दु पर ग्राम छापा पर मिलती है ।

च-छ रेखा ग्राम छापा से होकर गुजरती है और देवघर ग्राम की सीमा पर दामोदर नदी पर बिन्दु छ पर मिलती है ।

छ-क रेखा दामोदर नदी से होकर गुजरती है और ब्लाक के किनारे पर उत्तर पश्चिम बिन्दु क पर मिलती है ।

[फा.सं. 43015/32/2008-पीआरआईडब्ल्यू-I]

एम. शहाबुद्दीन, अवर सचिव

## MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 22nd April, 2009

**S.O. 1176.**—Whereas it appears to the Central Government that Coal is likely to be obtained from the lands in the locality mentioned in the Schedule here-to annexed ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisitions and Development) Act, 1957 (20 of 1957), (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

The plan number DG/08751 dated the 16th December, 2008 of the area covered by this notification can be inspected at the office of Chief General Manager (Exploration), Central Mine Planning and Design Institute, Gondwana Place, Kanke Road, Ranchi or at the office of the Coal Controller, 1, Coucil House Street, Kolkata or at the office of the District Collector, District Ramgarh, Jharkhand.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Chief General Manager (Exploration Division), Central Mine Planning and Design Institute, Gondwana Place, Kanke Road, Ranchi within a period of ninety days from the date of publication of this notification.

**SCHEDULE**

**PATRATU BLOCK, SOUTH KARANPURA COALFIELD,**

**DISTRICT RAMGARH, JHARKHAND**

(Plan number DG/08751 dated the 16th December, 2008)

| Sl. No. | Village | Village number | Thana/ Tehsil | District | Area in acres approximately | Area in hectares approximately | Remarks |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1 | Tokisud | 00633900 | Patratu | Ramgarh | 2448.50* | 991.00* | Part |
| 2 | Kirigara | 00634000 | Patratu | Ramgarh | 590.00* | 238.50* | Part |
| 3 | Terpa | 00634100 | Patratu | Ramgarh | 432.30* | 175.00* | Part |
| 4 | Sankul | 21 | Patratu | Ramgarh | 1304.50 | 528.00 | Part |
| 5 | Patratu | 40415000 | Patratu | Ramgarh | 61.20 | 24.50 | Part |
| 6 | Rochap | 00634200 | Patratu | Ramgarh | 27.00 | 11.00 | Part |
| 7 | Palu | 00634300 | Patratu | Ramgarh | 4.94 | 2.00 | Part |
| 8 | Chhapa | 33 | Patratu | Ramgarh | 467.00 | 189.00 | Part |
| 9 | | **Forest (Total)** | | | **2240. 16** | **907. 00** | |
| | | **TOTAL (Approximately)** | | | **5335 . 44** | **2159. 00** | |

*Included Forest Area

**BOUNDARY DESCRIPTION**

Point A is located at the North western corner of the block at the edge of Demodar river on the boundary edge of Deoghar village.

A-B This line passes through Tokisud village and joins Damodar river in the north eastern corner of the block on the village boundary of Aswa and Tokisud.

B-C The line passes along the Damodar river up to point C in the eastern part of the block at the village boundary of Patratu village the rivers bend in Sankul village.

C-D Line Passes through village Sankul in the south and point D is located in the south east corner of the block.

D-E Almost east -west line from village Sankul and passes through villages Kirigara, Terpa, Rochap, Palu, Tokisud and meets point E in village Bijna.

E-F It is south— north line passes through village Bijna and Chhapa and meets point F within village Chhapa.

F-G The line passes through village Chhapa and meets point G on the Damodar river at the village boundary of and Deoghar village.

G-A The line passes along the Damodar river and meets point A at the north western corner of the block.

[F.No.43015/32/2008-PRIW-I]

M. SHAHABUDEEN, Under Secy.

## वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

**( वाणिज्य विभाग )**

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1177.**-केन्द्रीय सरकार, निर्यात ( क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण ) नियम, 1964 के नियम 12 के उपनियम (2) के साथ पठित निर्यात ( क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण ) अधिनियम, 1963 (1963 का 22)की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स एस. जी. एस. इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 4, गर्वनमेंट प्लेस नोर्थ, डेल्टा हाउस, कोलकाता - 700001 को वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना सं. का.आ. 3975 तारीख 20 दिसम्बर, 1965 अधिसूचना संख्यांक का.आ. 3978 तारीख 20 दिसम्बर, 1965 से संलग्न अनुसूची में यथाविनिर्दिष्ट खनिज और अयस्क (समूह- I) अर्थात् लौह अयस्क और मैंगनीज अयस्क, मैंगनीज डॉयआक्साइड को छोड़कर और से संलग्न अनुसूची में यथाविनिर्दिष्ट (समूह- II) अर्थात् क्रोम अयस्क, क्रोम कोंसेंट्रेट सहित का कोलकाता में उक्त खनिजों और अयस्कों के निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, एक अभिकरण के रूप में मान्यता देती है कि, अर्थात् :-

( i) मैसर्स एस.जी.एस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता इस निमित निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा नामनिर्देशित अधिकारियों को खनिज और अयस्क समूह - I का निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 और खनिज और अयस्क समूह - II का निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के अधीन निरीक्षण का प्रमाणपत्र देने हेतु उनके द्वारा अपनाई गई निरीक्षण की पद्धति की जांच करने के लिए, पर्याप्त सुविधाएं देगी ; और

( ii) मैसर्स एस.जी.एस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता इस अधिसूचना के अधीन अपने कृत्यों के पालन में ऐसे निदेशों से आबद्ध होगा जो निदेशक (निरीक्षण और क्वालिटी नियंत्रण), निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा समय-समय पर लिखित में दिए जाएं ।

[फा. सं. 4/2/09-ईआई एण्ड ईपी]

किरण पुरी, निदेशक

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

**(Department of Commerce)**

New Delhi, the 30th April, 2009

**S.O. 1177.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) read, with sub-rule (2) of rule 12 of the Export (Quality Control and Inspection), Rules 1964, the Central Government hereby recognises M/s. S.G.S. India Private Limited., 4, Government. Place North, Delta House, Kolkata-700001, as an agency for a period of three years with effect from the date of publication of this notification, for inspection of Minerals and Ores (Group-I), namely, Iron Ore and Manganese Ore excluding Manganese Dioxide as specified in the Schedule annexed to the notification number S.O. 3975, dated the 20th December, 1965; and (Group-II), namely, Chrome Ore including Chrome Concentrate, as specified in the Schedule annexed to the notification of the Government of India, in the Ministry of Commerce vide number S.O. 3978, dated the 20th December, 1965, prior to the export of the said Minerals and Ores at Kolkatta subject to the following conditions, namely:—

(i) that M/s S.G.S India Private Limited, Kolkata shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by them in granting the certificate of inspecton under rule 4 of the Export of Minerals and Ores, Group-I (Inspection) Rules, 1965 and the Export of Minerals and Ores, Group-II (Inspection) Rules, 1965; and

(ii) that M/s S.G.S India Private Limited, Kolkatta in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as the Director (Inspection and Quality Control), Export Inspection Council may give in writing from time to time.

[F. No. 4/2/09-EI & EP]

KIRAN PURI, Director

## पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 2009

**का. आ. 1178.**—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2707 तारीख 24 सितम्बर, 2008, जो भारत के राजपत्र तारीख 27 सितम्बर, 2008 में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में गुजरात राज्य मे वाडीनार संस्थापन से मध्यप्रदेश राज्य में बीना तक कच्चे पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए वाडीनार–बीना पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से भारत ओमान रिफाईनरीज लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी :

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 27 नवम्बर, 2008 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात, और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चिय किया है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता हैं ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड में निहित होगा ।

### अनुसूची

तहसील : नागदा जिला : उज्जैन राज्य : मध्यप्रदेश

| क्र0 | ग्राम का नाम | सर्वे नंबर | क्षेत्रफल हैक्टेयर में |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | रामाबालोदा | 430 | 0.06 |
| 2 | सुरजा खेड़ी | 392 | 0.10 |
| | | 506 | 0.06 |
| | | 529 | 0.04 |

[फा. सं. आर 31015/18/2008-ओ.आर. II]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

## MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 28th April, 2009

**S. O. 1178.**—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O.2707 dated the 24th September, 2008, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), (hereinafter referred to as the said Act), published in the Gazette of India dated the 27th September, 2008, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of Crude Oil through Vadinar-Bina Crude Pipeline Project from Vadinar in the State of Gujrat to Bina in the State of Madhya Pradesh by Bharat Oman Refineries Limited ;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 27 November, 2008;

And whereas the Competent Authority has, under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land, specified in the Schedule, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of this declaration, in Bharat Oman Refineries Limited, free from all encumbrances.

## SCHEDULE

TEHSIL : NAGDA DISTRICT : UJJAIN STATE : MADHYA PRADESH

| S.No. | NAME OF VILLAGE | SURVEY NO. | AREA IN HECTARE |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | RAMABALODA | 430 | 0.06 |
| 2 | SURJAKHEDI | 392 | 0.10 |
| | | 506 | 0.06 |
| | | 529 | 0.04 |

[F. No. R-31015/18/2008-O.R.-II]

A. GOSWAMI, Under Secy

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 2009

**का. आ. 1179.**— केन्द्रीय सरकार को लोक हित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि पंजाब राज्य में रमन मंडी से हरियाणा राज्य में बहादुरगढ़ तक, पेट्रोलियम तेल के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 'जी जी एस आर उत्पाद निष्कमण परियोजना ' के कार्यान्वयन हेतु एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उक्त भूमि में, जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है और जिसमें पाइपलाइन बिछाई जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन्स (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई भी व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, इस तारीख से जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के संबंध में श्री प्रहलाद सिंह, सक्षम प्राधिकारी, (हरियाणा), हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, गुरू गोविन्द सिंह रिफाइनरी उत्पाद निष्कमण परियोजना, एस सी एफ नं. - 29, सैक्टर -6 मार्केट, बहादुरगढ़ - 124507, हरियाणा को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

## अनुसूची

| तहसील : सांपला | | जिला : रोहतक | | राज्य : हरियाणा | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| गाँव का नाम | हदबस्त संख्या | मुस्तातिल संख्या | खसरा/ किला संख्या | क्षेत्रफल | | |
| | | | | हेक्टेयर | एयर | वर्गमीटर |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| 1. पाक्सिमा | 57 | 25 | 4/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 5 | 00 | 13 | 15 |
| | | | 6 | 00 | 03 | 03 |
| | | 26 | 25 | 00 | 05 | 81 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 28 | 1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 10 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 11/1 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 11/2 | 00 | 03 | 79 |
| | | | 12 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 18 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 19 | 00 | 08 | 60 |
| | | | 23/1/1 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 23/1/2 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 23/2/1 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 23/2/2 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 23/3/1 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 23/3/2 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 24 | 00 | 02 | 78 |
| | | 29 | 3 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 4/1 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 4/2 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 5 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 6 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 7 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 10 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 15 | 00 | 04 | 04 |
| | | 30 | 5 | 00 | 00 | 25 |
| | | 31 | 3 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 7 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 8 | 00 | 05 | 56 |
| | | | 14 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 15/1 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 16/2 | 00 | 10 | 62 |
| | | | 17 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 25/1 | 00 | 10 | 62 |
| | | | 25/2 | 00 | 00 | 75 |
| | | 32 | 10/2 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 11 | 00 | 07 | 33 |
| | | | 19/1 | 00 | 00 | 75 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 32 | 19/2 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 20/1 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 22/1 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 22/2 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 23 | 00 | 04 | 30 |
| | | 48 | 1 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 2 | 00 | 08 | 60 |
| | | | 9/2 | 00 | 10 | 62 |
| | | 49 | 20 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 21 | 00 | 13 | 40 |
| | | 50 | 21 | 00 | 01 | 51 |
| | | 51 | 1 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 9 | 00 | 05 | 06 |
| | | | 10 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 12/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 12/2 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 13 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 18 | 00 | 09 | 36 |
| | | | 19/1 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 23/1 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 23/2 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 24/1 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 24/2 | 00 | 01. | 01 |
| | | 52 | 3/1/1 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 3/2/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 4 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 6/2 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 7 | 00 | 10 | 37 |
| | | | 14/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 15 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 16 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 228 | 00 | 01 | 26 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 52 | 216 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 208 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 219 | 00 | 00 | 50 |
| 2. कसरेन्टी | 47 | 10 | 21 | 00 | 00 | 25 |
| | | 11 | 1/1 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 1/2 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 9 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 10 | 00 | 07 | 33 |
| | | | 12/2 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 13 | 00 | 09 | 36 |
| | | | गम्ना | 00 | 01 | 01 |
| | | | 16 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 17 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 18/1 | 00 | 05 | 56 |
| | | | 24 | 00 | 03 | 79 |
| | | | 25 | 00 | 13 | 91 |
| | | 12 | 5/1/1 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 5/1/2 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 5/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | 13 | 8 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 9 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 12 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 13 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 17/2 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 18/1 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 24/1 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 24/2 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 25/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25/2 | 00 | 09 | 10 |
| | | 18 | 5 | 00 | 02 | 27 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 19 | 1/1 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 1/2 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 8/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 8/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 9 | 00 | 14 | 92 |
| | | | 10/1 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 12 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 13 | 00 | 14 | 16 |
| | | | 14 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 16 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 17/1 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 17/2 | 00 | 08 | 34 |
| | | | गग्ना | 00 | 01 | 01 |
| | | | 18 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 24 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25 | 00 | 14 | 16 |
| | | | गग्ना | 00 | 00 | 25 |
| | | 20 | 21/1 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 21/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | 28 | 21 | 00 | 08 | 34 |
| | | 29 | 1 | 00 | 13 | 40 |
| | | | 2 | 00 | 03 | 79 |
| | | | 8 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 9 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 13 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 14 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 16 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 17/1 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 17/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25/2 | 00 | 09 | 61 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **41** | 1 | 00 | 08 | 85 |
| | | | 2 | 00 | 09 | 36 |
| | | | 8/1 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 8/2 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 9 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 13 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 14/1 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 14/2 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 15/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 16 | 00 | 11 | 63 |
| | | | गप्ता | 00 | 00 | 75 |
| | | | गप्ता | 00 | 00 | 50 |
| | | | 17/1 | 00 | 04 | 55 |
| | | | 25 | 00 | 02 | 02 |
| | | **42** | 20 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 21 | 00 | 14 | 16 |
| | | | 22 | 00 | 00 | 25 |
| | | **44** | 1/1 | 00 | 01 | 51 |
| | | | गप्ता | 00 | 00 | 50 |
| | | | 2 | 00 | 14 | 42 |
| | | | 3/1 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 3/2/1 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 3/2/2 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 7 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 8 | 00 | 14 | 42 |
| | | | 9 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 13 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 14 | 00 | 07 | 84 |
| 3. मोरखेडी | **48** | **57** | 14 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 15 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 16/1 | 00 | 06 | 32 |
| | | | 16/2 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 17 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25 | 00 | 11 | 38 |
| | | **58** | 5/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 5/2 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 6 | 00 | 08 | 34 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **59** | 10 | 00 | 05 | 06 |
| | | | 11/1 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 11/2 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 11/3 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 12 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 19 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 20 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 22 | 00 | 10 | 37 |
| | | | 23 | 00 | 04 | 04 |
| | | **75** | 21 | 00 | 08 | 09 |
| | | **76** | 2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 3 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 4 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 7 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 8 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 14/1 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 14/2 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 15 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 16/1 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 16/2 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 17/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25 | 00 | 05 | 31 |
| | | **81** | 1/1 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 1/2 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 1/3 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 2/2 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 9 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 10 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 12/1/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 12/2 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 13 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 17 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 18 | 00 | 13 | 15 |
| | | | 23/1 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 24 | 00 | 09 | 86 |
| | | **92** | 4 | 00 | 05 | 06 |
| | | | 100/2 | 00 | 01 | 26 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 4. समचाना | 28 | 49 | 10 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 11 | 00 | 11 | 89 |
| | | | 20 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 19/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 19/2 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 22 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 23 | 00 | 00 | 25 |
| | | 50 | 5 | 00 | 05 | 06 |
| | | | 6 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 15 | 00 | 00 | 25 |
| | | 56 | 2 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 3 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 7 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 8 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 13 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 14 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 16 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 17 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 25 | 00 | 11 | 89 |
| | | 57 | 21 | 00 | 00 | 50 |
| | | 77 | 1 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 9 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 10 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 12 | 00 | 13 | 40 |
| | | | 19 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 22/1/1 | 00 | 05 | 56 |
| | | | 22/1/2 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 22/2 | 00 | 01 | 77 |
| | | 78 | 5 | 00 | 00 | 75 |
| | | 86 | 2/2 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 8/2 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 9 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 12 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 13/1 | 00 | 09 | 61 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **86** | 18 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 23 | 00 | 09 | 86 |
| | | **106** | 3 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 4 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 7/2 | 00 | 06 | 32 |
| | | | 8 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 13 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 14 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 17 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 24/1 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 24/2 | 00 | 08 | 34 |
| | | **115** | 4 | 00 | 09 | 10 |
| | | | 5/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 5/2 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 6 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 7/1 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 15 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 16 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 25 | 00 | 10 | 87 |
| | | **116** | 21/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | **132** | 1 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 10 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 11 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 20/1 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 20/2 | 00 | 05 | 06 |
| | | | 21 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 22 | 00 | 00 | 50 |
| | | **133** | 5 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 6 | 00 | 00 | 25 |
| | | **140** | 1 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 2 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 9 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 12 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 19/1 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 19/2 | 00 | 08 | 85 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 140 | 22/2 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 23 | 00 | 03 | 79 |
| | | 156 | 19 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 20/1 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 20/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 21 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 22 | 00 | 10 | 87 |
| | | 157 | 2 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 3 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 8 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 13 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 16/1/1 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 16/1/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 16/2 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 16/3 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 17 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 18 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 23/1/1 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 24 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 25/1 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 25/2/1 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 25/2/2 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 26 | 00 | 02 | 53 |
| | | 163 | 2 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 8 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 9 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 13 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 17/2 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 18 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 23/1 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 24/1 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 24/2 | 00 | 06 | 57 |
| | | 171 | 4 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 6/1/2 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 6/2 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 7 | 00 | 08 | 85 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 171 | 14/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 15/1 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 15/2 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 16 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 227 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 230 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 231 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 236 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 267 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 279 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 298 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 536 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 537 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 546 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 573 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 574 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 583 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 603 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 606 | 00 | 00 | 50 |
| 5. भैसरू खुर्द | 31 | 1 | 16 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 25 | 00 | 03 | 54 |
| | | 2 | 20 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 21 | 00 | 08 | 09 |
| | | 3 | 1 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 10 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 11 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 12 | 00 | 05 | 06 |
| | | | 21 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 22 | 00 | 11 | 63 |
| | | 9 | 2 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 8 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 9/1 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 9/2 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 12 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 13 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 18 | 00 | 11 | 63 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 9 | 23 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 24 | 00 | 00 | 25 |
| | | 10 | 3/1 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 3/2 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 4/1 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 4/2 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 4/3 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 7/1/2 | 00 | 04 | 55 |
| | | | 7/2 | 00 | 07 | 33 |
| | | | 14 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 15 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 16 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 17 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 25 | 00 | 11 | 63 |
| | | 17 | 5 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 6 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 15 | 00 | 00 | 25 |
| | | 28 | 1 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 9 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 10/1 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 12 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 13 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 18 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 19 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 23 | 00 | 04 | 55 |
| | | 30 | 1/1 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 2/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 2/2 | 00 | 08 | 85 |
| | | | 2/3 | 00 | 05 | 06 |
| | | | 3/2 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 7 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 8 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 14 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 15 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 16 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 25 | 00 | 03 | 28 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 31 | 21 | 00 | 08 | 60 |
| | | 37 | 10/1 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 10/2 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 11 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 20 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 21 | 00 | 10 | 37 |
| | | | 22 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 76 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 82 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 85 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 86 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 88 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 99 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 105 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 106 | 00 | 01 | 51 |
| 6.भैसरू कलां | 30 | 43 | 24 | 00 | 06 | 07 |
| | | 56 | 20/2 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 21 | 00 | 12 | 14 |
| | | 57 | 3/2 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 4 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 6 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 7 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 14 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 15 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 16 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 25 | 00 | 00 | 25 |
| | | 61 | 1 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 2 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 9 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 10 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 12 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 13 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 18 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 19 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 23 | 00 | 08 | 85 |
| | | | 24 | 00 | 04 | 04 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 69 | 20 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 21 | 00 | 12 | 14 |
| | | 70 | 3 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 4 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 6 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 7/1 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 7/2 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 14 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 15 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 16 | 00 | 07 | 33 |
| | | | 25 | 00 | 00 | 25 |
| | | 73 | 1 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 2/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 2/2 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 9/1 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 9/2 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 83 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 102 | 00 | 05 | 31 |
| 7. नयाबांस | 33 | 35 | 12 | 00 | 04 | 80 |
| | | | 18 | 00 | 17 | 45 |
| | | | 24 | 00 | 16 | 95 |
| | | | 25 | 00 | 06 | 07 |
| | | 51 | 5 | 00 | 11 | 63 |
| | | 52 | 9/3 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 10 | 00 | 17 | 45 |
| | | | 11 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 12/1 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 12/2 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 12/3 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 12/4 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 13 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 17 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 18/1 | 00 | 15 | 18 |
| | | | 18/2 | 00 | 15 | 18 |
| | | | 19/1 | 00 | 02 | 02 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **52** | 19/2 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 19/3 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 23 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 24/1 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 24/2/1 | 00 | 11 | 13 |
| | | **55** | 4/1 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 4/2 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 5 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 6 | 00 | 07 | 84 |
| | | **54** | 10 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 11 | 00 | 08 | 60 |
| | | | 90 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 98 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 108 | 00 | 00 | 50 |

[फा. सं. आर-31015/5/2009-ओ.आर.-II]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 28th April, 2009

**S. O. 1179.**—Whereas, it appears to the Central Government, that it is necessary in the public interest that for the transportation of Petroleum Products from Raman Mandi in the State of Punjab to Bahadurgarh in the State of Haryana for implementation of "GGSR Products Evacuation Project pipeline from Raman Mandi to Bahadurgarh", should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited.

And, whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the Right of User in the land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which the copies of this notification issued under sub-section (1) of Section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the Right of User therein or laying of the pipeline under the land, to Shri Prahlad Singh, Competent Authority (Haryana), Hindustan Petroleum Corporation Limited, Guru Gobind Singh Refinery Product Evacuation Project SCF No. – 29, Sector – 6 Market, Bahadurgarh – 124507, Haryana.

## SCHEDULE

| Tehsil :SAMPLA | | District : ROHTAK | | State : HARYANA | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| Name of Village | Hadbast No. | Mustatil No. | Khasra / Killa No. | Area | | |
| | | | | Hectare | Are | Square Metre |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| 1. PAKASMA | 57 | 25 | 4/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 5 | 00 | 13 | 15 |
| | | | 6 | 00 | 03 | 03 |
| | | 26 | 25 | 00 | 05 | 81 |
| | | 28 | 1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 10 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 11/1 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 11/2 | 00 | 03 | 79 |
| | | | 12 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 18 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 19 | 00 | 08 | 60 |
| | | | 23/1/1 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 23/1/2 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 23/2/1 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 23/2/2 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 23/3/1 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 23/3/2 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 24 | 00 | 02 | 78 |
| | | 29 | 3 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 4/1 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 4/2 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 5 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 6 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 7 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 10 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 15 | 00 | 04 | 04 |
| | | 30 | 5 | 00 | 00 | 25 |
| | | 31 | 3 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 7 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 8 | 00 | 05 | 56 |
| | | | 14 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 15/1 | 00 | 00 | 50 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **31** | 16/2 | 00 | 10 | 62 |
| | | | 17 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 25/1 | 00 | 10 | 62 |
| | | | 25/2 | 00 | 00 | 75 |
| | | **32** | 10/2 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 11 | 00 | 07 | 33 |
| | | | 19/1 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 19/2 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 20/1 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 22/1 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 22/2 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 23 | 00 | 04 | 30 |
| | | **48** | 1 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 2 | 00 | 08 | 60 |
| | | | 9/2 | 00 | 10 | 62 |
| | | **49** | 20 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 21 | 00 | 13 | 40 |
| | | **50** | 21 | 00 | 01 | 51 |
| | | **51** | 1 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 9 | 00 | 05 | 06 |
| | | | 10 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 12/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 12/2 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 13 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 18 | 00 | 09 | 36 |
| | | | 19/1 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 23/1 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 23/2 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 24/1 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 24/2 | 00 | 01 | 01 |
| | | **52** | 3/1/1 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 3/2/2 | 00 | 00 | 25 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 52 | 4 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 6/2 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 7 | 00 | 10 | 37 |
| | | | 14/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 15 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 16 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 228 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 216 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 208 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 219 | 00 | 00 | 50 |
| 2. KISARHANTI | 47 | 10 | 21 | 00 | 00 | 25 |
| | | 11 | 1/1 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 1/2 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 9 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 10 | 00 | 07 | 33 |
| | | | 12/2 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 13 | 00 | 09 | 36 |
| | | | Cart Track | 00 | 01 | 01 |
| | | | 16 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 17 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 18/1 | 00 | 05 | 56 |
| | | | 24 | 00 | 03 | 79 |
| | | | 25 | 00 | 13 | 91 |
| | | 12 | 5/1/1 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 5/1/2 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 5/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | 13 | 8 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 9 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 12 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 13 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 17/2 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 18/1 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 24/1 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 24/2 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 25/1 | 00 | 00 | 25 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 13 | 25/2 | 00 | 09 | 10 |
| | | 18 | 5 | 00 | 02 | 27 |
| | | 19 | 1/1 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 1/2 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 8/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 8/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 9 | 00 | 14 | 92 |
| | | | 10/1 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 12 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 13 | 00 | 14 | 16 |
| | | | 14 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 16 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 17/1 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 17/2 | 00 | 08 | 34 |
| | | | Cart Track | 00 | 01 | 01 |
| | | | 18 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 24 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25 | 00 | 14 | 16 |
| | | | Cart Track | 00 | 00 | 25 |
| | | 20 | 21/1 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 21/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | 28 | 21 | 00 | 08 | 34 |
| | | 29 | 1 | 00 | 13 | 40 |
| | | | 2 | 00 | 03 | 79 |
| | | | 8 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 9 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 13 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 14 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 16 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 17/1 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 17/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25/2 | 00 | 09 | 61 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 41 | 1 | 00 | 08 | 85 |
| | | | 2 | 00 | 09 | 36 |
| | | | 8/1 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 8/2 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 9 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 13 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 14/1 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 14/2 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 15/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 16 | 00 | 11 | 63 |
| | | | Cart Track | 00 | 00 | 75 |
| | | | Cart Track | 00 | 00 | 50 |
| | | | 17/1 | 00 | 04 | 55 |
| | | | 25 | 00 | 02 | 02 |
| | | 42 | 20 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 21 | 00 | 14 | 16 |
| | | | 22 | 00 | 00 | 25 |
| | | 44 | 1/1 | 00 | 01 | 51 |
| | | | Cart Track | 00 | 00 | 50 |
| | | | 2 | 00 | 14 | 42 |
| | | | 3/1 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 3/2/1 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 3/2/2 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 7 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 8 | 00 | 14 | 42 |
| | | | 9 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 13 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 14 | 00 | 07 | 84 |
| 3. MORE KHARI | 48 | 57 | 14 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 15 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 16/1 | 00 | 06 | 32 |
| | | | 16/2 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 17 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25 | 00 | 11 | 38 |
| | | 58 | 5/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 5/2 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 6 | 00 | 08 | 34 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **59** | 10 | 00 | 05 | 06 |
| | | | 11/1 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 11/2 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 11/3 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 12 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 19 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 20 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 22 | 00 | 10 | 37 |
| | | | 23 | 00 | 04 | 04 |
| | | **75** | 21 | 00 | 08 | 09 |
| | | **76** | 2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 3 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 4 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 7 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 8 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 14/1 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 14/2 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 15 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 16/1 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 16/2 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 17/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25 | 00 | 05 | 31 |
| | | **81** | 1/1 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 1/2 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 1/3 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 2/2 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 9 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 10 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 12/1/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 12/2 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 13 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 17 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 18 | 00 | 13 | 15 |
| | | | 23/1 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 24 | 00 | 09 | 86 |
| | | **92** | 4 | 00 | 05 | 06 |
| | | | 100/2 | 00 | 01 | 26 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 4. SAMCHANA | 28 | 49 | 10 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 11 | 00 | 11 | 89 |
| | | | 20 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 19/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 19/2 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 22 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 23 | 00 | 00 | 25 |
| | | 50 | 5 | 00 | 05 | 06 |
| | | | 6 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 15 | 00 | 00 | 25 |
| | | 56 | 2 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 3 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 7 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 8 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 13 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 14 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 16 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 17 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 25 | 00 | 11 | 89 |
| | | 57 | 21 | 00 | 00 | 50 |
| | | 77 | 1 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 9 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 10 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 12 | 00 | 13 | 40 |
| | | | 19 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 22/1/1 | 00 | 05 | 56 |
| | | | 22/1/2 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 22/2 | 00 | 01 | 77 |
| | | 78 | 5 | 00 | 00 | 75 |
| | | 86 | 2/2 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 8/2 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 9 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 12 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 13/1 | 00 | 09 | 61 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **86** | 18 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 23 | 00 | 09 | 86 |
| | | **106** | 3 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 4 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 7/2 | 00 | 06 | 32 |
| | | | 8 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 13 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 14 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 17 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 24/1 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 24/2 | 00 | 08 | 34 |
| | | **115** | 4 | 00 | 09 | 10 |
| | | | 5/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 5/2 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 6 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 7/1 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 15 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 16 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 25 | 00 | 10 | 87 |
| | | **116** | 21/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | **132** | 1 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 10 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 11 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 20/1 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 20/2 | 00 | 05 | 06 |
| | | | 21 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 22 | 00 | 00 | 50 |
| | | **133** | 5 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 6 | 00 | 00 | 25 |
| | | **140** | 1 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 2 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 9 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 12 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 19/1 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 19/2 | 00 | 08 | 85 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 140 | 22/2 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 23 | 00 | 03 | 79 |
| | | 156 | 19 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 20/1 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 20/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 21 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 22 | 00 | 10 | 87 |
| | | 157 | 2 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 3 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 8 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 13 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 16/1/1 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 16/1/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 16/2 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 16/3 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 17 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 18 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 23/1/1 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 24 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 25/1 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 25/2/1 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 25/2/2 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 26 | 00 | 02 | 53 |
| | | 163 | 2 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 8 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 9 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 13 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 17/2 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 18 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 23/1 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 24/1 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 24/2 | 00 | 06 | 57 |
| | | 171 | 4 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 6/1/2 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 6/2 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 7 | 00 | 08 | 85 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 171 | 14/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 15/1 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 15/2 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 16 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 227 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 230 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 231 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 236 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 267 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 279 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 298 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 536 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 537 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 546 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 573 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 574 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 583 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 603 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 606 | 00 | 00 | 50 |
| **5. BHANSRU KHURD** | **31** | **1** | 16 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 25 | 00 | 03 | 54 |
| | | **2** | 20 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 21 | 00 | 08 | 09 |
| | | **3** | 1 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 10 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 11 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 12 | 00 | 05 | 06 |
| | | | 21 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 22 | 00 | 11 | 63 |
| | | **9** | 2 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 8 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 9/1 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 9/2 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 12 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 13 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 18 | 00 | 11 | 63 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 9 | 23 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 24 | 00 | 00 | 25 |
| | | 10 | 3/1 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 3/2 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 4/1 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 4/2 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 4/3 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 7/1/2 | 00 | 04 | 55 |
| | | | 7/2 | 00 | 07 | 33 |
| | | | 14 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 15 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 16 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 17 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 25 | 00 | 11 | 63 |
| | | 17 | 5 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 6 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 15 | 00 | 00 | 25 |
| | | 28 | 1 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 9 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 10/1 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 12 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 13 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 18 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 19 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 23 | 00 | 04 | 55 |
| | | 30 | 1/1 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 2/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 2/2 | 00 | 08 | 85 |
| | | | 2/3 | 00 | 05 | 06 |
| | | | 3/2 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 7 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 8 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 14 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 15 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 16 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 25 | 00 | 03 | 28 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **31** | 21 | 00 | 08 | 60 |
| | | **37** | 10/1 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 10/2 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 11 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 20 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 21 | 00 | 10 | 37 |
| | | | 22 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 76 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 82 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 85 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 86 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 88 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 99 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 105 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 106 | 00 | 01 | 51 |
| **6. BHANSRU KALAN** | **30** | **43** | 24 | 00 | 06 | 07 |
| | | **56** | 20/2 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 21 | 00 | 12 | 14 |
| | | **57** | 3/2 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 4 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 6 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 7 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 14 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 15 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 16 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 25 | 00 | 00 | 25 |
| | | **61** | 1 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 2 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 9 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 10 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 12 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 13 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 18 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 19 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 23 | 00 | 08 | 85 |
| | | | 24 | 00 | 04 | 04 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 69 | 20 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 21 | 00 | 12 | 14 |
| | | 70 | 3 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 4 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 6 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 7/1 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 7/2 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 14 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 15 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 16 | 00 | 07 | 33 |
| | | | 25 | 00 | 00 | 25 |
| | | 73 | 1 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 2/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 2/2 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 9/1 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 9/2 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 83 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 102 | 00 | 05 | 31 |
| 7. NAYABAS | 33 | 35 | 12 | 00 | 04 | 80 |
| | | | 18 | 00 | 17 | 45 |
| | | | 24 | 00 | 16 | 95 |
| | | | 25 | 00 | 06 | 07 |
| | | 51 | 5 | 00 | 11 | 63 |
| | | 52 | 9/3 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 10 | 00 | 17 | 45 |
| | | | 11 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 12/1 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 12/2 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 12/3 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 12/4 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 13 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 17 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 18/1 | 00 | 15 | 18 |
| | | | 18/2 | 00 | 15 | 18 |
| | | | 19/1 | 00 | 02 | 02 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 52 | 19/2 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 19/3 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 23 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 24/1 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 24/2/1 | 00 | 11 | 13 |
| | | 55 | 4/1 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 4/2 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 5 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 6 | 00 | 07 | 84 |
| | | 54 | 10 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 11 | 00 | 08 | 60 |
| | | | 90 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 98 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 108 | 00 | 00 | 50 |

[F. No. R-31015/5/2009-O.R.-II]
A. GOSWAMI, Under Secy

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 2009

**का. आ. 1180.**— केन्द्रीय सरकार को लोक हित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि पंजाब राज्य में रमन मंडी से हरियाणा राज्य में बहादुरगढ़ तक, पेट्रोलियम तेल के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 'जी जी एस आर उत्पाद निष्कर्षण परियोजना' के कार्यान्वयन हेतु एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उक्त भूमि में, जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है और जिसमें पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन्स (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई भी व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, इस तारीख से जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के संबंध में श्री प्रहलाद सिंह, सक्षम प्राधिकारी, (हरियाणा), हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, गुरु गोविन्द सिंह रिफाइनरी उत्पाद निष्कर्षण परियोजना, एस सी एफ नं. - 29, सेक्टर -6 मार्केट, बहादुरगढ़ - 124507, हरियाणा को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा

## अनुसूची

| तहसील : महम | जिला : रोहतक | | राज्य : हरियाणा | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| गाँव का नाम | हदबस्त संख्या | मुस्तीतिल संख्या | खसरा/ किला संख्या | क्षेत्रफल | | |
| | | | | हेक्टेयर | एयर | वर्गमीटर |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| 1. फरमाना खास | 113 | 12 | 6 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 7 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 8 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 15 | 00 | 05 | 81 |
| | | 13 | 11 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 12 | 00 | 07 | 33 |
| | | | 17 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 18/1 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 18/2 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 19 | 00 | 06 | 32 |
| | | | 24 | 00 | 07 | 33 |
| | | | 25 | 00 | 13 | 66 |
| | | 14 | 21 | 00 | 05 | 81 |
| | | 20 | 21 | 00 | 00 | 25 |
| | | 21 | 12 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 17 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 18 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 19 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 23 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 24 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 25 | 00 | 12 | 65 |
| | | 22 | 1 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 2 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 3 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 6 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 7 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 8/1 | 00 | 08 | 60 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **22** | 14 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 15 | 00 | 01 | 01 |
| | | **34** | 5 | 00 | 00 | 50 |
| | | **35** | 1 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 2 | 00 | 11 | 89 |
| | | | 3 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 6 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 7 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 8 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 9 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 14 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 15 | 00 | 11 | 63 |
| | | **36** | 11 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 12 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 17 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 18 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 19 | 00 | 11 | 89 |
| | | | 20 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 23 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 24 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 25 | 00 | 11 | 13 |
| | | **37** | 21 | 00 | 00 | 50 |
| | | **41** | 11 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 19/1 | 00 | 05 | 56 |
| | | | 19/2 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 20 | 00 | 13 | 15 |
| | | | 22 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 23 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 24 | 00 | 00 | 25 |
| | | **42** | 1 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 2 | 00 | 10 | 87 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 42 | 3 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 6 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 7 | 00 | 10 | 37 |
| | | | 8 | 00 | 13 | 91 |
| | | | 9 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 14/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 14/2 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 15 | 00 | 14 | 67 |
| | | | 16 | 00 | 00 | 25 |
| | | 43 | 5 | 00 | 02 | 27 |
| | | 62 | 3 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 4 | 00 | 14 | 67 |
| | | | 5 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 6 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 7 | 00 | 00 | 25 |
| | | 63 | 10 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 11 | 00 | 08 | 85 |
| | | | 12 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 13 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 17 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 18 | 00 | 14 | 42 |
| | | | 19/1 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 23 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 24 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 25 | 00 | 06 | 07 |
| | | 65 | 1 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 9 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 10/1 | 00 | 04 | 30 |
| | | 66 | 5/1 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 5/2 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 416 | 00 | 21 | 50 |
| | | | 457 | 00 | 02 | 02 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 458 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 459 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 1553 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 1555 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 1559 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 1563 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 1564 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 1565 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 1566 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 1567 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 1570 | 00 | 01 | 51 |
| 2. फरमाना बादशाहपुर | 112 | 7 | 8 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 13 | 00 | 14 | 42 |
| | | | 14 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 16 | 00 | 09 | 36 |
| | | | 17 | 00 | 10 | 62 |
| | | | 18/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25 | 00 | 05 | 31 |
| | | 6 | 21 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 22 | 00 | 01 | 26 |
| | | 10 | 1 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 2 | 00 | 13 | 91 |
| | | | 3 | 00 | 05 | 56 |
| | | | 7 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 8/1 | 00 | 09 | 36 |
| | | | 14 | 00 | 04 | 55 |
| | | | 15/1 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 15/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 16 | 00 | 00 | 25 |
| | | 11 | 11 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 19 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 20 | 00 | 13 | 40 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 11 | 22 | 00 | 08 | 60 |
| | | | 23 | 00 | 10 | 62 |
| | | 16 | 3 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 4/1 | 00 | 06 | 32 |
| | | | 4/2 | 00 | 07 | 59 |
| | | | 5 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 6 | 00 | 14 | 42 |
| | | | 7 | 00 | 01 | 01 |
| | | 15 | 10 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 11 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 12 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 17 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 18 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 19 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 23 | 00 | 03 | 79 |
| | | | 24 | 00 | 14 | 42 |
| | | | 25 | 00 | 01 | 01 |
| | | 25 | 4 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 119 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 592 | 00 | 01 | 51 |
| 3. गुगाहेडी | 111 | 47 | 5 | 00 | 09 | 86 |
| | | 48 | 1 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 8 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 9/1 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 9/2 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 10/1 | 00 | 04 | 80 |
| | | | 10/2 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 12/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 13 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 14 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 16 | 00 | 14 | 67 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **48** | 17 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 25/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | **49** | 20 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 21 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 22/2 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 22/3 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 23/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | **58** | 21 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 22 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 23 | 00 | 04 | 55 |
| | | **59** | 21/1 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 21/2 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 22 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 23/1 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 24/1 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 24/2 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 25 | 00 | 12 | 65 |
| | | **60** | 16 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 17/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 17/2 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 18 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 19 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 20/1 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 20/2 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 23/1 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 24/1/1 | 00 | 06 | 32 |
| | | | गप्ता | 00 | 00 | 50 |
| | | | 25 | 00 | 10 | 62 |
| | | **61** | 11 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 16/1 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 16/2 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 17 | 00 | 12 | 65 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **61** | 18 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 19 | 00 | 13 | 91 |
| | | | 20 | 00 | 07 | 84 |
| | | **62** | 11/1 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 11/2 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 12 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 13/2 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 14 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 15/1 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 15/2 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 16 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 17/1 | 00 | 04 | 80 |
| | | | 18/1 | 00 | 00 | 75 |
| | | **63** | 1/1 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 1/2 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 2 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 3 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 4/1 | 00 | 05 | 06 |
| | | | 4/2 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 7/1 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 7/2 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 14 | 00 | 05 | 56 |
| | | | 15/2 | 00 | 12 | 90 |
| | | **64** | 1 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 2 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 3 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 4 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 5/1 | 00 | 11 | 38 |
| | | **65** | 1 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 2/1 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 2/2 | 00 | 09 | 36 |
| | | | 3 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 4 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 5 | 00 | 12 | 39 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **66** | 2 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 3/1 | 00 | 09 | 36 |
| | | | 3/2 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 4/1 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 4/2 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 5 | 00 | 12 | 39 |
| | | **75** | 3 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 192 | 00 | 04 | 55 |
| | | | 196 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 197 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 587 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 588 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 589 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 598 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 600 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 602 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 603 | 00 | 03 | 79 |
| | | | 604 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 620 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 681 | 00 | 00 | 50 |
| 4. खरक जाटान | **110** | **37** | 23 | 00 | 01 | 01 |
| | | **38** | 3 | 00 | 06 | 32 |
| | | | 4 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 5 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 6 | 00 | 11 | 38 |
| | | **39** | 10 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 11 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 12 | 00 | 09 | 36 |
| | | | 17 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 18 | 00 | 13 | 40 |
| | | | 19 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 23 | 00 | 02 | 02 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 39 | 24 | 00 | 15 | 68 |
| | | | 25 | 00 | 01 | 51 |
| | | 56 | 21/1 | 00 | 08 | 85 |
| | | | 21/2 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 21/3 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 22/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | 57 | 1 | 00 | 07 | 84 |
| | | | β | 00 | 00 | 50 |
| | | | 9 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 10 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 12 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 13 | 00 | 14 | 92 |
| | | | 14 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 16 | 00 | 09 | 10 |
| | | | 17/1 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 17/2 | 00 | 09 | 36 |
| | | | 18 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25 | 00 | 07 | 08 |
| | | 58 | 5 | 00 | 11 | 38 |
| | | 63 | 1 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 2/1 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 2/2 | 00 | 09 | 10 |
| | | | 3 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 7 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 8 | 00 | 08 | 85 |
| | | | रास्ता | 00 | 02 | 53 |
| | | | 9 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 14 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 15 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 16 | 00 | 12 | 65 |
| | | 64 | 20 | 00 | 04 | 80 |
| | | | 21 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 22 | 00 | 05 | 31 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **77** | 20 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 21 | 00 | 14 | 67 |
| | | | 22 | 00 | 01 | 51 |
| | | **78** | 2 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 3 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 7 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 8 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 14 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 15 | 00 | 04 | 55 |
| | | | 16 | 00 | 12 | 65 |
| | | **90** | 1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 2 | 00 | 15 | 43 |
| | | | 3 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 7 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 8 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 9 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 13 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 14 | 00 | 15 | 68 |
| | | | 15 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 16/1 | 00 | 04 | 80 |
| | | | 16/2 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 17/1 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 17/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25 | 00 | 01 | 77 |
| | | **91** | 20/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 21 | 00 | 14 | 92 |
| | | | 22 | 00 | 00 | 25 |
| | | **100** | 10 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 11 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 12 | 00 | 13 | 40 |
| | | | 13 | 00 | 11 | 89 |
| | | | 14 | 00 | 00 | 25 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 101 | 1 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 2 | 00 | 14 | 42 |
| | | | 6 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 7 | 00 | 13 | 40 |
| | | | 8 | 00 | 13 | 40 |
| | | | 9 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 15 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 223 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 253 | 00 | 04 | 80 |
| | | | 264 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 279 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 295 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 864 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 873 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 877 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 882 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 887 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 899 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 960 | 00 | 01 | 01 |
| 5. बैन्सी | 109 | 46 | 19 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 20 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 22 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 23 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 24 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 25/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25/2 | 00 | 01 | 77 |
| | | 47 | 14/1 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 14/2 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 15 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 16 | 00 | 10 | 62 |
| | | | 17 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 18 | 00 | 00 | 25 |
| | | 82 | 4 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 5/1 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 5/2 | 00 | 02 | 78 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **83** | 1/1 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 1/2 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 2 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 8 | 00 | 10 | 62 |
| | | | 9/1 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 9/2 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 13/1 | 00 | 06 | 32 |
| | | | 13/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 14/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 14/2 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 15 | 00 | 12 | 39 |
| | | **84** | 11 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 12 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 13 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 14 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 16 | 00 | 10 | 37 |
| | | | 17 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 18/1 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 19/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 20 | 00 | 00 | 25 |
| | | **85** | 18 | 00 | 14 | 92 |
| | | | 19 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 20 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 310 | 00 | 10 | 62 |
| | | | 316 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 1018 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 1055 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 1056 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 1120 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 1166 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 1175 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 1177 | 00 | 01 | 01 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 6. लाखन माजरा | 95 | 194 | 20 | 00 | 00 | 25 |
| | | 195 | 16/1 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 16/2 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 17 | 00 | 08 | 85 |
| 7. खरेन्टी | 96 | 1 | 25 | 00 | 00 | 25 |
| | | 2 | 20 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 21 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 22 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 23 | 00 | 08 | 60 |
| | | | 24 | 00 | 00 | 25 |
| | | 12 | 3 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 4 | 00 | 13 | 15 |
| | | | 5 | 00 | 11 | 89 |
| | | | 6 | 00 | 01 | 26 |
| | | 11 | 1/1 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 1/2 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 8 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 9 | 00 | 11 | 89 |
| | | | 10/1 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 12 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 13 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 14 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 15 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 16/1 | 00 | 05 | 06 |
| | | | 16/2 | 00 | 03 | 03 |
| | | 10 | 17 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 18 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 19 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 20 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 23 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 24 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 25 | 00 | 12 | 65 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **9** | 21 | 00 | 08 | 85 |
| | | | 22 | 00 | 00 | 25 |
| | | **18** | 1/1 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 2/1 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 3/1 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 3/2 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 4 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 5/1 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 5/2 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 5/3 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 6 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 7 | 00 | 01 | 01 |
| | | **19** | 8 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 9/1 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 9/2 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 10 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 12 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 13 | 00 | 13 | 40 |
| | | | 14 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 16 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 17 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 25 | 00 | 04 | 55 |
| | | **20** | 21/1 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 21/2 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 22 | 00 | 00 | 25 |
| | | **27** | 19 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 20/1 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 20/2 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 21 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 22 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 23 | 00 | 06 | 32 |
| | | | 24 | 00 | 11 | 89 |
| | | | 25 | 00 | 03 | 28 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 28 | 1 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 2/1 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 2/2 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 3 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 7 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 8 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 9 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 14 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 15 | 00 | 04 | 80 |
| | | | 16 | 00 | 07 | 33 |
| | | 42 | 4 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 5 | 00 | 10 | 62 |
| | | 43 | 1 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 2 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 7/2 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 8 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 9 | 00 | 10 | 62 |
| | | | 10 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 13/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 14 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 15/1 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 15/2 | 00 | 10 | 62 |
| | | 44 | 11 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 18 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 19 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 20 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 23 | 00 | 08 | 85 |
| | | | 24 | 00 | 13 | 40 |
| | | | 25 | 00 | 04 | 55 |
| | | 47 | 5 | 00 | 08 | 85 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 258 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 274 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 275 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 299 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 303 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 306 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 316 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 317 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 318 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 664 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 677 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 678 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 683 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 684 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 685 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 690 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 748 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 749 | 00 | 01 | 01 |
| 8. चान्दी | 93 | 160 | 5 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 6 | 00 | 04 | 80 |
| | | 161 | 10 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 11 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 12 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 16 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 17 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 18 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 19 | 00 | 11 | 89 |
| | | | 20 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 24 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 25 | 00 | 09 | 10 |
| | | 162 | 21 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 22 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 23 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 24 | 00 | 00 | 25 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 182 | 19 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 20 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 21 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 22/1 | 00 | 09 | 61 |
| | | | रास्ता | 00 | 02 | 02 |
| | | | 22/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 23 | 00 | 13 | 15 |
| | | | 24 | 00 | 02 | 02 |
| | | 183 | 11 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 12 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 13/1 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 13/2 | 00 | 04 | 80 |
| | | | 14 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 16 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 17 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 18/1 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 18/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | 184 | 1 | 00 | 10 | 62 |
| | | | 2 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 6/1 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 6/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 7 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 8/1 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 8/2 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 9 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 10 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 14/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 15 | 00 | 09 | 61 |
| | | 185 | 2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 3 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 4 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 5 | 00 | 12 | 90 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **193** | 3 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 4/1 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 4/2 | 00 | 03 | 79 |
| | | | 5 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 6 | 00 | 03 | 03 |
| | | **194** | 3 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 7 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 8 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 9 | 00 | 10 | 37 |
| | | | 10 | 00 | 14 | 42 |
| | | | 12 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 14 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 15 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 16 | 00 | 07 | 08 |
| | | **195** | 20 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 21 | 00 | 07 | 59 |
| | | | 22 | 00 | 09 | 10 |
| | | **205** | 20 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 21 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 22 | 00 | 06 | 32 |
| | | **206** | 2 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 3 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 7 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 8 | 00 | 09 | 10 |
| | | | 14 | 00 | 08 | 60 |
| | | | 15/1 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 15/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 16/1 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 16/2 | 00 | 01 | 26 |
| | | **222** | 2 | 00 | 09 | 36 |
| | | | 3 | 00 | 04 | 30 |
| | | | गप्ना | 00 | 00 | 50 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **222** | 4 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 6 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 7 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 8 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 15 | 00 | 00 | 25 |
| | | **223** | 10/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 10/2 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 11 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 12 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 13 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 16 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 17 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 18 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 19 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 24 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25/2 | 00 | 05 | 06 |
| | | **224** | 19 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 20 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 21 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 22 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 23 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 24/1 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 24/2 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 25 | 00 | 11 | 63 |
| | | **225** | 21 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 22 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 23/1 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 23/2 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 24 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 25 | 00 | 05 | 06 |
| | | **226** | 21/2 | 00 | 00 | 75 |
| | | **227** | 1 | 00 | 10 | 12 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **228** | 3 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 4 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 5 | 00 | 07 | 33 |
| | | | 376 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 381 | 00 | 05 | 56 |
| | | | 400 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 429 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 432 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 480 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 497 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 502 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 503 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 506 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 915 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 933 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 938 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 965 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 976 | 00 | 00 | 50 |

[फा. सं. आर-31015/6/2009-ओ.आर. II]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 28th April, 2009

**S. O. 1180.**— Whereas, it appears to the Central Government, that it is necessary in the public interest that for the transportation of Petroleum Products from Raman Mandi in the State of Punjab to Bahadurgarh in the State of Haryana for implementation of "GGSR Products Evacuation Project pipeline from Raman Mandi to Bahadurgarh", should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And, whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the Right of User in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which the copies of this notification issued under sub-section (1) of Section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India, are made available to the

general public, object in writing to the acquisition of the Right of User therein or laying of the pipeline under the land, to Shri Prahlad Singh, Competent Authority (Haryana), Hindustan Petroleum Corporation Limited, Guru Gobind Singh Refinery Product Evacuation Project , SCF No. – 29, Sector – 6 Market, Bahadurgarh – 124507, Haryana.

**SCHEDULE**

| Tehsil : MAHAM | District : ROHTAK | | | State : HARYANA | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| Name of Village | Hadbast No. | Mustatil No. | Khasra / Killa No. | Area | | |
| | | | | Hectare | Are | Square Metre |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| 1. FARMANA KHAS | 113 | 12 | 6 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 7 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 8 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 15 | 00 | 05 | 81 |
| | | 13 | 11 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 12 | 00 | 07 | 33 |
| | | | 17 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 18/1 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 18/2 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 19 | 00 | 06 | 32 |
| | | | 24 | 00 | 07 | 33 |
| | | | 25 | 00 | 13 | 66 |
| | | 14 | 21 | 00 | 05 | 81 |
| | | 20 | 21 | 00 | 00 | 25 |
| | | 21 | 12 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 17 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 18 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 19 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 23 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 24 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 25 | 00 | 12 | 65 |
| | | 22 | 1 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 2 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 3 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 6 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 7 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 8/1 | 00 | 08 | 60 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 22 | 14 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 15 | 00 | 01 | 01 |
| | | 34 | 5 | 00 | 00 | 50 |
| | | 35 | 1 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 2 | 00 | 11 | 89 |
| | | | 3 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 6 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 7 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 8 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 9 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 14 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 15 | 00 | 11 | 63 |
| | | 36 | 11 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 12 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 17 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 18 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 19 | 00 | 11 | 89 |
| | | | 20 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 23 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 24 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 25 | 00 | 11 | 13 |
| | | 37 | 21 | 00 | 00 | 50 |
| | | 41 | 11 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 19/1 | 00 | 05 | 56 |
| | | | 19/2 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 20 | 00 | 13 | 15 |
| | | | 22 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 23 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 24 | 00 | 00 | 25 |
| | | 42 | 1 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 2 | 00 | 10 | 87 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **42** | 3 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 6 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 7 | 00 | 10 | 37 |
| | | | 8 | 00 | 13 | 91 |
| | | | 9 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 14/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 14/2 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 15 | 00 | 14 | 67 |
| | | | 16 | 00 | 00 | 25 |
| | | **43** | 5 | 00 | 02 | 27 |
| | | **62** | 3 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 4 | 00 | 14 | 67 |
| | | | 5 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 6 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 7 | 00 | 00 | 25 |
| | | **63** | 10 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 11 | 00 | 08 | 85 |
| | | | 12 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 13 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 17 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 18 | 00 | 14 | 42 |
| | | | 19/1 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 23 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 24 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 25 | 00 | 06 | 07 |
| | | **65** | 1 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 9 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 10/1 | 00 | 04 | 30 |
| | | **66** | 5/1 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 5/2 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 416 | 00 | 21 | 50 |
| | | | 457 | 00 | 02 | 02 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 458 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 459 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 1553 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 1555 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 1559 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 1563 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 1564 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 1565 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 1566 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 1567 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 1570 | 00 | 01 | 51 |
| **2. FARMANA BADSHAPUR** | **112** | **7** | 8 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 13 | 00 | 14 | 42 |
| | | | 14 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 16 | 00 | 09 | 36 |
| | | | 17 | 00 | 10 | 62 |
| | | | 18/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25 | 00 | 05 | 31 |
| | | **6** | 21 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 22 | 00 | 01 | 26 |
| | | **10** | 1 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 2 | 00 | 13 | 91 |
| | | | 3 | 00 | 05 | 56 |
| | | | 7 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 8/1 | 00 | 09 | 36 |
| | | | 14 | 00 | 04 | 55 |
| | | | 15/1 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 15/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 16 | 00 | 00 | 25 |
| | | **11** | 11 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 19 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 20 | 00 | 13 | 40 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 11 | 22 | 00 | 08 | 60 |
| | | | 23 | 00 | 10 | 62 |
| | | 16 | 3 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 4/1 | 00 | 06 | 32 |
| | | | 4/2 | 00 | 07 | 59 |
| | | | 5 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 6 | 00 | 14 | 42 |
| | | | 7 | 00 | 01 | 01 |
| | | 15 | 10 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 11 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 12 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 17 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 18 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 19 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 23 | 00 | 03 | 79 |
| | | | 24 | 00 | 14 | 42 |
| | | | 25 | 00 | 01 | 01 |
| | | 25 | 4 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 119 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 592 | 00 | 01 | 51 |
| 3. GUGAHERI | 111 | 47 | 5 | 00 | 09 | 86 |
| | | 48 | 1 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 8 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 9/1 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 9/2 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 10/1 | 00 | 04 | 80 |
| | | | 10/2 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 12/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 13 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 14 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 16 | 00 | 14 | 67 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **48** | 17 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 25/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | **49** | 20 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 21 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 22/2 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 22/3 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 23/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | **58** | 21 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 22 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 23 | 00 | 04 | 55 |
| | | **59** | 21/1 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 21/2 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 22 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 23/1 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 24/1 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 24/2 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 25 | 00 | 12 | 65 |
| | | **60** | 16 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 17/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 17/2 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 18 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 19 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 20/1 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 20/2 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 23/1 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 24/1/1 | 00 | 06 | 32 |
| | | | Cart Track | 00 | 00 | 50 |
| | | | 25 | 00 | 10 | 62 |
| | | **61** | 11 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 16/1 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 16/2 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 17 | 00 | 12 | 65 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 61 | 18 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 19 | 00 | 13 | 91 |
| | | | 20 | 00 | 07 | 84 |
| | | 62 | 11/1 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 11/2 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 12 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 13/2 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 14 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 15/1 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 15/2 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 16 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 17/1 | 00 | 04 | 80 |
| | | | 18/1 | 00 | 00 | 75 |
| | | 63 | 1/1 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 1/2 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 2 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 3 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 4/1 | 00 | 05 | 06 |
| | | | 4/2 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 7/1 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 7/2 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 14 | 00 | 05 | 56 |
| | | | 15/2 | 00 | 12 | 90 |
| | | 64 | 1 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 2 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 3 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 4 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 5/1 | 00 | 11 | 38 |
| | | 65 | 1 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 2/1 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 2/2 | 00 | 09 | 36 |
| | | | 3 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 4 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 5 | 00 | 12 | 39 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **66** | 2 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 3/1 | 00 | 09 | 36 |
| | | | 3/2 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 4/1 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 4/2 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 5 | 00 | 12 | 39 |
| | | **75** | 3 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 192 | 00 | 04 | 55 |
| | | | 196 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 197 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 587 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 588 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 589 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 598 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 600 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 602 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 603 | 00 | 03 | 79 |
| | | | 604 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 620 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 681 | 00 | 00 | 50 |
| **4. KHARAK JATAN** | **110** | **37** | 23 | 00 | 01 | 01 |
| | | **38** | 3 | 00 | 06 | 32 |
| | | | 4 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 5 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 6 | 00 | 11 | 38 |
| | | **39** | 10 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 11 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 12 | 00 | 09 | 36 |
| | | | 17 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 18 | 00 | 13 | 40 |
| | | | 19 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 23 | 00 | 02 | 02 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 39 | 24 | 00 | 15 | 68 |
| | | | 25 | 00 | 01 | 51 |
| | | 56 | 21/1 | 00 | 08 | 85 |
| | | | 21/2 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 21/3 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 22/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | 57 | 1 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 8 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 9 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 10 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 12 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 13 | 00 | 14 | 92 |
| | | | 14 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 16 | 00 | 09 | 10 |
| | | | 17/1 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 17/2 | 00 | 09 | 36 |
| | | | 18 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25 | 00 | 07 | 08 |
| | | 58 | 5 | 00 | 11 | 38 |
| | | 63 | 1 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 2/1 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 2/2 | 00 | 09 | 10 |
| | | | 3 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 7 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 8 | 00 | 08 | 85 |
| | | | Cart Track | 00 | 02 | 53 |
| | | | 9 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 14 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 15 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 16 | 00 | 12 | 65 |
| | | 64 | 20 | 00 | 04 | 80 |
| | | | 21 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 22 | 00 | 05 | 31 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **77** | 20 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 21 | 00 | 14 | 67 |
| | | | 22 | 00 | 01 | 51 |
| | | **78** | 2 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 3 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 7 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 8 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 14 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 15 | 00 | 04 | 55 |
| | | | 16 | 00 | 12 | 65 |
| | | **90** | 1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 2 | 00 | 15 | 43 |
| | | | 3 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 7 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 8 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 9 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 13 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 14 | 00 | 15 | 68 |
| | | | 15 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 16/1 | 00 | 04 | 80 |
| | | | 16/2 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 17/1 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 17/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25 | 00 | 01 | 77 |
| | | **91** | 20/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 21 | 00 | 14 | 92 |
| | | | 22 | 00 | 00 | 25 |
| | | **100** | 10 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 11 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 12 | 00 | 13 | 40 |
| | | | 13 | 00 | 11 | 89 |
| | | | 14 | 00 | 00 | 25 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 101 | 1 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 2 | 00 | 14 | 42 |
| | | | 6 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 7 | 00 | 13 | 40 |
| | | | 8 | 00 | 13 | 40 |
| | | | 9 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 15 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 223 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 253 | 00 | 04 | 80 |
| | | | 264 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 279 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 295 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 864 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 873 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 877 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 882 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 887 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 899 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 960 | 00 | 01 | 01 |
| **5. BAINSI** | **109** | **46** | 19 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 20 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 22 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 23 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 24 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 25/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25/2 | 00 | 01 | 77 |
| | | **47** | 14/1 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 14/2 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 15 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 16 | 00 | 10 | 62 |
| | | | 17 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 18 | 00 | 00 | 25 |
| | | **82** | 4 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 5/1 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 5/2 | 00 | 02 | 78 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **83** | 1/1 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 1/2 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 2 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 8 | 00 | 10 | 62 |
| | | | 9/1 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 9/2 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 13/1 | 00 | 06 | 32 |
| | | | 13/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 14/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 14/2 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 15 | 00 | 12 | 39 |
| | | **84** | 11 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 12 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 13 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 14 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 16 | 00 | 10 | 37 |
| | | | 17 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 18/1 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 19/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 20 | 00 | 00 | 25 |
| | | **85** | 18 | 00 | 14 | 92 |
| | | | 19 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 20 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 310 | 00 | 10 | 62 |
| | | | 316 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 1018 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 1055 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 1056 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 1120 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 1166 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 1175 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 1177 | 00 | 01 | 01 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 6. LAKHAN MAJRA | 95 | 194 | 20 | 00 | 00 | 25 |
| | | 195 | 16/1 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 16/2 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 17 | 00 | 08 | 85 |
| 7. KHAREANTI | 96 | 1 | 25 | 00 | 00 | 25 |
| | | 2 | 20 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 21 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 22 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 23 | 00 | 08 | 60 |
| | | | 24 | 00 | 00 | 25 |
| | | 12 | 3 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 4 | 00 | 13 | 15 |
| | | | 5 | 00 | 11 | 89 |
| | | | 6 | 00 | 01 | 26 |
| | | 11 | 1/1 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 1/2 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 8 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 9 | 00 | 11 | 89 |
| | | | 10/1 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 12 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 13 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 14 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 15 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 16/1 | 00 | 05 | 06 |
| | | | 16/2 | 00 | 03 | 03 |
| | | 10 | 17 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 18 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 19 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 20 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 23 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 24 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 25 | 00 | 12 | 65 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 9 | 21 | 00 | 08 | 85 |
| | | | 22 | 00 | 00 | 25 |
| | | 18 | 1/1 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 2/1 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 3/1 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 3/2 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 4 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 5/1 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 5/2 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 5/3 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 6 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 7 | 00 | 01 | 01 |
| | | 19 | 8 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 9/1 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 9/2 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 10 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 12 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 13 | 00 | 13 | 40 |
| | | | 14 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 16 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 17 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 25 | 00 | 04 | 55 |
| | | 20 | 21/1 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 21/2 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 22 | 00 | 00 | 25 |
| | | 27 | 19 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 20/1 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 20/2 | 00 | 05 | 81 |
| | | | 21 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 22 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 23 | 00 | 06 | 32 |
| | | | 24 | 00 | 11 | 89 |
| | | | 25 | 00 | 03 | 28 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 28 | 1 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 2/1 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 2/2 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 3 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 7 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 8 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 9 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 14 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 15 | 00 | 04 | 80 |
| | | | 16 | 00 | 07 | 33 |
| | | 42 | 4 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 5 | 00 | 10 | 62 |
| | | 43 | 1 | 00 | 13 | 66 |
| | | | 2 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 7/2 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 8 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 9 | 00 | 10 | 62 |
| | | | 10 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 13/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 14 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 15/1 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 15/2 | 00 | 10 | 62 |
| | | 44 | 11 | 00 | 03 | 28 |
| | | | 18 | 00 | 04 | 30 |
| | | | 19 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 20 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 23 | 00 | 08 | 85 |
| | | | 24 | 00 | 13 | 40 |
| | | | 25 | 00 | 04 | 55 |
| | | 47 | 5 | 00 | 08 | 85 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 47 | 258 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 274 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 275 | 00 | 02 | 78 |
| | | | 299 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 303 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 306 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 316 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 317 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 318 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 664 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 677 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 678 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 683 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 684 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 685 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 690 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 748 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 749 | 00 | 01 | 01 |
| **8. CHANDI** | **93** | **160** | 5 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 6 | 00 | 04 | 80 |
| | | **161** | 10 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 11 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 12 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 16 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 17 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 18 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 19 | 00 | 11 | 89 |
| | | | 20 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 24 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 25 | 00 | 09 | 10 |
| | | **162** | 21 | 00 | 11 | 13 |
| | | | 22 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 23 | 00 | 06 | 83 |
| | | | 24 | 00 | 00 | 25 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 182 | 19 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 20 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 21 | 00 | 01 | 51 |
| | | | 22/1 | 00 | 09 | 61 |
| | | | Cart Track | 00 | 02 | 02 |
| | | | 22/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 23 | 00 | 13 | 15 |
| | | | 24 | 00 | 02 | 02 |
| | | 183 | 11 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 12 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 13/1 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 13/2 | 00 | 04 | 80 |
| | | | 14 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 16 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 17 | 00 | 12 | 14 |
| | | | 18/1 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 18/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | 184 | 1 | 00 | 10 | 62 |
| | | | 2 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 6/1 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 6/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 7 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 8/1 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 8/2 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 9 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 10 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 14/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 15 | 00 | 09 | 61 |
| | | 185 | 2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 3 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 4 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 5 | 00 | 12 | 90 |
| | | 193 | 3 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 4/1 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 4/2 | 00 | 03 | 79 |
| | | | 5 | 00 | 09 | 61 |
| | | | 6 | 00 | 03 | 03 |
| | | 194 | 3 | 00 | 00 | 75 |
| | | | 7 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 8 | 00 | 11 | 13 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 194 | 9 | 00 | 10 | 37 |
| | | | 10 | 00 | 14 | 42 |
| | | | 12 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 14 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 15 | 00 | 09 | 86 |
| | | | 16 | 00 | 07 | 08 |
| | | 195 | 20 | 00 | 06 | 34 |
| | | | 21 | 00 | 07 | 59 |
| | | | 22 | 00 | 09 | 10 |
| | | 205 | 20 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 21 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 22 | 00 | 06 | 32 |
| | | 206 | 2 | 00 | 08 | 09 |
| | | | 3 | 00 | 07 | 84 |
| | | | 7 | 00 | 06 | 57 |
| | | | 8 | 00 | 09 | 10 |
| | | | 14 | 00 | 08 | 60 |
| | | | 15/1 | 00 | 06 | 07 |
| | | | 15/2 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 16/1 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 16/2 | 00 | 01 | 26 |
| | | 222 | 2 | 00 | 09 | 36 |
| | | | 3 | 00 | 04 | 30 |
| | | | Cart Track | 00 | 00 | 50 |
| | | | 4 | 00 | 03 | 54 |
| | | | 6 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 7 | 00 | 11 | 38 |
| | | | 8 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 15 | 00 | 00 | 25 |
| | | 223 | 10/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 10/2 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 11 | 00 | 11 | 63 |
| | | | 12 | 00 | 12 | 65 |
| | | | 13 | 00 | 03 | 03 |
| | | | 16 | 00 | 05 | 31 |
| | | | 17 | 00 | 12 | 90 |
| | | | 18 | 00 | 10 | 87 |
| | | | 19 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 24 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25/1 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 25/2 | 00 | 05 | 06 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **224** | 19 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 20 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 21 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 22 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 23 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 24/1 | 00 | 04 | 04 |
| | | | 24/2 | 00 | 08 | 34 |
| | | | 25 | 00 | 11 | 63 |
| | | **225** | 21 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 22 | 00 | 12 | 39 |
| | | | 23/1 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 23/2 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 24 | 00 | 10 | 12 |
| | | | 25 | 00 | 05 | 06 |
| | | **226** | 21/2 | 00 | 00 | 75 |
| | | **227** | 1 | 00 | 10 | 12 |
| | | **228** | 3 | 00 | 00 | 25 |
| | | | 4 | 00 | 02 | 27 |
| | | | 5 | 00 | 07 | 33 |
| | | | 376 | 00 | 07 | 08 |
| | | | 381 | 00 | 05 | 56 |
| | | | 400 | 00 | 02 | 53 |
| | | | 429 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 432 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 480 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 497 | 00 | 01 | 77 |
| | | | 502 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 503 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 506 | 00 | 01 | 26 |
| | | | 915 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 933 | 00 | 01 | 01 |
| | | | 938 | 00 | 00 | 50 |
| | | | 965 | 00 | 02 | 02 |
| | | | 976 | 00 | 00 | 50 |

[F. No. R-31015/6/20089-O.R.-II]
A. GOSWAMI, Under Secy

**श्रम एवं रोजगार मंत्रालय**

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1181.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एल. आई. सी. ऑफ इंडिया के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में श्रम न्यायालय पटना के पंचाट (संदर्भ संख्या 81(सी)/2008) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-04-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-17012/45/2008-आई आर(एम)]

कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

**MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT**

New Delhi, the 6th April, 2009

**S.O. 1181.**— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 81(C)/2008) of the Labour Court Patna now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of LIC of India and their workman, which was received by the Central Government on 6-4-2009.

[No. L-17012/45/2008-IR (M)]

KAMAL BAKHRU, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, SHARAM BHAWAN, BAILEY ROAD, PATNA**

**Reference Case No. 81(C) of 2008**

Between the Management of LIC of India Ltd. Patna and their workman Shri Shard Kumar, represented by B.M.S., Patna.

| | |
|---|---|
| For the Management | : Shri Navin Kumar, Representative of LIC. |
| For the Workman | : Shri Ram Prasad, General Secretary of BMS. |
| **Present** | : Vasudeo Ram, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Patna. |

**AWARD**

Patna, dated the 26th March, 2009

By adjudication order No. L-17012/45/2008-IR(M) dated: 20-11-2008 the Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi under clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter called 'the Act' for brevity) has referred the following dispute between the management of LIC of India Ltd. Patna and their workman Sri Sharad Kumar, represented by B.M.S., Patna for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management LIC of India, Divisional Office, Patna in not regularizing the services of Daily Wage Worker Sh. Sharad Kumar working for a long period and not giving him regular status of a permanent worker is justified and legal ? If not to what relief the worker is entitled to.?"

2. Both the parties appeared on notice, Subsequently a petition for withdrawal of the reference case has been filed on behalf of workman and moved. Under the circumstances I presume that now no dispute exists between the parties and hence I hereby pass a "No dispute Award".

3. And this is my Award.

VASUDEO RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1182.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एल. आई. सी. ऑफ इंडिया के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में श्रम न्यायालय पटना के पंचाट (संदर्भ संख्या 82(सी)/2008) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-04-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-17012/46/2008-आई आर(एम)]

कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th April, 2009

**S.O. 1182.**— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 82(C)/2008) of the Labour Court Patna now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of LIC of India and their workman, which was received by the Central Government on 6-4-2009.

[No. L-17012/46/2008-IR (M)]

KAMAL BAKHRU, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, SHARAM BHAWAN, BAILEY ROAD, PATNA**

**Reference Case No. 82(C) of 2008**

Between the Management of LIC of India Ltd. and their workman Shri Sanjay Kumar, represented by B.M.S. Patna.

| | |
|---|---|
| For the Management | : Shri Navin Kumar, Representative of LIC. |
| For the Workman | : Shri Ram Prasad, General Secretary of BMS. |
| **Present** | : Vasudeo Ram, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Patna. |

**AWARD**

Patna, dated the 25th March, 2009

By adjudication order No. L-17012/46/2008-IR(M) dated: 20-11-2008 the Government. of India, Ministry of Labour, New Delhi under clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter called 'the Act' for brevity) has referred the following dispute between the management of LIC of India Ltd. Patna and their workman Sri Sanjay Kumar, represented by B.M.S., Patna for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of LIC of India, Divisional Office, Patna in not regularising the

services of Daily Wage Worker Sh. Sanjay Kumar working for a long period and not giving him regular status of a permanent worker is justified and legal ? If not to what relief the worker is entitled to.?"

2. Both the partles appeared on notice, Subsequently a petition for withdrawal of the reference case has been filed on behalf of workman and moved. Under the circumstances I presume that now no dispute exists between the parties and hence I hereby pass a "No dispute Award".

3. And this is my Award.

VASUDEO RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1183.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ट्रावनकोर टाइटेनियम प्रोडक्ट्स लिमिटेड के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय इर्नाकुलम के पंचाट (संदर्भ संख्या 22/2008) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-4-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-43012/1/2007-आई आर(एम)]

कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th April, 2009

**S.O. 1183.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 22/2008) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court Ernakulam now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Travancore Titanium Product Ltd. and their workman, received by the Central Government on 6-4-2009.

[No. L-43012/1/2007-IR (M)]

KAMAL BAKHRU, Desk Officer

**ANNEXURE**

**IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-LABOUR-CUM-COURT, ERNAKULAM**

**Present :** Shri P. L. Norbert, B.A., LL.B., Presiding Officer
(Thursday the 5th day of March, 2009/14th Phalguna 1930)

I.D. 22/2008

I.D.6/2007 of Industrial Tribunal, Kollam)

Union/Workman : 1. Sh. R. Chandran, S/o. Raghavan, T.C. No. 32/1212, Enthivilakom, All Saints Titanium Ward, Thiruvananthapuram -695 007

2. The Secretary, Titanium Labour Sahakarma Sangham, Titanium Campus, Thiruvananthapuram.

Management : The Managing Director, Travancore Titanium Products Ltd., Titanium P.O., Thiruvananthapuram-695021.

The case coming up for final hearing on 5-3-2009, this Tribual on the same day passed the following Award.

**AWARD**

This is a reference made under Section 10(1)(d) of Industrial Disputes Act.

2. On summons the parties entered appearance and filed their pleadings. But when the case was posted for evidence the workman and union remained absent continuously. The reference was made in 2007 and the case was pending in Industrial Tribunal Kollam till June 2008. Since the workman and the union do not show any interest in proceeding with the dispute, it has to be presumed that there is no existing dispute for adjudication. In the circumstances there is no meaning in keeping the case pending indefinitely.

In the result an award is passed finding that the demand of the workman for reinstatement is not legal and justifiable and he is not entitled for any relief.

The award will come into force one month after its publication in the official gazette.

Dictated to the Personal Assistant, transcribed and typed by her, corrected and passed by me on this the 5th day of March, 2009.

P.L. NORBERT, Presiding Officer

APPENDIX—NIL

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1184.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बी. पी. सी. एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में श्रम न्यायालय, पुणे के पंचाट (संदर्भ संख्या 20/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-04-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30011/47/2007-आई आर(एम)]

कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th April, 2009

**S.O. 1184.**— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 20/2007) of the Labour Court Pune now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of B.P.C Ltd. and their workman, received by the Central Government on 6-4-2009.

[No. L-30011/47/2007-IR (M)]

KAMAL BAKHRU, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE SHRI S.K. DESHPANDE, INDUSTRIAL TRIBUNAL, PUNE**

**Reference (IT) No. 20 of 2007**

1. The Regional Manager
Bharat Petroleum Corporation Ltd.
Sahajanand Complex, 1st Floor
2416, General Timayya Road, Pune- 411001

2. M/s Tejasingh & Sons
Opp. CME; Dapodi
Bombay Pune Road Pune-411012. ...First Party

**And**

The Secretary
Petrol and Diesel Kamgar Sangh,
Off Jaihind Bakery
Near Railway Gate
Bhan Patil Chawl, Bopodi, Pune-3 ...Second Party

**In the Matter of** : Demand as mentioned in the Schedule appended to the order of reference.

**APPEARANCES** : Smt. Sawant for First Party None present for the Second Party

**AWARD**

Date : 21/2/2009

1. This is a reference made Ministry of Labour, New Delhi Vide order dtd. 1-11-2007 in exercise of power conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Sec. 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 in respect of dispute between Bharat Petroleum Corporation Ltd. & Anr.and Petrol and Diesel Kamgar Sangh, over the demand as mentioned in the Schedule appended to the order of reference, for adjudication to this Tribunal.

2. Perused the case papers it seems that notice was sent to the second party returnable on 20-12-2007 however, inspite of service the second party did not appear before the Court. Thereafter the notice was reissued to the second party returnable on 23-6-2008 however, though notice was served but the second party remained absent before the Court. In absence of the second party, there is no Statement of Claim and Court cannot proceed further with the reference. In view of this the reference is disposed off for want of prosecution. No order as to costs.

3. In the result, I proceed to pass the following Award.

**AWARD**

1. The reference is answered in the negative.
2. The second party is not entitled for the relief as claimed.
3. No order as to costs.
4. The copy be sent for publication.

Pune
Date : 21-2-2009

SHRIKANT K. DESHPANDE, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1185.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एल. आई. सी. ऑफ इंडिया के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में श्रम न्यायालय पटना के पंचाट (संदर्भ संख्या 80(सी)/2008) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-04-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-17012/43/2008-आई आर(एम)]

कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th March, 2009

**S.O. 1185.**— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 80(C)/2008) of the Labour Court Patna now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of LIC of India and their workman, which was received by the Central Government on 6-4-2009.

[No. L-17012/43/2008-IR (M)]

KAMAL BAKHRU, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, SHARAM BHAWAN, BAILEY ROAD, PATNA**

Reference Case No. 80(C) of 2008

Between the Management of LIC of India Ltd. Patna and their workman Shri Ranju Kumar, represented by B.M.S. Patna.

For the Management : Shri Navin Kumar, Representative of LIC.

For the Workman : Shri Ram Prasad, General Secretary of Union.

**Present** : Vasudeo Ram, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Patna.

**AWARD**

Patna, dated the 23rd March, 2009

By adjudication order No. L-17012/43/2008-IR(M) dated: 20-11-2008 the Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi under clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter called 'the Act' for brevity) has referred the following dispute between the management of LIC of India Ltd. Patna and their workman Sri Sharad Kumar, represented by B.M.S., Patna for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management LIC of India, Divisional Office, Patna in not regularizing the services of Daily Wage Worker Sh. Ranju Kumar working for a long period and not giving him regular status of a permanent worker is justified and legal ? If not to what relief the worker is entitled to.?"

2. Both the parties appeared on notice, Subsequently a petition for withdrawal of the reference case has been filed on behalf of workman and moved. Under the circumstances I presume that now no dispute exists between the parties and hence I hereby pass a "No dispute Award".

3. And this is my Award.

VASUDEO RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1186.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी. आर. ई. सी. सी. एस. लिमिटेड के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय इर्नाकुलम के पंचाट (संदर्भ संख्या 192/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-04-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30011/58/2001-आई आर(एम)]

कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th March, 2009

**S.O. 1186.**— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 192/2006) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court Ernakulam as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of CRECCS Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 6-4-2009.

[No. L-30011/58/2001-IR (M)]

KAMAL BAKHRU, Desk Officer

**ANNEXURE**

**IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM-LABOUR COURT, ERNAKULAM**

**Present:** Shri.P.L.Norbert, B.A., LL.B., Presiding Officer

(Monday the 16th day of March, 2009/ 25th Phalguna, 1930

**I.D.192 OF 2006**

(I.D.32/2003 of Labour Court, Ernakulam

Union : The General Secretary, CRECCS Canteen Employees Union, Ambalamughal, Cochin - 682 302.

By Adv. Sri.C.Anilkumar.

Management : The President, CRECCS Ltd., E-226, Ambalamughal, Cochin - 682 302.

By Adv.Paulson C.Varghese.

This case coming up for final hearing on 5-3.2009, this Tribunal on 16.03.2009 passed the following.

**AWARD**

This is a reference made under Section 10( 1)( d) of Industrial Disputes Act. The reference is :

1. "Whether the employees Sh.N. B. Sajeevan, Alexander Itoop and A.K.Aboobacker were proved guilty of the charges of neglecting the work? 2. Whether the punishment imposed was just, proper and proportionate to the misconduct? If not, what relief the employees are entitled to?"

2. The facts of the case in brief are as follows:- Union has espoused the cause of three employees, who were proceeded against for disciplinary action by the management society. The allegation against the three workers is that while they were working as canteen boys in the canteen run by Cochin Refineries Employees Consumer Co-operative Society Ltd. for Cochin Refineries, Ambalamughal, they mixed common salt in the drinking water kept in the jugs in the dining tables of officers' canteen hall. An enquiry was conducted on the charges of disorderly behaviour during working hours or an act subversive of discipline and neglect of work under the provisions of Model Standing Orders. The Enquiry Officer found the workmen guilty of the charges and the disciplinary authority imposed the punishment of withholding of three annual increments with cumulative effect. The aforesaid disciplinary action is under challenge in the reference.

3. According to the union the workmen are innocent. The charges are vague. A professional Enquiry Officer was appointed by the management for conducting the enquiry. He had a biased attitude. He conducted the enquiry in violation of the principles of natural justice. There is no evidence to prove the charges. The findings of the Enquiry Officer are perverse. Without application of mind the management accepted the enquiry report and imposed the punishment. The motive for disciplinary action is to pressurise the union to succumb to the stand of the management on the charter of demands. The antecedents of the workmen are unblemished. The punishment imposed is highly disproportionate.

4. According to the management on 16-11-1999 during 2nd trip of the lunch for the officers of Cochin Refineries the workmen had deliberately mixed salt in the drinking water. The management had reason to believe that the delinquent workmen had intentionally done it. The sample of the water was tested and found adulterated with salt. Hence the workmen were proceeded against for disciplinary action. The entire enquiry proceedings were conducted strictly in compliance with the principles of natural justice. Both sides were given sufficient and ample opportunity to adduce evidence and cross examine the witnesses. The charges mentioned in the charge sheet are precise and clear. The findings were entered by the Enquiry Officer based on the evidence on record. The report was accepted by the management and a notice was issued proposing punishment. It is after hearing the workmen that the punishment was imposed. The disciplinary action is not a pressurising tactics of the management. The workmen were charge sheeted for the misconduct they committed. The punishment is in no way disproportionate. Therefore no interference in the matter of findings or punishment are warranted.

5. In the light of the above contentions the following points arise for consideration.

(1) Are the findings sustainable?

(2) Is the punishment proper?

The evidence consists of Ext.M 1 Enquiry File alone.

**6. Point No. 1:**— The issue that arises for consideration is whether the three workmen, by name Sri N.Sajeevan, Sri. Alexander Itoop and Sri.A.K.Aboobacker, had mixed common salt in the drinking water kept in the jugs on the tables of officers' dining hall during lunch on 16-11-1999. It is an admitted fact that the canteen is run by Employees Consumer Co-operative Society Ltd. for Cochin Refineries, Ambalamughal, that the officers' dining hall is situated in the upstairs and workers' dining hall in the downstairs, that on 16-11-1999 five employees of the canteen were on duty in officers' dining hall during 6-2 shift and that the drinking water in officers dining hall was found adulterated during the 2nd trip of the lunch on 16-11-1999. Of course, there is no direct evidence regarding the incident. Though six witnesses were examined on management side none of them have seen the incident

Obviously such acts are done in secret and hence there is no chance for anyone to witness the same. Therefore there can be only circumstantial evidence regarding the incident. Among MWs.1 to 6 except MW3, others do not lend any support to the management. MW1 is a canteen boy by name Sri.R.Sukumaran. He was on duty in officers' dining hall during first and 2nd trip of the lunch on 16-11-1999. He says that he has not seen anyone putting salt in the drinking water. He also says that he has not seen the three delinquents at any time misbehaving or quarreling with the officers of the company. MW2 is another canteen boy by name Sri.K.C.Shailajan. He too was on duty at the relevant time in officers' dining hall. But he has not seen anyone adulterating the drinking water. He also says that he has not seen the delinquents misbehaving to any of the officers of the company. MW4 is Deputy Manager of Kochi Refineries. He says that he has no direct dealings with canteen employees. MW5 is an officer of the company, who had taken lunch in the 2nd trip on 16-11-1999 and he had drunk water and found it salty. MW6 is Manager (Projects). He had taken lunch during 2nd trip on 16-11-1999. He had drunk water and found it salty. MW3 is the Assistant Canteen Manager. According to him on 16-11-99 in the 2nd shift there were five canteen employees working in officers' dining hall. He says that the drinking water required in officers' dining hall was brought by MW1 Sukumaran from downstairs. MW1 himself arranged water on each table in the dining hall. He also brought one steel drum of water for the officers during the 2nd trip and refilling during 2nd trip was done by MW2 Shailajan. Water refilled from the steel drum also found salty. Therefore according to him unless somebody had deliberately mixed salt in the water in the drum this would not have happened. He did not see anyone mixing the salt. According to him MW1 would not do it because he was once discharged from service in pursuance to disciplinary action and reinstated on court orders on the assurance that he would be careful in future. MW3 is also of the opinion that MW2 also cannot be a culprit because he is an obedient person and he does his job promptly and his track record is good, though he is a chronic absentee. According to the witness the other three employees namely Sajeevan, Alexander Itoop and Aboobacker would have done the mischief as they are motivated. The witness says that the management had made a change in the morning shift by advancing the 6-2 shift time. This was not liked by the employees. Sajeevan and Alexander were office bearers of the union. Aboobacker was not promptly adhering to the timing of the changed shift schedule. Thus three persons had the motive to frustrate the changed shift schedule which was implemented on a trial basis as suggested by ALC. The presumption of MW3 regarding the involvement of three canteen boys out of five was adopted by the Enquiry Officer without considering whether they could be the probable presumptions in the circumstances of the case.

7. MW 1 Sukumaran admits that he had brought water to the officers' dining hall from the downstairs for filling the jugs. The jugs were filled in the first trip by him and in the 2nd trip by MW2. MW2 says that he had re-filled the jugs in the 2nd trip. The water for refilling was taken from the steel drum kept in officers' dining hall which was brought by MW1. Thus during the 2nd trip of lunch on 16-11-1999 the water was brought from the downstairs to the upstairs by MW1 and the jugs were refilled in the 2nd trip with water from the steel drum by MW2. But it is curious to note that not even a show cause notice was issued to MW1 and 2 calling for their explanation. Whereas the other three employees who had not handled the water during 1st or 2nd trip of the lunch were proceeded against by issuing a charge sheet and ordering a domestic enquiry. The explanation given by MW3 as to why MW 1 and MW2 are spared is not convincing. According to him MW 1 was once punished by discharging him from service and after a long time as per the order of the court and assurance of the employee that he would not repeat any similar misconduct he was reinstated and thereafter he was obedient and loyal. Therefore such a person would not commit the misconduct in question. But it is to be noted that it is on the orders of the court that MW 1 was reinstated and not on account of any magnanimous gesture extended by the management. No court order is produced by the management to know whether it was a conditional order on assurance of the worker that he would not repeat similar acts that he was reinstated. The person who was discharged after an enquiry would not normally be ordered to be reinstated by the court without a finding that the worker is not guilty. If so, there is no occasion for getting an assurance from the worker regarding his conduct. The management cannot impose any condition once the court orders that the employee should be reinstated. Therefore it does not follow that a person who is reinstated after a long period on the order of the court, would no more commit any misconduct. After reinstatement there is no difference between MW1 and the delinquent employees so far as their conduct is concerned.

So far as MW2 is concerned a similar presumption is drawn by the Enquiry Officer on the strength of the deposition of MW3 that though MW2 was a chronic absentee whenever he reported for duty he used to work hard and his past record was clean. Therefore he too would not involve in such mischief.

There is no logic in the presumptions drawn by MW3 as well as the Enquiry Officer. Out of the three workmen, Sajeevan and Alexander Itoop were office bearers of the Union then. Sri. Aboobacker was not an office bearer, but a member of the union. What prompted MW3 to suspect Aboobacker in the incident is that in the noon at 12.25 on 16-11-1999 while he was working in workers' dining hall in the downstair he was directed by the Canteen Assistant Manager to go to officers' dining hall. Though he resisted initially, on insistance he obeyed. According to MW3 since the worker had first refused to obey and picked up quarrel with him, there is reason to believe that he had adulterated the water. Sri. Aboobacker was examined as DW5 on the defence side. According to DW5 the Assistant Canteen

Manager had purposely assigned him duty in officers' dining hall in order to trap him in the incident.

8. It has come out from the evidence of MW2 Shailajan that officers' dining hall is always left open and so anybody can enter at any time. According to him janitors, electricians, lift repairers etc. enter officers' hall during day time. The canteen boys in 6-2 shift go downstair at 10.30 a.m. to collect food items of lunch for officers. During this intervel there will no canteen staff in officers' dining hall. Between 10 and 12 a.m. some other employees collect crockery items from officers' dining hall. Yet some other workers pass through the hall to the water tank situated above officers' dining hall to check the water in the tank. He says that on 16-11-1999 during the 2nd trip of lunch he had filled water in the jugs in officers' dining hall. Despite the admission that MW 1 and 2 had handled the drinking water at the relevant time no explanation was called for from them.

9. On the defence side seven witnesses were examined. Out of them, DW5 to 7 are delinquents. DWs.1 to 4 are canteen employees. All of them have a case that the Canteen Assistant Manager and Catering Officer were trying to pressurise the canteen employees and the union office bearers to agree for the change in shift schedule and as a tactic the salt episode was created by the officers themselves. The union had agreed for the change in the shift schedule on a trial basis for a period of one month. According to them the officers were not co-operating with the canteen employees by suitably changing the transport system in accordance with the change in the shift schedule, leaving the employees to find out their own means of transport. They strongly suspect the underhands of canteen officers in the incident. It is relevant to note that no circumstances credible has been brought out to say that the three workmen are involved in the incident. It is on the basis of conjectures and surmises that the conclusions have been drawn. Primarily it is for MWs.1 and 2 to explain as to what had transpired during the 2nd trip of the lunch and then alone the turn of the workmen in this case comes. After considering the explanation of MWs. 1 and 2 the management could make up their mind as to who should be proceeded against. There is no justification for the presumption drawn by MW3 against the workmen which was blindly accepted by the Enquiry Officer. The Enquiry Officer, besides, finding that the workmen are guilty of disorderly behaviour or an act subversive of discipline has also found that they are guilty of neglect of work. These two charges cannot go together. If they are guilty of the first charge they cannot be guilty of 2nd charge (i.e. negligence in doing the work). If the act was deliberate there is no question of negligence. I have already mentioned that different categories of employees of Cochin Refineries can easily enter officers' dining hall at any time for the purpose of carrying out their respective work. Therefore the possibility of committing the mischief by anyone of them also cannot be ruled out. Since there is no direct evidence, the circumstances should be sufficiently strong to point the finger at the workmen. But there are no reliable circumstances to say that the three workmen are guilty. The Enquiry Officer has merely parroted the opinion of MW3 to reach the conclusion against the workmen. The findings of Enquiry Officer which is based neither on evidence nor on circumstances, are perverse and unsustainable.

10. Point No. 2 : The punishment imposed is 'withholding of three annual increments with cumulative effect'. Since the findings are unsustainable, the punishment imposed also cannot stand.

In the result an award is passed holding that the findings and punishment are unsustainable and unjustified and the three workmen are entitled to get the increments and other consequential benefits restored.

The award will come into force one month after its publication in the official gazette.

Dictated to the Personal Assistant, transcribed and typed by her, corrected and passed by me on this the 16th day of March, 2009.

P. L. NORBERT, Presiding Officer

**Appendix**

| | | |
|---|---|---|
| Witness for Union | : | Nil. |
| Witnesses for Management | : | Nil. |
| Exhibit for the Union | : | Nil. |
| Exhibit for the Management | : | M1 Enquiry File. |

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 2009

का.आ. 1187.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. कैस्ट्रॉल, इंडिया लिमिटेड के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण,श्रम न्यायालय-I चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 18/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 06-04-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30011/76/2006 आई आर (एम)]

कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th April, 2009

**S.O. 1187.**— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 18/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Castrol India Ltd. and their workmen, which received by the Central Government on 6-4-2009.

[No. L-30011/76/2006-IR(M)]

KAMAL BAKHRU, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA. PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I, CHANDIGARH**

Case I. D. No. 18/2007

The Petroleum Worker Union, 4/7, Asaf Ali Road New Delhi-110002.

....Applicant

Versus

The Chairman-cum-Managing Director, M/s Castrol India Ltd., Technopolis Knowledge Park, Opp. Mahakali Caves Road, Chakala Andheri, Mumbai

.... Respondent

**APPEARANCES**

For the Workman : All the workmen present in person.

For the Management : Shri Rahul Roy, Advocate.

**AWARD**

Passed on : 17th March, 2009

Central Govt. vide notification No. No. L-30011/76/2006-IR (M) dated 1-3-2007, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of M/s Castrol India Ltd., in terminating the services of 11 workmen list enclosed by way of closer of Balabhgarh unit dated 31-12-2004 is just and legal ? If not to what relief of the workman is entitled to?"

2. Both the parties are present. Case taken up in lok adalat as the management has deposited a cheque of Rs. 40,60158.75 apart from other benefits in this Court towards the payments through cheques to all the 11 workmen in the reference, and each workman has been paid as per the amount in full and final settlement of the claim, the present reference is returned as settled in lok adalat to the Central Government. File be consigned.

Chandigarh

17-3-2009

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1188.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एल. आई. सी. ऑफ इंडिया के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में श्रम न्यायालय, पटना के पंचाट [संदर्भ संख्या 79(सी)/2008] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-4-2009 को प्राप्त हुआ था ।

[सं. एल-17012/41/2008-आई आर(एम)]

कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th April, 2009

**S.O. 1188.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award [Ref. No. 79(C)/2008] of the Labour Court, Patna now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of LIC of India and their workman, which was received by the Central Government on 6-4-2009.

[No. L-17012/41/2008-IR (M)]

KAMAL BAKHRU, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, SHARAM BHAWAN, BAILEY ROAD, PATNA**

**Reference Case No. 79(C) of 2008**

Between the Management of LIC of India Ltd., Patna and their workman Shri Rink Kumar, represented by B.M.S., Patna.

For the Management : Shri Navin Kumar, Representative of LIC.

For the Workman : Shri Ram Prasad, General Secretary of Union.

**Present** : Vasudeo Ram, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Patna.

**AWARD**

Patna, dated the 23rd March, 2009

By adjudication order No. L-17012/41/2008-IR(M) dated: 20/21-11-2008 the Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi under clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter called 'the Act' for brevity) has referred the following dispute between the management of LIC of India Ltd., Patna and their workman Shri Rink Kumar, repreented by B.M.S., Patna for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management LIC of India, Divisional Office, Patna in not regularizing the services of Daily Wage Worker Sh. Rink Kumar working for a long period and not giving him regular status of a permanent worker is justified and legal ? If not to what relief the worker is entitled to?"

2. Both the parties appeared on notice. Subsequently petition for withdrawal of the reference case has been filed on behalf of workman and moved. Under the circumstances I presume that now no dispute exists between the parties and hence, I hereby pass a "No Dispute Award"

3. And this is my Award.

VASUDEO RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1189.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. आई. बी. पी. कम्पनी लिमिटेड के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में श्रम न्यायालय मुम्बई के पंचाट (संदर्भ संख्या 942/1990) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-4-09 को प्राप्त हुआ था ।

[सं. एल-30025/2/2009-आई.आर(एम)]

कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th April, 2009

**S.O. 1189.**— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 942/1990) of the Labour Court, Mumbai now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s.I.B.P. Company Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 6-4-09.

[No. L-30025/2/2009-IR(M)]

KAMAL BAKHRU, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE SHRI V.V. KATHARE, PRESIDING OFFICER, FIFTH LABOUR COURT AT MUMBAI**

**Reference (IDA) No. 942 of 1990**

ADJUDICATION BETWEEN

The General Manager,
M/S. I.B.P. Company Ltd.,
(Engg. Division),
Sewree, Mumbai -15 ....First Party

AND

I.B.P. Employees' Union .
C/o. I.B.P. Company Ltd.,
K. Oil Installation,
Sewree Mumbai -15 ....Second Party

**QUORUM, MR. V.V. KATHARE JUDGE**

**APPEARANCES:** Advocate SD Rege for 1st Party.
Advocate DS Bhalerao for 2nd Party

**PART-II AWARD**
(27-1-2009)

1. The Dy. Commissioner of Labour (Conciliation), Mumbai in exercise of the powers of the State Government has referred the present dispute for adjudication to this Court. The facts of the present reference can be summarized as under :

2. This reference pertains to the demand for reinstatement of workman Mr.Rajesh Ghegat, Mr. V.S. Vaingarkar & Mr. M.I. Motiwala, through the I.B.P. Employees' Union, (hereinafter referred to as the 2nd Party) against M/s. I.B.P. Company Limited, (hereinafter referred to as the 1st Party Company). The I.B.P. Company Limited has two units in Mumbai i.e. Oil division and Engineering division. The Oil division is engaged in the business of distribution of kerosene, petrol, diesel, etc. whereas the engineering divison is engaged in manufacturing of valves and regulators for the L.P.G. There are around 250 workers in the engineering divison. The workers referred above have been engaged in the engineering division of the company.

3. It is stated by the 2nd Party Workmen that the relationship between the employer and employee earlier, were cordial and the employer always treated the workers as important constituent of the organization. The then management had always endeavour to settle all the disputes across the table and also had established a system where the food was taken altogether by the managers and the workers. The present management took over in the year 1987 and started behaving in an autocratic manner and refused the workman the status which they were enjoying all along. As a part of its strategy the company for the first time change the lunch facility for the Officers & created a separate Canteen. It was done to provoke the workers and to undermine the prestige of the Union. Since the Union has raised the demand of enhancement of lunch allowances and betterment of canteen facilities. The proposal of the company to give the canteen on contract and further offered to give enhanced subsidy was not approved by the Union. Therefore, separate lunch facility to the Officers was introduced, which irritated the workers and they staged demonstration against the management.Therefore, on account of the Union activities the management issued charge sheet to the workmen concern. The allegations in respect of the alleged incident were patently false & made for victimizing the activist of the Union. Pending the Inquiry proceeding the workmen were suspended. The Inquiry was an empty formality and, therefore, was aimed at accomplishing predetermined decision of dismissing the workmen concern.

4. It is stated that Mr. Durve the earlier Inquiry officer was not willing to submit to the dictate of the company and, therefore, it was so manipulated that he could not function and was made to go. Said Inquiry Officer told the management that the workman concern could not be held guilty and, therefore, he was replaced by new Inquiry Officer. The charge sheet was vague, the inquiry was not fair & proper and the principles of natural justice have been observed in breach. The record maintained by the Inquiry Officer are incorrect. The Inquiry Officer acted like a prosecutor and the findings were not given to the workmen concern before the order of dismissal was passed. The punishment of dismissal was disproportionate to the alleged misconduct and smacked of foul play and it amounts a unfair labour practice's. The past service record of these workmen has also not been considered by the management.

5. The then General Manager Mr. Hingorani had a discussion with the President of the Union Mr. Limaye on the issue of the punishment. Mr. Hingorani has agreed that he was not interested in dismissing the workman rather in smooth functioning and thus he would talk to his officers and convince them. Further, the Personal Manager Mr. Shrivastav had also a discussion with the President of the Union about the quantum of the punishment and he agreed for some lesser punishment. Therefore, the punishment of dismissal was all of a sudden inflicted on these workers by letter of company dated 27-12-1989.

6. The Union raised the demand of reinstatement of the three workman by their letter dated 13-03-1990. Thereafter a letter of approach was sent to the Office of the Commissioner of Labour on 20-03-1990. On 06-08-1990 the demand was admitted in conciliation and on 15-09-1990 the Conciliation Officer recorded his failure. Therefore the present reference has been made. Hence prayed for the demand of the reinstatement of the three workmen with continuity of services with full back wages.

7. The 1st Party Company contested the claim by filing their detailed Written Statement at Ex. C-3, thereby all the adverse allegations in toto. However, the company has not denid the employment of the workmen concern, the tenure of the service, the post held by the workmen concern and the salary paid to them, etc.

8. It is contended that during the course of the employment the workmen concern have committed grave acts of misconduct for which they were placed under suspension by the companies order dated 28-01-1987 pending the inquiry against the concerned workmen. As their presence could be detrimental to the interest of the company as well as the proceeding of the inquiry. The charge sheet issued to them dated 12-02-1987 against all the three workmen and independent inquiries were held against them by an outsider inquiry officer. The inquiries were held in accordance of the provisions of the Model Standing Orders applicable to the company and with a due respect to the principles of natural justice. During the inquiry proceeding the workmen were given full opportunity to defend and participate in the inquiry proceeding. They were allowed to defend by the repesentative of their choice. The workmen were also allowed to be represented by Mr. D.S. Bhalerao one of the Sr. Office Bearer of the Union. The inquiry officer submitted his finding in which he held the concerned workmen guilty of the charges. Considering the gravity and the seriousness of the misconduct proved at the inquiry and looking in the past service record of the workman concerned, they were dismissed from the service by separate order dated 21-12-1989 with immediate effect. The dismissal of the workmen is therefore just and proper and they are not entitled for the relief prayed for.

9. It is further contended that the attempt on the part of the Union to distinguish the management of the past and at present, is totally misconceived & devoid of substance. It is emphatically denied having extended any system, wherein the food was shared by the Manager and the workman together. Making the arrangement of the food facility and manner thereof is exclusively the function and prerogative of the Management and the union is not entitled to question the same. The company is entitled to reshuffled any arrangment as and when business warrants so. There is no question of undermining the prestige of the Union on account of the making change in the lunch facilities. It is however true that the workers on ill advice & investigation of the Union resorted to pressurizing tactics such as demonstrations, slogans work stoppage, to show issuing threats to the Managerial staff etc. These aforesaid coercive action on the part of the Union and the workers amount to unfair practices. The dismissal of the concerned workmen has no relations with the legitimate Union activities and the same is based on the establishment of the charges at the inquiries.

10. It is denied that the company has ever dictated earlier Inquiry Officer Mr. Durve, as alleged. Due to want of time and on account of the personal difficulties, the earlier inquiry officer was unable to act and therefore he retired on his own from the said inquiry by informing his decision in writing to the Management. Therefore, the company has appointed a fresh Inquiry Officer and the Management Representative to conduct the Inquiry proceeding. The Inquiry was hold in accordance with the principles of natural justice.It is further denied that the then General Manager and the President of the Union had discussed the issue and agreed to impose the lesser punishment. As the award of punishment was exclusively prerogative of the punishing authority which is not a subject matter of disussion with any of the Office Bearer of the Union. The right to punish an erring employee has been vested in the management by statutory provisions of the Standing Orders.

11. It is further contended that the letter of the Union was replied by the company by rejecting the alleged demand for reinstatement of the concerned workmen. The matter was also discussed in conciliation, but due to adamant attitude adopted by the Union, no amicable settlement could be arrived at. The company further understand that the concern workman are gainfully employed since dismissal and as such they are not entitled for any back wages. None of the workmen nor the Union has made any averment in regard to efforts made by them. If any securing the gainful employment. The order of dismissal is incommensurate with the proved misconduct. Hence, prayed to dismiss the reference with costs.

12. The rival pleadings leads to the issues at Ext. O.12. They are reproduced below with the findings recorded against each of them, for the reasons stated thereunder :

| ISSUES | FINDINGS |
|---|---|
| 1. Whether the 2nd party workman proves the the punishment awarded is illegal & improper? | in nagative |
| 2. Whether the 2nd party workman is entitled to the relief claimed? | in nagative |
| 3. Whether the 1st party company prove that the 2nd party workman gainfully employed elswhere? | Redendant |
| 4. What order? | As per final order. |

REASONS

**Issue's No. 1 to 4 :**

13. In support of the contentions all the three workmen concerned lead their oral evidence and they have been throughly cross examined at the instance of the Ld. Counsel for the 1st party company. Against this, on behalf of the 1st party company Mr. Mathru,testified and reaffirmed the contentions made in the WS to that effect.

14. This Court while deciding the Part-I of the Award has already held that the inquiry conducted against the charge sheeted employee is fair & proper and the findings recorded by the inquiry officer are not perverse. In the present Award only, the consideration are limited to the extent of the proportionality of the punishment inflicted and the employment of the workmen concerned, etc.

15. Ld. Representative for the 1st party submitted that the three workmen in the present reference are victimized by the 1st party company for their legitimate trade union activities and there has been no other real cause of action to initiate any action much less to dismiss them from the services of the company. Said high handed and arbitrary action of the employer amounts to victimization. In support of his contention reliance is placed in the case of workmen of the M/s. William Son Magor V/s. The Management of M/s. William Son Megor, wherein their Lordship has an occasion to deal with the aspect of the victimization. It is held therein a high handed arbitrary and improper action of the employer shall amounts to victimization . However, it is pertinent to note that though the allegations are made regarding singling out of the three workmen concerned on account of their legitimate trade union activities one fails to understand that as to why the management of the 1st party Company unnecessary chosen the three workman concerned by leaving free the office bearers of the said trade union for their alleged activities. Prima facie there is no propriety in the contentions of the 2nd Party Workman that on account of their alleged trade union activities, they were singled out for victimization . Had the management of the 1st party Company intends to curb the union activities than it could have very well targeted the office bearers of the Union and not the members, as in the present case. As against this the specific charges levelled against the workmen concerned like wilful insubordination riotous disorderly and indecent behaviour on the premises of the establishment and commission of act subversive to discipline and good behaviour on the premises of the establishment were duly proved against the workmen concerned . Even during the course of their chief examination neither of the workmen concern have touched the aspect of their alleged role in the impugned incident. Their silence in not controverting the alleged incident amounts to constructive admission on their part regarding their involvement in the said incident . Except making the sweeping remarks there is absolutely nothing on record to hold that the management of the company had acted with a view to victimized the workmen concerned.

16. It is tried to submit on behalf of the workmen that the arbitrariness in the action of the 1st party Company is made clear from the very contents of the charge sheet. The three workmen work in two different departments are alleged of charges which are one and the same. The alleged charges much less to claim, having uttered same words is only a creation of imagination. In this respect it requires to observe that the recitals of the charge sheet served upon the respective workmen and in pursuance thereof, the independent inquiry is conducted thereto, which discloses that the company has taken every care to spelt out elaborately the specific charges against the respective workmen . As involvement of all the three workmen concerned in a single incident, whereby said workmen in prosecution of the common object uttered filthy abuses and assaulted the superior officer of the Campany and even it is admitted by the workmen during their cross-examination , that the charges levelled against the respective workmen were categorically spelt out vide their respective charge sheet and they have fully understood the same. Therefore, there is no substance in the contention of the 2nd Party Workmen that uttering of the similar words by all three charge sheeted workman, is nothing but the creation to the imagination .

17. It is further contended on behalf of the 2nd Party workman that the Part-I Award is not published in the Central Government Gazette and as such 1st party Company can not claim to enforce it without it being published and 30 days period having been over. Especially when it is required to published in the Central Government Gazette as the special case . It is further argued that the provisions contained in the Section 17 (1) (2), (3) &.(4) of the ID Act are relevant, when it comes to the fate of the unpublished award. In this respect it must be noted that the meaning and the construction of Section 17(1) of the ID Act provided that "Every award of the Labour Court

shall be published in such a manner as the appropriate Government thinks it." The rules also endorsed the same position. The dictionary meaning of "to published" means to make a thing generally known or to formally announce. The publication of the award is also in such manner as the appropriate government thinks it. Hence, it is the discretion of the appropriate government as regards the manner of the publication of the Award. The afore quoted section speaks about the enforceability and unenforceability of the Award on public ground affecting national economy or social justice. The Act doesn't prescribed the consequences of the non-publication of the Award. In normal circumstances it is disclose as presented under the provisions of Law. Therefore, the contention of the 2nd Party Workman that Award Part -I dated 21-05-2003 is not yet published is devoid of merit. By virtue of the Part-I Award, this court has held that the inquiry conducted against the workmen is fair and proper and the findings are not perverse. This findings is well within the knowledge of the parties and the same has not been challenged by the 2nd Party Workman till date. Even otherwise the silence of the 2nd Party workman for a substantial period of more than 6 years after the passing of the Award and raising this issue at the fag end of the trial is of no consequence. Therefore said award is very well enforcible.

18. The management of the 1st Party Company by their charge sheet dated 12-02-1987 against its three employees by name Mr. Ghagat, Mr. V.S. Vayankar & Mr. Motiwala has levelled certain grave and serious charges like holding demonstration, shouting slogans go slow stoppage of work, assault using abusive language, threatening the management staff in filthiest language, etc. These charges have been duly proved in the inquiry and said inquiry have been held to be fair and proper and the findings of the inquiry officer held to be not perverse. The record of the inquiry proceeding reveals that the separate inquiry were conducted aginst the workmen concerned in respect of the charges leveled against them.

19. That takes me to another limb of argument advanced by Ld. Representative of the Union which says that Mr. Bhalla, Executive of the 1st Party Company had offered for reemployment to the three dismissed workmen concerned. On that Court it is tried is submit that the punishment of dismissal amount to shockingly disproportionate as the company had no objection for taking the three workers back in the employment. It is further argued that the company had agreed to take back all the three workman as a consequence of mutual discussion and further had agreed to provide them with work at out station location i.e. out of Mumbai. The company has various location in State of Maharashtra and nearby to Mumbai at Panvel also. Therefore it is submitted that having considered to take back the workers, it is now open for the company to canvass that the workers can not be reinstated. Thus, it appears that one of the stand taken by the union in the course of proceeding that the company officer Mr. Bhalla had recommended a compromise proposal and the copy of said letter was received by the Union in sealed envelop in July 2004. Admittedly Mr. Bhalla was not in employment of the company and therefore he was not examined as their witness. However, the company has examined Mr. Atmaram Korgaonkar who stated that the said letter written at the instance of Mr. Bhalla (Ex. 4 of the Inquiry Proceeding) is signed by Mr. Bhalla the then General Manager. It was written to Mr. Hingorani, the Director. Though there was a suggestion made by Mr. Bhalla, but it was not accepted by Mr. Hingorani. Further Mr. Hingorani advised him for not encouraging such things and the matter was closed from the companies side. In the facts of the case Mr. Hingorani was the only competent authority whose designation was Director (Chemical and Engineering Division) and who has straight way turned down any such recommendation. It is further admitted that the said internal correspondence is strictly confidential. It being official correspondence, is immune from disclosing publicly without previous permission and therefore second Party can not rely upon it to establish their claim of reinstatement.

20. It requires to observe that the company had categorically denied about any such agreement to provide the three workmen with work at out station location i.e. out of Mumbai. There is absolutely nothing on record to held that the company had considered the proposal of the workmen for their reinstatement. Rather, it was the stand taken by the company that on account of the proved misconduct the question of considering the proposal for reinstatement etc doesn't survives. Therefore, it must be noted that even though there were in talks of settlement as far as the three workmen are concerned. However it doesn't concluded in actual settlement and thereby it is obvious that, it doesn't give any vested right to the workman to claim the reinstatement thereunder.

21. Ld. Representative for the Union further submitted that the alleged event of misconduct doesn't constitute and attract provisions of clause 24 (a)(k) & (l) of the Model Standing Order and at the most it could be considered that the alleged event attract clause 26 of the Model Standing Order which are termed as a minor misconduct had therefore if at all any punishment is required to be awarded, the punishment at the most could be warning sensured or fined. In this back drop the cursor glance towards alleged incident reveals that the workman concerned along with the other workmen were previosly enjoying the facility of subsidized canteen services for a

considerable long period. It is the contention of the workmen that the said facility was abruply discontinued and the workers were offered the lunch allowances of Rs. 5 per day which was not accepted by their Union. It is the contention of the worker that the company has adopted a discriminating approach in so far as the management staff is concerned and even after the discontinuation of subsidized cooked food facility the company started providing cooked lunch from external sources of its officers and management executive. It is tried to submit that the said change is per say an illegal change which sparked discontent among the employees. However one fails to understand. It is being an illegal charge, the 2nd party Workman were at liberty to take the lawful recourse or remedy provided under the ID act. It further appears that except the bald allegations of alleged illegal change, no legal proceeding were initiated by either the workman or their union and therefore at this stage said allegations can not be taken into consieration.

22. The contents of the charge sheet dated 12-02-1987 reveals that on 20-01-1987 Mr. Motiwala left the place of his work unauthorizedly at about 12.15 pm along with Mr. Vaingankar and Mr. Gheghat and instigated other workers to leave their place of work, without permission and than Mr. Motiwala in common understanding with Mr. Vaingankar & Mr. Ghegat laid the group of workmen to the Officers lunch room and instigated the workmen to ear the food kept for officer who were taking lunch at 12-30 pm. The workmen concerned than squatted in the passage to prevent and constructed the officers from entering the lunch room and also deliberately ate the food and keep the officers to starve. They equally shouted slogans "Officers Chor Hai". "Ye Loot chalane nahi denge". "Officers ko fek do".

23. Similarly, on 23-01-1987 Mr. Motiwala left his place of work at about 9.30 am and went to the tool room and valve testing section with an intention to instigate other workmen. At that time Manager Mr. Dahilwar and Mr. Thomas Queshi were present on their round. Consequently, the workmen of the valve testing and tool room started making loud noise by hammering on the table. Then, Mr. Dahilwar & Mr. Queshi were leaving towards the main shop. Mr. Motiwala, Mr. Ghegat & Mr. Vaignakar instigated some of the workers to hit them. As a result of which a wooden piece was thrown at Mr. Dahilwar & Mr. Queshi from the back side which hit Mr. Dahilwar on the right leg from the back side. Equally on 24-01-1987 three workmen concerned led a group of workmen and unauthorizedly entered the office and prevented and obstructed Mr. Queshi and Mr. Sabale from going towards the lunch room.

24. Apart from the role of Mr. Ghegat in above incident, he on 22-1-1987 left place of work along with Mr. Vaingankar rushed to Mr. Queshi and instigated the workmen to refused to do the job and rudely told Mr. Queshi that said job could be done only, if the concerned workers are detained for overtime. They further stated that they had not come to the factory for begging , Mr. Ghegat then abused Mr. Queshi and called him "madarchod, behnchod" & insuitingly asked him to convey this to the Works Manager. He then threatened Mr. Quoshi that he should not visit the department again and assign work to any workmen. Similarly, on 24-11-1987 at about 12.25 pm Mr. Ghegat along with Mr. Vaingankar and Mr. Motiwala led a group of workmen and unauthorizedly entered the office premises and obstructed Mr. Queshi and Mr. Sabala and other office from going towards officers lunch room. Mr. Ghegat then turned to Mr. Queshi and in indecent and vulgar language threatened him to take care of his wife instead of watching them and further remarked that someone might take her away. Mr. Vaingankar & Mr. Ghegat then abused the officers in most filthiest language.

25. Similarly, the recitals of the chargesheet of Mr. Vaingankar, apart from his role as mentioned above. Disclosed that he was the active member of the proceeding of assault and indecent behaviour. The inquiry officer *vide* his reasoned order has discussed in detail the cause of upholding the charges levelled against the workmen. He hold that the charges of willful subordination, riots disorderly and indecent behaviour on the premises of the establishment and commission of act subversive of discipline and good behaviour on the premises of the establishment were squarely proved and he doesn't found any extenuating or mitigating circumstance.

26. It requires to observe that the grievance of the workmen concerned pertaining to the discrimination shown regarding the canteen facility may be genuine and the prestige of the Union thereby might have been jeopardised or undermined, as alleged. But, that by itself dosen't permit the workmen concerned to express their emotions in such a vindictive manner by assaulting and abusing their superior officer in presence of their subordinates. The high handed action on the part of the workmen concerned could never justified the means adopted by them towards accomplishing their goals.

27. In support of the contention Ld. Counsel for the 1st party Company placed reliance on the case law of **Mahindra & Mahindra Ltd. V/s. N. B. Narawade reported in 2006 (1) CLR 603** wherein it is held that the language used by the workmen concerned is such that it can not be tolerated by any civilized society and the use of such

abusive language against a superior officer in the presence of subordinates can not be termed to be an indiscipline, calling for lessor punishment in absence of extenuating factors.

28. True, that this court has every discretion to be exercised U/s. 11(A) of the ID Act, which is available on the existence of the certain factor like, when the punishment being disproportionate to the gravity of misconduct so as in disturb conscience of the Court or the existence of any mitigating circumstances which required the reduction of the sentence or the past conduct of the workmen which may persuance the Court to reduce the punishment, in absence or any such factor existing this Court can not by way of sympathy alone exercised the powers U/s. 11(A) of the Act and reduce the punishment. Admittedly, on perusal of the proceeding, the gravity of the misconduct became writ-large. Equally I don't see any mitigating circumstance or even the past service record so as to interfere the punishment awarded.

29. The ratio laid down in the rulings cited supra can be made squarely applicable to the facts of the case in as much as during of hitcy abuses and behaving in the indecent manner, prevent this Court from exercising the discretion while interfering in the punishment inflicted.

30. Further the reliance is placed by the 1st Party Company on the case of **Textile Corporation of Marathwada** V/s **Mr. Prabhakar Balajirao Deshapande** reported in 1997 (2) LLJ 106 (Bombay HCL), wherein it is held that when the charges of disobedience and insubordination are established then the punishment of discharge is not shockingly disproportionate to the misconduct proved and there is no wage of victimisation. Further the reliance is placed on the case law of M/s. Mysore Press Private Ltd. Banglore V/s Its Workmen reported in 1997 (2) CLR 321, wherein the Division Bench of the Honourable Karnataka High Court has held that where the acts of indiscipline (viz) willful insubordination & disobedience committed by the workmen is not tolerable at all , the punishment of dismissal imposed upon the workmen is not excessive but is warranted by such conduct of indiscipline.

31. As already observed there is no attempt on the part of the workman concerned to dislodge the burden casted upon them in respect of the alleged incident, which tentamount of its tacit acceptance. The charges levelled against them held to be proved by preponderance of probability. Said charges therefore not only grave & serious so as to attract Clause 24 (a) (k) & (l) of the Model Standing Order, but have crossed the boundaries of serenity, decency and plety of human me.The nature of the misconduct indulged in by the workmen concerned does not warrant any other punishment than that of a dismissal.

32. As a subsequent development the regulator manufacturing unit wherein the concerned workmen were working is closed down by the due process of Law. The copy of the order of the Central Government permitting the closure is on record. On that count also, the workmen concerned are not entitled for reinstatement and other consequential benefits. Therefore, there is no propriety to consider the aspect of back wages or the continuity of service etc.

33. In view of the foregoing discussions, it is quite clear that the punishment awarded on the workman concerned is incommensurate with the gravity of the misconduct proved against them & it does not warrant exercising discreation u/s. 11(A) of the ID Act. Needless to say the workmen concerned are not entitled for the relief prayed for. Accordingly, finding of issue No. 1 & 2 are answered in negative & that of issue No3 redundant and in the result following order is passed.

**AWARD**

1. The reference stands dismissed with costs.

2. It be sent to the Central Government for Publication of the Award.

Date : 27-01-2009 V. V. KATHARE, Presiding Officer
Place : Mumbai

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1190.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या - एलसीआईडी सं. 65/04, 69/04, 73/04, 82/04, 83/04, & 102/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 06-4-09 को प्राप्त हुआ था ।

[सं. एल-29025/2/2009-आई.आर(एम)]

कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th April, 2009

**S.O. 1190.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.LCID Nos. 65/04, 69/04, 73/04, 82/04, 83/04, & 102/04) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Hyderabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Hindustan Zinc Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 08-4-09.

[No. L-29025/2/2009-IR(M)]

KAMAL BAKHRU, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD**

**PRESENT:-Shri Ved Prakash Gaur,** Presiding Officer

Dated the 25th day of January, 2009

Industrial Disputes

**L.C.I.D. Nos. 65/2004, 69/2004, 73/2004, 82/2004, 83/2004 & 102/2004**

(Old I.T.I.D.(C) Nos. 55/2001, 59/2001, 63/2001, 72/2001, 73/2001, & 11/2002 Transferred from Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Visakhapatnam)

Between:

| Sl. No. | LC.I.D. No. | Petitioner's Name S/Sri | Old I.T.I.D.(C) I.T. cum L.C., Visakhapatnam |
|---|---|---|---|
| 1. | 65/2004 | Gokulamatham Durgao Rao | 55/2001 |
| 2. | 69/2004 | S. Appala Raju | 59/2001 |
| 3. | 73/2004 | S. Satya Rao | 63/2001 |
| 4. | 82/2004 | M.N. Subrahmanyam | 72/2001 |
| 5. | 83/2004 | I.L.Naidu | 73/2001 |
| 6. | 102/2004 | T.Sreenath | 11/2001 |

C/o Sri B.V. Rao,
Authorised Representative,
H4, Sairam Apartments,
Sector No. 1, M.V.P.,
Visakhapatnam. .....Petitioner's

AND

The Dy. General Manager,
M/s. Hindustan Zinc Ltd.,
Visakhapatnam. ....Respondent

Appearances:

For the Petitioner : Sri B.V. Rao, Representative

For the Respondent : M/s. D.V. Subba Rao & D.V.S.S. Somayajulu, Advocates

**COMMON AWARD**

The above six cases are taken under Sec. 2A (2) of the I.D. Act, 1947 by the Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Visakhapatnam in view of the judgment of the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh reported in W.P. No. 8395 of 1989 dated 3-8-1995 between Sri U. Chinnappa and M/s.Cotton Corporation of India and two others and transferred to this Court in view of the Government of India, Ministry of Labour's Order No. H-11026/1-2001-IR (C-II) dated 18-10-2001 bearing I.T.I.D. (C). Nos. 55/2001, 59/2001, 63/2001, 72/2001, 73/2001 & 11/2002 and renumbered in this Court as L.C. I.D. Nos. 65/2004, 69/2004, 73/2004, 82/2004, 83/2004 & 102/2004.

2. Memo filed in October, 2004 by the management that the workmen have filed writ petitions before the Hon'ble High Court of A.P. against the order dated 18-2-2003 passed in WP No. 26756/2001 and batch cases. There is no stay granted by the Hon'ble High Court of A.P. against the order dated 18-2- 2003. It has been prayed that in the interest of justice, the above L.C.I.Ds be closed in the light of the order of the Hon'ble High Court of A.P. These cases are pending for disposal since 2004. No objection or representation has been filed on behalf of the workmen. I have gone through the order passed by the Hon'ble High Court of A.P. in WP Nos. 25745, 18437, 26191, 26192, 26193, 26195, 26198, 26202, 26203, 26205, 26206, 26207, 26208, 26209, 26211, 26212, 26215, 26359, 26373, 26382, 26576, of 2001, 7657, 7658, 7659, 7660, 7661, 7662, 7663, 7664, 7665, 7666, 7668, 7669, 7670, 7671, 7672, 7673, 7674, 7675, 7676, 7677, 7678, 7679, 7680 of 2002 on 18-2-2003, wherein the Hon'ble High Court of A.P. has prohibited Industrial Tribunal cum Labour Court from proceeding with the adjudication of the above disputes and have come to the conclusion that these disputes filed before this court are misconceived and workmen of these cases are not entitled to any relief therein and dismissed all the cases.

3. The number of these Six cases does not find place in the order of the Hon'ble High Court of A.P. dated 18-2-2003. But the order under lying in these writ petitions and the order passed by the Hon'ble High Court of A.P. is fully applicable to these cases bearing L.C.I.D. Nos. 65/2004, 69/2004, 73/2004, 82/2004, 83/2004 & 102/2004 [I.T.I.D.(C) Nos. 55/2001, 59/2001, 63/2001, 72/2001, 73/2001 & 11/2002 respectively]. Accordingly the workmen of these cases are not entitled for any relief and these L.C.I.Ds. 65/2004, 69/2004, 73/2004, 82/2004, 83/2004 & 102/2004 are also stands closed as observed by Hon'ble High Court of A.P., in W.P.No. 25475 to 7680/2002 mentioned in para 2 of this judgement.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this the 25th day of January, 2009,

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

**Appendix of evidence**

| Witnesses examined for the Petitioner | Witnesses examined for the Respondent |
|---|---|
| NIL | NIL |

**Documents marked for the Petitioner**

NIL

**Documents marked for the Respondent**

NIL

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1191** .—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. आदित्या सीमेन्ट के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय भीलवाड़ा के पंचाट (संदर्भ संख्या-1/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 06-04-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-29012/32/2003-आई आर(एम)]
कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th April, 2009

**S.O. 1191.**— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 1/2003) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court Bhilwara, now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Aditya Cement and their workman, which was received by the Central Government on 6-04-2009.

[No. L-29012/32/2003-IR (M)]
KAMAL BAKHRU, Desk Officer

**अनुबंध**

**श्रम न्यायालय, भीलवाड़ा (राज.)**

पीठासीन अधिकारी-सुश्री उषा अग्रवाल, आर. एच. जे. एस.

श्रम विवाद प्रकरण संख्या : 1/03

श्री राम विलास जाट, जरिये सेक्रेटरी, भारतीय सीमेंट मजदूर संघ (बी.एम.एस.), चितौड़गढ़ ।

.....प्रार्थी

**बनाम**

अधिशाषी अध्यक्ष, मैं आदित्य सीमेंट, सावा शंभूपुरा, चितौड़गढ़

.....विपक्षी

**उपस्थित :**

श्री बलदेव मोड, प्रतिनिधि-प्रार्थी की ओर से ।

श्री एम. एस. चौहान, अधिवक्ता-विपक्षी की ओर से ।

**पंचाट**

दिनांक 20 अगस्त, 2009

1. भारत सरकार के श्रम मंत्रालय ने अधिसूचना संख्या एल-29012/32/2003-आई आर(एम) दिनांक 14-10-03 के द्वारा निम्न विवाद इस न्यायालय को अधिनिर्णयार्थ प्रेषित किया :-

"Whether the contention of the workman Sh.Ram Vilas Jat that he has worked continuously for more than 240 days in the consecutive 12 months during the period from 16-12-95 to 30-04-2000 is correct & justified ? If yes, whether the action of the Executive President M/s. Aditya Cement, Shambhupura in terminating the services of the workman is legal and justified ? If not to what relief the workman is entitled to and from which date."

2. उपर्युक्तानुसार विवाद दिनांक 24-10-03 को प्राप्त होने पर क्रम संख्या 1/03 पर दर्ज हुआ तथा पक्षकारान को सूचित किया गया ।

3. प्रार्थी की ओर से दिनांक 4-12-04 को स्टेटमेंट ऑफ क्लेम पेश कर जाहिर किया गया कि प्रार्थी का नियोजक विपक्षी की माईन्स उद्योग में माईन्स आपरेटर के पद पर पत्रांक 2924 दि. 28-11-95 से नियोजित किया गया । प्रार्थी को नियोजन में दि. 11-11-98 से वर्ष में 240 दिन से अधिक संतोषजनक सेवा रेकार्ड से नियमित कार्यों पर नियोजित रखा गया है । प्रार्थी ने विपक्षी संस्थान माईन्स में दि. 16-12-95 से 30-4-2000 में 5 वर्षों तक नियमित रूप से सतत 240 दिन से अधिक कार्य किया है । प्रार्थी ने दि. 16-12-95 से प्रत्येक वर्ष में 240 दिन से अधिक निरंतर कर्तव्य निष्ठा से कार्य किया है । प्रार्थी को श्रम एवं स्थायी आदेशों के अनुसार उच्च कोटि की संतोषजनक सेवाकाल पूर्ण करने एवं अच्छी गुणवत्ता की सेवाओं को संपादित करने से उसे दि. 11-4-98 से "डी" संवर्ग के रेगूलर वर्कर की श्रेणी में लिया जाकर माईन्स एक्ट में सीमेंट वेज बोर्ड के सेवालाभ वेतन ग्रेड मंहगाई भत्ता एवं अन्य भत्तों के स्थायीकरण पर नियोजित किया गया तथा बिना सीमेंट वेज बोर्ड के वेतन ग्रेड फिटमेंट एरियर का भुगतान के सेवा से पृथक की कार्यवाही अवैधानिक विधि विरुद्ध होकर नैसर्गिक न्याय का उल्लंघन होने से प्रार्थी पुन: नियोजित होने का अधिकारी है । प्रार्थी ने संस्थान में अत्यधिक कठोर ड्यूटी माईन्स आपरेटर पर नियोजित रहने से मस्सा, बवासीर रोग से बीमार होने पर उसके सहकर्मी को प्रार्थनापत्र प्रबंधक को पेश किया गया तथा मौखिक एवं कई बार प्रार्थना दि. 30-4-2000 के देने एवं पुन: स्वयं द्वारा भी मेडिकल सर्टिफिकेट के उपस्थित होने पर उसे माईन्स गेट में प्रवेश नहीं दिया गया-जिससे उसे विद्वेषतावश सेवा पृथक की कार्यवाही अनफेयर लेबर प्रेक्टिस होने से पुन: नियोजित होने का हकदार है । प्रार्थी सेवा पृथक-करण के बाद से ही बेरोजगार चला आ रहा है । विपक्षी ने दि. 16-12-95 से 30-4-2000 की 5 वर्ष तक बिना स्पष्टीकरण आरोप पत्र की तामील कराये दोषारोपण जांच कार्यवाही की सूचना के अल्पकालीन विद्वेषतावश कार्यवाही से सेवा पृथक की कार्यवाही करना अवैध होने से प्रार्थी पुन: नियोजित होने का हकदार है । प्रार्थी कामगार ने पुन: वेतन ग्रेड, वरिष्ठता में नियोजित करवाने की प्रार्थना की ।

4. विपक्षी नियोजक की ओर से दि. 26-2-05 को जवाब पेश कर जाहिर किया गया कि श्रमिक को किस दिनांक से सेवा पृथक किया गया है, उसका उल्लेख नहीं है । न्यायालय का श्रवणाधिकार एवं क्षेत्राधिकार रेफरेन्स से ही उत्पन्न होता है एवं रेफरेन्स से परे जाकर न्यायालय द्वारा किसी भी प्रकार से श्रम विवाद का निस्तारण नहीं किया जा सकता । रेफरेन्स में सेवा पृथक-करण दिनांक का उल्लेख नहीं होने से प्रार्थी को रेफरेन्स में किसी तरह की कोई राहत प्रदान किया जाना संभव नहीं है । प्राप्त रेफरेन्स विधिक रूप से दूषित होने से खारिज होने योग्य है । प्रार्थी के विरुद्ध विपक्षी ने एक आरोप

पत्र जारी किया तथा उस आरोप पत्र पर नियमानुसार जांच कार्यवाही की जाने के बाद ही प्रार्थी को सेवा पृथक किया गया है । प्रार्थी ने अपने क्लेम में जानबूझ कर इन तथ्यों का उल्लेख नहीं किया है क्योंकि उसका मकसद येन केन प्रकारेण गलत ढंग से रेफरेन्स कराकर विपक्षी को ब्लैकमेल करा अनुचित रूप से आर्थिक लाभप्राप्त करना रहा है । इसी कारण से जो रेफरेन्स पेश हुआ है, वह वेग है तथा उसमें सिर्फ इस बात का उल्लेख किया गया है कि क्या प्रार्थी द्वारा दि. 16-12-95 से 30-4-2000 की अवधि के 12 माह में 240 दिवस से अधिक नियोजन के बावजूद प्रार्थी को सेवा से बर्खास्त किया जाना वैध है ? स्पष्टत: दि. 16-12-95 से दिनांक 30-4-2000 तक की अवधि 12 माह की नहीं हुई थी तथा प्रार्थी सिर्फ 240 दिन कार्य किये जाने के आधार बना कर किसी भी तरह से विपक्षी से अनुचित रूप से आर्थिक लाभ प्राप्त करना चाहता है । प्रार्थी द्वारा दि. 30-4-2000 तक विपक्षी संस्थान में कार्य नहीं किया गया है वरन प्रार्थी को दि. 9-7-99 को सेवा से पृथक कर दिया गया था । प्रार्थी को विपक्षी ने कभी भी माईन्स आपरेटर के पद पर नियुक्ति नहीं दी । प्रार्थी को सर्वप्रथम 16-12-95 को बतौर ट्रेनी आपरेटर नियुक्त किया गया था-जो दो वर्ष के लिए थी । दोनों सालों की ट्रेनिंग की समाप्ति के बाद प्रार्थी को विपक्षी ने असिस्टेंट आपरेटर के पद पर बतौर प्रोबेशनर 6 माह के प्रोबेशन पीरियड हेतु नियुक्त किया था । प्रार्थी द्वारा प्रोबेशन के कार्यकाल के दौरान अनुचित आचरण किया गया-जिस कारण विपक्षी द्वारा प्रार्थी का प्रोबेशन पीरियड समय-समय पर बढाया जाता रहा तथा प्रार्थी को कभी किसी भी परमानेन्ट पद पर या माईन्स आपरेटर के पद पर कोई नियुक्ति विपक्षी द्वारा नहीं दी गई । पत्र दि. 2924 दि. 28-11-95 से माईन्स आपरेटर के पद पर प्रार्थी को नियोजित नहीं किया गया था । वरन इस पत्र द्वारा प्रार्थी की नियुक्ति बतौर ट्रेनी होकर ट्रेनी आपरेटर के पद पर 2 वर्ष की ट्रेनिंग हेतु की गई थी । प्रार्थी बिना किसी उचित कारण के व संस्थान के अधिकारियों की अनुमति लिए बिना अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने का आदी रहा तथा इस अनुपस्थिति के चलते विपक्षी द्वारा प्रार्थी के विरूद्ध नियमानुसार चार्जशीट जारी की जाकर घरेलू जांच की गई तथा जांच में हेबीच्युअल एबसेन्टीजम रहने का आरोप साबित पाये जाने से एवं प्रार्थी का विगत रेकार्ड को देखते हुए प्रार्थी को दि. 9-7-99 को सेवा पृथक किया गया है । संस्थान द्वारा दि. 11-4-98 से "डी" संवर्ग के रेगूलर श्रमिक की श्रेणी में नहीं लिया गया, न किसी तरह का कोई स्थाईकरण किया गया । प्रार्थी द्वारा जो वेज बोर्ड के प्रावधानों का उल्लंघन करने का उल्लेख किया गया है, वह गलत है तथा न्यायालय को विपक्षी के खिलाफ प्रीजोडयुस करने का प्रयास किया गया है । सेवा समाप्ति में नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन नहीं किया गया है । प्रार्थी द्वारा दि. 30-4-2000 को या अन्य किसी दिवस को संस्थान में किसी तरह का मेडिकल प्रमाण-पत्र नहीं दिया। प्रार्थी दि. 26-3-99 को दिन में 11.30 बजे संस्थान में ड्यूटी पर रहते हुए अचानक ही बिना किसी सूचना के काम छोड कर चला गया - जो पुन: कभी भी संस्थान में कार्य हेतु उपस्थित नहीं हुआ । प्रार्थी दि. 30-4-2000 को विपक्षी के नियोजन में नहीं रहा एवं विपक्षी द्वारा किसी तरह की कोई अनफेयर लेबर प्रेक्टिस नहीं की गई । मेडिकल सर्टीफिकेट पेश करने की बात मात्र आफ्टर थ्रोट है । प्रार्थी बेरोजगार नहीं होकर स्वनियोजित है । प्रार्थी ने 16-12-95 से 30-4-2000 तक कार्य नहीं किया तथा वह 26-3-1999 से ही संस्थान से अनुपस्थित हो गया । प्रार्थी के बिना अवकाश मंजूर कराये अनुपस्थित होने पर प्रार्थी को उपस्थिति बाबत जरिये रजिस्टर्ड ए.डी. सूचनाएं भेजी गई । इसके बाद दि. 13-5-99 को विपक्षी द्वारा प्रार्थी के विरूद्ध अनुचित रूप से अनुपस्थित रहने के संदर्भ में एक चार्जशीट जारी की गई - जो रजिस्टर्ड ए. डी. से प्रार्थी के बताये पते पर भिजवाये जाने पर पुन: लौट आई । इसके बाद यह चार्जशीट लोकल एरिया के अखबारों में प्रकाशित की गई एवं इसके बाद घरेलू जांच बिठायी जाने बाबत विपक्षी द्वारा लोकल एरिया के अखबारों में सूचना प्रकाशित करवाई गई । इसके बावजूद भी प्रार्थी जानबूझ कर अपने खिलाफ लगाये गये आरापों एवं बिठाई गई घरेलू जांच की सूचना के बावजूद कभी भी उपस्थित नहीं हुआ - जिसके फलस्वरूप घरेलू जांच एक तरफ की गई एवं जांच अधिकारी के घरेलू जांच की रिपोर्ट प्रबंधन को पेश किये जाने के बाद नियमानुसार प्रार्थी की सेवा दि. 9-7-99 को समाप्त कर दी गई तथा इस सेवा समाप्ति बाबत सूचना भी लोकल एरियाज के अखबारों में प्रकाशित करवा दी गई थी । इस कारण से प्रार्थी को स्पष्ट रूप से जानकारी दि. 26-3-99 के पश्चात् से ही प्रार्थी विपक्षी संस्थान में उपस्थित नहीं हुआ है तथा उसके विरूद्ध नियमानुसार घरेलू जांच बिठाई जाकर 9-7-99 को उसकी सेवाएं समाप्त की गई । विपक्षी द्वारा जो दुराचरण बाबत कार्यवाही की गई है, वह कानून सम्मत होकर नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप की गई है तथा जिस तरह का व्यवहार एवं आचरण प्रार्थी द्वारा किया जाता रहा, उस संदर्भ में प्रार्थी पुन: नियोजन पाने का हकदार नहीं है । संस्थान द्वारा सीमेंटवेज बोर्ड फीटमेंट एरियर आर्बीट्रेशन आदि के सिद्धांतों का उल्लघंन नहीं किया गया है । सीमेंट वेज बोर्ड फिटमेंट एरियर आर्बीट्रेशन आदि के जो तथ्य हैं, वे वर्तमान संदर्भ में रेफरेन्स के परे हैं तथा इनका प्रार्थी की सेवा समाप्ति से एवं प्रार्थी के वर्तमान प्रकरण से किसी तरह का संबंध नहीं है । प्रार्थी मात्र 240 दिनों के कार्य के आधार पर पुन: सेवा में आना चाहता है जो संभव नहीं है, क्योंकि प्रार्थी के खिलाफ दुराचरण बाबत चार्जशीट जारी की जाकर विधिक रूप से घरेलू जांच में आरोप सिद्ध होने पर प्रार्थी की सेवाएं समाप्त की गई है । अत: क्लेम खारिज होने योग्य है । "विशेष उत्तर" में जाहिर किया गया कि प्रार्थी का स्टेटमेंट ऑफ क्लेम सिर्फ प्रार्थी के विधिक सलाहकार/पैरवी करने वालों द्वारा विपक्षी को ब्लैकमेल करने के कार्य में प्रार्थी को अनुचित रूप से सहयोग प्रदान करने हेतु गढा गया है । प्रार्थी के हस्ताक्षर प्रत्येक पृष्ठ पर दाएं हाथ की तरफ सबसे नीचे किये गये तथा सत्यापन के पृष्ठ पर भी राम विलास जाट के 2 जगह हस्ताक्षर सत्यापन के काफी नीचे दाएं हाथ की तरफ किये गये हैं । स्पष्टत: प्रार्थी के हस्ताक्षर खाली कागजों पर लिये जताकर विपक्षी को ब्लैकमेल करने की नियत मात्र से वर्तमान क्लेम गढ कर न्यायालय में पेश किया है । इन्हीं तथ्यों से प्रार्थी का अनुचित आचरण स्पष्ट होता है । प्रार्थी के विरूद्ध दि. 13-5-99 को आरोप पत्र दिया गया-जिसे प्रार्थी द्वारा संस्थान में लिखाये गये स्थायी पते पर भेजी गई जो प्राप्तकर्ता नहीं मिला इस पृष्ठांकन के साथ लौट आई । इस कारण से विपक्षी द्वारा नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों की पालना करते हुए संपूर्ण चार्जशीट लोकल एरिया के अखबारों में

प्रकाशित करवाई गई थी । प्रकाशन के पश्चात् भी प्रार्थी संस्थान में न तो उपस्थित हुआ, न अपना स्पष्टीकरण पेश किया। तत्पश्चात् दिनांक 22-5-99 को जांच कार्यवाही का गठन किया गया एवं एच. डी. माथुर, वरिष्ठ प्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन) को जांच अधिकारी नियुक्त किया जाकर इस बाबत सूचना प्रार्थी को प्रेषित की गई तथा नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों की पालना करते हुए जांच कार्यवाही की सूचना लोकल एरिया के अखबारों में प्रकाशित करवाई गई । इसके बाद नियमानुसार जांच कार्यवाही संपादित की गई – जिसमें प्रार्थी सम्यक रूप से सूचना प्राप्त होने के बाद भी उपस्थित नहीं हुआ एवं एक तरफा जांच कार्यवाही संपन्न की गई । जांच अधिकारी द्वारा दिनांक 30-6-99 को अपनी जांच रिपोर्ट पेश की गई एवं इस जांच रिपोर्ट को कंसीडर करने के बाद प्रार्थी के विगत अभिलेख को देखते हुए प्रार्थी को दिनांक 9-7-99 को सेवा पृथक कर दिया गया । प्रार्थी की सेवा समाप्ति बाबत सूचना भी लोकल एरिया के अखबारों में प्रकाशित करा दी गई थी । प्रार्थी गैर-कानूनी रूप से काम करने याने ड्रग स्मगलिंग/ट्रेफिकिंग का अपना एक गिरोह होकर प्रार्थी श्रमिक अफीम एवं अफीम से निर्मित वस्तुओं की स्मगलिंग एवं ट्रेफिकिंग के कार्य में लिप्त रहा है । माह अप्रैल में प्रकाशित विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के हैडिंग निम्न अनुसार रहे हैं—अफीम तस्करों का संगठित तंत्र सक्रिय "छोटी सादडी" के 3 अफीम तस्कर गिरफ्तार, सरगना व अन्य की तलाश" इन न्यूज आईटम्स में इस बात की भी स्पष्ट उल्लेख किया गया है "पुलिस प्रमुख रूप से राम विलास जाट एवं अंबा लाल चौधरी की तलाश कर रही है जो मुख्य रूप से इस वारदात में लिप्त रहे हैं ।" "राम विलास जाट का मुख्य धंधा अफीम पहुंचाने का है, वह लि. जिले की एक सीमेंट फैक्ट्री में काम करता है ।" "प्रात: काल दैनिक अखबार ने बताया कि तस्करी की गेंग का मुखिया राम विलास चौधरी, निवासी-रम्भावली का है – जो दिखावे के तौर पर आदित्य सीमेंट फैक्ट्री में कार्य करता है ।" इन न्यूज आईटम को पढ़ने पर विपक्षी को गहरा धक्का लगा तथा विपक्षी की रेपुटेशन खराब हुई है । इन परिस्थितियों में प्रार्थी ने विपक्षी का विश्वास खो दिया है । प्रार्थी मोरल टरपिट्युट की श्रेणी में आने वाले दुराचरणों में लिप्त रहा है । प्रार्थी को किन्हीं भी परिस्थितियों में कार्य पर लिया जाना संभव नहीं है । यदि प्रार्थी को कार्य पर लिया जाता है तो संस्थान के औद्योगिक वातावरण पर दूरगामी विपरीत प्रभाव पड़ेगा। रेफरेन्स में एक्जीक्यूटिव प्रेसीडेंट, मै. आदित्य सीमेंट, सावा, शंभुपुरा को पार्टी बनाया गया है, लेकिन इस न्यायालय में प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत क्लेम में प्रबंधक, आदित्य सीमेंट वर्क्स, ग्रेसीम इंडस्ट्री, आदित्यपुरम, सावा, शंभुपुरा के नाम से पेश किया गया है । ऐसी स्थिति में प्रार्थी ने जानबूझकर गलत पार्टी बनाई है । प्रार्थी ने अपना जो पता दिया है, वह भी सही नहीं दिया है। प्रार्थी का स्टेटमेंट ऑफ क्लेम निरस्त करने की प्रार्थना की गई ।

5. इस न्यायालय द्वारा आदेश दिनांक 30-3-2007 के द्वारा प्रार्थी के विरुद्ध की गई घरेलू जांच को उचित एवं वैध माना गया ।

6. उभय पक्ष ने लिखित बहस पेश की । पत्रावली का अवलोकन किया गया ।

7. प्रार्थी की ओर से दिनांक 6-2-2009 को लिखित बहस पेश कर जाहिर किया गया कि अनावेदक के विभागीय जांच में प्रस्तुत दस्तावेज पत्रांक 117 दिनांक 5-4-99 से प्रबंधन डिप्टी मैनेजर एस. के. शर्मा ने प्रार्थी को दिनांक 27-3-99 से अनुपस्थित हेतु पत्र जारी किया है । आरोपण चार्जशीट में नियोजक ने दिनांक 26-3-99 लिखा है, जबकि उक्त तिथि के कार्य दिवस में प्रार्थी उपस्थित रहा है । जो कि जांच के विरोधाभास तथ्य है । आरोपण-पत्र में कार्य से अनुपस्थित होने पर दिनांक 2-4-99 को कार्य पर उपस्थिति का नोटिस दिया गया, जबकि दंडादेश में दिनांक 1-4-99 को पत्र जारी होना अंकित है, अनुपस्थिति हेतु नियोक्ता ने स्टेंडिंग आर्डर की धारा 20(2) में 10 दिवस अनुपस्थिति होने पर नियमों के अनुरूप कदाचरण माना गया है, जबकि श्रमिक के विरुद्ध जांच दिवस में दंडात्मक कार्यवाही के परिपत्र जारी कर अनुशासनात्मक विभागीय जांच की गई है, जबकि दिनांक 2-4-99 को जारी अनुपस्थिति संबंधी नोटिस की सूचना की श्रमिक को कोई पत्र जारी नहीं कर उक्त आरोपण को सही मानना विभागीय जांच अनफेयर प्रक्रिया का भाग है—जिससे विद्वेषतापूर्वक सेवा पृथक किया गया है । प्रार्थी की आरोपण-पत्र में स्थायी आदेश की धारा 20(82) आरोप शिकायत की प्रथम दृष्ट्या स्पष्टीकरण जानकारी श्रमिक को नहीं देकर जांच एक पक्षीय करना अनुचित होकर नोटिस नहीं देना अवैध होकर प्रमाणित नहीं है। नियोजक ने कर्मकार के सेवा नियोजन में विभागीय जांच में अनुशासनहीनता एवं दुर्व्यवहार के आरोपण का कोई प्राथमिक शिकायत बुनियादी आधार पेश नहीं हुआ है, किन्तु जांच कार्यवाही में उसे पुष्टिकारक तथ्य मानना द्वेशतापूर्ण कार्य है । आरोप पत्र एवं उस पर हुई जांच कार्यवाही एवं पक्षकारान की ओर से पेश किये गये अभिवचनों में तथा घरेलू जांच की वैधता के संबंध में पारित किये गये आदेश में आरोप-पत्र में वर्णित अनुसार विपक्षी को कितनी आर्थिक एवं उत्पादन की हानि हुई, इस बारे में कोई तथ्य एवं विवरण न्यायालय के समक्ष पेश नहीं हुए हैं । जो कि मामले में प्रार्थी के विरुद्ध पारित दंडादेश की मात्रा उचित होने अथवा नहीं होने के बिन्दु को अधिनिर्णित करने के लिए आवश्यक है तथा उक्त तथ्य एवं विवरण मामले में साक्ष्य लेखबद्ध होने पर ही प्रकट हो सकते हैं । प्रार्थी को दिये गये आरोप-पत्र में वर्णित अनुसार पक्षकारों के अभिवचनों में घरेलू जांच कार्यवाही में यह तथ्य साबित नहीं हुआ कि आरेप-पत्र में आरोपित लापरवाही के कारण गणनात्मक क्षति एवं नुकसान हुआ हो, तथा अपराध आरोपण की एफ.आई.आर. एवं विचारणीय न्यायालय द्वारा अपराध सिद्ध नहीं हुआ है । उसका विवरण जांच पत्रावली एवं न्यायालय के दस्तावेज से प्रकट नहीं हुआ है । आरोपित आरोपों के मुकाबले में प्रार्थी की प्रदत्त सजा दंडादेश की कठोरता का बिन्दु भी पक्षकारों की साक्ष्य लेखबद्ध की जाकर ही निर्णित हो सकता है । औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 11-ए के अनुसार विभागीय जांच फेयर मान लिये जाने की दशा में भी प्रार्थी रेफरेन्स में अंकित विवाद के समुचित निस्तारण के लिए साक्ष्य पेश करने का अवसर दिया जाना न्यायोचित एवं विधि सम्मत है। प्रार्थी के विरुद्ध विपक्षी की विभागीय जांच के अवलोकन में प्रक्रिया जांच कार्यवाही के तथ्यात्मकता में विधिक अनियमितता होकर कार्यवाही में प्रस्तुत गवाह एवं दस्तावेज से विभागीय जांच विद्वेषतापूर्ण बाहरी दबाव

एवं आपराधिक आरोपण के प्रमाणिकता को साक्ष्य पेश नहीं होने से विधि के प्रतिकूल है—जिससे साक्ष्य की प्रार्थना करता है । विभागीय जांच के आधार पर प्रार्थी को दी गई सजा में न्यायालय द्वारा हस्तक्षेप किया जा सकता है । इसके लिए मामले के सम्यक निस्तारण के लिए साक्ष्य पेश करने का अवसर प्रदान कराया जाना आवश्यक है। मामले के सम्यक निस्तारण के लिए श्रमिक की पारिवारिक परिस्थिति को ध्यान में रखा जाना भी आवश्यक है, यह जानकारी साक्ष्य पेश होने पर ही प्रस्तुत होकर प्रगटीकरण हो सकती है। उपरोक्त वर्णित मामले में गुणावगुण पर अंतिम बहस सुनने से पूर्व प्रार्थी को अपनी साक्ष्य पेश करने का अवसर दिया जाना न्यायोचित एवं आवश्यक है। प्रार्थी की ओर से प्रस्तुत साक्ष्य के खंडन में विपक्षी चाहे तो वह भी अपनी ओर से साक्ष्य पेश करने के लिए स्वतंत्र है। विपक्षी ने प्रार्थी पर माईनर आरोपण की शिकायत होने पर भी पत्रावली में जांच अधिकारी ने प्रबंधन के दबाव में मेजर दंडादेश की कार्यवाही है। प्रार्थी के विरुद्ध नियोजक द्वारा जांच कार्यवाही में शिकायतकर्त्ता तथा प्रबंधन कार्यवाही के तथ्यों में भिन्नता है। प्रार्थी के विरुद्ध जांच अधिकारी ने साधारण पत्र क्रमांक 1680 दिनांक 17-6-99 को जारी किया जिसमें अंकित किया गया कि दिनांक 15-6-99 को विभागीय जांच कार्यवाही एक पक्षीय किया गया, जबकि विभागीय जांच आदेशिका में प्रोसीडिंग टिप्पणी नहीं की गई है। जांच कार्यवाही प्रोसीडिंग में दिनांक 17-6-99 को सूचना जो जांच प्रबंधन ने जारी किया गया जो पुनः वापस लौट कर दिनांक 26-6-99 को प्राप्त हुआ है, विभागीय जांच अधिकारी के सम्मन पुनः लौटने तथा नोट डिलिवर्ड की प्रतीक्षा के जांच अधिकारी ने एक दिवस पहले ही काल्पनिकता के कर्मकार की अनुपस्थिति मान कर जांच कार्यवाही समाप्त करना जांच कार्यवाही को दूषित करना माना जाकर विद्वेषतापूर्ण कार्य है, में सेवा पृथक करना विधि विरुद्ध है। प्रार्थी के विरुद्ध विपक्षी ने दिनांक 3-6-99 के अखबार में सूचना पत्रांक पर प्रदर्श -डी. 1 पर दिनांक 15-6-99 अंकित है, जबकि दिनांक 15-6-99 की प्रोसिडिंग में दोनों पक्ष प्रबंधक तथा प्रार्थी को उपस्थित हेतु तथा अगली सुनवाई का अवसर की कार्यवाही अंकित की गई। इसके अतिरिक्त दि. 27-5-99 के उपस्थिति हेतु सूचना पत्रांक श्रमिक को नहीं मिलने पर डाक विभाग ने दिनांक 3-6-99 तक डाकघर में वितरण डाक हेतु पेंडिंग रहा तथा पुनः लौटकर बाद में आया है, जबकि उक्त दस्तावेज प्रबंधन ने दिनांक 3-6-99 को एक्जूविट किया जाना अंकित है, जबकि दिनांक 3-6-99 की विभागीय जांच नहीं होने के बावजूद भी दस्तावेज पेश करना प्रबंधन एवं जांच अधिकारी की जांच कार्यवाही को दूषित करने का कृत्य है। विपक्षी प्रबंधक ओ.पी.शाह ने पत्र क्रमांक 743 दिनांक 4-5-99 के द्वारा प्रार्थी को दिनांक 27-3-99 को अवकाश प्रार्थना पत्र बिना अनुपस्थिति का जारी किया है, जबकि ओ.पी.शाह ने चार्जशीट आरोपण निर्धारण कार्यवाही में प्रार्थी को दिनांक 26-3-99 को अनुपस्थित माना है तथा आरोप-पत्र जारी किया गया है। दोनों ही पत्रों को नियोक्ता सुप्रीम ओथोरिटी द्वारा पेश करने के तथ्यों से जांच अधिकारी की निष्पक्षता संदिग्ध मानी जाती है तथा जांच को प्रभावित कर दूषित किया जाने के तथ्यों की प्रमाणिकता मानी जाने से जांच पक्षपातपूर्ण विद्वेषता की कार्यवाही होने से दूषित घोषित करने की प्रार्थना करता है। प्रार्थी के विरुद्ध विपक्षी जांच दिनांक 3-6-99 को प्रथम मीटिंग जांच कार्यवाही में डी.ई.ओ. ने प्रार्थी की अनुपस्थिति के कारण जांच कार्यवाही स्थगित की प्रोसीडिंग जारी की गई है तथा प्रबंधन प्रतिनिधियों को प्रोसीडिंग से निर्देशित किया गया है कि आगामी सुनवाई तिथि को अपने पक्ष में प्रस्तुत किया जानें वाले दस्तावेज एवं साक्ष्य की सूची पेश करें तथा जांच प्रक्रिया संबंधी जानकारी दोनों पक्षकारों की उपस्थिति में ही संपन्न की जायेगी, लेकिन जांच प्रोसीडिंग एवं अन्य प्रस्तुत दस्तावेजात में जांच अधिकारी द्वारा दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर उन्हें प्रबंधन के दबाव में उसी तिथि 3-6-99 को एक्जूविट दर्शाना तथा उन पर पक्षपातपूर्ण स्वीकृति प्रदान किया जाना नैसर्गिक न्याय की कार्यवाही को दूषित कर पारदर्शिता समाप्त की गई है, जो विद्वेषतापूर्ण कार्यवाही है। जांच अधिकारी ने दिनांक 3-6-99 को जांच अधिकारी ने प्रबंधन प्रतिनिधियों को जांच में प्रार्थी को समुचित अवसर देकर नैसर्गिकता के अनुरूप सूचित हेतु राज्य स्तर के दोनों समाचार पत्रों में समाचार सूचना प्रसारित का आदेश दिया है, जबकि विपक्षी ने दिनांक 15-6-99 को दोनों समाचार पत्रों में समाचार नहीं दिया है तथा डी.ई.ओ. जांच अधिकारी के प्रोसिडिंग आदेश की पालना नहीं कर नैसर्गिक न्याय का जांच प्रोसीडिंग में रेफरेन्स देकर अनुपालन नहीं कर विभागीय जांच को प्रभावित किया गया जिससे जांच प्रक्रिया अपूर्ण अनुचित दबाव की विद्वेषतापूर्ण कार्य है जिसे निरस्त किया जाये । विभागीय जांच के दिनांक 15-6-99 की प्रोसीडिंग में प्रबंधन प्रतिनिधि एस. के. शर्मा द्वारा प्रतिनिधि प्रबंधन अधिकार पत्र पेश किया गया है तथा जांच में दस्तावेज पेश हुए हैं, जबकि दस्तावेजों परपूर्व जांच की दिनांक 3-6-99 का अंकित होना जांच पर दुराशयतापूर्ण जांच प्रभावित करना प्रमाणित होता है- जो द्वेषतापूर्ण अनफेयर लेबर कार्यवाही होने से जांच की दूषित कार्यवाही है । दिनांक 15-6-99 को आगामी जांच कार्यवाही 25-6-99 को निश्चित की गई तथा उसमें सभी पदों को सूचित हो लिखना गलत है क्योंकि श्रमिक अनुपस्थित है । दिनांक 15-6-99 को प्रबंधन ने गवाह पेश की गई है व गवाहों के जिरह में पेश हेतु प्रार्थी का उपस्थित होना आवश्यक होने के बावजूद जांच में भाग लेने वाले गवाह के कोई हस्ताक्षर नहीं है, उसे पृथक रूप से निर्मित किया गया है । जांच दिनांक 15-6-99 को प्रबंधन प्रतिनिधि एस.के. शर्मा ने उन्हें प्रबंधक द्वारा दिनांक 26-5-99 को प्रतिनिधि होना अंकित करता है उसी प्रोसिडिंग में प्रबंधक प्रतिनिधि एस.के. शर्मा उसे दिनांक 22-5-99 के आदेशानुसार प्रबंधक प्रतिनिधि होना स्वीकार करता है । दोनों ही विरोधाभास है । दि. 25-6-99 को जांच कार्यवाही आदेशिका में प्रार्थी के विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही का आदेश दिया गया तथा प्रबंध न जिरह के बाद जांच कार्यवाही एक तरफा को समाप्त कर दिया गया है । जांच अधिकारी ने दिनांक 25-6-99 की प्रोसीडिंग में दिनांक 17-6-99 की सूचना पत्रक पुनः लौट कर दिनांक 26-6-99 को प्राप्त हुआ है, जांच सूचना के नोटिस पुनः प्राप्त होने की इंतजार किये बिना ही जांच प्रक्रिया में एक तरफा निर्णय करना समुचित अवसर उपलब्ध नहीं कराया गया है, जो विधि विरुद्ध है । प्रार्थी के विरुद्ध विपक्षी के जांच अधिकारी ने 25-6-99 को ही जांच समाप्त की है । जांच प्रतिवेदन निष्कर्ष जांच अधिकारी ने नियोजक को कब पेश किया, अनुशासनिक दंडादेश ओथोरिटी एक्जूकेटिव प्रेसीडेंट द्वारा जारी किया गया- जो विधि के प्रतिकूल है । अनुशासनिक अधिकारी ने निर्णय दंडादेश के तहत जांच समाप्ति दिनांक 25-6-99 को पेश

माना है तथा जांच प्रस्तावित दिनांक 22-5-99 को माना गया है जो दंडादेश सेवा समाप्ति आदेश में दिनांक 26-5-99 का अंकित किया जाना अवैध होकर विधि विरुद्ध अनुशासनिक अधिकारी ने उन्हें जांच निष्कर्ष प्रस्तुत होने की कोई जानकारी रेफरेन्स दंडादेश में नहीं है। प्रबंधन शिकायतकर्ता प्रतिनिधि एस.के. शर्मा ने प्रार्थी को दिनांक 27-3-99 से कार्य पर उपस्थित नहीं होने का नोटिस पेश किया है-जो जांच प्रोसिडिंग में पेश है, जबकि अनुशासनिक अधिकारी अधिशाषी अध्यक्ष सुप्रीम ओथोरिटी ने अनुशासनिक कार्यवाही में दिनांक 26-3-99 से अनुपस्थिति को आधार मान कर दंडादेश जारी किया है। अनुशासनिक अधिकारी कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा दंडादेश दिनांक 9-7-99 से सेवा समाप्ति की गई है, जबकि दस्तावेज पर निर्णय दिनांक 5-7-99 अंकित है। जांच अधिकारी ने जांच प्रतिवेदन निष्कर्ष की सूचना प्रार्थी को नहीं दी-जिससे उसके विरुद्ध जांच कार्यवाही अपील का मानवीय अधिकार समाप्त किया गया है। जांच निष्कर्ष में समुचित कारण नहीं है। जांच अधिकारी द्वारा जांच रिपोर्ट दिनांक 30-6-99 को वाईस प्रेसीडेंट ओ.पी. शाह को पेश की गई है, जबकि कार्यकारी अध्यक्ष के.सी. झंवर ने दंडादेश पारित किया जाकर दिनांक 9-7-99 को ही भूतलक्षी प्रभाव से बिना जांच निष्कर्ष प्रतिवेदन के रोबोट प्रणाली से सेवा समाप्ति का ओदश जारी किया गया है। प्रार्थी को विपक्षी ने उनके पत्रांक 2200 दिनांक 10-7-99 सेवा समाप्ति नोटिस पेश किया गया है-जिसमें जांच कार्यवाही आदेश दिनांक 22-5-99 के निर्देश से की गई है, जबकि जांच पत्रावली के अवलोकन से जांच अधिकारी एच.डी. माथुर तथा प्रबंधन प्रतिनिधि एस.के शर्मा ने दिनांक 26-5-99 के प्रबंधन निर्देशानुसार जांच प्रारंभ की जाना स्वीकार तथ्य है। सेवा समाप्ति दंडादेश एवं जांच प्रतिवेदन में परस्पर विपरीत तथ्य पेश हुए हैं। प्रार्थी को विपक्षी ने विभागीय जांच दंडादेश से दिनांक 10-7-99 को सेवा समाप्ति आदेश ओ.पी. शाह, उपाध्यक्ष माईन्स से पेश हुआ है तथा अखबार के दस्तावेज में विभागीय जांच का निर्देश दिनांक 26-5-99 अंकित हुआ है तथा अखबार में सेवा समाप्ति प्रकाशन के पश्चात् दिनांक 13-7-99 को अखबार में संशोधन पेश हुआ है-जिसमें दिनांक 26-5-99 को 22-5-99 पढ़ा जावे अंकित किया गया है। पूरी विभागीय जांच कार्यवाही होने तथा दंडादेश से सेवा समाप्ति के आदेश जारी होने के पश्चात् संशोधन करना अनफेयर विधि के प्रतिकूल कार्यवाही प्रार्थी का स्टेटमेंट आफ क्लेम निरस्त करने की प्रार्थना की गई।

8. दिनांक 6-2-09 को विपक्षी की ओर से लिखित बहस पेश कर जाहिर किया गया कि प्रार्थी के विरुद्ध की गई घरेलू जांच को इस न्यायालय द्वारा फेयर घोषित किया गया है एवं वर्तमान स्टेज पर प्रकरण में मात्र धारा 11-ए के तहत प्रकरण को अंतिम रूप से निस्तारित करना है। घरेलू जांच कार्यवाही में प्रार्थी पर जो आदतन रूप से अवैधानिक अवकाश पर रहने का चार्ज लगाया गया था, वह संपूर्ण रूप से सिद्ध हुआ है। प्रार्थी को घरेलू जांच की विभिन्न स्टेजों की सूचना जरिये रजिस्टर्ड ए.डी. एवं जरिये अखबार में पब्लिकेशन के समय-समय पर दी जाती रही। प्रार्थी बिना किसी उचित कारण के बिना किसी सूचना के जांच कार्यवाही में उपस्थित नहीं हुआ। जांच कार्यवाही में प्रार्थी के विरुद्ध विपक्षी द्वारा पेश किये गये दस्तावेजी व मौखिक साक्ष्य से प्रार्थी का गंभीर दुराचरण का दोषी होना पाया गया है। धारा 11-ए औ.वि.अधि. के तहत उपलब्ध शक्तियों के संदर्भ में 1994[2]डब्ल्यू.एल.सी.[राज.] पेज 340 [डी.बी.] व 1993[2] डब्ल्यू.एल.सी. [राज.] पेज 202 [डी.बी.] उल्लेखनीय है-जिनमें माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा यह सिद्धांत प्रतिपादित किया गया है कि मात्र हाईली डिसप्रपोशनेट पनिशमेंट होने पर ही धारा 11 में वर्णित शक्तियों का उपयोग किया जा सकता है। दृष्टांत 2003 [1] सी.एल.आर.पेज 825 [एस.सी.] में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा यह सिद्धांत प्रतिपादित किया गया है कि यूनियन के सक्रिय सदस्य एवं मेनेजमेंट के मध्य स्ट्रेन्ड रिलेशनशिप होने के आधार पर विक्टिमाईजेशन का इन्फरेन्स नहीं डा किया जा सकता है और साथ-साथ यह सिद्धांत भी प्रतिपादित किया गया है कि सिद्ध दोष विक्टिमाईजेशन की प्लीडिंग के एन्टीथिसिस है याने कि दोष सिद्ध होने पर विक्टिमाईजेशन का बिन्दू स्वयंमेव समाप्त हो जाता है। दृष्टांत 1998 [II] सी.एल.आर.पेज 1070 [एस.सी.] में माननीय उच्चतम न्यायालय ने यह सिद्धांत प्रतिपादित किया है कि सजा दिया जाना डिसीप्लेनरी ओथोरिटी के अधीन है तथा जब तक पनिशमेंट शोकिंगली डिसप्रपोशनेट नहीं हो डिसिप्लेनरी ओथोरिटी द्वारा दिये गये पनिशमेंट में इंटरफियर नहीं किया जा सकता है। दृष्टांत 2006 एल.एल.आर. पेज 657 [एस.सी] में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा यह सिद्धांत प्रतिपादित किया गया है कि जांच कार्यवाही के फेयर, प्रोपर डिक्लेयर किये जाने के बाद धारा 11 ए के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग नहीं किया जा सकता है। विधि दृष्टांत 2005 [1] सी.एल.आर.पेज 959 [एस.सी.] में उच्चतम न्यायालय द्वारा यह न्यायिक सिद्धांत प्रतिपादित किया गया है कि घरेलू जांच कार्यवाही के फेयर होने पर दुराचरण को सिद्ध माना जायेगा और धारा 11 ए के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग नहीं किया जा सकता है। दृष्टांत 1997 [1] सी.एल.आर.पेज 659 [एस.सी.] में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा यह सिद्धांत प्रतिपादित किया गया है कि धारा 11 ए के तहत माननीय न्यायालय को बहुत ही सीमित स्कोप आफ इंटरफियरेंस उपलब्ध है तथा धारा 11ए के तहत प्रदत्त शक्तियां केवल मात्र घरेलू जांच के अनफेयर होने की स्थिति में ही काम में ली जा सकती है। इसी तरह का सिद्धांत माननीय उच्चतम न्यायालय ने न्यायिक दृष्टांत 2006 एल.एल.आर. पेज 1267 [एस.सी.], 2006 एल.एल.आर.पेज 706 [देहली] [डी.बी.] 2006 एल.एल.आर. पेज 406 [एस.सी], ए.आई.आर. 2005 [एससी] पेज 584 व 2005 एल.एल.आर.पेज 360 [एस.सी] में प्रतिपादित किये गये हैं। हस्तगत प्रकरण में सभी न्यायिक दृष्टांतों में प्रतिपादित सिद्धांत संपूर्ण रूप से लागू होते हैं। हस्तगत प्रकरण में प्रार्थी की ओर से जिस तरह से आदतन रूप से अनाधिकृत गैर हाजिरी का गंभीर दुराचरण पारित किया गया है उस आधार पर प्रार्थी किसी भी तरह की कोई राहत प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है। विपक्षी संस्थान में लागू प्रमाणित स्थायी आदेशों में भी इस तरह का दुराचरण गंभीर दुराचरण है तथा प्रार्थी को जो दंड दिया गया है, वह न तो शोकिंगली डिसप्रोशनेट एवं न गलत है। प्रार्थी ने इस तरह का कोई सरकमस्टान्स नहीं बताया है-जिसमें प्रार्थी के विरुद्ध नरमी का रुख अपनाया जा सके। घरेलू जांच में स्ट्रीक्ट रूल आफ एविडेंस लागू नहीं होता है तथा माननीय न्यायालय द्वारा मात्र

नो एविडेन्स के प्रकरण में ही सफीसेन्सी आफ एवीडेंस के बिन्दू को कंसीडर किया जा सकता है । घरेलू जांच में हीयर से एविडेंस भी आरोपी के खिलाफ उपयोग में लाई जा सकती है । यह विधिक सिद्धांत माननीय उच्चतम न्यायालय की पूर्ण पीठ ने न्यायिक दृष्टांत ए.आई.आर. 1977 एस.सी.पेज 1512, ए.आई.आर. 1996 एस.सी.पेज 2412 व 1999 [1] डब्ल्यू.एल.सी.[राज.] पेज 393 में प्रतिपादित किया है । हस्तगत प्रकरण में जांच पत्रावली पर जो साक्ष्य उपलब्ध है, वह प्रार्थी पर लगाये गये दुराचरणों को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त है । साक्ष्य के आधार पर जांच की फाईडिंग्स एवं डिस्पलीनेरी आथोरिटी द्वारा पारित किये गये आदेश में हस्तक्षेप किये जाने का कोई आधार प्रार्थी के पास नहीं है । प्रबंधन ने प्रार्थी में विश्वास खो दिया है और उसने ऐसा कृत्य किया है जो किन्हीं भी परिस्थितियों में टोलरेबल नहीं है । इसलिए प्रार्थी को रीइनस्टेट करने से विपक्षी के ऊपर बिना किसी वजह से प्रार्थी को थोपना होगा–जिसमें कंपनी ने विश्वास खो दिया है । रिइनस्टेट के बारे में न्यायिक विनिश्चय 2003 [3] डब्ल्यू.एल.सी. [राज.] पेज 564, 2004 [3] डब्ल्यू.एल.सी.[राज.] पेज 140 उल्लेखनीय है । आदतन अवैध गैर हाजरी गंभीर दुराचरण है तथा इस आधार पर सेवासमाप्ति डिस्प्रपोशनेट नहीं मानी जा सकती है । इस संबंध में न्यायिक विनिश्चय 2000 [1] सी.एल.आर. पेज 545 [बाम्बे] 2000 [1] सी.एल.आर. पेज 536 [देहली], 2001 [III] सी.एल. आर.पेज 976 [गुजरात], 2007 [III] सी.एल.आर. पेज 446 [बाम्बे], 2007 [III] सी.एल. आर. पेज 632 [बोम्बे], 2007 [III] सी.एल. आर.पेज 769 [मद्रास] व 2006 [III] सी.एल.आर. पेज 677 [पंजाब एंड हरियाणा] उल्लेखनीय है । जो रेफरेन्स प्राप्त हुआ है, उसमें निम्न दो बिन्दु हैं—

(अ) क्या प्रार्थी द्वारा दिनांक 16-12-95 से 30-4-2000 तक विपक्षी संस्थान में कार्य किया गया और 30-4-2000 से पूर्व प्रत्येक 12 माह में 240 दिन एवं उससे अधिक कार्य किया गया?

(ब) क्या प्रार्थी को विपक्षी द्वारा सेवा से मुक्त किया जाना विधि सम्मत है?

बिन्दू सं. के संबंध में जाहिर किया गया कि क्लेम प्रार्थनापत्र में वर्णित तथ्यों को साबित करने का भार प्रार्थी पर होता है । प्रार्थी द्वारा हस्तगत प्रकरण में इस तरह की कोई साक्ष्य मान. न्यायालय में पेश नहीं की गई है-जिससे यह साबित हो सके कि प्रार्थी दिनांक 16-12-95 से 30-4-2000 तक विपक्षी संस्थान में निरंतर रूप से कार्यरत रहा हो और दिनांक 30-4-2000 से पूर्व प्रत्येक 12 माह में प्रार्थी द्वारा 240 दिन से अधिक कार्य किया गया हो । वस्तुत: पत्रावली पर जो रिकार्ड उपलब्ध है, उससे यह स्पष्ट है कि प्रार्थी दिनांक 26-3-99 से विपक्षी संस्थान से पूर्व सूचना अनुमति के अनुपस्थित हो गया–जिस पर विपक्षी द्वारा नियमानुसार आरोप पत्र जारी कर जांच कार्यवाही की गई और जांच कार्यवाही सम्पन्न करने के बाद प्रार्थी की सेवाएं दिनांक 9-7-99 के आदेश से समाप्त कर दी गई । स्पष्ट रूप से प्रार्थी दिनांक 30-4-2000 तक विपक्षी संस्थान में कार्यरत नहीं रहा है । बिन्दू सं. (ब) के संबंध में जाहिर किया गया कि न्यायालय के समक्ष निस्तारण हेतु जो रेफरेन्स भेजा गया है, उस रेफरेन्स में प्रार्थी की सेवा मुक्ति की कोई दिनांक अंकित नहीं है । न्यायालय का क्षेत्राधिकार एवं श्रवणाधिकार रेफरेन्स से बंधा हुआ एवं रेफरेन्स से परे जाकर माननीय न्यायालय से प्रार्थी किसी भी तरह का कोई रिलीफ प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है । वर्तमान रेफरेन्स में चूंकि प्रार्थी की सेवा मुक्ति की दिनांक अंकित नहीं है । इस कारण से रेफरेन्स इसी बिन्दू पर खारिज होने योग्य है । इस संबंध में न्यायिक विनिश्चय 2002 [III] डब्ल्यू.एल.सी.[राज.] पेज 67, 2003 [यू.सी.] डब्ल्यू. एल.सी. [राज.] पेज 424 उल्लेखनीय है । प्रार्थी श्रमिक कोई राहत प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है ।

9. प्रार्थी ने अपनी लिखित बहस में जांच कार्यवाही उचित एवं वैध नहीं होने तथा साक्ष्य के लिए अवसर दिया जाना चाहिए बाबत तर्क पेश किये, लेकिन प्रार्थी के द्वारा दिये गये तर्क स्वीकार्य योग्य नहीं हैं । चूंकि जांच कार्यवाही पूर्व में ही उचित एवं वैध घोषित की जा चुकी है तथा न्यायालय आदेश के द्वारा जांच पत्रावली पर आई साक्ष्य से ही प्रकरण का निस्तारण धारा 11-ए औ. वि.अधिनियम के अनुसार किये जाने का आदेश दिनांक 28-11-08 को पारित किया जा चुका है । अत: प्रार्थी ने इन दोनों बिन्दुओं पर तर्क प्रस्तुत किये हैं, उनमें कोई बल नहीं पाते हैं । यदि प्रार्थी इन आदेशों से रुष्ट था तो वह इसको माननीय उच्च न्यायालय में आक्षेपित कर सकता था ।

10. यहां सर्वप्रथम यह देखा जाना है कि हस्तगत प्रकरण में दिनांक 30-3-07 के आदेश के द्वारा जांच कार्यवाही को उचित एवं वैध घोषित किया जा चुका है। यह प्रकरण पदच्युत किये जाने से संबंधित है । अत: धारा 11-ए औ.वि. अधि. के प्रावधान लागू होते हैं अथवा नहीं? विपक्षी की ओर से प्रस्तुत लिखित बहस में 2006 एल. एल.आर.पेज 657 [एस.सी] दी जनरल सेक्रेटरी, साउथ इंडियर केशव फेक्ट्रीज वर्कर यूनियन बनाम प्रबंध निदेशक, केरला स्टेट केशव डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि. एवं अन्य में माननीय उच्चतम न्यायालय ने आदेश पारित किया है कि जांच उचित एवं वैध घोषित होने पर अनुशासनिक अधिकारी के द्वारा दिये गये दंड में न्यायाधिकरण हस्तक्षेप नहीं कर सकती है । उक्त न्यायिक दृष्टांत हस्तगत प्रकरण में लागू नहीं होता है क्योंकि प्रकरण में विवाद सेवा पृथक का है तथा धारा 11-ए औ. वि. अधि. के तहत यह न्यायाधिकरण जांच अधिकारी के द्वारा दुराचरण सिद्ध माना है, वह सही है या नहीं जांच पत्रावली पर आई साक्ष्य के आधार पर स्थापित कर सकती है तथा यदि दुराचरण जो प्रार्थी के द्वारा किया जाना जांच अधिकारी द्वारा सिद्ध किया गया है, वह सही मानते हैं तो उसके पश्चात् न्यायाधिकरण जो दंड अनुशासनिक अधिकारी द्वारा दिया गया है, वह समानुपात में है या अत्याधिक विषमानुपात में है, पर अपना निर्णय दे सकती है । यदि वह अत्याधिक विषमानुपात में है तो जो दंड दिया गया है, उसको भी परिवर्तित कर सकता है । उपरोक्त विवेचन के परिपेक्ष्य में हमें सर्वप्रथम दंड के बिन्दू पर यह देखना है कि जांच अधिकारी द्वारा श्रमिक को दुराचरण का दोषी पाया गया है, वह आदेश सही है अथवा नहीं? इसके लिए जांच पत्रावली का अवलोकन किया गया । जांच कार्यवाही में एम.ड. । मनीष सक्सेना, सुपरवाईजर [कार्मिक],

एम.ड. 2 ललित चतुर्वेदी, वरिष्ठ अधिकारी, समय विभाग व एम.ड.3 महेन्द्र कुमार गर्ग, उप प्रबंधक, माईन्स विभाग के बयान हुए हैं।

11. विपक्षी के गवाह एम.ड. 1 मनीष सक्सेना, सुपरवाईजर [कार्मिक] ने जांच में दिये गये बयान में स्वयं को विपक्षी संस्थान का कर्मचारी होना तथा स्वयं को कार्मिक एवं प्रशासनिक विभाग में सुपरवाईजर के पद पर कार्यरत होना कथन किया है और इस गवाह ने अपनी जिम्मेदारियों के संबंध में कथन किया है श्रमिकों की भर्ती संबंधी कार्य एवं उनके वार्षिक प्रतिवेदन तथा श्रमिकों के अनुपस्थिति बाबत एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही के पत्र तैयार करना एवं व्यक्तिगत पत्रावलियों का रख-रखाव आदि करना कहा है। इस गवाह ने राम विलास जाट को जानना कथन किया है और इस गवाह ने यह भी कहा है कि जब से राम विलास जाट कंपनी में आया तब से मैं उसे जानता हूं तथा राम विलास माईन्स विभाग में कार्य करता है तथा सहायक आपरेटर [एच.ई.एम.एम] के पद पर होना कहा है। इस गवाह ने यह भी कहा कि आजकल राम विकास जाट अपनी ड्यूटी पर नहीं आ रहे हैं और यह भी कहा कि मार्च 97 के अंतिम सप्ताह से राम विलास ड्यूटी पर नहीं आ रहा है। इस गवाह ने यह भी बयान दिया है कि पूर्व में भी राम विलास जाट अपनी ड्यूटी से अकसर अनुपस्थित रहता था। इनका उपस्थिति रिकार्ड ठीक नहीं है तथा उसे इस बाबत प्रबंधन द्वारा कई पत्र दिये जा चुके हैं। जांच कार्यवाही की सूचना क्रमांक 1136 दि. 22-5-99 के द्वारा राम विलास के विरूद्ध विभागीय जांच का आदेश दिया गया। उक्त पत्र दि. 23-5-99 के दैनिक समाचार पत्र दैनिक भास्कर [हिन्दी संस्करण], उदयपुर में प्रकाशित किया गया। यह पत्र ओ.पी.शाह, सहायक उपाध्यक्ष [माईन्स] के द्वारा जारी किया गया-प्रदर्श एम.2 हैं। प्रदर्श एम.2 राम विलास को जो दि. 22-5-99 को पत्र भेजा गया उसकी डाक घर की रसीद रजिस्टर्ड ए.डी. पत्र की है। प्रदर्श एम.3 दि. 22-5-99 को राम विलास को भेजा गया पत्र है जो कि उसके स्थायी पते पर न मिलने के कारण वापिस आ गया। प्रदर्श एम.4 को जानना व इस पर सहायक उपाध्यक्ष माईन्स ओ.पी. शाह के हस्ताक्षर होना कहा-जो प्रदर्श एम. 4 पर ए से बी हैं। प्रदर्श एम.5 प्रार्थी को प्रबंधन की तरफ से दिया गया आरोप पत्र है जो दि. 15-5-99 के हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजस्थान पत्रिका के उदयपुर संस्करण में प्रकाशित हुआ। यह पत्र सहायक उपाध्यक्ष माईन्स ओ. पी. शाह द्वारा जारी किया गया। प्रदर्श एम. 6 समय विभाग द्वारा दिया गया राम विलास जाट का उपस्थिति व्यवहार है। इस दस्तावेज पर विष्णु पारीक सुपरवाईजर समय विभाग के हस्ताक्षर हैं। प्रदर्श एम.7 दि. 13-5-99 को प्रार्थी के नाम से जारी किया गया पत्र है। यह पत्र प्रार्थी के स्थायी पते पर नहीं मिलने के कारण वापस दि. 24-5-99 को कंपनी को प्राप्त हुआ। प्रदर्श एम. 8 रसीद 13-5-99 को राम विलास को जारी रजिस्टर्ड ए.डी. पत्र की रसीद है। प्रदर्श एम.9 प्रार्थी को उनके स्थायी पते पर जारी दि. 4-5-99 का पत्र है। प्रदर्श एम. 10 पत्र प्रार्थी के लगातार अनुपस्थित रहने के कारण जारी दि. 4-5-99 का पत्र है। इस पत्र पर सहायक उपाध्यक्ष, माईन्स ओ.पी. शाह के हस्ताक्षर हैं। प्रदर्श एम. 11 प्रार्थी को दि. 19-4-99 को जारी पत्र है। प्रदर्श एम.12 राम विलास को लगातार अनुपस्थिति के कारण जारी पत्र है। इस पर उप प्रबंधक [कार्मिक] एस. के. शर्मा के हस्ताक्षर हैं। मैं इन हस्ताक्षर को पहचानता हूं। प्रदर्श एम.13 प्रार्थी के स्थायी पते पर जारी दि. 5-4-99 का पत्र है। यह पत्र प्रार्थी को प्राप्त नहीं हुआ क्योंकि प्रार्थी अपने स्थायी पते गांव व पोस्ट रंभावली तह. छोटीसादडी पर उपलब्ध नहीं थे तथा डाक विभाग के कर्मचारी द्वारा 7-4-99 से 13-4-99 तक उनके घर पर जाकर उनको पत्र देने का प्रयास किया, लेकिन वह घर पर नहीं मिले। अत: यह पत्र दिनांक 16-4-97 को वापस प्रेषक को प्राप्त हुआ। प्रदर्श एम.14 पत्रांक II, दिनांक 5-4-99 विभाग द्वारा प्रार्थी को अनुपस्थित रहने के कारण दिया गया पत्र है। प्रदर्श एम. 15 प्रार्थी को दिनांक 2-4-99 को जारी पत्र है जिसे डाक विभाग ने पार्थी के स्थायी पते पर न मिलने के कारण कंपनी को वापिस लौटाया। प्रदर्श एम. 16 प्रार्थी को उनके कार्य से अनुपस्थित रहने के कारण उप प्रबंधक, कार्मिक द्वारा जारी पत्र है। प्रदर्श एम. 17 प्रार्थी को उसकी अनुपस्थिति नवंबर व दिसंबर 1998 से संबंधित पत्र है। यहा पत्र उसे प्राप्त हुआ है तथा प्राप्ति के रूप में प्रार्थी ने अपने हस्ताक्षर इस पत्र पर किये हैं। इस पर राम विलास के ही हस्ताक्षार हैं। प्रत्येक कर्मचारी की व्यक्तिगत पत्रावली मेरे ही पास रहती है तथा व्यक्तिगत पत्रावली में कर्मचारी द्वारा हस्ताक्षरयुक्त विभिन्न दस्तावेज लगाते रहते हैं, अत: मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि वह हस्ताक्षर प्रार्थी के ही हैं। जो प्रदर्श एम. 17 पर डी से एफ हैं। प्रदर्श एम.18 प्रार्थी का प्रोबेशन पीरियड बढाने का पत्र है-जिसे प्रार्थी द्वारा प्राप्त किया गया है। प्रदर्श एम. 19 प्रार्थी को जारी दि. 11-11-98 का पत्र है-जिसमें उन्हें अपनी उपस्थिति सुधारने संबंध निर्देश दिये गये थे। यह पत्र प्रार्थी द्वारा प्राप्त किया गया। प्रदर्श एम.20 प्रार्थी के प्रोबेशन पीरियड को 6 माह और आगे बढ़ाने से संबंधित है। प्रदर्श एम.21 प्रार्थी को अनुपस्थिति संबंध जारी पत्र है तथा इस पर उसके हस्ताक्षर हैं। प्रदर्श एम.22 प्रार्थी को उसकी अनुपस्थिति बाबत जारी पत्र है-जिस पर उसके हस्ताक्षर हैं। माईन्स विभाग ने प्रार्थी की अनुपस्थिति के बारे में सहायक उपाध्यक्ष, कार्मिक को जानकारी दी। सहायक उपाध्यक्ष, कार्मिक ने इस संदर्भ में उप प्रबंधक, कार्मिक को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा तत्पश्चात् उप प्रबंधक, कार्मिक ने मुझे अनुपस्थिति संबंध पत्र तैयार करने का निर्देश दिया। इस प्रकार मुझे प्रार्थी के अनुपस्थिति रहने की जानकारी हुई। प्रार्थी अकसर अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित रहते थे। प्रार्थी को प्रबंधन द्वारा समय-समय पर अपने कार्य से अनुपस्थित रहने के कारण पत्र दिये गये थे। इसके अतिरिक्त अनुपस्थिति के कारण ही उनका प्रोबेशन पीरियड भी बढाया गया था। प्रबधंन द्वारा दिये गये पत्रों की प्रति प्रार्थी ने प्राप्त की थी तथा मैंने यह सभी पत्र प्रार्थी को व्यक्तिगत पत्रावली में लगाये थे क्योंकि प्रार्थी की व्यक्तिगत पत्रावली में प्रार्थी से संबंधित पत्र लगाना मेरी जिम्मेदारियों में आता है। प्रार्थी हमारे माईन्स विभाग में कार्यरत है और उनकी व्यक्तिगत पत्रावली की देखभाल मेरे कार्यक्षेत्र में आती है। इसके अतिरिक्त प्रार्थी के कपंनी में अपनी ड्यूटी ज्वाईन करते समय ज्वाईन संबधी सभी औपचारिकताएं मैंने ही पूर्ण-संपन्न की थी क्योंकि ऐसा करना मेरा दायित्व है। प्रार्थी को अनुपस्थित रहने के संबंध में समझाईश की थी। पत्रांक 924 दि. 13-3-99 प्रदर्श एमै.5 प्रार्थी को दिया गया आरोप पत्र है-जो कि

अनाधिकृत रूप से अपने ड्यूटी से अनुपस्थित रहने के कारण दिया गया । इस आरोप पत्र को दि. 15-5-99 के हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजस्थान पत्रिका के उदयपुर संस्करण में प्रकाशित करवाया गया था । प्रदर्श एम. 5 प्रकाशित इस लिए करवाया क्योंकि प्रार्थी को आरोप पत्र देने से पूर्व 2-3 पत्र उनके स्थायी पते पर भेजे थे, यह पत्र प्रार्थी के स्थायी पते पर उपलब्ध न होने के कारण डाक विभाग द्वारा वापस कंपनी को प्रेषित कर दिये थे । प्रदर्श एम. 19 में प्रार्थी के जनवरी 98 से अक्टूबर 98 तक उपस्थिति का ब्यौरा था । इस पत्र के माध्यम से प्रार्थी को सलाह दी गई थी कि वह अपनी उपस्थिति सुधारे । प्रदर्श एम. 19 प्रार्थी को सहायक उपाध्यक्षा, माईन्स ओ. पी. शाह द्वारा जारी नहीं किया गया था तथा इस दस्तावेज पर ओ. पी. शाह ने हस्ताक्षर किये थे जिन्हें में पहचानता हूं तथा इस दस्तावेज पर किये गये हस्ताक्षर भी ओ. पी. शाह के ही हैं तथा इस दस्तावेज पर प्राप्तकर्ता प्रार्थी के भी हस्ताक्षर हैं जिन्हें में पहचानता हैं ।

12. विपक्षी संस्थान के गवाह एम. ड. 2 ललित चतुर्वेदी, वरिष्ठ अधिकारी समय विभाग ने भी उक्त गवाह के कथनों की पुष्टि की है तथा अपने बयान में कहा है कि उसका नाम ललित चतुर्वेदी है तथा वह विपक्षी का कर्मचारी है । वह विपक्षी के समय विभाग में वरिष्ठ अधिकारी है । गवाह ने अपनी जिम्मेदारियों के संबंध में जाहिर किया कि संस्थान में कार्यरत समस्त श्रमिकों एवं कर्मचारियों का अनुपस्थित एवं उपस्थिति व अवकाश आदि का रिकार्ड रखना तथा इससे संबंधित कार्य जैसे वेतन भविष्य निधि आयकर तथा विभाग के संबंधित सरकार को भेजी जाने वाली रिपोर्ट मेरे द्वारा ही संपादित की जाती है । गवाह ने विपक्षी के यहां 19-11-94 से कार्यरत होना कहा है । गवाह ने राम निवास जाट को जानना तथा उसके माईन्स विभाग में कार्य करना, असिस्टेंट आपरेटर (एच. ई. एम. एम.) के पद पर कार्य करना, दिसंबर 95 से कार्यरत होना कहा है । गवाह ने राम निवास को कंपनी में ज्वाईन किया तब से जानना कहा है । गवाह ने आजकल राम निवास का काम पर नहीं आना कहा है । गवाह का कथन है कि राम विलास अपने कार्य पर मार्च 99 से अनुपस्थित चल रहा है । मैं समय क विभाग का इंचार्ज हूं तथा प्रतिदिन के कर्मचारियों के उपस्थित रिकार्डचेक करता हूं । यदि कोई कर्मचारी 3 दिन से अधिक लगातार अनुपस्थित रहता है तो उसकी रिपोर्ट तैयार करके अपने उच्चाधिकारयों को प्रेषित करता हूं । इसी रिपोर्ट के आधार पर मालूम है, वह अनुपस्थित है । प्रार्थी पूर्व में भी अनेकों बार अनुपस्थित रहे तथा उनकी अनुपस्थिति की सूचना उच्चाधिकारियों को प्रेषित की थी । प्रार्थी का उपस्थिति रिकार्ड अच्छा नहीं था, वह अक्सर अनुपस्थित रहता था - जिसकी सूचना समय-समय पर मेरे द्वारा उच्चाधिकारियों को प्रेषित की है । जिसकी वजह से ही प्रार्थी का प्रोबेशन पीरियड नहीं बढ़ा है । कर्मचारियों का उपस्थिति रिकार्ड के आधार पर वेतन बनाया जाता है । सभी कर्मचारियों के उपस्थिति अनुपस्थिति व अवकाश रिकार्ड रखना मेरी जिम्मेदारी है । इसी आधार पर प्रत्येक दो माह की अनुपस्थित रहने की सूचना मेरे द्वारा प्रबंधन को प्रेषित की जाती है । प्रदर्श एम, 6 दस्तावेज मेरे विभाग ने जारी किया है तथा इस पर हस्ताक्षर मेरे विभाग के सुपरवाईजर विष्णु पारीक के हैं । मैं इन्हें पहचानता हूं ।

13. विपक्षी संस्थान के गवाह महेन्द्र कुमार गर्ग, उप प्रबधक माईन्स विभाग एम. ड. 3 का जांच कार्यवाही में बयान है कि गवाह आदित्य सीमेंट का कर्मचारी है, वह उप प्रबंधक के पद पर माईन्स विभाग में कार्यरत है । गवाह ने लाईमस्टोन प्रोडकशन तथा इससे संबंधित दूसरे कार्य के प्रति उसकी जिम्मेदारी है व ड्यूटी पर उपस्थित सभी एच. ई. एम. एम. आपरेटर को माईन्स के विभिन्न सेक्सन में इनके कार्य को भली भांति देखना उसका दायित्व हैं । गवाह ने विपक्षी के यहां 11 जून 94 से कार्यरत होना, प्रार्थी को जानना व प्रार्थी के द्वारा माईन्स विभाग में आपरेशन सेक्शन में असिस्टेंड आपरेटर (एच. ई. एम. एम) के पद पर कार्यरत होना कहा है । प्रार्थी का माईन्स विभाग में दिसंबर 95 से कार्यरत होना व प्रार्थी को दिसंबर 95 से ही जानना कहा है । गवाह का कथन है कि पिछले कुछ महिनों से प्रार्थी अपनी ड्यूटी पर नहीं आ रहा है । प्रार्थी मार्च के अंतिम सप्ताह से अपनी ड्यूटी पर नहीं आ रहा है । प्रार्थी अपनी ड्यूटी के अकसर अनुपस्थित रहता था । इस संदर्भ में उनके रिकार्ड की जानकारी समय विभाग से प्राप्त की जा सकती है । प्रबंधन द्वारा समय-समय पर प्रार्थी को सलाह पत्र तथा चेतावनी पत्र दिये गये थे । अनुपस्थिति ज्यादा रहने के कारण उनका प्रोबेशन पीरियड भी बढ़ाया गया । मैं प्रार्थी के हस्ताक्षर को पहचानता हूं । प्रदर्श एम. 19 सहायक उपाध्यक्ष माईन्स के द्वारा हस्ताक्षरित है तथा यह पत्र प्रार्थी के द्वारा जनवरी 98 से अक्टूबर 98 तक के उपस्थिति विवरण से संबंधित है । इस पत्र में प्रार्थी को अपनी उपस्थिति सुधार करने की सलाह दी गई । प्रार्थी ने इस पत्र को प्राप्त किया तथा प्राप्ति के रूप में अपने हस्ताक्षर किये । प्रार्थी अवकाश प्रार्थानापत्र एवं अवकाश कार्ड पर अपने हस्ताक्षर करता था उसी आधार पर मैं उसके हस्ताक्षर पहचानता हूं ।

14. प्रार्थी एम. 9 के लिए गवाह मनीषा सक्सेना ने कथन दिया है कि यह राम निवास जाट के स्थायी पते पर जारी दि. 4-5-99 का पत्र है । प्रदर्श एम.10 के लिए कहा कि वह इस दस्तावेज से परिचित है । यह पत्र राम निवास जाट को कार्य से लगातार अनुपस्थित रहने के कारण जारी दिनांक 4-5-99 का पत्र है । इस पत्र पर सहायक उपाध्यक्ष माईन्स ओ. पी. शाह के हस्ताक्षर हैं । दस्तावेज प्रार्थी एम. 11 के बारे में गवाह ने बयान दिया है कि 19-4-99 को जारी पत्र है । दस्तावेज प्रदर्श एम. 12 के बारे में इस गवाह ने बयान दिया है यह राम विलास को जारी पत्र है जो कि उनकी लगातार अनुपस्थित रहने के कारण जारी किया गया है । इस पत्र पर उप प्रबंधक, कार्मिक एस. के. शर्मा के हस्ताक्षर हैं व इस हस्ताक्षर को मैं पहचानता हूं क्योंकि मैं एस. के. शर्मा के अधिनस्थ ही कार्य करता हूं इस लिए मैं उनके हस्ताक्षर पहचानता हूं । प्रार्थी एम. 13 पत्र के लिए गवाह ने बयान किया कि वह इस दस्तावेज को जानता है । यह पत्र राम विलास जाट को उनके स्थायी पते पर दि. 5-4-99 को भेजा । यह पत्र राम विलास को प्राप्त नहीं हुआ है क्योंकि राम विलास अपने स्थायी पते

गांव व पोस्ट रंभावली, तह. छोटी सादडी, जिला-चितौड़गढ़ पर उपलब्ध नहीं था । प्रदर्श एम. 14 पत्रांक 117 दि. 5-4-99 विभाग द्वारा प्रार्थी को अनुपस्थित रहने के कारण दिया गया पत्र है । प्रदर्श एम. 15 प्रार्थी को दि. 2-4-99 को जारी पत्र है जिसे डाक विभाग ने प्रार्थी के स्थायी पते पर न मिलने के कारण कंपनी को वापिस लौटाया । प्रदर्श एम.16 प्रार्थी को उनके कार्य से अनुपस्थित रहने के कारण उप प्रबंधक कार्मिक द्वारा जारी पत्र है । प्रदर्श एम.17 प्रार्थी को उसकी अनुपस्थिति नवंबर व दिसंबर 98 से संबंधित पत्र है ।

15. विपक्षी संस्थान के गवाह मनीषा सक्सेना ने अपने ब्यानों में यह कथन किया है कि वह राम विलास जाट को जब से वह कार्य कर रहा है तब से ही जानता है और उसने अपनी जिम्मेदारी में श्रमिकों की भर्ती संबंधी कार्य एवं उनके वार्षिक प्रतिवेदन तथा श्रमिकों की अनुपस्थिति बाबत एव अनुशासनात्मक कार्यवाही के पत्र तैयार करना एवं व्यक्तिगत पत्रावलियों का रख-रखाव आदि करना कहा है । इस गवाह ने यह भी कहा है कि प्रार्थी का उपस्थिति रिकार्ड ठीक नहीं है तथा उसे इस बाबत प्रबंधन द्वारा कई पत्र दिये जा चुके हैं । गवाह ने प्रार्थी राम विलास का मार्च 97 के अंतिम सप्ताह से ड्यूटी पर नहीं आना कहा है । प्रदर्श एम. 9 के लिए मनीष सक्सेना ने कथन किया कि प्रदर्श एम. 9 प्रार्थी को उनके स्थायी पते पर जारी दि. 4-5-99 का पत्र है । प्रदर्श एम. 10 पत्र प्रार्थी के लगातार अनुपस्थित रहने के कारण जारी दि. 4-5-99 का पत्र है । इस पत्र पर सहायक उपाध्यक्ष, माईन्स ओ. पी. शाह के हस्ताक्षर हैं । प्रदर्श एम. 11 प्रार्थी को दि. 19-4-99 को जारी पत्र है । प्रदर्श एम. 12 राम विलास को लगातार अनुपस्थिति के कारण जारी पत्र है । इस पर उप प्रबंधक (कार्मिक) एस. के. शर्मा के हस्ताक्षर हैं । मैं इन हस्ताक्षर को पहचानता हूं । प्रदर्श एम. 13 प्रार्थी के स्थायी पते पर जारी दि. 5-4-99 का पत्र है । यह पत्र प्रार्थी को प्राप्त नहीं हुआ क्योंकि प्रार्थी अपने स्थायी पते गांव व पो. रंभावली तह. छोटी सादडी पर उपलब्ध नहीं थे तथा डाक विभाग के कर्मचारी द्वारा दि. 7-4-99 से 13-4-99 तक उनके घर पर जाकर उनको पत्र देने का प्रयास किया, लेकिन वह घर पर नहीं मिले । अत: यह पत्र दि. 16-4-97 को वापिस प्रेषक को प्राप्त हुआ । प्रदर्श एम. 14 पत्रांक 117 दि. 5-4-99 विभाग द्वारा प्रार्थी को अनुपस्थित रहने के कारण दिया गया पत्र है । प्रदर्श एम. 15 प्रार्थी को दि. 2-4-99 को जारी पत्र है-जिसे डाक विभाग के प्रार्थी के स्थायी पते पर न मिलने के कारण कंपनी को वापिस लौटाया । प्रदर्श एम. 16 के लिए इस गवाह ने कहा है कि प्रार्थी को उनके कार्य से अनुपस्थिति रहने के कारण उप प्रबंधक, कार्मिक द्वारा जारी पत्र है । प्रदर्श एम. 17 प्रार्थी को उसकी अनुपस्थिति नवंबर व दिसंबर 98 से संबंधित पत्र हैं । यह पत्र उसे प्राप्त हुआ है तथा प्राप्ति के रूप में प्रार्थी ने अपने हस्ताक्षर इस पत्र पर किये हैं । इस पर राम विलास के ही हस्ताक्षर हैं । प्रत्येक कर्मचारी की व्यक्तिगत पत्रावली मेरे पास रहती है तथा उसमें कर्मचारी द्वारा हस्ताक्षरयुक्त विभिन्न दस्तावेज रहते हैं, अत: मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि यह हस्ताक्षर प्रार्थी के ही हैं । जो प्रदर्श एम. 17 ई से एफ है । इस प्रकार इस गवाह ने प्रार्थी को आरोप पत्र प्रबंधन द्वारा जारी करना तथा जांच कार्यवाही बाबत सूचित करना, अखबारों में सूचना प्रकाशित कराना कहा है । यहां हम यह भी उल्लेखित करना उचित समझते हैं कि इस गवाह ने प्रार्थी राम विलास द्वारा मार्च 07 के अंतिम सप्ताह से अनुपस्थित रहना कहा है तथा गवाह ने यह भी कहा है कि जांच अधिकारी ने प्रार्थी को समय-समय पर सूचित किया तथा फिर यू. पी. सी. से उसके स्थायी पते पर सूचना भी भेजी गई । जांच कार्यवाही की आदेशिका दिनांक 3-6-99 के अवलोकन से यह प्रकट होता है कि जांच अधिकारी द्वारा जांच कार्यवाही उक्त दिवस को आगामी पेशी हेतु स्थगित की गई-जिससे आरोपित श्रमिक उक्त कार्यवाही में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सके एवं प्रबंधन के गवाहों व दस्तावेजों का अवलोकन व जिरह कर सके । आगामी तिथि 15-6-99 तक की गई । इस आदेशिका में श्रमिक को जांच कार्यवाही की सूचना यू.पी.सी. पत्र से प्रेषित की जायेगी तथा इस संबंध में प्रबंधन को निर्देश दिये गये कि जांच कार्यवाही की अगली तिथि की सूचना पत्र जांच अधिकारी का पत्र दोनों समाचार पत्र में प्रकाशित करायें । दिनांक 15-6-99 की आदेशिका के अवलोकन से प्रकट होता है कि राम विलास कार्यवाही में उपस्थित नहीं हुआ, जबकि राम विलास को जांच अधिकारी के पत्र दिनांक 5-6-99 के यू. पी. सी. के द्वारा जांच कार्यवाही में उपस्थित होने के लिए सूचित किया गया था । इस प्रकार प्रार्थी को जांच अधिकारी द्वारा प्रार्थी के स्थायी पते पर सूचना भेजी गई । आगे इस आदेश में यह भी लिखा है कि आरोपी श्रमिक को उसके विरुद्ध लगाये गये आरोपों की जांच में भाग लेने के लिए स्वयं उपस्थित नहीं हुआ एवं उपस्थित नहीं होने की कोई सूचना भी जांच अधिकारी को नहीं दी गई । इससे यह प्रतीत होता है कि आरोपी श्रमिक जांच कार्यवाही में भाग लेने का इच्छुक नहीं था । अत: जांच अधिकारी के समक्ष एक ही विकल्प रह गया है कि जांच कार्यवाही एकपक्षीय प्रारंम्भ की जाये । इस प्रकार से समस्त प्रयास करने के बाद जांच अधिकारी ने प्रबंधन की एकपक्षीय साक्ष्य ली है । बावजूद सूचना के भी प्रार्थी के उपस्थित नहीं होने पर उसके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की गई । तत्पचात् एकपक्षीय कार्यवाही में उक्त गवाहों के बयान विपक्षी की ओर से कराये गये एवं साक्ष्य बंद की गई । अत: प्रार्थी का यह तर्क कि उसे सूचित किये बिना जांच कार्यवाही संपादित की गई, माने जाने योग्य नहीं है, क्योंकि प्रार्थी को यू.पी.सी. व समाचार पत्रों के माध्यम से सूचना दी गई थी ।

16. इस प्रकार गवाह मनीष सक्सेना ने मौखिक एवं दस्तावेजी साक्ष्य से यह सिद्ध किया है कि प्रार्थी राम विलास मार्च 97 के अंतिम सप्ताह से ड्यूटी पर उपस्थित नहीं हो रहा है तथा पूर्व में भी वह अनुपस्थित रहने का आदी रहा है - जिस बाबत दस्तावेज प्रदर्श एम. 17 से भी प्रार्थी का नवंबर व दिसंबर 98 में अनुपस्थिति बताई गई है । प्रार्थी का आदतन अनुपस्थित रहना इस गवाह ने सिद्ध किया है ।

17. विपक्षी गवाह महेन्द्र कुमार गर्ग, उप प्रबंधक, माईन्स ने भी स्पष्ट रूप से कहा है कि गवाह ने लाईमस्टोन प्रोडक्शन तथा इससे संबंधित दूसरे कार्य को प्रति उसकी जिम्मेदारी है व ड्यूटी पर उपस्थित सभी एच. ई. एम. एम. आपरेटर को माईन्स के विभिन्न सेक्शन में इनके कार्य का भली-भांति देखना उसका दायित्व है ।

गवाह ने विपक्षी के यहां 11 जून, 94 से कार्यरत होना, प्रार्थी को जानना व प्रार्थी के द्वारा माईन्स विभाग में आपरेशन सेक्शन में असिस्टेंट आपरेटर (एच. ई. एम. एम) के पद पर कार्यरत होना कहा है । इस गवाह ने प्रार्थी का माईन्स विभाग में दिसंबर 95 से कार्यरत होना व प्रार्थी को दिसंबर 95 से ही जानना कहा है इस गवाह ने यह भी बयान दिया है कि पिछले कुछ महीनों से प्रार्थी अपनी ड्यूटी पर नहीं आ रहा है । प्रार्थी मार्च के अंतिम सप्ताह से अपनी ड्यूटी पर नहीं आ रहा है । प्रार्थी अपनी ड्यूटी से अकसर अनुपस्थित रहता था । प्रबंधन द्वारा समय-समय पर प्रार्थी को सलाह पत्र तथा चेतावनी पत्र दिये गये । अनुपस्थित ज्यादा रहने के कारण उनका प्रोबेशन पीरियड भी बढ़ाया गया । इस गवाह ने प्रार्थी के हस्ताक्षर पहचानना व प्रदर्श एम. 19 सहायक उपाध्यक्ष, माईन्स के द्वारा हस्ताक्षरित होना कहा है। गवाह ने यह पत्र जनवरी 98 से अक्तूबर 98 तक के उपस्थिति विवरण से संबंधित होना कहा है । इस पत्र में प्रार्थी को अपनी उपस्थिति सुधारने की सलाह दी गई । प्रार्थी ने इस पत्र को प्राप्त किया तथा प्राप्ति के रूप में अपने हस्ताक्षर किये । प्रार्थी अवकाश प्रार्थना-पत्र एवं अवकाश कार्ड पर अपने हस्ताक्षर करता था उसी आधार पर गवाह ने प्रार्थी के हस्ताक्षर पहचानना कहा है । विपक्षी के गवाह एम. ड.2 ललित चुतर्वेदी, वरिष्ठ अधिकारी समय विभाग ने भी जाहिर किया कि संस्थान में कार्यरत समस्त श्रमिकों एवं कर्मचारियों का अनुपस्थिति एवं उपस्थिति व अवकाश आदि का रिकार्ड रखना तथा इससे संबंधित कार्य जैसे वेतन, भविष्य निधि, आयकर तथा विभाग से संबंधित सरकार को भेजी जाने वाली रिपोर्ट मेरे द्वारा ही संपादित की जाती है । इस गवाह ने भी राम विलास जाट को जानना तथा उसका माईन्स विभाग में असिस्टेंट आपरेटर (एच. ई. एम. एम.) के पद पर दिसंबर 95 से कार्यरत होना कहा है । इस गवाह ने राम विलास जाट को कंपनी में जोईन किया तब से जानना कहा है । इस गवाह ने भी यह कहा है कि आजकल रामविलास जाट काम पर नहीं आ रहा है । इस गवाह का कथन है कि मार्च 99 से प्रार्थी अनुपस्थित चल रहा है । गवाह ने स्वयं को समय विभाग का इंचार्ज होना तथा, प्रतिदिन कर्मचारियों का उपस्थिति रिकार्ड चेक करना कहा है । गवाह ने कहा है कि यदि कोई कर्मचारी 3 दिन से अधिक लगातार अनुपस्थित रहता है तो उसकी रिपोर्ट तैयार करके अपने उच्चाधिकारियों को प्रेषित करता हूँ । इसी रिपोर्ट के आधार पर मालूम है कि वह अनुपस्थित है । प्रार्थी पूर्व में भी अनेकों बार अनुपस्थित रहा है तथा उसकी अनुपस्थिति की सूचना उच्चाधिकारियों को प्रेषित की । प्रार्थी का उपस्थिति रिकार्ड अच्छा नहीं था तथा वह अकसर अनुपस्थित रहता था—जिसकी सूचना समय-समय पर मेरे द्वारा उच्चाधिकारियों को प्रेषित की गई है । दो माह अनुपस्थित रहने की सूचना मेरे द्वारा प्रबंधन को प्रेषित की जा चुकी है ।

18. इस प्रकार तीनों गवाहों ने एक ही बात कही है कि प्रार्थी राम विलास मार्च 97 के अंतिम सप्ताह से अनुपस्थित चल रहा है तथा वह अकसर अनुपस्थित रहता है तथा उसका उपस्थिति का रिकार्ड अच्छा नहीं है । प्रबंधन के तीनों गवाहों ने एक ही बात कही है और जिनसे कोई जिरह नहीं होने के कारण उनका मुख्य परीक्षण अखंडित रहा है । अत: इन गवाहों के बयानों पर अविश्वास किये जाने का कोई औचित्य नहीं है । इन गवाहों ने यह सिद्ध किया है कि प्रार्थी राम विलास जाट बिना किसी सूचना और अपने उच्च अधिकारियों की अनुमति के बिना मार्च 97 के अंतिम सप्ताह से अनुपस्थित रहा है । गवाह मनीष सक्सेना ने प्रदर्श एम. 14 व एम. 17 को सिद्ध किया है । प्रदर्श एम. 14 में उल्लेख किया गया है कि प्रार्थी दि. 23-3-99 से बिना उच्चाधिकारियों को सूचित किये बिना अवकाश स्वीकृत कराये अनुपस्थित चल रहा है । इसमें प्रार्थी को दि. 2-4-99 के पत्र का भी उल्लेख है-जिसमें कहा गया था कि वह 3 दिन में ड्यूटी पर उपस्थित हो । इसमें पत्र मिलने के 3 दिन में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया था । उक्त विवेचन से यह प्रकट होता है कि प्रार्थी बिना अवकाश स्वीकृत कराये, बिना उच्चाधिकारियों से अनुमति प्राप्त किए बिना सूचना दिये अपनी मर्जी से अनुपस्थित रहा है तथा पत्र मिलने के 3 दिन के भीतर ड्यूटी पर उपस्थित होने के निर्देश दिये गये थे, लेकिन प्रार्थी उपस्थित नहीं हुआ । प्रदर्श एम. 14 में उल्लेख है कि यदि आपने पत्र की पालना नहीं की तो आपके विरुद्ध स्थायी आदेश के तहत कार्यवाही की जायेगी । इस प्रकार प्रार्थी दि. 27-3-99 से बिना सूचना दिये अनुपस्थित रहना प्रकट होता है । प्रार्थी अपनी ए शिफ्ट से बिना अवकाश स्वीकृत कराये अनुपस्थित चल रहा है । प्रदर्श एम. 17 व 19 में प्रार्थी का पूर्व में भी लगातार अनुपस्थित रहना बताया गया है । इस प्रकार प्रार्थी का आदतन ड्यूटी पर अनुपस्थित होना भी गवाहों ने सिद्ध किया है । प्रार्थी को निम्नानुसार चार्जशीट दी गई है–

"It has been reported against you that while you were on duty in A shift (6 am to 2pm) on 26-3-1999 you left the work place at about 11.30 a.m. without any information to your superior or grant of leave and since that absenting from duties. You were advised vide Registered Ad. Letter no. AC/P&A/99-2000/42 dated 2-4-1999 to report for your duties within three days of the receipt of the letter. However this letter was returned to us by postal authorities with the remark". Addressee not found hence returned"

Thereafter when no communication from your end was received about your absence and also when you did not resume your duties, you were again advised vide our Registered Ad. Letter no. AC/18/99-2000/117 dated 5-4-1999 to resume your duties within three days of the receipt of the letter failing which appropriate action would be intitated against you. In response to this letter also you did not resume your duties and meanwhile, the letter under reference was returned to us (received by us on 16-4-1999) by the postal authorities with a remark "Addressee not available hence returned."

While extending last opportunity to join duties you were consequently informed by a Registered Ad. Letter No. AC/18/06/98-99/376 dated 19-4-1999 and when you failed to communicate about your absence from duties you were finally informed vide a Registered Ad Letter No. AC/18/06/99-2000/743 dated 4-5-1999 with an advise that in case you fail to resu me your duties it would be presumed that you have abandoned the services of the company on your own end your name shall be struck off from the rolls of the company in case you dont report for duties.

We find from our records that in the past also you remained absent from your duties without grant of leave or permission and were advised to improve your attendance behaviour time again vide our letter No. AC/P&A/98/525 dated 20-3-98, AC/1806/98/60 dated 20-5-98, AC/A&A/Mines/98/99/223 dated 11-11-98 and AC/18/06/98/310 dated 9-2-99 but no improvement in your attendance behaviour was observed.

The facts as above reveal that you have been in habit of remaining of unauthorised absent from your duties. Unauthorised absence from duties without permission or grant of leave is in violation of company's discipline and good conduct and as such tantamounts to major misdemeanor under the Certified Standing Orders as applicable to you and you are hereby charged under clause no: 20-2-02 Unauthorised absence from duty without permission for not exceeding ten days.

20-2-09 Commission of any act subversive of discipline and/or good behaviour within the premises of the factory/establishment/Mines or precinct thereof or outside the premises 20.2.47 Habitual repeated minor misdemeanor. 20.2.82 Unauthorised absence from the place of work. You are hereby called upon to show cause within THREE DAYS from the date of receipt of this charge sheet as to why disciplinary action should not be taken against you for the charges as alleged against you. If your written explanation is not received within the stipulated period, it will be presumed that you have no explanation to offer and admit the charges levelled against you, in which case the management would be at liberty to take appropriate action as deem fit.

प्रदर्श एस. 17 पत्र दिनांक 9-2-99 प्रदर्श एम. 19 पत्र दिनांक 11-11-98, प्रदर्श एम. 21 पत्र दि. 20-5-98 व प्रदर्श एम. 22 पत्र दि. 20-3-98 से यह सिद्ध होता है कि प्रार्थी पूर्व में भी बिना अवकाश स्वीकृत कराये, बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहा है । उक्त मौखिक व दस्तावेजी साक्ष्य से यह सिद्ध होता है कि प्रार्थी आदतन अनुपस्थित रहने का आदी है । इस प्रकार प्रदर्श एम. 1 नोटिस आफ इंक्वायरी दैनिक भास्कर दि. 23-5-99 में प्रकाशित प्रदर्श एम. 2 रसीद नं. 1809 रजिस्टर्ड पत्रांक 1136 दिनांक 22-5-99 प्रदर्श एम. 3 अन डिलिवर्ड रजिस्टर्ड ए.डी. पत्रांक 1196 दि. 22-5-99, प्रदर्श एम. 4 रजिस्टर्डपत्र क्रमांक 1136 दि. 22-5-99, प्रदर्श एम. 5 चार्जशीट प्रकाशित राजस्थान पत्रिका दि. 14-5-99, प्रदर्श एम. 6 उपस्थिति विश्लेषण राम विलास जाट दि. 15-6-97 प्रदर्श एम. 7 अनडिलिवर्ड पत्र (रजिस्टर्ड) पत्रांक 924 दि. 13-5-99, प्रदर्श एम.8 रसीद नं. 1772 रजिस्टर्ड ए. डी. पत्र दि. 13-5-99 पत्रांक 924, प्रदर्श एम. 9 अनडिलिवर्ड रजिस्टर्ड पत्र सं. 743 दि. 4-5-99 प्रदर्श एम. 10 रजिस्टर्ड ए. डी. पत्रांक 743 दि. 4-5-99, प्रदर्श एम. 11 रजिस्टर्ड ए. डी. पत्र अनडिलिवर्ड क्र. 376 दि. 19-4-99 प्रदर्श एम. 12 रजिस्टर्ड ए. डी. पत्रांक 376 दि. 19-4-99, प्रदर्श एम. 13 अनडिलिवर्ड रजिस्टर्ड ए. डी. पत्रांक 117 दि. 5-4-99, प्रदर्श एम. 14 रजिस्टर्ड ए. डी. पत्रांक 117 दि. 5-4-99, प्रदर्श एम. 15 अनडिलिवर्ड रजिस्टर्ड, डी. पत्रांक 42 दि. 2-4-99, प्रदर्श एम. 16 रजिस्टर्ड ए. डी. पत्रांक 42 दि. 2-4-99, प्रदर्श एम. 17 अनुपस्थिति पत्र क्रमांक 310 दि. 9-2-99 श्री राम विलास जाट, प्रदर्श एम. 18 प्रोबेशन एक्सटेंशन पत्र क्र. 287 दि. 9-1-99, प्रदर्श एम. 19 अनुपस्थिति पत्र क्र. 223 दि. 11-11-98, प्रदर्श एम. 20 प्रोबेशन एक्सटेंशन पत्र क्र. 134 दि 15-7-98, प्रदर्श एम. 21 अनुपस्थिति पत्र क्र. 60 दि. 20-5-95 श्री राम विलास, प्रदर्श एम. 22 अनुपस्थिति पत्र क्र. 525 दि. 20-3-98 राम विलास जाट दस्तावेजों से यह साबित प्रकठ होता है कि प्रार्थी श्रमिक पर लगाये गये आरोप सिद्ध होना पाया जाता है । आदेशिका दिनांक 15-6-99 के अनुसार जांच कार्यवाही में प्रबंधन प्रतिनिधि एस. के. शर्मा ने प्रदर्श एम. 1 से एम. 22 तक दस्तावेज पेश किये जिनको जांच पत्रावली में शामिल किया गया । अत: जांच अधिकारी ने प्रार्थी राम विलास जाट के विरूद्ध आरोप सिद्ध होना पाया है, वह सही है ।

19. अनुशासनिक अधिकारी के. सी. झंवर ने अपने आदेश दिनांक 9-7-99 द्वारा प्रार्थी राम विलास जाट को आरोप सिद्ध होने पर संस्थान की सेवाओं से पृथक कर दिया । उक्त आदेश में यह भी अंकित किया गया है कि मेरे सामने ऐसी कोई परिस्थिति नहीं है जिससे उसे सेवा पृथक से कम दंड दिया जाये । इस प्रकार प्रार्थी को दि. 9-7-99 को कंपनी ने सेवा से पृथक किया है । क्लेम प्रार्थना पत्र में प्रार्थी ने कथन किया है, उसने दिनांक 30-4-2000 तक संस्थान में काम करना कहा है, लेकिन वह माने जाने योग्य नहीं है क्योंकि वह उसे उससे पूर्व ही सेवा पृथक कर दिया गया था । दि. 30-4-2000 को प्रार्थी सेवा में नहीं था । यहां यह भी उल्लेख करना उचित होगा कि विवाद में सेवा पृथक की कोई तारीख का उल्लेख नहीं किया गया है । प्रार्थी को गंभीर दुराचरण के आधार पर सेवा पृथक किया गया है तथा प्रार्थी को दिया गया दंड समानुपात में है, अत: इस न्यायालय द्वारा दंडादेश में हस्तक्षेप करने का कोई औचित्य नहीं है । अत: ऐसी स्थिति में प्रार्थी ने विपक्षी के अधीन 240 दिन कार्य किया या नहीं इसका विवाद पर कोई असर नहीं है । 240 दिन कार्य करने के तथ्य को सिद्ध करने का भार प्रार्थी पर था जो उसने सिद्ध नहीं किया है । दिनांक 16-12-95 से 30-4-2000 तक प्रार्थी ने कार्य नहीं किया है, बल्कि प्रार्थी को 9-7-99 को सेवा पृथक कर दिया गया है जो उचित एवं वैध है तथा प्रार्थी श्रमिक कोई राहत पाने का अधिकारी नहीं है ।

अत: प्रासंगिक विवाद का उत्तर इस प्रकार दिया जाता है कि प्रार्थी श्री राम विलास जाट को सेवा पृथक करने से पूर्व 12 माह पूर्व 240 दिन कार्य करने को सिद्ध करने का भार प्रार्थी श्रमिक पर था जो उसने सिद्ध नहीं किया है और न ही उसने 16-12-95 से 30-4-2000 तक कार्य किया है, बल्कि विपक्षी अधिशासी अध्यक्ष, मै. आदित्य सीमेंट, सावा, शंभूपुरा, चितौड़गढ़ ने दिनांक 9-7-99 को गंभीर दुराचरण के आधार पर प्रार्थी श्रमिक को सेवा पृथक का दंड दिया है-जो उचित एवं वैध है । प्रार्थी श्रमिक कोई राहत एंव राशि प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है । पंचाट की प्रति भारत सरकार को प्रकाशनार्थ भेजी जाये ।

पंचाट आज दिनांक 20-2-2009 को सुनया ।

उषा अग्रवाल, न्यायाधीश

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1192** -औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एल आई सी ऑफ इंडिया के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में श्रम न्यायालय, पटना के पंचाट [संदर्भ संख्या 88 (सी)/2008] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-4-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-17012/37/2008-आईआर(एम)]

कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th April, 2009

**S.O. 1192.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award [ Ref. No. 88 (C)/ 2008 ] of the Labour Court, Patna now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of LIC of India and their workmen, which was received by the Central Government on 8-4-2009.

[No. L-17012/37/2008-IR (M)]

KAMAL BAKHRU, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER INDUSTRIAL TRIBUNAL, SHRAM BHAWAN, BAILEY ROAD, PATNA**

**Reference Case No. 88 (C) of 2008**

Between the management of LIC of India Ltd., Patna and their workman Murari Prasad, represented by B.M.S., Patna.

For the Management : Sri Navin Kumar, Representative of LIC

For the Workman : Sri Ram Prasad, General Secretary of Union.

**Present :** Vasudeo Ram, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Patna

**AWARD**

Patna, dated the 30th March, 2009

By adjudication order No.L-17012/37/2008-IR(M), dated 20-11-2008, the Government of India, Mninstry of Labour, New Delhi under clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter called 'the Act' for brevity) has referred the following dispute between the management of LIC of India Ltd., Patna and their workman Shri Murari Prasad, represented by B.M.S., Patna for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the Management of LIC of India, Divisional Office, Patna in not regularising the services of Daily Wage Worker Sh. Murari Prasad working for a long period and not giving regular status of a permanent worker is justified and legal? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. Both the parties appeared on notice. Subsequently a petition for withdrawal of the reference case has been filed on behalf of workman and moved. Under the circumstances I presume that now no dispute exists between the parties and hence I hereby pass a "No dispute Award"

3. And this is my Award.

VASUDEO RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1193** .-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एल आई सी ऑफ इंडिया के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में श्रम न्यायालय, पटना के पंचाट [संदर्भ संख्या 87 (सी)/2008] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-4-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-17012/40/2008-आईआर(एम)]

कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th April, 2009

**S.O. 1193** .—In Pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award [Ref. No. 87 (C)/ 2008 ] of the Labour Court, Patna now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of LIC of India and their workmen, which was received by the Central Government on 8-4-2009.

[No. L-17012/40/2008-IR (M)]

KAMAL BAKHRU, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER INDUSTRIAL TRIBUNAL, SHRAM BHAWAN, BAILEY ROAD, PATNA**

**Reference Case No. 87 (C) of 2008**

Between the management of LIC of India Ltd., Patna and their workman Shri Ashwani Kumar, represented by B.M.S., Patna.

For the Management : Sri Navin Kumar, Representative of LIC

For the Workman : Sri Ram Prasad, General Secretary of B.M.S.

**Present :** Vasudeo Ram, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Patna

**AWARD**

Patna, dated the 28th March, 2009

By adjudication order No. L-17012/40/2008-IR(M), dated 20/21-11-2008, the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi under clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter called 'the Act' for brevity) has referred the following dispute between the management of LIC of India Ltd. Patna and their workman Shri Ashwani Kumar, represented by B.M.S., Patna for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the Management of LIC of India, Divisional Office, Patna in not regularising the services of Daily Wage Worker Sh. Ashwani Kumar working for a long period and not giving regular status of permanent worker is justified and legal. If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. Both the parties appeared on notice. Subsequently a petition for withdrawal of the reference case has been filed on behalf of workman and moved. Under the circumstances I presume that now no dispute exists between the parties and hence I hereby pass a "No dispute Award."

3. And this is my Award.

VASUDEO RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1194** -औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार फेडरल बैंक लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण, इरनाकूलम के पंचाट (संदर्भ संख्या 307/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 13-4-2009 को प्राप्त हुआ था ।

[सं. एल-12012/274/1999-आईआर(बी-1)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th April, 2009

**S.O. 1194.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 307/2006 ) of Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ernakulam, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Federal Bank Ltd., and their workmen, received by the Central Government on 13-4-2009.

[No. L-12012/274/1999-IR (B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

**ANNEXURE**

**IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, ERNAKULAM**

**Present:** Shri P. L. Norbert, B.A., LL.B.,
Presiding Officer

(Friday the 27th day of March, 2009/6th Chaitra, 1931)

**ID 307/2006**

**[ID 66/1999 of Labour Court, Ernakulam]**

**Union:**

The General Secretary,
Federal Bank Employees Union,
F.B.E.U, P.B.No.10,
Central Office,
Alwaye-683 101.

By Adv. C. Anik Kumar

**Management:**

The Chairman,
Federal Bank Ltd.,
Head Office,
Alwaye-683 101.

M/s. B. S. Krishnan Associates

This case coming up in Adalat on 27-3-2009, this Tribunal-cum-Labour Court on the same day passed the following.

**AWARD**

This is a reference made under Section 10(1) (d) of Industrial Disputes Act challenging the dismissal of services of the workman by management bank.

2. When the matter came up for adjournment parties expressed their willingness for an amicable settlement. Hence the case was taken up in Lok Adalat and negotiated for a settlement. Accordingly the parties finally came to a settlement that the dependent of the deceased employee will be given preference in employment when the management bank conducts recruitment provided dependent is complying with eligibility criteria. An agreement to that effect was signed by the parties in the presence of the mediator.

In the result an award is passed in terms of the settlement, a copy of which is appended to the award.

The award will come into force one month after its publication in the Official Gazette.

Dictated to the personal Assistant, transcribed and typed by her, corrected and passed by me on this the 27th day of May, 2008.

P. L. NORBERT, Presiding Officer

**APPENDIX**

**Witness for the Union** - Nil

**Witness for the Management** -
MW 1- 14-7-2008 - Shri Dominic Joseph

**Exhibit for the workman** - Nil

**Exhibit for the Management** -
M 1- 14-7-2008 - Enquiry file.

**IN THE CGIT-CUM-LABOUR COURT, ERNAKULAM**

**ID. No. 307/2006**

After discussion between the parties in Lok Adalat it is agreed by the parties that preference in employment will

be given to the dependent of the deceased workman as and when a suitable vacancy arises and when bank decides to conduct recruitment, provided the dependent of the workman is complying with the eligibility criteria stipulated by the bank and the candidate is found suitable for the post in selection/interview.

Dated this the 27th day of March, 2009.

Union:

Sd/

Management:

Sd/

Counsel for Union:

Sd/

Counsel for Management:

Sd/

Mediator

Sd/-

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1195** -औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ पटियाला के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आद्योगिक अधिकरण चण्डीगढ़ नं. 1 के पंचाट (संदर्भ संख्या 01/2008) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 13-4-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/153/2007-आई.आर.(बी-1)]

अजय कुमार, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th April, 2009

**S.O. 1195**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.01/2008) of the Central Government Industrial Tribunal-Cum- Labour Court, No.1, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of State Bank of Patiala and their workmen, received by the Central Government on 13-4-2009.

[No. L-12012/153/2007-IR (B-1)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA PRESIDUNG OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH**

**Case No. I.D.1/2008**

Smt. Kaushalya W/o Shri Joginder Singh, Vill. & P.O.: Murthal, The. & Distt. Sonepat.

Applicant

**Versus**

The General Manager, State Bank of Patiala, Panipat.

Respondent

**APPEARANCES**

For the Workman: Workman in person

For the Management: Shri S.K. Singla AGM alongwith S.K. Gupta.

**AWARD**

Passed on 6-3-2009

Central Government vide notification No. L-12012/153/2007-IR (B-1), dated 10-12-2007, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of State Bank of Patiala in terminating services of Smt. Kaushalya w/o Shri Joginder Singh, Ex-Part Time Sweeper w.e.f. 9-2-2007, is fair, legal and justified? If not, to what relief she is entitled to and from which date?

2. Case taken up in Lok Adalat. It is agreed that as and when vacancy exists, the name of workman shall be considered as per the rules and regulations of the department. If her name has been sponsored by the employment office. In view of the above settlement, the present reference is disposed off as settled. Central Government be informed. File be consigned.

Chandigarh.
6-3-2009

G.K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1196**.-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 139/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 13-4-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12014/02/2009-आई.आर.(बी-I)]

अजय कुमार, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th April, 2009

**S.O. 1196** —In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.139/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-Cum- Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of State Bank of Hyderabad, and their workmen, received by the Central Government on 13-4-2009.

[No. L-12014/02/2009-IR (B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD**

**Present:** Shri Ved Prakash Gaur, Presiding Officer

Dated the 5th day of February, 2009

**Industrial Dispute L.C.I.D.No. 139/2006**

**BETWEEN**

Sri B. Shiva Kumar,
S/o Late Babiah,
R/o H.No. 18-7-181/19, Nalla Pochamma,
Basthi, Outside Gowlipura,
Hyderabad ....Petitioner

AND

1. The General Manager,
State Bank of Hyderabad ,
Head office at Gunfoundry,
Hyderabad -500 001.

2. The Assistant General Manager,
State Bank of Hyderabad , Region-II
Zonal Office, Varakantam Complex,
Kachiguda, Hyderabad -500 027.

3. The Branch Manager,
State Bank of Hyderabad ,
Hi-tech City Branch,
Q1, A2-Ist floor,
Cyber Towers, Madhapur,
Hyderabad -500 033. ....Respondents

**APPEARANCES**

For the Petitioner : M/s. P. Venkateswara Rao & G. Srinivasa Reddy, Advocates

For the Respondent : M/s. Ch. Shiva Reddy & T.G. Prasad Reddy, Advocates

**AWARD**

This is a case taken under Sec.2 A (2) of the I.D. Act, 1947 in view of the judgment of the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh reported in W.P. No.8395 of 1989 dated 3-8-1995 between Sri U. Chinnappa and M/s. Cotton Corporation of India and two others.

2. Petitioner filed this petition against oral termination of his services on 22-6-2005 by the Respondent. It is submitted that the Petitioner was engaged in the 3rd Respondent branch in the month of March, 2000. It is further submitted that despite several requests to regularize his services, instead of regularization, he was orally terminated on 22-6-2005. Aggrieved by which he filed writ petition No.24404/2005 which was allowed stating that in case the Respondents engage any individuals for the same functions, which were being discharged by the Petitioner, the case of the Petitioner shall also be considered. Later he was engaged for 5 years and orally terminated on 22-6-2005. He Prayed this court to direct the Respondents to reinstate Petitioner into service with continuity of service and other benefits.

3. A counter has been filed by the Respondent. It is submitted that in exigencies, whenever it is required he was engaged now and then as casual labourer on the daily wages basis. It is submitted that the Petitioner was not regularly employed and he has no right to claim for regularization or for permanent employment and hence, the petition be dismissed.

4, After filing of counter the case called out for Petitioner's affidavit of chief examination on 5-2-2009, but the Petitioner has not filed his own affidavit, nor he is present. No adjournment application is being filed, as such Petitioner's evidence is closed. Hence, a Nil Award is passed in absence of evidence. Transmit.

Dictated to Smt P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected and pronounced by me on this the 5th day of February, 2009.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

**Appendix of evidence**

**Witnesses examined for the Petitioner** - Nil

**Witnesses examined for the Respondent** - Nil

**Documents marked for the Petitioner**

**NIL**

**Documents marked for the Respondent**

**NIL**

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1197.**-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार फेडरल बैंक लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण इरनाकूलम के पंचाट (संदर्भ संख्या 02/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 13-4-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/131/2006-आईआर(बी-I)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th April, 2009

**S.O. 1197**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.02/2007 ) of the Central Government Industrial Tribunal-Cum- Labour Court, Ernakulam as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Federal Bank Ltd., and their workmen, received by the Central Government on 13-4-2009.

[No. L-12012/131/2006-IR (B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, ERNAKULAM**

**Present:** Shri P.L. Norbert, B.A., LL.B., Presiding Officer

(Friday, the 20th day of March, 2009/29th Phalguna 1930)

**I. D. 2 OF 2007**

Union:

The State Secretary,
Federal Bank Staff Union,
Bank Junction, Aluva,

By Adv. Sri H.B. Shenoy

Management :

The Chairman,
Federal Bank Ltd.,
Head Office, Aluva
By M/s. B.S. Krishna Associates

This case coming up for final hearing on 17-3-2009, this Tribunal on 20-3-2009 passed the following :

**AWARD**

This is a reference made under Section 10(1) (d) of Industrial Disputes Act. The reference is :

> "Whether the action of management of Federal Bank in dismissing the services of Smt. Mini Joseph from its services w.e.f. 3-5-2005 on account of unauthorised absenteeism is fair and justifiable? If not, to what relief she is entitled to?"

2. The facts of the case in a nutshell are as follows:—

Smt. Mini Joseph was a Clerk of Federal Bank, Oorakam Branch. While so, she was charge sheeted on 8-11-2004 for unauthorised absence for a period of 249 days from 6-2-2004 to 6-11-2004 with intermittent attendance for short spells and for willful insubordination or disobedience of the lawful and reasonable order of the management and breach of rule of business. An enquiry was conducted and she was found guilty of charges and was dismissed from service. Though she filed an appeal she did not succeed. The findings and punishment are under challenge.

3. According to the union which has espoused the cause of the workman leave applications were submitted with medical certificates whenever the worker was absent from duty. Inspite of that the management proceeded against the worker. The enquiry was conducted in violation of the principles of natural justice. The enquiry officer proceeded with a biased mind. Reasonable opportunity of defence was denied by the Enquiry Officer. An opportunity to peruse management documents and cross examine management witnesses were denied to the worker. Material documents were not produced by the management. The punishment is illegal and highly disproportionate. No gross misconduct is proved. Even if the allegations are true they amount to minor misconduct only. The workman is entitled to be reinstated with all monetary and service benefits.

4. According to the management the worker remained absent for 249 days during 2004 affecting the smooth functioning of the branch. She used to attend the office for the sake of creating a break in continuous absence. The management had asked her several times to report for duty. She was examined medically through the medical officer of the bank and found that she had no serious illness requiring rest. Despite repeated directions the worker remained absent. This has affected the discipline of the office. Initially she had applied for maternity leave for 180 days from 10-5-2003, which was allowed. Thereafter she had applied for EOL on loss of pay for 91 days from 6-11-2003, which was also sanctioned. But after resuming duty on 5-2-2004 again she applied for sick leave for 30 days from 6-2-2004. The leave was not granted. But she remained absent thereafter. Hence she was proceeded against for disciplinary action. She was given sufficient opportunity to cross examine management witnesses and adduce defence evidence. The worker participated in the enquiry throughout and she was defended by Vice President of the union. However the defence neither examined any witness nor produced any document on the defence side. A copy of the report was given to the worker calling for representation on the findings of Enquiry Officer. However the Disciplinary Authority after considering the submissions of the worker and going through the report did not find any reason to differ from the findings of the Enquiry Officer. Hence the Disciplinary Authority proposed the punishment of dismissal and gave a personal hearing to the worker. Thereafter the punishment of dismissal was imposed. The appeal filed by the worker was rejected. There is no violation of the principles of natural justice. The finding was entered on the basis of the evidence on record. The punishment is in accordance with the provisions of Bipartite Settlement. It is for willful insubordination or an act of disobedience of the lawful authority that the punishment of dismissal was imposed. There is no ground for interfering either with the findings or with the punishment.

5. In the light of the above contentions the following points arise for consideration:

(1) Are the findings sustainable?

(2) Is the punishment legal and proper?

The evidence consists of Ext. M1 Enquiry File alone.

6. **Point No.1:**— Ext. E4 is the charge sheet. The charges are that the worker remained absent without leave, committed willful insubordination or disobedience of lawful and reasonable order of the management and committed breach of any rule of business of the bank falling under clause 19.5(e), 19.7(a) and (d) of Ist Bipartite Settlement. The first charge is a gross misconduct and the other charges, minor misconduct. The enquiry officer found the worker guilty of the misconduct alleged. This finding was confirmed by the disciplinary authority. In the appeal there was no interference with the findings. The learned counsel for the union argued that no major misconduct is made out even if the charges are admitted. According to the learned counsel absence without leave being the main charge, the other charges have no independent existence.

7. The worker Smt. Mini Joseph had availed maternity leave for 180 days from 10-5-2003 to 5-11-2003. Thereafter she had availed EOL on loss of pay for 91 days from 6-11-2003 to 4-2-2004. She resumed duty on 5-2-2004, but sought sick leave for 30 days from 6-2-2004. This was not granted by the management. She again sought extension of leave for another 30 days from 7-3-2004. This was also not granted and she was issued with a show-cause notice dated 17-3-2004 (Ext. E-1) as to why her absence from 6-2-2004 shall not be treated as unauthorised and why disciplinary action shall not be initiated against her and she was directed to report for duty immediately. There was no reply. But on 3-4-2004 (Saturday) she resumed duty and remained absent from 5-4-2004 (Monday) and then sent a letter dated 5-4-2004 to the branch with a medical certificate requesting for leave for 60 days on sick ground. Again she sought extension of leave for 15 days from 4-6-2004 and submitted a medical certificate. Due to the frequent absence of the worker the management decided to subject her to medical examination by a medical officer of the bank as well as an Orthopaedic Surgeon of Amrita Institute of Medical Sciences, Edappally. The worker complied with the direction for medical check up by the medical officer of the bank as well as the Orthopaedic Surgeon of Amrita Institute. The Orthopaedic Surgeon recommended the worker for an MRI Scan. However the MRI Scan was not taken by the worker. On 21-6-2004 the worker reported for duty and again remined absent from 22-6-2004 onwards. She applied for sick leave for 30 days on account of low back ache from 22-6-2004. Again she applied for leave on sick ground for 20 days from 22-7-2004. The management by Ext.E-3 show-cause notice directed the worker to report for duty immediately and also intimated that her absence from 6-2-2004 onwards were treated as unauthorised and hence on loss of pay and disciplinary action was being initiated. The worker sought extension of leave for another 10 days on medical ground. On 17-8-2004 she resumed duty. She worked for 4 days and availed Casual Leave thereafter for 3 days. She remained absent from 26-8-2004 and applied for leave. She joined duty on 1-9-2004. Then she applied for 10 days' leave from 9-9-2004. She then availed one day's casual leave 22-9-2004. Thereafter she applied for leave for 23 days with medical certificate. Thus altogether she had remained absent without sanction of leave for 249 days from 6-2-2004 to 6-11-2004 with intermittent presence for one or two days.

8. The first misconduct is unauthorised absence though the charge sheet contains another misconduct of willful disobedience of lawful and reasonable order of the management. None of her leave applications for the period from 6-2-2004 onwards were allowed. She was complaining of low back ache which according to her compelled her to take leave. The management grew suspicion on account of the frequent absence and hence she was subjected to medical examination by the medical officer of bank as well as Orthopaedic Surgeon of Amrita Institute. Since the opinion of those doctors was that she did not suffer any serious illness requiring rest, her leave applications were rejected. She was asked to report for duty as per Ext.E-1 notice and she complied with the direction formally by resuming duty and working for a day. She also complied with Ext.E-2 direction of the bank to appear for medical check up before medical officer of the bank as well as Orthopaedic Surgeon of Amrita Institute. Ext. E-3 is another notice dt. 10-8-2004 asking worker to report for duty immediately and it was received by her on 13-8-2004. But by letter dated 11-8-2004 she applied for extension of leave for 10 days more. On 17-8-2004 she resumed duty. Thus she complied with the direction in Ext. E-3 formally. But she worked only for 4 days and then again went on leave. What is alleged in the charge sheet is that she had not complied with the direction of the management to report for duty immediately. Other than Exts. E-1 and E-3 show-cause notices, no other notice is produced. Ext.E-2 is a direction to the worker to appear before the doctors mentioned by the bank. That was complied with. Thus it is not clear from the charge sheet which instruction or direction of the bank was not obeyed by the worker. It is true that despite refusal to grant leave the worker continued to remain absent. But it is to be noted that the misconduct committed first is absence without leave. It is because of the unauthorised absence that it is alleged that she had willfully disobeyed the direction of the management to report for duty. No other instance of insubordination or disobedience of the reasonable or lawful order of the authority other than in connection with the unauthorised absence is alleged in the charge sheet. Therefore if there is no unauthorised absence there cannot be a misconduct of disobedience also. The worker was claiming that she was sick due to back ache and she had produced medical certificates whenever she applied for leave. But the management was not satisfied with the medical opinion. Hence they obtained medical report from the medical officer of the bank as well as Orthopaedic Surgeon of Amrita Institute. Thus it is on account of leave taken by the worker without sanction that the misconduct alleged have arisen. In the circumstances the misconduct of willful disobedience cannot exist without the misconduct of unauthorised absence. Absence without leave is a minor misconduct as per clause 19.7(a) of First Bipartite Settlement. She has never remained absent continuously for a period exceeding 30 days so as to attract gross misconduct under Clause 5(p) of settlement dated 10-4-2002 (supplementary to 7th Bipartite Settlement). If mere absence without leave is the misconduct it can only be a minor misconduct. If the main allegation is that the worker remained absent unauthorisedly during different spells not exceeding 30 days, it is only a minor misconduct. If the main misconduct

alleged is absence without leave, then the other charge which is an offshoot of unauthorised absence cannot be termed as a gross misconduct. If it is so, then for absence for one or two weeks, the employer can issue a notice asking to report for duty within 3 or 4 days and for failure he can be proceeded for major misconduct alleging willful disobedience. That is not the intention for including absence without leave among minor misconduct under Clause 19.7 of Bipartite Settlement. That apart the disobedience if any is not willful but on account of the claim of the worker that she is sick. Therefore the worker has not remained absent willfully disobeying the direction of the management but on account of her own reasons.

9. The management is not without remedy to take stringent action against a chronic absentee. Enough safeguards are provided in the Bipartite Settlement for such absence. Clause 19.5 (f) refers to habitual doing of any act which amounts to minor misconduct and if such minor misconduct is repeated and punished three times with censure or warning then it becomes a gross misconduct. Therefore if an employee remains absent on and off the management is free to resort to clause 19.5(f) and throw him out of service. Not even an enquiry is required in taking action for minor misconduct on the first two occasions and it is only on the 3rd occasion that an enquiry is called for. [(See Clause 3(iii) part II (b) of settlement dated 31-10-1979)]. Clause 19.5(f) of Ist Bipartite Settlement and Clause 3(iii) part II (b) of settlement dated 31-10-1979 read:— (See-Bipartite Settlements, M/s. H.P.J. Kapoor Publication, 12th Edition):—

Clause 19.5(f):

"habitual of doing of any act which amounts to 'minor misconduct' as defined below, 'habitual' meaning a course of action taken or persisted in notwithstanding that at least on three previous occasions censure or warnings have been administered or an adverse remark has been entered against him".

Clause 3 (iii) part II (b)

"Where an employee is charged with a minor misconduct and an enquiry is not held on two previous occasions, an enquiry shall be held in respect of the third occasion".

Instead of resorting to Clause 19.5 (f) of First Bipartite Settlement the management is trying to impose deterrent punishment by calling in aid Clause 19.5 (e) of the settlement. If the original cause for disciplinary action is unauthorised absence then a misconduct which has germinated out of unauthorised absence cannot be brought under the head of major misconduct. Otherwise the very purpose of provision for minor misconduct becomes meaningless. If the disobedience was on account of some other reason it could be treated as a gross misconduct. It is for the management to sanction the leave or reject it. But the conduct of the worker in remaining absent cannot be treated as willful disobedience or insubordination to the direction of superior officers. The finding to that extent is perverse and unsustainable. However there is absence without leave on many occasions as alleged by the management. Therefore that charge of absence without leave or unauthorised absence should stand.

10. **Point No. 2:**— In view of the above finding that charge of willful insubordination or disobedience is unsustainable it follows that the punishment of dismissal also cannot stand. For absence without leave stoppage of increment for a period of six months with cumulative effect under Clause 19.8(C) of the settlement was ordered by the Disciplinary Authority and that alone is sustainable. Consequently the workman is entitled to be reinstated with all consequential benefits less stoppage of increment for a period of six months.

In the result an award is passed finding that the action of the management in dismissing the worker Smt. Mini Joseph from service is illegal and unjustified but stoppage of increment for a period of six months with cumulative effect is legal and justified and the worker is entitled to be reinstated with backwages and all consequential benefits less the punishment upheld as aforementioned.

The award will come into force one month after its publication in the official gazette.

Dictated to the Personal Assistant, transcribed and typed by her, corrected and passed by me on this the 20th day of March, 2009.

P. L. NORBERT, Presiding Officer

**APPENDIX**

**Witness for the Union** - Nil

**Witness for the Management** - Nil

**Exhibit for the Union** - Nil

**Exhibit for the Management** -

M 1- : - Enquiry file.

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1198.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद मे केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, चैन्नई के पंचाट (संदर्भ संख्या 12/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-04-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/113/2006-आईआर(बी-I)]
अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th April, 2009

**S.O. 1198.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.12/2007 ) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court , Chennai now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of State Bank of India, and their workmen, received by the Central Government on 16-04-2009.

[No. L-12012/113/2006-IR (B-I)]
AJAY KUMAR, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHENNAI**

Monday, the 30th day of March, 2009

**PRESENT**

Shri A.N. Janardanan, Presiding Officer

**INDUSTRIAL DISPUTE NO. 12/2007**

(In the matter of the dispute for adjudication under clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), between the Management of State Bank of India and their Workman)

**BETWEEN**

Sri B.Ramar : I Party/Petitioner

Vs.

The Asstt. General Manager : II Party/Management
Region - II
State Bank of India
Zonal Office,
Madurai

**APPEARANCES**

For the Petitioner : M/s. Balan Haridass

For the Management: Sri V.R. Gopalarathnam

**AWARD**

The Central Government, Ministry of Labour vide its order No. L-12012/113/2006-IR (B-1) dated 31-01-2007 referred the following Industrial dispute to this Tribunal for adjudication.

The schedule mentioned in that order is :

" Whether the Punishment of Discharge from service imposed on Sri B. Ramar by the Management of State Bank of India, Madurai is legal and justified ? If not, to what relief the workman is entitled "?

2. Taking the reference on file as ID 12 of 2007, notices were issued to both parties and both the parties entered appearance through their respective counsel. Both the parties filed Claim and reply Statement as the case may-be.

3. The case of the petitioner, briefly stated, is as follows:

The petitioner who joined the Respondent Bank as a Sub-Staff was thereafter promoted as Asstt. in Sivakasi Town Branch. One Jeyachandran, Clerk committed fraud to the tune of several lakhs of rupees. He was running a parallel banking business. He had been in the habit of not remitting money in the bank which he was collecting from the customers but was making entries in their pass books. The customers had been used to handovet money to Jeyachandran instead of remitting at the counter. The petitioner has no role in the fraud. But on 18-11-2002, the Respondent/Bank placed him under Suspension and thereafter charge sheeted him with three charges as (i) that the petitioner by failing to incorporate the name of the lodgers of the instrument in the local register in the column "for credit of / payment of "and also failing to write the account numbers legibly in many cases facilitated A. Jeyachandran to alter the account number in LOCL Register and Substitute Credit Vouchers of his choice to defraud the bank, (ii) remittances made by 7 customers with the petitioner in the Cash Counter were not accounted in the books of the bank and (iii) the petitioner introduced his friend Mathivanan to Jeyachandran and arranged loan of Rs. 2.00 lakhs to Jeyachandran from Mathivanan. The petitioner is alleged of misconduct under Section-5(J) of the Memorandum of Settlement dated 10-04-2002. The petitioner submitted explanation to the charge. A domestic enquiry was held and in the report dated 24-04-2004, Charge (i) was found proved. Charge (ii) was partly proved and Charge (iii) not proved. He offered his comments. the Disciplinary Authority proposed penalty of dismissal as per notice dated 16-06-2004. The petitioner had all along been doing local and outward clearing work as dictated by the Branch Manager. Accordingly, he has been writing the lodger pertaining to the above clearing as per the branch practice of only writing the account number in the register. The name of the lodger of the instrument was never written by anyone and that practice was being tacitly approved locally, which is not denied. The petitioner not expected or not trained to do the work when was being done, he followed the practice in the branch. At the most, it may amount to only a minor misconduct. The customers had not remitted money with the petitioner, who is only a receipt cashier.

The petitioner challenged the charge sheet and second notice proposing penalty of dismissal from service without notice in WP 17766 of 2004 before the Madras High Court. The same was dismissed with a direction to make a request before the Disciplinary Authority. The petitioner gave a reply on 16-07-2004 to the Disciplinary Authority but the major penalty of dismissal from service was imposed by his order dated 22-07-2004. The finding of the Enquiry Officer is perverse being made without proof of the allegations against the petitioner. The appeal preferred on 12-08-2004 before the Appellate Authority without considering the grounds only modified the punishment as one of discharge from service as per order dated 09-11-2004. For no fault the petitioner has been deprived of his employment. The findings of the Enquiry Officer are perverse and against the evidence. The punishment imposed is grossly disproportionate to the allegations and, therefore, the same invites interference under Section-11A. It is prayed that the punishment of discharge be set aside and the petitioner be reinstated with full wages, continuity of service and other attendant benefits.

4. In the Reply Statement of the Respondent, it is stated as follows :

On the complaints of 7 named persons, the petitioner was alleged to have committed gross misconduct and he was charge sheeted calling upon him to answer to three charges in relation to his failure to incorporate suitable entries in LOCL Register, for not accounting the remittances made in the books and also for arranging loan of Rs. 2.00 lakhs to Jeyachandran, employee of the bank through his friend Mathivanan. A due enquiry with participation of the petitioner was conducted . In the enquiry charge (i) was proved, charge (ii) partly proved and charge (iii) was not proved. On consideration of the enquiry report and comments of the petitioner, the Disciplinary Authority on 10-04-2002 proposed the punishment of dismissal without notice. Opportunity given for personal hearing on 26-06-2004 or on 30-06-2004 was not availed by him. On 16-07-2004, the petitioner attended personal hearing fixed after the disposal of the Writ Petition and on consideration of his comments, imposed the proposed punishment of dismissal without notice under Para-6 (a) of Memorandum of Settlement dated 10-04-2002. In the appeal, the punishment was modified into discharge from service. The acts of misconduct of the petitioner facilitated Jeyachandran to commit fraud by substituting credit vouchers of his choice. The charge sheet when taken as a whole, would amount to misconduct. The petitioner cannot plead that he was only a promotee for doing his duty entrusted to him in a negligent manner. The misconduct of the petitioner resulted in prejudice to the interests of the bank and the same is gross misconduct under Para-5 (j) of Memorandum of Settlement. He is not to follow any wrong practice against the laid down instructions. The customers have deposed in the enquiry that they remitted cash to the petitioner. The report of the Enquiry Officer and the order of the Disciplinary Authority are well reasoned and are valid. The Appellate Authority reduced the punishment taking a lenient view on some mitigating factors. It is denied that the petitioner is innocent. It is also denied that the punishment is grossly disproportionate to the charges. It is prayed that the prayer of the petitioner be dismissed.

5. The points for determination are :

(i) Whether the punishment of discharge from service of the petitioner by the Management of State Bank of India, Madurai is legal and justified ?

(ii) If not to what relief the workman is entitled ?

**Point No. 1**

6. On the side of the workman, no evidence was adduced either oral or documentary. On the side of the Management, Ex.M1 to Ex.M9 were marked by consent but no oral evidence was adduced. A copy of the judgment in CC 5/2005 of the Court of Special Court for CBI Cases, Madurai is marked as C.1. The petitioner workman while was working as Asstt. in Sivakasi branch of the Respondent/Bank on promotion from sub-staff was on 18-11-2002 suspended and thereafter he was charge sheeted with three charges viz. (i) in which he is alleged to having failed to incorporate the names of the lodgers of the instruments in the local register and the account numbers legibly thereby facilitating one Jeyachandran, a Clerk to alter the account numbers in the local register and to substitute credit vouchers of his choice to defraud the bank and of failing to account in the books of the bank made by 7 customers and (iii) introduction of his friend Mathivanan to the said Jeyachandran and arranging a loan to the latter to the tune of Rs. 2,00 lakhs. Thus the petitioner stood alleged of misconduct under Section-5 (j) of the Memorandum of Settlement dated 10-04-2002. In the domestic enquiry held, the first charge was held proved. The second charge was held partly proved and third charge as not proved. In the culmination of the enquiry on the basis of the report dated 24-04-2004, the Disciplinary Authority as per order dated 22-07-2004 after having given to the petitioner an opportunity of being heard dismissed him from service which in the appeal order dated 09-11-2004 was reduced into one of discharge from service.

6. The contention of the learned counsel for the petitioner is that the petitioner being a promote from a sub-staff was not trained to do the work which he was doing in the context of doing which the three allegations were raised against him. He was just following the practice of not writing the names of the depositors and that of writing only the account numbers in the books of remittances then in vogue in the branch at Sivakasi, He was only a Receipt Cashier. The customers had not remitted money with him. The finding of the Enquiry Officer is perverse arrived at without proof of allegations on support of any legal evidence. It is also contended that the punishment imposed is grossly

disproportionate to the proved charge and, therefore, interference of this Tribunal under Section-11 (A) is invited.

7. As against this, the contentions advanced by the counsel of the Respondent are that the petitioner cannot canvass the contention that he being only a promotee cannot be made responsible for his negligence of his duty. The manner of exercise of his duty amounts to gross misconduct under Para-5 (j) of Memorandum of Settlement. There cannot be any justification for him to follow any wrong practice against laid down instructions. Again according to him the customers have testified that they remitted cash with the petitioner. The punishment is well reasoned and valid. It is not disproportionate to the charges.

8. The crux of the contention of the learned counsel for the petitioner is that the finding of the Enquiry Officer is perverse. The finding is based on no valid or legal evidence. Evidently, as against the three charges levelled against the petitioner, only the first charge is found proved by the Enquiry Officer, the second charge is found only partly proved and the third charge is not proved at all. The first charge is in relation to the alleged non-recording of the names of the lodgers of various instruments in the books of remittances with the Respondent/Bank. The second charge is that the petitioner did not account the remittances of cash made by 7 customers in the cash counter. According to the petitioner, he was working as a sub-staff and it was as Assistant on promotion that he was discharging the duty as a Receipt Cashier that too on the instruction of the Manager of the Respondent/Bank. While so, he was just following the practice of only writing the account numbers of the depositors in the books of remittances leaving the names of the lodgers of the various instruments blank.

9. That the delinquent while recording remittances from lodgers of instruments in the books of account of the Respondent Bank omitted to register the names of the lodgers of the instruments is virtually admitted by him. His explanation for this omission is that in relation to the particular branch of the Respondent Bank at Sivakasi the same has been the practice and he has also followed the same. The prevalence of this practice is not denied by the Management. According to the Respondent the said practice when resulted in loss and prejudice to the bank the same cannot be approved which is against the laid down instructions from the bank. According to the Respondent, the said omissions committed by the delinquent facilitated Jeyachandran to defraud the bank. This statement may or may not be true . But it is unwise on the part of the Enquiry Officer to readily jump into such conclusions. Here it is germane to consider :

Was it that in the absence of the omissions of the names of the lodgers of the instruments in the books of account Jeyachandran could not have committed the fraud ? For a proper answer some investigation into the questions is necessary. But without doing so, the Respondent Bank was leaning against the workman to attribute culpability upon him without any sound edifice for such allegations.Here it could be seen that the conclusion arrived at is as an outcome of nothing but surmises and conjectures. The assumption is illogical and irrational. The same cannot be sustained. No doubt,a practice followed against laid down instructions on specific matters cannot be said to have the force of rule even if all other staff members had been resorting to the very same practice which the petitioner also opted to follow when he was entrusted the duty under a direction of his superior. Such practice against a laid down instruction might continue as long as there has been no prejudice or loss occasioned thereby. But once due to the practice followed in departure from the laid down instruction some loss or prejudice, is occasioned rendering the wrong practitioner accountable to it, he cannot seek shelter saying that he did so as a practice which had been in vogue in the branch and followed by his own counterparts while they exercised the same or similar functions. Another argument on behalf of the petitioner is that he was a promotee to the post of Assistant from the post of a Sub-staff and that he was not duty bound to attend to the duty of Cashier during the exercise of which duty the issues arose and that he was olny acting to attend the duty on the direction of his superior as a stop-gap arrangement; he was lacking much educational qualifications, experience etc. and that these factors are also causes attributable for the omissions to occur in the books of account of the Respondent. According to me these contentions cannot be validly availed by the delinquent inasmuch as when once he is entrusted with a duty, he is bound to perform it in due exercise of care and caution required of him. A practice followed by him against a laid down instruction can only be at his own risk. If anything untoward entails out of such practice the delinquent cannot shirk responsibility for loss or prejudice arising out of it to the Respondent Bank which he is bound to serve with honesty and sincerity. Here the erring conduct of the delinqent in omitting to record the names of the lodgers of the instruments in the books of account of the bank could be found nothing but the outcome of some lack of advertence on his part. He was tempted to do so on account a prevalence of such practice in the bank regarding which there is no dispute. For the said delinquence attributable to the petitioner there could be found a sound reason viewed from his angle and as stated by him be would be justified to do so since there used to be such a practice which could be conveniently continued by him with no prejudice or loss ensuing to anybody. It is pertinent to note that but for the fraud committed by Jeyachandran, no prejudice or loss could have been there to the bank. But the facility to commit fraud is not logically traceable to the said wrong practice. When it was the practice in the branch how Ramar could be attributed to have facilitated it. The finding could only be a biased one. The erring conduct of the delinquent could be found to be something short of even negligence or at the most it can be a mild form of negligent conduct in that he did not advert

to himself to avoid the said practice and to switch over to follow what is in accordance with the instructions laid down to enter names of the lodgers of instruments. The same may come under S7(C) of the Bipartite Agreement only. The delinquent could be actuated to do so by an error of judgment as well when he thought in so doing he is not doing any mistake. However, what emerges from all these circumstances is that the delinquent conduct on the part of the petitioner is not one contributed by any deliberate intention. It could only be accidental which was being followed in sequence since its flow in the manner was not till then blocked for any reason due to supervention of any contingency such as a direction to invariably enter the names of the lodgers of instruments in the books that emanated form his superior. According to me the mistake committed by the petitioner canot be characterized as a serious misconduct but may be one falling under Section-7 (C) of Bipartitie Settlement though still it is culpable and needs to be corrected which could well be met with by imposing some minor punishment other than that imposed presently on him. Therefore the punishment imposed on the petitioner under the first charge in the wake of his being found guilty thereunder is to be found to be disproportionate to the gravity of the charge and the same, therefore, calls for intervention by this Tribunal by an order reducing the same to a minor punishment.

10. The second charge that the delinquent did not account for the moneys received by him at the counter is not at all proved by means of any legal evidence. The persons who complained about this have not produced any counterfoil of the receipts for the said remittances of money. There is no evidence that the coustmers actually remitted their moneys with the petitioner. The stand maintained by the pertitioner throughout has been that he was only a receipt cashier and that it was Jeyachandran with whom the depositors were ususally paying the money. In the Pass Book of the depositors Jeyachandran made entries on the basis of which petitioner made the entries regarding the deposits in the books. In fact there is no legal or trustworthy evidence to show that petitioner actually received any money. There is no consistent or reliable version for the complainants that it was with "Ramar", the petitioner that they remitted cash. Their consistent case is that they remitted cash at the counter. Their further versions goes to show that they may not have themselves come to the bank every time to deal with their transaction. There is the presence of one Subburaj a relative of some of the complainants who was introudced to the Bank through Jeyachandran. His involvement in carrying out the bank transactions is strikingly brought home by the witnesses.The versions of the complainants are discernibly vague, evasive and incapable to repose confidence upon. None of them has been able to identify the Cashier as Ramar. Their case is that Pass Book entry is made by one bank staff. No case for them that it was Ramar. They do not remember the Cashier. There is no allegation that there is any connivance between the petitioner and Jeyachandran in the defrauding of the bank. Jeyachandran was convicted under C1 judgment in C.C. 5/2005 of the CBI Special Court, Madurai. There is no reliable testimony or documentary evidence to enter a finding that it was the petitioner who received moneys from the various depositors which are not accounted for in the books of account of the bank. The Enquiry Officer acted virtually with no legal evidence to hold that the petitioner did not account for the moneys allegedly entrusted to him by depositors. Indeed in a vacuum of evidence on the aspect he arrived at the conclusion. His finding is that the charge against the petitioner is partly proved. It is alien to comprehension how a material fact sought to be established to have existed is held partly proved. In order to establish a fact, such fact needs to be proved in whole on the support of valid and cogent materials. Here the finding that the 2nd charge is partly proved itself is suggestive of the fact that the said charge has not been proved at all. Even according to the Enquiry Officer this projects the fact that the second charge against the petitioner has not been proved at all whereas the view of the Enquiry Officer is still that the same has been partly proved . This shows that the findings of the Enquiry Officer is perverse, arbitrary and biased. The Enquiry Officer has been persuaded by surmises and conjectures to find fault with the petitioner. The perversity of the finding could further be found from the fact that the Enquiry Officer took it for granted that the cash counter was manned by Ramar alone for which reliance is seen placed on the chargesheet. Reversely then it is pertinent to ask what was the material on which chargesheet was based ? Even if Ramar had manned the Cash Counter, it is not reliably brought home that the cash was remitted with him alone . Still the Enquiry Officer has been out and out to attribute him with negligence by holding him guilty of the second charge. The witnesses who gave evidence before him against the petitioner are discernibly persons not knowing the person who actuallly collected money from them. These persons merely gave their "ipse dixit" natured versions before the Enquiry Officer. The Enquiry Officer simply relying upon them and without being objectively satisfied as to their worthiness or credibility proceeded to give a verdict against the petitioner. There need not be any hesitation to hold that the finding of the Enquiry Officer regarding the second charge is perverse and is, therefore, unsustainable . It is against the principles of natural justice. So the petitioner cannot be found guilty of the second charge levelled against him. Regarding the first charge the delinquent has virtually admitted the guilt and that is not a thing germane for further consideration. For the allegedly proved charges as above the petitioner was imposed with the punishment of discharge from service which was by way of modification of the punishment of dismissal from service as originally proposed. As already mentioned above the punishment imposed is one disproportionate to the gravity of the offence committed by the delinquent. When

for the aforesaid punishment imposed on the petitioner the weighing consideration with the Disciplinary Authority or the Appellate Authority was the proved or rather admitted fact of the petitioner's having not noted the names of the lodgers of instruments in the books of account of the bank by reason of an on going practice over and above the partly proved charge against him as alleged that he did not account for the moneys collected by him from which charge he is hereby absolved by me the same fact itself constitutes a valid ground for the imposition of a lesser punishment on the petitioner than what has already been imposed viz. discharge from service. As already mentioned by me above the non-recording of the names of the lodgers of the instruments by the petitioner in the books of account of the Respondent Bank could be discerned to be not intentional it is not with any oblique purpose. It was only inadvertent in continuation of an admittedly on going practice in the particular branch and therefore cannot be so culpable as to attribute a gross misconduct on the part of the delinquent employee. Therefore, punishing the employee for such an innocent mistake is not sound. To maintain healthy industrial relationship between the employer and the employee. Punishments should be shaped in a refined manner wherever the particular circumstances so justify.

11. The ID Act enacted to maintain harmonious relationship in the Industrial sector is not with such an objective to punish innocent delinquents with more severe punishment than that the delinquent should be visited with. Of course in order to alert them and similarly delinquent employees from repeating or doing such mistakes the petitioner needs to be visited with only some minor punishment well within the proportion to the offence committed. To meet the ends of justice it needs to be suitably modified and reduced in lieu of the punishment of discharge from service imposed. Therefore while I hold that the petitioner is guilty for minor negligence under Section 7(C) under Charge No.1, I hold him not guilty under Charge No. 2. The finding rendered by the Enquiry Officer for Charge No.2 is perverse and is not legal or justified. The punishment that followed under charge is liable to be set aside together with the finding rendered under the said charge.

12. In the result, the finding of the Enquiry Officer regarding Charge No.2 and the punishment of discharge from service imposed on the petitioner are found not legal or justified and the same are hereby set aside. Instead, the petitioner is awarded a punishment of Be brought down by one stage in the time scale of pay for one year without cumulative effect for Charge No. 1. The petitioner is entitled to reinstatement into the sevice with backwages, continuity of service and all attendant benefits forthwith and I hereby direct the Respondent Bank to comply with it.

13. The reference is answered as above. This award will come into force one month after the date of its publication in the Official Gazette.

(Dictated to the P.A., transcribed and typed by him corrected and pronounced by me in the open court on this day the 30th March, 2009)

A.N. JANARDANAN, Presiding Officer

**Witnesses Examined :**

**For the I Party/Petitioner** : None

**For the II Party/Management** : None

**Documents marked on the side of the Petitioner**

| Ex. No. | Date | Description |
|---|---|---|
| .....Nil..... | | |

**Documents marked on the side of the Management**

| Ex. No. | Date | Description |
|---|---|---|
| Ex.M1 | 07-06-2003 | Charge sheet |
| Ex.M2 | 30-06-2003 | Reply to charge sheet by the Petitioner |
| Ex.M3 | 24-04-2004 | Enquiry Report |
| Ex.M4 | 28-05-2004 | Petitioners comments on Report of Enquiry Officer |
| Ex.M5 | 22-07-2004 | Order of Disciplinary Authority |
| Ex.M6 | 09-11-2004 | Order of Appellate Authority |
| Ex.M7 | 09-11-2004 | Detailed Order of Appellate Authority |
| Ex.M8 (Series) | - | Exhibits filed in Enquiry |
| Ex.M9 | - | Enquiry Proceedings |

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1199.**-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ तरवन कोर के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद मे केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, इरनाकुलम के पंचाट (संदर्भ संख्या 132/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-04-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/228/2001-आई.आर.(बी-1)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th April, 2009

**S.O. 1199.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 132/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ernakulam as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to

the management of State Bank of Travancore, and their workmen, received by the Central Government on 16-04-2009.

[No. L-12012/228/2001-IR (B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

**ANNEXURE**

**IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, ERNAKULAM.**

**PRESENT**

Shri P. L. Norbert, B.A., LL.B., Presiding Officer

(Monday, the 23rd day of March, 2009)/2nd Chaitra, 1931)

**I. D. No. 132/2006**

**(I. D. 85/2001 of Industrial Tribunal, Kollam)**

Union : The General Secretary,
State Bank of Travancore Employees Union (Regd.), Central Office,
P. B. No. 157,
Thiruvananthapuram - 695 001

By Adv. Sri Lekshmana Iyer.

Management : The Managing Director,
State Bank of Travancore,
Head Office, Poojappura,
Thiruvananthapuram - 695 012

By Adv. P. Ramakrishnan.

This case coming up for final hearing on 19-3-2009, this Tribunal on 23-03-2009 passed the following:

**AWARD**

This is a reference made under Section 10 (1) (d) of Industrial Disputes Act. The reference is :

"Whether the action of the management of State Bank of Travancore, Balaramapuram Branch in dismissing Shri V. Anirudhan Nair, Clerk-cum-Cashier from service w.e.f. 18-05-2000 is justified ? If not, what relief the workman concerned is entitled ?"

2. The facts of the case in brief are as follows:- Sri V. Anirudhan Nair was a Clerk-cum-Cashier of State Bank of Travancore, Balaramapuram Branch. While so, he was charge sheeted for various acts of cheating and misappropriation of money of customers. An enquiry was conducted and he was found guilty of most of the charges. The Disciplinary Authority dismissed him from service. Though he filed an appeal he did not succeed. Hence the reference.

3. According to the union which has espoused the cause of the worker though the Enquiry Officer relied on the investigation report of an officer of the bank, no copy was given to the worker . The report relied on itself is a copy (Ext. PEX-2) . The original was not called for by the Enquiry Officer despite the request of the worker. A copy of the list of documents of the management was not furnished to the worker. Documents were marked at the choice of the Presenting Officer. An additional document was received after several management witnesses were examined denying an oportunity to the defence to cross examine those witnesses on the basis of the additional document Ext. PEX-1 (2nd investigation report). Annexures to Ext. PEX-1 was also taken on record by the Enquiry Officer without proof. The Disciplinary Authority without properly analysing the evidence on record concurred with the findings of Enquiry Officer. The Enquiry Officer has not complied with the principles of natural justice. The statements of complainants given to the investigating officer were not properly proved in the enquiry. The punishment at any rate is shockingly disproportionate to the nature of charges. The past record of service of the workman was not at all taken into consideration by the Disciplinary Authority. The workman has put in unblemished service of 18 years. The work of the claimant was appreciated by top officials of the bank. The workman had contributed to the development of the bank. Several certificates and letters of appreciation were given to the workman by the management. The workman is the sole bread winner of his family comprising of wife and two school and college going children. His wife is not employed. Dismissal from service has completely ruined his family. The workman was not able to attend the personal hearing on the date fixed by the Disciplinary Authority due to hospitalisation on account of pneumonia. The Disciplinary Authority did not pay heed to the request of the workman for postponement of personal hearing.

4. According to the management two sets of charge sheets were issued to the workman. The explanation of the workman was not satisfactory. Hence an enquiry was ordered. The enquiry was conducted in a fair and just manner complying with the principles of natural justice. The workman was given sufficient opportunity to cross examine management witnesses, peruse documents and adduce defence evidence. The Disciplinary Authority had properly assessed the evidence adduced in the enquiry before concurring with the findings of Enquiry Officer. Though the workman was given opportunity of personal hearing regarding proposed punishment on three different dates, he did not turn up. The Appellate Authority also found no reason to interfere either with the findings or the punishment. The management witnesses were cross examined with reference to Ext. PEX-2 (the first investigation report). The investigation report Ext. PEX-1 was received and marked along with all its annexures. No irregularity is committed by the Enquiry Officer. The punishment imposed is in proportion to the gross misconduct committed by the workman. There is no ground to interfere either with the findings or the punishment.

5. In the light of the above contentions the following points arise for consideration :

1. Are the findings sustainable ?

2. Is the punishment proper ?

The evidence consists of the oral testimony of MW1 and documentary evidence of Ext.M-1 Enquiry File alone.

6. **Point No. 1:-** As many as 18 charges were levelled against the workman by two memos of charges alleging cheating and misappropriation of money of customers and issuing cheques to different persons without maintaining sufficient balance in his account. The Enquiry Officer found that out of eight charges as per charge sheet dated 30-10-1998 all except charge No. 6 stood proved. Regarding 12 charges as per memo of charges dated 06-02-1999 it was found that except charge numbers 3, 6 and 10 all other charges stood proved. However when the matter came up for hearing the learned counsel for the union did not seriously pursue the contention in the claim statement regarding the findings recorded by the Enquiry Officer as well as the vitiating circumstances of enquiry. On the other hand the learned counsel strongly challenged the propriety and proportionality of the punishment. In view of this submission it is unneccessary for this court to go into the merits of the findings recorded by the Enquiry Officer and concurred by the Disciplinary Authority.

7. **Point No. 2:-** Several instances of gross misconduct are fond proved in the enquiry. The Disciplinary Authority accepting the findings of Enquiry Officer proposed a punishment of dismissal from service and the workman was given an opportunity for personal hearing. According to the workman on the date fixed for hearing he was hospitalised due to pneumonia. Though an adjournment was sought the Disciplinary Authority did not allow it. On the other hand according to the Disciplinary Authority three times the date of personal hearing was adjourned at the request of the workman. Still he did not turn up. According to the management none of the circumstances mentioned in the reply to the memo of charges or explanation to the notice proposing punishment can mitigate the gravity of the misconduct. The Appellate Authority also did not find it necessary to interfere with the punishment.

8. In the claim statement paragraph 18 the mitigating circumstances are narrated:

> "It is further submitted that the dismissal of the workman from service has completely ruined him and his family. He has to maintain his family comprising of wife and two school and college going children. His wife is not employed. Salary from his job in the bank was the only source of income for the family. He has no other means of livelihood. In such circumstances, the workman and his family have been virtually thrown to the steet and they are undergoing terrible financial hardship. The Hon'ble Tribunal may be pleased to consider whether the workman should be condemned to suffer such a draconian punishment".

In the reply to the memo of charges dated 30-10-1998 at page 5 the workman has mentioned his family background and the mitigating circumstances :

" From the date I joined in the Balaramapuram branch I have been utilising my best efforts in canvassing deposits to the bank as well as promoting business to add profit to this branch. Neither I have received any memo of charges nor punishments during my entire past service. Not even a single complaint has been lodged against me by anybody. I have been in charge of the customer service committee for a long time. I have been functining as the Circle leader of the Sneha Social Circle of this branch from the date of its inception till date,which had been awarded twice by the bank, once for being the 'best in Trivandrum Zone' and another for 'most laudable activity' in the entire S.B.T. The activities of the Social Circle were lauded by the Managing Director and other Top Executives of the Bank as well as public men and even by medias. I have received a number of appreciation letters from the top executives for canvassing deposits every year amounting to lakhs of rupees.

I have also received the Managing Director's Merit certificate for canvassing the deposits.

True copies of these certificates are submitted herewith for ready reference.

I have always utilised my best efforts to keep the image of the bank always at the top by sincere customer service and dedication".

To the proposed punishment the workman had submitted an explanation to the Disciplinary Authority on 22-04-2000.

In paras 8 and 9 he has described the nature of service he had rendered during the past 18 years and the financial background of his family :

> "(8) Before proposing such a punishment, my previous unblemished record of service of 18 years has not at all been considered by the Disciplinary Authority. Throughout my service of 18 years, I have been maintaining outstanding record of service in the best interests of the Bank as may be seen from the followin records.

| | Description of documents | Issued by |
|---|---|---|
| (i) | Certificate of merit for deposit Mobilisation. | The Managing Director |
| (ii) | Certificate of merit for contributions for development of the Balaramapuram Branch. | The Managing Director |
| (iii) | Letter of appreciation dated 6-11-1982 for leading Social Circle activities. | The Managing Director |

| | | |
|---|---|---|
| (iv) | Certificate of appreciation in Social Circle activities. | The Managing Director |
| (v) | Letter of appreciation dated 23-9-1992 in Social Circle activities. | The Chief General Manager |
| (vi) | Letter of appreciation dated 21-11-95 for life saving activity (kidney transplantation). | The Chief General Manager |
| (vii) | Letter of appreciation dated 22-11-93 for leading Social Circle. | The Chief General Manager |
| (viii) | Letter of appreciation dated 02-01-1995 for leading the Social Circle. | The General Manager |
| (ix) | Letter of appreciation dated 20-5-95 leading the Social Circle. | The General Manager |
| (x) | Certificate of appreciation dated 04-05-1995 for the Social Circle activities. | The General Manager |
| (xi) | Certificate of appreciation for conducting most laudable activity for 1994-95. | The General Manager (P&D) |
| (xii) | Letters of appreciation for mobilising deposits during various periods (23 numbers) | The Deputy General Managers and the Regional Managers |

True copies of the above mentioned documents are enclosed for kind perusal. These documents will provide the best evidence to prove my dedication to duty to the Bank.

(9) I may further submit that the punishment of dismissal from service will completely ruin me and my family. I have to maintain the family comprising of my wife and two school and college going children. My wife is not employed. Salary from my job is the only source of income for the family. I have no other means of livelihood. In such circumstances, I and my family will be virtually thrown to the street and nightmarish days are ahead. The Disciplinary Authority may be pleased to consider whether I should be condemned to suffer such a punishment and its sorrowful consequences. Sympathy may kindly be shown to me by considering the pitiable position in which I find myself".

9. To prove his meritorious service he has produced Exts. DEX-1 to 12. He was doing lot of social activities on behalf of bank and as an employee of the bank under the name Sneha Social Circle, Balaramapuram. He was conducting free coaching classes for persons interested to take part in the bank test. The social circle was conducting community care activities like getting eye donations, helping the sick etc. The organisation met the expenditure for kidney transplantation of a poor boy. These social activities done under the leadership of the workman and as an employee of SBT were highly appreciated by top officials and they had issued a number of certificates and letters of appreciation. Besides he had mobilised large sums of money as deposits and it was also appreciated by the management Exts.DEX-1and 2 are certificates issued by the bank in appreciation of the community services done by Sneha Social Circle of Balaramapuram Branch during 1992 to 94. Exts. DEX-3 to 8 are letters of appreciation of the activities undertaken by Sneha Social Circle under the leadership of the workman. These were issued by Managing Director, General Manager and Chief General Manager of SBT. Exts. DEX-9 (24 in number) are appreciation letters issued by Regional Manager for mobilising large sums of deposits during 1988-1990. Exts. DEX-10 is a certificate of merit issued to the workman in recognition of his contribution to the development of Balaramapuram branch and as winner of Managing Director's Trophy for the best service during 1995-96. Exts. DEX-11 is another certificate issued by Managing Director to the workman recognising the service rendered by him towards deposit moilization during 1990-1991. Exts. DEX-12 is a certificate issued by the General Manager recognising the laudable activity done by Sneha Social Circle of Balaramapuram branch for the period 1994-1995.

Thus a person who was held in high esteem by the management had a pathetic fall from the heights of honour to the depth of disaster. The question is does he deserve such a harsh punishment depriving him of the job and job end benefits. It is no doubt true that he has committed several serious misconduct. But is it just to ignore his good service in the past completely. For 18 years he has been working in the bank without any room for complaint. He mobilised large deposits for the bank. He was a good social worker and was doing a lot of social activities on behalf of the bank. Thus he had good and bad days of service in the bank. When the evil deeds done by him is condemned the good service rendered by him is not to be forgotten completely. Weighed in the balance of good and evil I thirtk the evil does not tip the scale much. Viewed in that angle I think it is only fair and just to show the least leniency in the matter of punishment by converting dismissal into discharge so that he will get the retirement benefits.

In the result an award is passed finding that the action of the management in dismissing the workman from service is not fair and justifiable and the punishment of dismissal is converted in to discharge with retiral benefis.

The award will come into force one month after its publication in the official gazette.

Dictated to the Personal Assistant, transcribed and

typed by her, corrected and passed by me on this the 23th day of March, 2009

P. L. NORBERT, Presiding Officer

**Appendix**

**Witness for Union** : Nil

**Witnesses for Management**

MW1 - 02-07-2007 : Sri. Sukumaran Nair

**Exhibit for the Union** : Nil

**Exhibit for the Management**

M 1 : Enquiry File.

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 2009

**का.आ. 1200.**-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एन. एफ. रेलवे के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, गुवाहाटी के पंचाट (संदर्भ संख्या 01/2008) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-04-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41012/07/2007-आई.आर.(बी-I)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th April, 2009

**S.O. 1200**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 01/2008) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Guwahati, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of N. F. Railway, and their workmen, received by the Central Government on 16-04-2009.

[No. L-41012/07/2007-IR (B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

**ANNEXURE**

**IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, GUWAHATI, ASSAM**

**PRESENT**

Shri D.K. Deb Roy, M.A. LL.B., Presiding Officer

CGIT-cum-Labour Court, Guwahati

**Ref Case No. 01/2008**

In the matter of an Industrial Dispute between the:

The Management of N.F. Railway, Maligaon, Guwahati.

**Vrs**

Their Workman Shri N.N. Roy

**APPEARANCES**

For the Management : Shri K.C. Sarma, Railway Advocate

For the Workman : Smt. Maya Bora, Advocate

Date of Award : 01-04-2009

**AWARD**

1. The present Reference case has been initiated in pursuance of Government Notification No. L-41012/7/2007-IR (B-I), dated 10-12-2007, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), to adjudicate the issue as described in the Schedule.

**SCHEDULE**

"Whether the action of the management of N.F. Railway in not implementing the restructuring of Meter Reader w.e.f. 01-09-98 and thereby not granting promotion to Sri N. N. Roy, Ex. Meter Reader Inspector is legal and justified ? If not, to what relief he is entitled to ?"

2. On receipt of the Reference, notices were sent to the parties for appearance. Shri Mridul Kr. Das, General Secretary of Rail Mazdoor Union, N. F. Zone, N. F. Railway, East Maligaon, Guwahati appeared personally representing Sri N.N. Roy, Ex Meter Reader Inspector of N.F. Railway (here in called as Workmen). The Management was represented by Learned Advocate. Workman neither appeared personally nor adduced any evidence. During the pendency of the proceeding, Mr. Mridul Kr. Das, the General Secretary of the Union submitted a petition dated 09--2-2009 informing this Court that the Workman is not interested to proceed with the matter and the matter may be dropped. However, he was examined on oath. According to him, he is the General Secretary of the Rail Mazdoor Union, N. F. Railway, N. F.Zone, Pandu, representing Shri N.N. Roy, (herein called as Workmen). Mr. Das in his evidence has stated that workman Mr. N.N. Roy, in the mean time has retired on superannuation getting all his pensionery benefits and he has no grievances against the Management. He has further stated that he being the General Secretary of the Rail Mazdoor Union, representing the workman, does not like to proceed with the matter and the matter may be closed.

3. Heard both sides at the bar. Also perused the evidence on record and other materials as well. Having considered the materials available in the record, I am of the considered view that there is nothing to proceed further and the proceeding deserves to be dropped, which I hereby do.

4. In the result, the matter stands dropped. Awad be prepared and send it to the Ministry immediately as per law.

D. K. DEB ROY, Presiding Officer

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.